PARLIAMENTARY ELECTIONS IN ORISSA
A STUDY IN ELECTORAL GEOGRAPHY

उड़ीसा में संसदीय निर्वाचन : निर्वाचन भूगोल में एक अध्ययन

इलाहाबाद विश्वविद्यालय की डी० फिल् (भूगोल)
उपाधि हेतु प्रस्तुत शोध प्रबन्ध

पर्यवेक्षक
डा० मनोरमा सिनहा

शोधकर्ता
शमशाद खाँ

भूगोल विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

1989

विषयानुक्रम

पेज नं0

पेज नं0

पेज नं0

पेज नं0

पेज नं0

पेज नं0

8.4.3 जनगणना वर्ष 1971

प्रथम घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

8.4.3.1 मध्यम क्षेत्र

8.4.3.3 निम्न क्षेत्र

द्वितीय घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

8.4.3.2 उच्च क्षेत्र

8.4.3.3 मध्यम क्षेत्र

8.4.3.4 निम्न क्षेत्र

8.4.3.5 अतिनिम्न क्षेत्र

तृतीय घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

8.4.3.2 उच्च क्षेत्र

8.4.3.3 मध्यम क्षेत्र

8.4.3.4 निम्न क्षेत्र

8.4.3.5 अतिनिम्न क्षेत्र

चतुर्थ घटक

8.4.3.1 उच्च क्षेत्र

8.4.3.2 मध्यम क्षेत्र

8.4.3.3 निम्न क्षेत्र

8.4.3.4 अतिनिम्न क्षेत्र

पेज नं०

चतुर्थ महा निर्वाचन वर्ष 1967

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

पंचम महा निर्वाचन वर्ष 1971

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

षष्टम महा निर्वाचन वर्ष 1977

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

सप्तम महा निर्वाचन वर्ष 1980

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष 1957

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

तृतीय महानिर्वाचन वर्ष 1962

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष 1967

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

पंचम महानिर्वाचन वर्ष 1971

प्रथम घटक

द्वितीय घटक

तृतीय घटक

चतुर्थ घटक

संयुक्त

पेज नं0

तालिकाएँ

LIST OF MAPS

Page No.

Page No.

कृतज्ञता ज्ञापन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के प्रणयन में प्राप्य शोध पर्यवेक्षक "डा० मनोरमा सिन्हा" से अमूल्य निर्देशन एवं उत्तरदायित्व पूर्ण स्नेहित व्यवहार के प्रति अतीव कृतज्ञ हूँ, और चिर ऋणी रहूँगा, साथ ही साथ स्वर्गीय डा० मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव, रीडर भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद। से जो सहायता प्राप्त हुई, उसके लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूँ । डा० मनोरमा सिन्हा ने अपने व्यस्त क्षणों में शोधकर्ता को समायोजित किया है । इसके लिए मैं उन्हें हृदय से धन्यवाद देता हूँ ।

डा० आर० एन० तिवारी "एम० ए० डी० लिट०" प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, भूगोल विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद का मैं हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने शोध विषय की स्वीकृत प्रदान की है ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रीडर, डा० सवीन्द्र सिंह, डा० आर० एन० सिंह, श्री डी० एस० लाल, डा० एच० एन० मिश्रा के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ । विभाग के अन्य प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के प्रणयन में सहायता प्रदान किया है ।

भारतीय निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं उड़ीसा के जनगणना निर्देशक के प्रति मैं कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ । शोध प्रबन्ध में सम्पूर्ण आँकड़े उन्हीं के सौजन्य से प्राप्त हुए हैं । इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को अध्ययन के लिए उपयोग किया है । अतः मैं वहाँ कार्यरत लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ ।

शोध प्रबन्ध की पूर्णावधि पर मैं अवध विश्वविद्यालय के "लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कालेज के भूतपूर्व प्राध्यापक अशफाक अहमद तथा सायराबानों खान का मैं सदैव ऋणी रहूँगा जिन्होंने समय-समय पर सहायता प्रदान किया है ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र श्री तनवीर अहमदशाह, कु० अर्चना पाल, निसार अहमद, सौकत अली, मुख्तार अली एवं अजिन रे का समय-समय पर जो सहयोग प्राप्त हुआ उनके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एम० वी० हाऊस छात्रावास के छात्र श्री रईश अहमद कुरैशी, सफीउल्लाह, कमरूलहसन खाँ, गुलाम सरवर से जो सहायता प्राप्त हुआ उसके लिए मैं हृदय से आभारी रहूँगा ।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कम्प्यूटर सेन्टर के कर्मचारियों के प्रति मैं आभारी हूँ जिन्होंने शोध में प्रयुक्त संगणना की सुविधायें प्रदान की है । विशेष रूप से डा० अमरीश, चन्द्र भान श्रीवास्तव, नसीम की सहायता के प्रति मैं अपनी हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के टंकण का भार श्री शशिकान्त श्रीवास्तव एवं मानचित्र के लिए डा० विनोद तिवारी का मैं हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ । अस्तु वे सचमुच साधुवाद के पात्र हैं ।

सहयोग एवं शुभ कामनाओं दोनों के लिए ही पुनः डा० मनोरमा सिन्हा एवं स्वर्गीय डा० मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव के प्रति आभारी हूँ ।

भूगोल विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद

5 नवम्बर 1989.

शमशाद खाँ
"शमशाद खाँ"
भूगोल विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय
इलाहाबाद।

अध्याय 1

"विषय-प्रवेश"

राजनैतिक प्रक्रिया की सक्रियता "निर्वाचन" द्वारा संचालित होती है। अतः राजनीतिक भूगोल में निर्वाचन भूगोल का वर्चस्व स्वतः महत्वपूर्ण हो गया। आधुनिक युग में निर्वाचन व्यवस्था, प्रक्रिया, तन्त्र एवं उसके परिणामों का गहन अध्ययन निर्वाचन भूगोल के अन्तर्गत होने लगा है।

निर्वाचन राजनीति का आधार है। विश्व के अधिकांश देशों की शासन व्यवस्था निर्वाचनों पर आधारित है, यद्यपित उनकी प्रक्रिया, समय एवं व्यवस्था में अत्यधिक अन्तर होता है। यहाँ तक कि कतिपय देशों में चुनाव प्रक्रिया मात्र औपचारिकता है।तो कुछ देशों में राजतन्त्र आज भी प्रचलित है किन्तु यह कहना अतिशयोक्ति न होगा- कि आज की शासन व्यवस्था प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचनों से सम्बन्धित है। यह प्रक्रिया एक ओर देश के आन्तरिक शासन व्यवस्था का निर्धारक है, तो दूसरी ओर अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियों को नियन्त्रित करता है।

इस विषय के अध्ययन का विकास द्वितीय महायुद्ध के पश्चात् मुख्य रूप से हुआ। निर्वाचनों के अध्ययन में भूगोल वेत्ताओं की अभिरूचि का एक प्रमुख कारण सांख्यिकीय सूचनाओं की उपलब्धि है, क्योंकि जिस देश में भी निर्वाचन होता है वहाँ सरलता से आँकड़े प्राप्त किये जा सकते हैं।

प्रेसकोट (1959) के नोट ने निर्वाचन अध्ययन में एक क्रान्तिकारी मोड़ उत्पन्न किया

भारत में स्वतन्त्रता के पश्चात् प्रजातान्त्रिक शासन व्यवस्था को अपनाया गया जिसमें चुनाव के माध्यम से केन्द्र तथा राज्यों को प्रतिनिधित्व दिया जाता है। चुनाव प्रक्रिया के माध्यम से संसद के निचले सदन एवं राज्यों की विधान सभाओं के लिए चुनाव होता है, अन्य शासन तन्त्र के पदों का चुनाव संविधान के अन्तर्गत किया जाता है।

राजनीतिक दल 19वीं शताब्दी की उत्पत्ति है । यह वह समय था जब प्रजातन्त्र की आधुनिक तस्वीर अस्तित्व में आयी । राजनीतिक दल एक निर्दिष्ट संगठन है जिसका लक्ष्य सरकार का गठन करना है ।

उड़ीसा भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है इसलिए भारतीय निर्वाचकों के परिपेक्ष्य में उड़ीसा का अध्ययन शोध का एक महत्त्वपूर्ण विषय है । उड़ीसा में गणतन्त्र चुनाव प्रक्रिया प्रारूप, मतदाताओं का व्यवहार, दलीय स्थिति परिवर्तन अनेक महत्त्वपूर्ण तथ्य है । यहाँ के महानिर्वाचनों का अध्ययन इसलिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस विशाल राज्य की भौगोलिक आर्थिक सामाजिक परिस्थितियों में अन्तर अधिक मिलता है । इस विभिन्नता का मतदान के व्यवहार पर एवं परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह अति महत्त्वपूर्ण विषय है । चुनाव परिणामों को मानचित्र के माध्यम से प्रदर्शित किया जा सकता है । ये मानचित्र चुनाव आयोग के लिए सरकार के लिए, विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए तथा जनता के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे । इसलिए भारतीय परिपेक्ष्य में अनेक निर्वाचन सम्बन्धी समस्याओं को दूर किया जा सकता है तथा भविष्य के लिए नियोजन किया जा सकता है ।

प्रस्तुत अध्याय में शोधकर्ता कार्य के विषय-वस्तु को अवगत कराया गया है । प्रस्तुत अध्याय को पाँच अनुभागों में विभक्त किया गया है । प्रथम अनुभाग 1.1 में "उड़ीसा राज्य" के भौगोलिक एवं ऐतिहासिक विशिष्टताओं का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है । अनुभाग 1.2 में उन विभिन्न उद्देश्यों का चित्रण है, जिनमें अध्ययन की विषयवस्तु एवं सामाग्री प्रस्फुटित हुई एवं अपने क्षेत्र एवं सीमाओं से आवद्ध होकर एक कार्य का साकार रूप ग्रहण किया । तत्पश्चात सन्दर्भित एवं वर्णित साहित्य का दिग्दर्शन अनुच्छेद 1.3 में प्रस्तुत किया गया है । अनुभाग 1.4 में अध्ययन के आधार स्वरूप चयनित परिकल्पना का मौलिक तर्क वर्णित है । अन्तिम अनुच्छेद 1.5 प्रस्तुत अध्यायों की आयोजना वर्णित है ।

1.1 अध्ययन क्षेत्र

भारत के पूर्वी तट पर पश्चिमी बंगाल और आन्ध्रप्रदेश राज्यों के मध्य उड़ीसा राज्य स्थित है । इसका विस्तार 17° 45" उत्तरी अक्षांश से 22°50" उत्तरी अक्षांश तक तथा 81° 25" पूर्वी देशान्तर से 87°25" पूर्वी देशान्तर तक है इसका क्षेत्रफल 1,55,782 वर्ग कि0मी0 है । इसके उत्तर में बिहार व पश्चिमी बंगाल दक्षिण में आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम में मध्य प्रदेश और पूर्व में बंगाल की खाड़ी स्थित है । क्षेत्रफल की दृष्टि से यह देश का 10 वाँ बड़ा राज्य है । यह देश के 4.7.1 क्षेत्र पर विस्तृत है । उड़ीसा की कुल जनसंख्या 2,63,70,271 §1981 के अनुसार§ तथा औसत जनसंख्या घनत्व 169 व्यक्ति प्रति वर्ग कि0मी0 है । इस प्रान्त की राजधानी भुवनेश्वर कुल 13 जिले हैं । इस प्रान्त की साक्षरता 34.23 % है एवं मुख्य भाषा उड़िया है । चित्र 1.1

प्राकृतिक दशा की दृष्टिकोण से उड़ीसा एक पठारी राज्य है जिसका ढाल पूर्व दिशा की ओर है । महानदी इसे दो भागों में विभाजित करती है । इसका उत्तरी भाग छोटा नागपुर का पठार तथा दक्षिणी भाग पूर्वी घाट की पहाड़ियों का है । प्राकृतिक संरचना की दृष्टि से इस राज्य को चार भागों में विभाजित किया जा सकता है । §1§ उत्तरी पठार §2§ पूर्वी घाट का पहाड़ी भाग §3§ मध्यवर्ती उच्च मैदान और §4§ तटवर्ती मैदान

उत्तरी पठारी भाग मयूरभंज केन्द्र पर सुन्दरगढ़ तथा ढेन कानाल जिलों में विस्तृत है । यह आग्नेय शैलों से निर्मित ऊँचा नीचा पठार है जिसे ब्रह्मणी तथा वैतरणी नदियाँ विभाजित करती हैं । इसका पश्चिमी भाग समतल पठारी भाग है ।

पूर्वी घाट की पहाड़ियों का विस्तार कोरापुट, काला हाण्डी तथा गन्जाम जिलों में विस्तृत है । ये पहाड़ियाँ कटी-पिंटी तथा बिखरी हुई फैली हैं । पहाड़ियों की उचाँई 1524 मीटर तक है ।
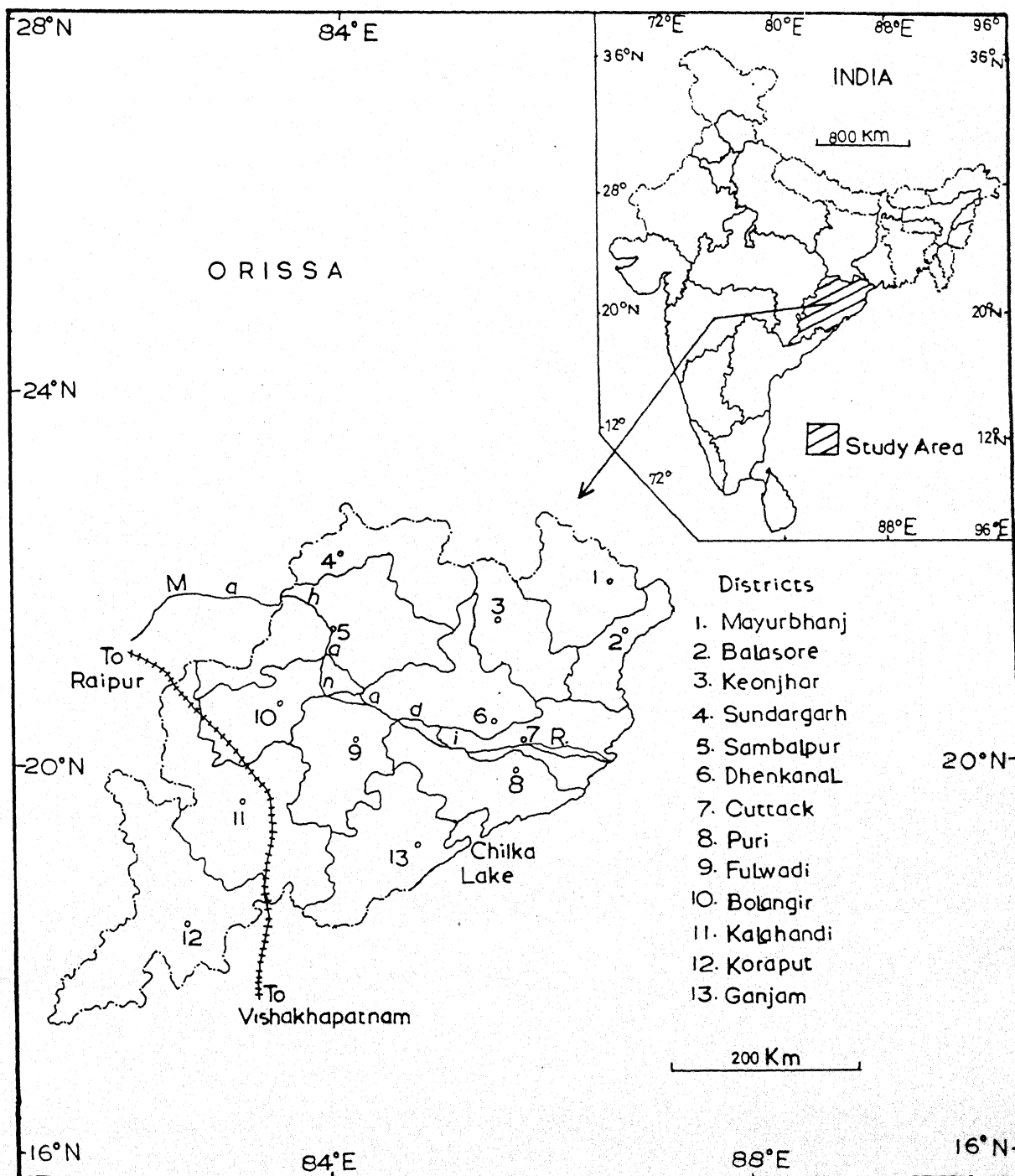
FIG. 1.1 LOCATION MAP

मध्यवर्ती उच्च मैदान इस राज्य के ढेनकानाल बोलंगिर तथा अन्य जिलों में विस्तृत है । यह राज्य के लगभग 28.1 भाग को घेरे हुए है । इस मैदान में छोटे-छोटे दो नदी बेसिन तथा अपरदित मैदान सम्मिलित है जिनमें महानदी बेसिन सर्व प्रमुख है । कोरापुट जनपद में इन्द्रावती नदी के बेसिन में एक समप्राय मैदान का क्षेत्र है जिसमें वैतरणी एवं ब्राह्मणी नदियों के बेसिन भी सम्मिलित है ।

तटवर्ती मैदान समुद्रतट के सहारे संकीर्ण पट्टी के रूप में विस्तृत है । इसका अधिकांश भाग नदियों के डेल्टा के रूप में है, जो अत्यन्त उपजाऊ है । इसी भाग में चिल्का झील है । यह बालू की भित्तियों व्दारा समुद्र से अलग कर दी गयी है ।

जलवायु की दृष्टि से उड़ीसा राज्य की जलवायु साधारण एवं सम है । राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 42.7 % वनों से आच्छादित है । यह कृषि प्रधान राज्य है यहाँ लगभग 80 % जनसंख्या कृषि पर निर्भर है ।

1.2 उद्देश्य एवं क्षेत्र

1.2.1 उद्देश्य:-

प्रस्तुत विषय का प्रमुख उद्देश्य उड़ीसा राज्य में (वर्ष 1952-1984तक) सम्पन्न लोकसभा मतदानों का विस्तृत एवं सम्बन्धित निर्वाचनों को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक कारणों के पारस्परिक सम्बन्ध का अध्ययन है ।

1.2.1.1 विषयवस्तु :-

निर्वाचन भूगोल तुलनात्मक रूप से भूगोल की न तो उपशाखा है, अत: इसका विषयवस्तु विवादास्पद है । फिर भी वर्तमान विषयों मेंवैधमतदान, कांग्रेस समर्थन, कांग्रेसतर दल, समर्थन, निर्वाचन सुधार, जनमत संग्रह एवं सांसदों में पड़नेवाले मतों के भौगोलिक प्रतिरूप सम्मिलित है । यहाँ यह ध्यातव्य है कि

समय के साथ इसके विभिन्न आयामों में विस्तार होता जा रहा है अतः इसको ठीक-ठीक किसी सामा रेखा के भीतर समेटना न केवल अनुचित है वरन अप्रासंगिक भी है ।

1.2.1.2 कथन:-

उक्त तीन असमान्यताओं के भौगोलिक वितरण क्षेत्र एवं तल-प्रतिमानों के स्तर पर रखा गया है जिसके फलस्वरूप इस अध्ययन में उक्त प्रतिमानों के लिए समुचित वर्णन विधियों ‡प्रतिशत, निरपेक्ष, एवं सापेक्ष खण्डों के साथ इसमें भिन्नात्मकों एवं स्थानीय संरचना का प्रदर्शन भी सम्मिलित है‡ का उपयोग किया गया है तथा सामान्य स्तर पर परिमाणात्मक वर्णन प्रस्तुत है ।

1.2.1.3 व्याख्या :-

उपरोक्त अध्ययन प्रतिरूप का दूसरा उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक, एवं पारिस्थितक सह-सम्बन्धों में आत्म सात है । निर्वाचन सम्बन्धी एवं सामाजिक सूचनाओं के एकत्रीकरण एवं उनके बीच सम्बन्धों के विश्लेषण के उपरान्त ही सामाजिक विचार कारक एवं निर्वाचन प्रतिरूप प्रभाव के क्षेत्रीय संलगनता की परिभाषा को परिभाषित किया गया है ।

1.2.1.4 कालिक दृष्टि :-

इस शोध की यह मान्यता रही है कि निर्वाचन व्यवहार का उचित मूल्यांकन बिना कालिक सन्दर्भ के सम्भव नहीं है । इसलिए प्रारम्भ से आज तक उड़ीसा निर्वाचनों ‡वर्ष 1952-1984 तक‡ का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है । ऐसा करने के उपरान्त ही निर्वाचन के समाजिक-आर्थिक, राजनैतिक सम्बन्धों का समयबद्ध अध्ययन सम्भव हुआ है ।

1.2.2 "अभिगम विषय क्षेत्र"

प्रस्तुत अध्ययन में सर्वप्रथम परिकल्पना का चुनाव किया गया । अभिगम

का प्रभाव परिस्थितिकीय सिद्ध होता है, जो भी परिणाम प्राप्त होते हैं वे सभी समूह व्यवहार वाले सिद्ध होते हैं । इसलिए व्यक्तिगत परिणाम लाना अव्यवहारिक होगा ।

1.3 पूर्व साहित्य :-

प्रस्तुत अध्येय विषय भूगोल की उपशाखा निर्वाचन भूगोल से सम्बन्धित है । भारत में अपेक्षाकृत इसका प्रभाव अतिनूतन है । अत: इससे सम्बन्धित साहित्य की कमी है । वर्ष 1970 के पश्चात् ही इस विषय का विश्वविद्यालयों में महत्व बढ़ा है । इसके पूर्व का इतिहास अन्धकारमय है ।

विश्व का सबसे बड़ा प्रजातन्त्र देश होने के नाते भारत में इसका अध्ययन होना अति आवश्यक है, यहाँ निर्वाचन परम्परा अतीत काल से रही है ।

राजनैतिक भूगोल के अन्तर्गत निर्वाचन भूगोल का विषय के रूप में प्रसिद्धी मध्य बीसवीं सदी में दृष्टिगोचर होती है । उस समय निर्वाचन क्षेत्र, व्यवस्था एवं निर्वाचन का स्थानिक संग0न मतदान सहित निर्वाचन व्यवहार मतदान, मतदान प्रतिरूप तथा सरकारी नीति का ही अध्ययन होता है । परन्तु आज समाशयण, प्रमुख घटक विश्लेषण आदि के साथ ही वर्तमान भूगोल में प्रयुक्त अन्य तकनीकों के साथ निर्वाचन भूगोल, राजनीतिक भूगोल में ख्यातिलब्धि स्थान रखता है ।

इस क्षेत्र में नवीन शोधों का श्री गणेश 1940 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ । लगभग इसी समय इंग्लैण्ड तथा अन्य यूरोपीय देशों में भी इसका सूत्रपात हुआ । भूगोल में मतदान के व्यवहार पर शोध का कार्य क्रेमील के कार्य

"ब्रिटिश पार्लियामेन्टरी इलेक्शन"

1916 से प्रारम्भ हुआ। इसी प्रकार से कालान्तर में डीन ४1949४ क्रिसलर ४1952४ प्रेसकाट ४1959४ टेलर ४1979४ एवं जान्सन ४1979४ के कार्य प्रकाश में आये ।

भारत के संदर्भ में निर्वाचन का सम्यक अध्ययन नहीं हो सका है । इस प्रकार का अध्ययन 1952 के प्रथम राष्ट्रस्तरीय निर्वाचन के उपरान्त हुआ । राजनीति वैज्ञानिकों का योगदान भूगोल वेत्ताओं की तुलना में अधिक रहा । हाल ही में भूगोल वेत्ताओं का योगदान [कालिक तथा स्थानिक आयाम के साथ] निरन्तर जोर पकड़ता जा रहा है । आर० डी० दीक्षित [1980] के० जेड० अमानी [1970, 1972] सी० पी० सिंह [1981] जे० सी० शर्मा [1980] एम० सिन्हा [1972] एम० के० श्रीवास्तव [1982] विनोदकुमार [1982] एवं अशोक श्रीवास्तव [1987] के कार्यों का उल्लेख इस शाखा के विकास हेतु किया गया है ।

1.3.1 निर्वाचन परम्परा :-

निर्वाचन की परम्परा भारत में प्राचीन काल से ही विद्यमान है । यह परम्परा प्राचीन काल से चली आ रही है भले ही आज की तरह वैज्ञानिक एवं विकसित न रही हो । वैदिक साहित्य से भी स्पष्ट हो जाता है कि उस समय भी सभा, समिति, जनपद आदि का गठन होता था । उस समय किसी न किसी रूप में मतदान की झलक अवश्य दिखायी पड़ती थी । वैदिक युग के पश्चात साक्ष्यों के आधार पर उस समय अनुमोदन चुनाव अथवा पुष्टीकरण द्वारा निर्वाचन हो जाता था ।

बाद के वर्षों में चुनाव परम्परा का कोई सूत्र दृष्टिगत नहीं होता है । भारत में विदेशियों का अधिकार होने के कारण निर्वाचन परम्परा लगभग समाप्त हो गयी । परन्तु ब्रिटिश शासन के अन्तिम वर्षों में यह परम्परा अवश्य दृष्टिगत होने लगी थी । स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् 1950 में नया संविधान गठित हुआ तथा निर्वाचन की एक स्वतन्त्र परम्परा का श्रीगणेश हुआ जो तभी से निरन्तर प्रयोग में रही ।

1.4 संकल्पना

निर्वाचन साहित्य के अध्ययन से पता चलता है कि निर्वाचन प्रतिरूप सामाजिक एवं आर्थिक संरचना के प्रभावों का वर्णन एवं व्याख्या पहले से ही होती आ रही है । उल्लेखनीय तथ्य यह रहा है कि इस प्रकार के अध्ययन राजनीतिक भूगोल में न होकर राजनीतिशास्त्र एवं समाज शास्त्र में हो रहे थे । सम्भवः राजनीतिक भूगोल में इस प्रकार के अध्ययनों का इसलिए अभाव है । लेकिन इतना तो निश्चित है कि इस प्रकार के अध्ययनों के सहारे अग्रिम अध्ययन को सहयोग प्राप्त होता है । प्रस्तुत अध्ययन में भी संकल्पना का पूर्व निर्माण विगत अध्ययनों के सहारे ही हो सका है ।

1.4.1 सामाजिक-आर्थिक सह-सम्बन्ध-

राजनीतिक विज्ञान और समाज शास्त्र में ऐसे विषय है जो सामाजिक आर्थिक कारकों पर प्रकाश डालते हैं और इनका प्रभाव निर्वाचन व्यवहार के प्रतिरूप पर दृष्टिगत होता है । ऐसे प्रभावी तत्वों में से केवल 29 इसलिए ग्रहण किया गया है कि यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है । इनका प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष किसी न किसी रूप में प्रभाव पड़े बिना नहीं रह सकता ।

1.4.1.1 सामाजिक कारक तत्व

1.4.1.1.1 सजीव वातावरण -

भारत गांवों का देश है इसलिए ग्रामीण एवं शहरी जनसंख्या के रूप में सजीव वातावरण निर्वाचन व्यवहार हेतु एक महत्वपूर्ण तत्व सिद्ध होता है । ऐसी परिकल्पना की गयी है कि निर्वाचन व्यवहार के अनेक पहलू ग्रामीण एवं शहरी दृश्य से सम्मिलित रूप से सम्बद्ध है । ऐसा इसलिए है कि ग्रामीणों का निर्वाचन व्यवहार एक तरह का होता है जबकि शहरी जनसंख्या का निर्वाचन व्यवहार अन्य तरह का होता है क्योंकि शहरी लोगों के उपर शिक्षा का प्रभाव रहता है । इसलिए वे अपने मताधिकार के प्रति अधिक जागरूक होते हैं जबकि ग्रामीण लोग अपने कर्तव्य के प्रति कम जागरूक होते हैं । अतः यह वर्तमान समय में आवश्यक हो गया है कि सजीव वातावरण एवं

निर्वाचन व्यवहार के प्रतिरूप के मध्य सम्बन्धों का आंकलन किया जाय ।

1.4.1.1.2 आर्थिक कारक-

अर्थ जीवन का साध्य तो नहीं पर साधन अवश्य है । भारतीय समाज में धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष के सिद्धान्त को महत्त्व दिया गया है लेकिन धर्म के बाद अर्थ का महत्त्व है । जीवन की गतिशीलता अर्थ पर निर्भर करती है । जीवन गतिशील होकर लक्ष्य प्राप्त करें यही सार्थकता है । इसी कारण से प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीय प्रकार के आर्थिकी की परिकल्पना की गयी, क्योंकि निर्वाचन व्यवहार से इनका अलग-अलग सम्बन्ध रहा है । इन तीनों आर्थिकी क्षेत्रों में प्रतिशत जनसंख्या को निर्वाचन व्यवहार के सह-सम्बन्ध में प्रयुक्त किया गया है । उदाहरण के रूप में कृषिगत जनसंख्या के कल्याण के लिए समस्त राजनीतिक दल को उनका समर्थन मिलना अवश्यम्भावी है । अतएवं यह स्पष्ठ है कि मतदान तथा दल समर्थन दोनों के लिए मतदाओं का निर्वाचन व्यवहार उनके आर्थिकी पर निर्भर करता है ।

1.4.1.1.3 सामाजिक परिवेश -

मानव एक सामाजिक प्राणी है वस्तुत: दलों की मूल विचार धारा सामाजिक दर्शन पर आधारित होती है । जाति, धर्म भाषा एवं साक्षरता ऐसे कारक हैं जिनका निर्वाचन व्यवहार से महत्वपूर्ण सम्बन्ध है । इन विशिष्टताओं के कारण ही इन तत्वों को अपने अध्ययन में सम्मिलित किया गया है जो उड़ीसा राज्य के निर्वाचन व्यवहार के स्वभाव को प्रभावित करती है ।

1.4.1.1.4 जनानांकीयकारक -

इसके अन्तर्गत मानव के भौतिक गुणों को सम्मिलित किया गया है । मतदाओं की जनसांख्यकीय विशिष्टताऐं जैसे अवस्था (युवा-प्रौढ़, स्त्री, पुरूष) महत्वपूर्ण कार्य अदा करती है । ऐसी परिकल्पना है कि निर्वाचन व्यवहार के विभिन्न पहलुओं को लिंग के रूप में व्याख्या किया जा सकता है । इसमें इन्हीं तथ्यों की विवेचना का प्रयास किया गया है ।

1.4.1.1.5 बहुचरीय प्रकृति-

प्रस्तुत अध्ययन में निर्वाचन व्यवहार को एक बहुचर समस्या के रूप में स्वीकार किया गया है, अर्थात् किसी चयनित चर का पृथक विश्लेषण न करके इस प्रबन्ध में सभी चरों के सम्मिलित प्रभावों की विवेचना का प्रयास किया गया है । इसका कारण यह है कि निर्वाचन व्यवहार किसी एक चर विशेष का दास नहीं हुआ करता और न ही विभिन्न चर पृथक-पृथक कार्य करते हैं । सामाजिक चरों को इस अध्ययन में एक साथ रखकर उनके अन्र्तसम्बन्धों के आधार पर अनवलम्बित घटकों का निर्माण किया गया है । सम्पूर्ण प्रबन्ध जिस संकल्पना पर टिका है, उसकी मान्यता है कि निर्वाचन, व्यवहार निर्वाचकों को आर्थिक सामाजिक एवं अन्य विशेषताओं के सम्मिलित प्रभाव का परिणाम है ।

1.5 अध्याय योजना

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में प्रयुक्त विधि तन्त्र अध्याय 2 में वर्णित है । तदन्तर अध्याय 3 में निर्वाचन पृष्ठ भूमि का वर्णन किया गया है । अध्याय 4,5,6,7 में क्रमश: सीट वितरण प्रतिरूप, वैध मतदान, कांग्रेस समर्थन एवं कांग्रेसेत्तर दल का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है । इन प्रतिरूपों को समाजशास्त्रीय, व्याख्या के लिए जो संकल्पनायें प्रभावित की गयी है उनसे सम्बन्धित चरों का भौगोलिक विवरण अध्याय 8 में प्रस्तुत किया गया है । अध्याय 9,10 एवं 11 में क्रमश: वैध मतदान, कांग्रेस समर्थन, एवं कांग्रेसरत्तर दल के अध्ययन में निर्धारित प्रमुख घटकों के साथ समाश्रयण प्रतिमान के द्वारा पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन किया गया है । अन्तत: अध्याय 12 में इन सभी वर्णित अध्यायों का संक्षिप्त विवरण सारांश के रूप में प्रस्तुत किया गया है ।

अध्याय 2

शोध योजना

पूर्व अध्याय में प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के उद्देश्यों का प्रतिपादन किया गया है। निर्वाचन व्यवहार के चरों का मापन उससे सम्बन्धित आंकड़ों का एकत्रीकरण तथा विश्लेषण में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ तथा मानचित्रण विधियों का सम्यक विवेचन उन अध्याय का विषय है। समस्या के विश्लेषण में जिन विधियों का प्रयोग हुआ, उनका वर्णन प्रस्तुत अध्याय में किया जा रहा है। प्रस्तुत अध्याय को तीन भागों में विभक्त किया गया है। अनुभाग 2.1 में सम्बन्धित साक्ष्य के संकलन एवं परिमार्जन का वर्णन किया गया है। अनुभाग 2.2 में विश्लेषण में प्रयुक्त सांख्यिकीय विधियाँ तथा अनुभाग 2.3 में शोध समस्या के वर्णन एवं विश्लेषण के परिणामों के मानचित्रण हेतु प्रयुक्त विधियों पर प्रकाश डाला गया है।

2.1 साक्ष्य संकलन एवं परिमार्जन

2.1.1 साक्ष्य संकलन

इस प्रबन्ध में दो प्रकार के साक्ष्यों का प्रयोग हुआ है। प्रथम निर्वाचन सम्बन्धी तथा द्वितीय सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से सम्बन्धित जो निर्वाचन व्यवहार के कारक रूप मेंसकंलित हुए। इस प्रबन्ध में प्रयुक्त समस्त आंकड़े प्रकाशित स्रोतों से लिए गए हैं। चरों का चयन इस प्रकार से किया गया है जिससे निर्वाचन व्यवहार एवं मतदाताओं की सामाजिक विशिष्टताओं में गहन सम्बद्धता दृष्टिगोचर हो सके। समस्त आंकड़े अनुपात-मापक पर उपलब्ध किये गये हैं।

विश्लेषण में 29 सामाजिक-आर्थिक चर एवं 3 निर्वाचन सम्बन्धी चर अध्ययन में सम्मिलित कियेगये हैं। इन चरों के स्रोतों का उल्लेख तालिका 2.1.1में प्रस्तुत है।

तालिका 2.1.1

चर सूची

क्र0सं0	चर	स्रोत
1-	मतदान	निर्वाचन आयोग रिपोर्ट
2-	कांग्रेस समर्थन	निर्वाचन आयोग रिपोर्ट
3-	कांग्रेसेत्तर दल समर्थन	निर्वाचन आयोग रिपोर्ट
4-	ग्रामीण जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
5-	नगरीय जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
6-	ग्रामीण स्त्रियाँ	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
7-	शहरी स्त्रियाँ	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
8-	कुल काम करने वाली जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
9-	कृषि जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
10-	खेतिहर मजदूर	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
11-	अन्य खेतिहर मजदूर	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
12-	घरेलू उद्योग	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
13-	अन्य घरेलू उद्योग	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
14-	व्यापार	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
15-	परिवहन	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
16-	अन्यसेवाएं	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
17-	काम न करने वाली जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
18-	हिन्दू जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
19-	मुस्लिम जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
20-	ईसाई जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
21-	अनुसूचित जाति जनसंख्या	भारतीय जनगणना रिपोर्ट

क्र0सं0	चर	स्रोत
22-	अनुसूचित जनजाति	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
23-	नवयुवक (20-39) वर्ष	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
24-	प्रौढ़ (40-60) वर्ष	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
25-	वृद्ध (60 से अधिक) वर्ष	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
26-	शिक्षित	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
27-	हाई स्कूल	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
28-	औद्योगिक	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
29-	स्नातक	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
30-	हिन्दी भाषा	भारतीय जनगणना रिपोर्ट
31-	अन्य भाषा	भारतीय जनगणना रिपोर्ट

(समस्त आँकड़े प्रतिशत में संगणित करके प्रयोग में लाये गये हैं)

निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट जिनसे सम्बन्धित आंकड़े प्राप्त किये गये हैं, चुनाव अधिकारियों द्वारा प्रेषित सूचना पर आधारित थी। सामाजिक आंकड़े, जनगणना रिपोर्टों से प्राप्त किया गया है, प्रशासन द्वारा समय-समय पर आयोजित जनगणना पर आधारित है।

2.1.2 कालिक परिप्रेक्ष्य

इस अध्ययन में प्रयोग किये गये समस्त चरों सम्बन्धी आंकड़े निर्वाचन एवं जनगणना वर्षों के अनुसार विभिन्न वर्षों के लिए पृथक-पृथक उपलब्ध थे। फलत: जनगणना और निर्वाचन वर्षों में सामंजस्य का अभाव था।

1- निर्वाचन व्यवहार जिसमें वैध मतदान, कांग्रेस दल, कांग्रेसत्तर दल एवं निर्दल के आंकड़ों के लिए निर्वाचन वर्ष 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 लिए गये हैं।

2- सामाजिक-आर्थिक आंकड़ो सम्बन्धी साक्ष्य जनगणना वर्षों 1951, 1961, 1971, 1981 के लिएसंकलित किये गये हैं। दोनों प्रकार के आंकड़े निर्वाचन सामाजिक न केवल विभिन्न वर्षों के लिएउपलब्ध थे, बल्कि जिन ईकाई क्षेत्रों के लिए संकलित हो पाये वे भी भिन्न-भिन्नथी।

2.1.3 इकाई क्षेत्र

1- निर्वाचन सम्बन्धी आंकड़े निर्वाचन क्षेत्र नामक इकाई के लिए उपलब्ध थे। फलत: उनका एकीकरण क्रमिक रूप में हुआ। परन्तु निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या विभिन्न निर्वाचन वर्षों में अलग-अलग हैं। विभिन्न निर्वाचन वर्षों की संख्या निम्नवत है-
1952 (16), 1957 (14), 1962(20), 1967 (20), 1971 (20), 1977 (21), 1980 (21), एवं 1984(21)। मानचित्र 2.1 में विभिन्न निर्वाचन वर्षों के निर्वाचन क्षेत्र का चित्रीकरण किया गया है।

2- सामाजिक आंकड़े सभी स्तर की प्रशासनिक इकाईयों के लिए उपलब्ध थे किन्तु प्रस्तुत अध्ययन को ध्यान में रखकर यह निर्णय लिया गया कि सामाजिक साक्ष्य
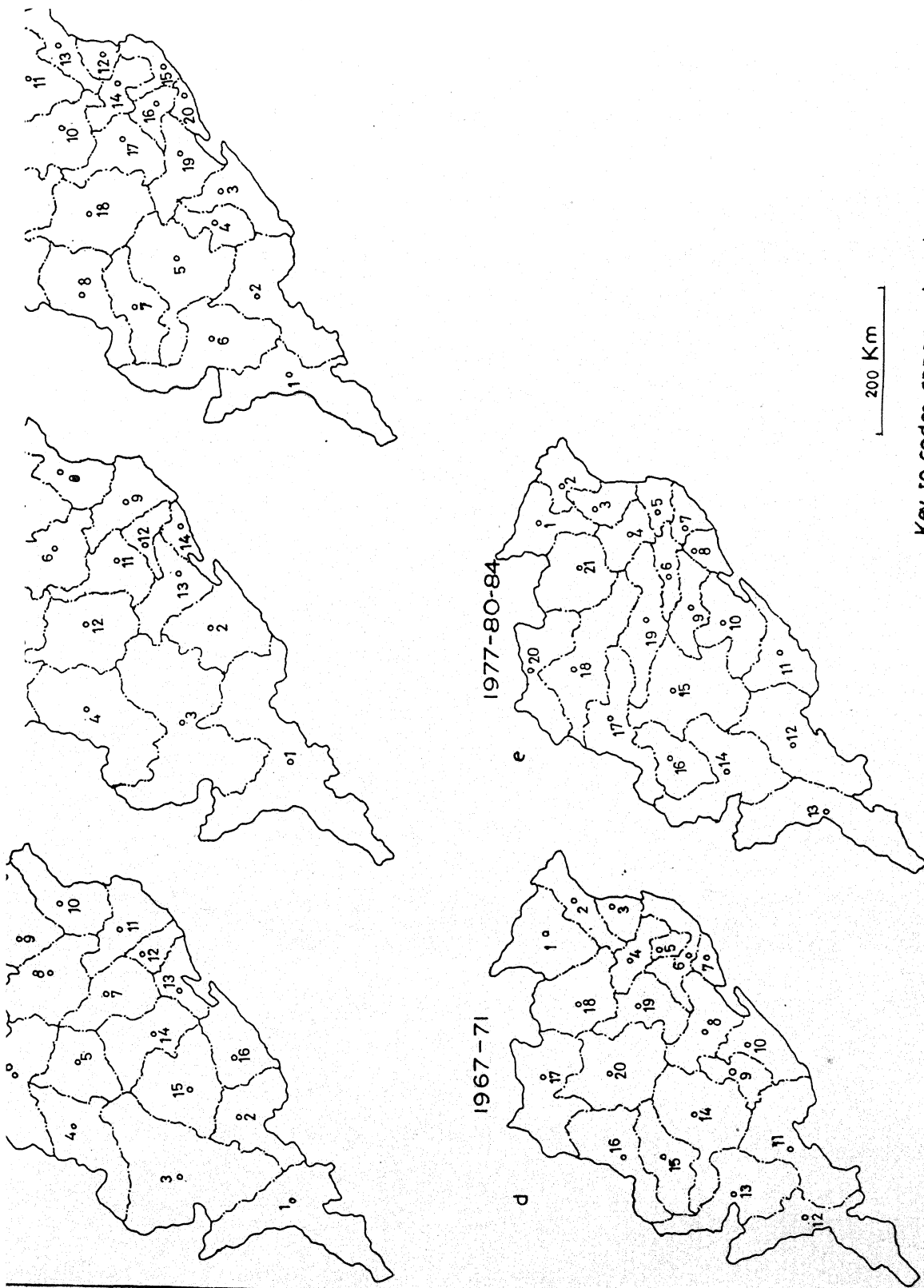
Fig. 2·1 Electoral data units (Parliamentary Constituencies)

के इकाई क्षेत्र जिले हों। उड़ीसा राज्य में विभिन्न वर्षों में जिलों की संख्या निम्न प्रकार से थी। 1951§14§,1961§13§, 1971 §13§,1981§13§ तालिका 2.3.1 मानचित्र 2.3 में विभिन्न जनगणना वर्षों में जिलों को दर्शाया गया है।

2.1.4 आँकड़ों का पूर्व नियोजन

संकलित आँकड़ो के विभिन्न दोषो को विश्लेषण के पूर्व दूर करना अनिवार्य था। इन दोषो को दूर करने के लिए जो विधियाँ प्रयोग की गयीं वे निम्नवत हैं-

2.1.4.1 कालिक विसंगति

साक्ष्य संकलन के वर्षों में जो कालिक विसंगति पायी गयी, उसका निराकरण विश्लेषण के अन्तिम चरण "समाश्रण" में आवश्यक था। यह कार्य अन्तर्वेशन विधि द्वारा सम्पादित किया गया। परिणाम स्वरूप 1951 के आँकड़े 1952 निर्वाचन वर्ष के लिए, 1961 जनगणना वर्ष के आँकड़े 1957 एवं 1962 के लिए, 1971 जनगणना वर्ष के आंकड़े 1967, 1971 के निर्वाचन वर्ष और 1981 के जनगणना के आंकड़े 1977, 1980 तथा 1984 निर्वाचन वर्ष के लिए प्रयुक्त हुए ताकि प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के संगत सामाजिक आंकड़े प्राप्त किये जा सकें। आंकड़ो के अन्तर्वेशन के पश्चात ही कार्य-कारण विश्लेषण §समाश्रयण§ निर्वाचन वर्षानुसार सम्भव हो सका।

2.1.4.2 इकाई-क्षेत्र विषमता

निर्वाचन क्षेत्रों पर आधारित निर्वाचन क्षेत्रानुसार निर्वाचन व्यवहार के आँकड़ों, तथा जिलों पर आधारित सामाजिक चरों के आंकड़ों के मध्य सामंजस्य स्थापित करने के लिए माध्य, उच्चता विधि "राबिन्सन एवं सेल 1969, पृष्ठ 10" का प्रयोग किया गया। सामाजिक आँकड़े जिले स्तर पर एकत्रित थे, अन्तर्वेशिन द्वारा उसे निर्वाचन क्षेत्र की इकाई पर लाया गया।

विश्लेषण के लिए जिलों के स्थान पर निर्वाचन क्षेत्रों का आधार माना गया, क्योंकि प्रस्तुत अध्ययन के निर्वाचन व्यवहार से सम्बन्धित होने के कारण यही समीचीन लगा। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रो के भौगोलिक केन्द्रों मानचित्र 2.2 में प्रदर्शित किया

FIG· 2·1 STUDY DESIGN

के इकाई क्षेत्र जिले हों। उड़ीसा राज्य में विभिन्न वर्षों में जिलों की संख्या निम्न प्रकार से थी। 1951 (14), 1961 (13), 1971 (13), 1981 (13) तालिका 2.3.1 मानचित्र 2.3 में विभिन्न जनगणना वर्षों में जिलों को दर्शाया गया है।

2.1.4 आँकड़ों का पूर्व नियोजन

संकलित आँकड़ो के विभिन्न दोषो को विश्लेषण के पूर्व दूर करना अनिवार्य था। इन दोषो को दूर करने के लिए जो विधियाँ प्रयोग की गयीं वे निम्नवत हैं-

2.1.4.1 कालिक विसंगति

साक्ष्य संकलन के वर्षों में जो कालिक विसंगति पायी गयी, उसका निराकरण विश्लेषण के अन्तिम चरण "समाश्रण" में आवश्यक था। यह कार्य अन्तर्वेशन विधि द्वारा सम्पादित किया गया। परिणाम स्वरूप 1951 के आँकड़े 1952 निर्वाचन वर्ष के लिए, 1961 जनगणना वर्ष के आँकड़े 1957 एवं 1962 के लिए, 1971 जनगणना वर्ष के आंकड़े 1967, 1971 के निर्वाचन वर्ष और 1981 के जनगणना के आंकड़े 1977, 1980 तथा 1984 निर्वाचन वर्ष के लिए प्रयुक्त हुए ताकि प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के संगत सामाजिक आंकड़े प्राप्त किये जा सकें। आंकड़ो के अन्तर्वेशन के पश्चात ही कार्य-कारण विश्लेषण (समाश्रयण) निर्वाचन वर्षानुसार सम्भव हो सका।

2.1.4.2 इकाई-क्षेत्र विषमता

निर्वाचन क्षेत्रों पर आधारित निर्वाचन क्षेत्रानुसार निर्वाचन व्यवहार के आँकड़ों, तथा जिलों पर आधारित सामाजिक चरों के आंकड़ों के मध्य सामंजस्य स्थापित करने के लिए माध्य, उच्चता विधि "राबिन्सन एवं सेल 1969, पृष्ठ 10" का प्रयोग किया गया। सामाजिक आँकड़े जिले स्तर पर एकत्रित थे, अन्तर्वेशिन द्वारा उसे निर्वाचन क्षेत्र की इकाई पर लाया गया।

विश्लेषण के लिए जिलों के स्थान पर निर्वाचन क्षेत्रों का आधार माना गया, क्योंकि प्रस्तुत अध्ययन के निर्वाचन व्यवहार से सम्बन्धित होने के कारण यही समीचीन लगा। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रो के भौगोलिक केन्द्रों मानचित्र 2.2 में प्रदर्शित किया

FIG. 2.1 STUDY DESIGN

तालिका 2.2.1

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र

1952	1957	1962	1967
1- नवरंगपुर	1- कोरापत ‖अनुसूचित जन0जा0‖	1- कोरापत ‖अनुसूचित ज0जा0	1-मयुरभंज ‖अनुसूचित जन0जा0‖
2- रायगढ़-फुलवानी	2- गंजाम ‖अनुसूचित जाति‖	2- नवरंगपुर	2-वालासोर
3- कालाहाण्डी बोलंगीर‖अनु0जन0 जा‖	3-कालाहाण्डी ‖अनुसूचित जाति‖	3- छत्रपुर	3-भेड़ारक ‖अनुसूचित जाति‖
4- वारगढ़	4-सम्बलपुर ‖अनुसूचित जाति‖	4-भजनगढ़ ‖अनुसूचितजाति‖	4-जाजपुर ‖अनु0 जाति‖
5- सम्बलपुर	5-सुन्दरगढ़	5-कालाहाण्डी	5-केन्द्रपाड़ा
6- सुन्दरगढ़	6-केउंझर	6-फुलवानी ‖अनु0जाति‖	6-कटक
7- ढेन कानाल-वेस्ट कटक ‖अनु0 जनजाति‖	7-मयूरभंज	7-सम्बलपुर	7-पुरी
8- जाजपुर-केउझंर ‖अनु0 जनजाति‖	8-वालासोर	8-बोलगीर ‖अनु0 जाति‖	8-भुवनेश्वर
9- मयूरभंज	9-केन्द्रापाड़ा	9-सुन्दरगढ़ ‖अनु0 जाति‖	9-भजनगढ़
10- वालासोर	10-कटक	10-केउंझर	10-छत्रपुर
11- केन्द्रपाड़ा	11-ढेनकानाल	11-मयूरभंज ‖अनु0जनजाति‖	11-कोरापुत ‖अनुसूचित जनजाति‖
12- कटक	12-अंगुल	12-वालासोर	12-नवरंगपुर ‖अनुसूचित जनजाति‖
13- पुरी	13-भुवनेश्वर	13-भेड़ारक	13-कालाहाण्डी
14- खुरदा	14-पुरी	14-केन्द्रपाड़ा	14-फुलवाणी ‖अनुसूचित जाति‖

तालिका 2.2.1 क्रमशः

1952	1957	1962	1967
15- गुहमुसर		15-जाजपुर (अनु0जाति)	15-बोलंगीर
16- गंजाम (साउथ)		16-कटक	16-सम्बलपुर
		17-ठेनकानाल	17-सुन्दरगढ़ (अनु0जन0जाति)
		18-अंगुल	18-केउंझर (अनु0जन0जाति)
		19-भुवनेश्वर	19-ठेनकानाल
		20- पुरी	20-अंगुल

तालिका 2.2.1क्रमशः

1971	1977	1980	1984
1- मयूरभंज ﴾अनु0जनजाति﴿	1-मयूरभंज ﴾अनुसू0जनजाति	1- मयूरभंज ﴾अनु0जनजाति﴿	1-मयूरभंज ﴾अनु0जनजाति﴿
2- वालासोर	2-वालासोर	2-वालासोर	2-वालासोर
3- भेड़ारक ﴾अनु0जाति﴿	3-भेड़ारक ﴾अनु0जाति﴿	3- भेड़ारक ﴾अनु0 जाति﴿	3-भेड़ारक ﴾अनु0 जाति﴿
4- जाजपुर ﴾अनु0जाति﴿	4-जाजपुर ﴾अनु0जाति﴿	4- जाजपुर ﴾अनु0 जाति﴿	4-जाजपुर ﴾अनु0जाति﴿
5- केन्द्रपाड़ा	5- केन्द्रपाड़ा	5- केन्द्रपाड़ा	5-केन्द्रपाड़ा
6- कटक	6- कटक	6- कटक	6- कटक
7- पुरी	7- जागतसिंहपुर	7-जगतसिंहपुर	7-जगतसिंहपुर
8- भुवनेश्वर	8- पुरी	8- पुरी	8- पुरी
9- भजनगढ़	9- भुवनेश्वर	9- भुवनेश्वर	9- भुवनेश्वर
10-छत्रपुर	10-असका	10-असका	10-असका
11-कोरापुत ﴾अनु0जनजाति﴿	11-बरहामपुर	11-बरहामपुर	11-बरहामपुर
12-नवरंगपुर ﴾अनु0जनजाति﴿	12-कोरापुत ﴾अनु0जनजाति﴿	12-कोरापुर ﴾अनु0 जनजाति﴿	12-कोरापुत ﴾अनु0 जनजाति﴿
13-कालाहाण्डी	13-नवरंगपुर ﴾अनु0 जनजाति﴿	13-नवरंगपुर ﴾अनु0 जनजाति﴿	13-नवरंगपुर ﴾अनु0 जनजाति﴿
14-फुलवाणी ﴾अनुसूचित जाति﴿	14-कालाहाण्डी	14-कालाहाण्डी	14-कालाहाण्डी
15-बोलंगीर	15-फुलवानी ﴾अनु0 जाति﴿	15-फुलवानी ﴾अनु0 जाति﴿	15-फुलवानी ﴾अनु0 जाति﴿
16-सम्बलपुर	16-बोलंगीर	16-बोलंगीर	16-बोलंगीर
17-सुन्दरगढ़ ﴾अनु0जनजाति﴿	17-सुम्बलपुर	17-सम्बलपुर	17-सम्बलपुर

तालिका 2.2 क्रमशः

1971	1977	1980	1984
18- केउंझर (अनु0जनजाति)	18-देवगढ़	18-देवगढ़	18-देवगढ़
19- ठेनकानाल	19-ठेनकानाल	19-ठेनकानाल	19-ठेनकानाल
20- अंगुल	20-सुन्दरगढ़ (अनु0 जनजाति)	20-सुन्दरगढ़ (अनु0 जनजाति)	20-सुन्दरगढ़ (अनु0जनजाति)
	21-केंउझर (अनु0जनजाति)	21-केउंझर (अनु0 जनजाति)	21-केउंझर (अनु0जनजाति)

तालिका 2.3.1

जनगणना वर्षों में जिले

क्र0सं0	1951	1961	1971	1981
1-	मयूरभंज	कालाहाण्डी	सम्बलपुर	सम्बलपुर
2-	केउंझर	कोरापुत	सुन्दरगंढ	सुन्दरगढ़
3-	ठेनकानाल	सम्बलपुर	कैंउझर	केउंझर
4-	सुन्दरगढ़	बोलंगीर	मयूरभंज	मयूरभंज
5-	फुलवाणी	बौद्ध खण्डमाल	वालासोर	वालासोर
6-	गजांम (एजेन्सी)	गंजाम	कटक	कटक
7-	सम्बलपुर	सुन्दरगढ़	बौद्ध-खण्डमाल	बौद्ध खण्डमाल
8-	बोलंगीर	ठेनकानाल	बोलंगीर	बोलंगीर
9-	कालाहाण्डी	पुरी	कालाहाण्डी	कालाहाण्डी
10-	कोरोपुत	केउंझर	कोरापुत	कोरापुत
11-	वालासोर	कटक	गंजाम	गंजाम
12-	कटक	मयूरभंज	ठेनकानाल	ठेनकानाल
13-	पुरी	वालासोर	पुरी	पुरी
14-	गंजाम			
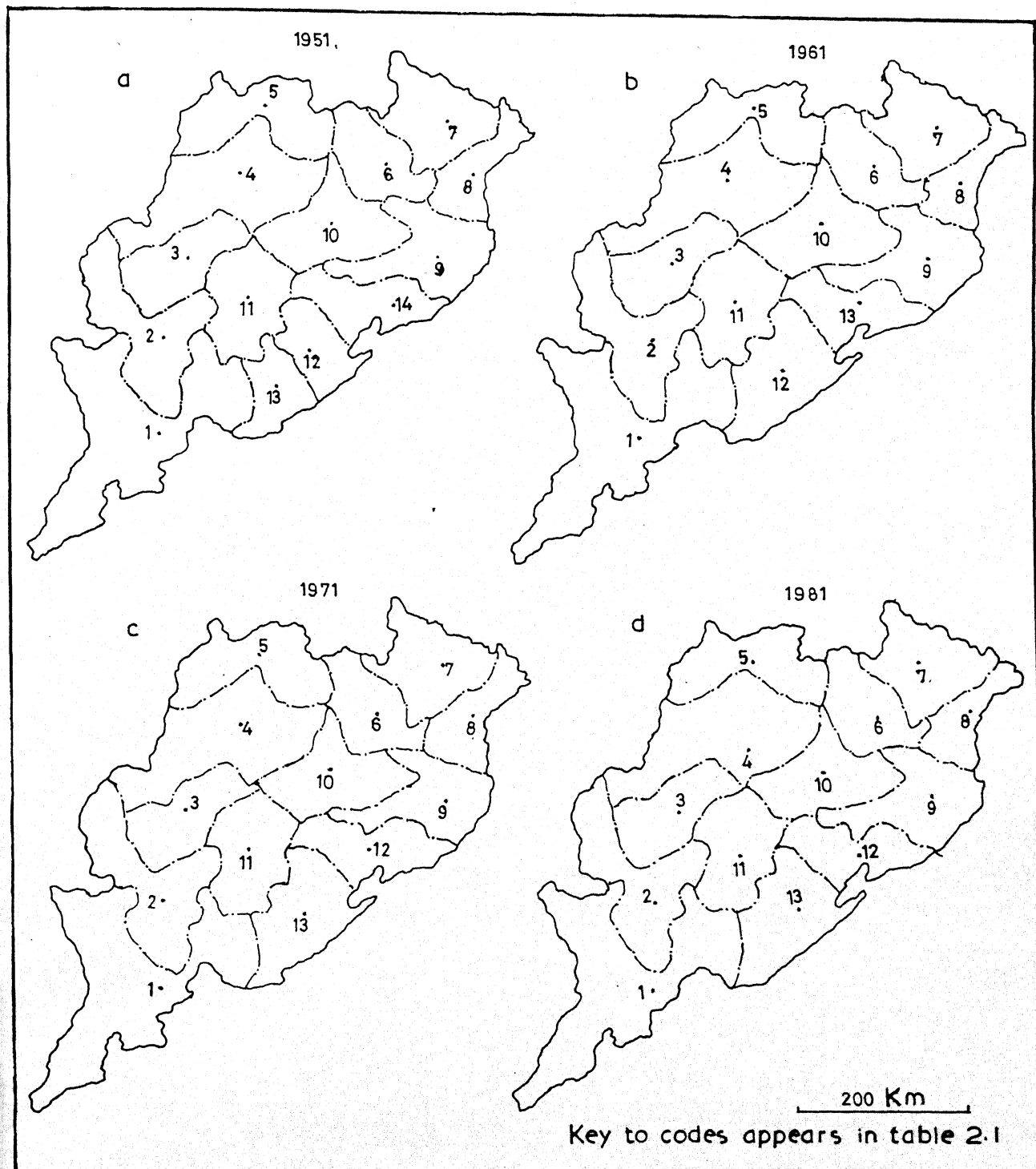
Fig. 2.3 Social data units (Districts)

इस चित्र के आधार पर उड़ीसा राज्य के निर्वाचन व्यवहार का विश्लेषण किया गया है। उक्त चित्र के अर्थ तालिका 2.3 में स्पष्ट किया गया है।

विश्लेषण में जितने निर्वाचन क्षेत्रों के अध्ययन के आधार पर परिणाम निकाले गये, उनकी संख्या सांख्यिकी के वृहत प्रतिदर्श के मापदण्ड के अनुकूल थी। इकाई क्षेत्रों के आकार और आकृतियां भी विश्लेषण और मानचित्रण के लिए आपत्तिजनक नहीं सिद्ध हुई।

2.1.4.3 मापक परिवर्तन

वर्तमान प्रतिबन्ध में प्रतिशत आंकड़ों को विश्लेषण में कई स्थलों पर प्रयोग करने के पहले मानकलब्धियों में परिवर्तित कर लिया गया है ऐसा करने से निम्न लाभ हुए हैं-

1- सभी आंकड़े तुलनीय हो गये, क्योंकि सभी आंकड़ों के माध्य "0" एवं मानक विचलन "1.00" हो गया।

2- वर्ग अन्तराल का चुनाव आसान हो गया।

3- प्रदत्त मूल्य के दुर्लभता को स्थिति को आसानी से स्थानीकृत किया जा सका है क्योंकि मानकलब्धि का श्रेणी का बारम्बारता को स्थिति को सामान्य आंकड़ों में रखा जा सकता है।

तालिका 2.4

मानकलब्धि

-1.5 से कम	अति निम्न
-0.5 - 1.5	निम्न
-0.5 + 0.5	मध्यम
+0.5 + 1.5	उच्च
+1.5 से अधिक	अति उच्च

2.2 सांख्यिकीय विश्लेषण

अध्ययन का विस्तृत वर्णन एवं विश्लेषण के लिए निर्वाचन व्यवहार से सम्बन्धित तीन मुख्य विन्दु लिए गए हैं। इसमें वैध मतदान प्रतिरूप कांग्रेस वोट एवं कांग्रेसेत्तर वोट सम्मिलित किए गये। सम्पूर्ण परिणामात्मक विश्लेषण निम्न तरीके एवं प्रणाली द्वारा सम्पादित किया गया।

2.2.1 वितरण विश्लेषण

1- आंकड़ो द्वारा प्रतिपादित "निरपेक्ष" प्रतिरूप का वर्णन किया गया है।

2- अध्ययन के विषय वस्तु से सम्बन्धित प्रतिरूप पर भी प्रकाश डाला गया।

निम्न विधि द्वारा निरपेक्ष मूल्यों से स्थानीय सांद्रण निर्धारित किया गया है-

$$C = \frac{x}{\bar{x}}$$

यहाँ C सांद्रण x विभिन्न इकाइयों से सम्बन्धित आंकड़े और $\bar{x}$ उनका माध्य प्रदर्शित करता है।

2.2.2 प्रमुख घटक विश्लेषण

सामाजिक आंकड़ों की प्रारम्भिक मैट्रिक्स मानचित्र 2.1 को प्रस्तुत समस्या के सन्दर्भ मेंअधिक बोधगम्य बनाने के लिए प्रमुख घटक विश्लेषण विधि का सहारा लिया गया है। जिसका विस्तृत विवेचन (जान्सन 1978) नामक पाठ पुस्तक में उपलब्ध है।

घटकलब्धि के संगणन का फार्मूला निम्न है-

$$SIK = \sum_{J=1}^{N} DIJ \; LJK$$

यह विश्लेषण कम्प्यूटर केन्द्र इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हुआ। डा० मनोरमा सिन्हा द्वारा विकसित प्रोग्राम की सहायता ली गयी।

जहाँ पर D I J कार्यविक्षण I का
चर J पर मानक मूल्य L I K घटक K पर चर J भारण और N पर्यविक्षण की संख्या दर्शाता है।

2.2.2.1 सामाजिक घटक निर्धारण

निर्धारण के प्रथम चरण में प्रत्येक जनगणना वर्ष के लिए संकलित 29 चरों के स्थान पर चार-चार अनावलम्बित घटकों की रचना हुई एवं प्रारम्भिक सामाजिक मैट्रिको के नये आकार प्राप्त कराये गये।

2.2.3 सहसम्बन्ध एवं समाश्रयण

विश्लेषण के अन्तिम चरण में अलग-अलग प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के लिए निर्वाचन चरो एवं सामाजिक घटकों के मध्य कार्य एवं कारण की गुणवत्ता परखने के लिए सह-सम्बन्ध एवं समाश्रयण विधि प्रयोग में लाया गया। इस स्तर पर यह आवश्यक हो गया कि आँकड़ो के दोनों समूहों में कालिकक्रम स्थिरता के लिए आँकड़ो में अन्तर्वेशन किया जाय। इस प्रकार से जो आँकड़े उनकी संख्या 29 थी।

1- मतदान की संरचना पर चारो सामाजिक घटकों का प्रभाव 1952 से 1984 तक
2- कांग्रेस वोट पर चारो सामाजिक घटको का प्रभाव 1952 से 1984
3- चारो सामाजिक घटकों का कांग्रेसत्तर दल के प्रकरणों पर प्रभाव रहा।

ऐसा इसलिए किया गया ताकि चरो की बहुविकल्पीय प्रकृति समझा जा सके। संयुक्त समाश्रयण एवं सहसम्बन्ध को अध्ययन में प्राथमिकता दी गयी। यह प्रतिमान निम्न रूप में रैखीय रहा है- $Y = a + bx1 + bx2 + bx3 + bx4$

जहाँ पर Y चर मतदान एवं कांग्रेस के लिए x1, x2, x3 एवं x4 सामाजिक घटकों के लिए प्रयुक्त है।

2.3 मानचित्रण विश्लेषण

विभिन्न स्थलों पर विषय को बोधगम्य बनाने के लिए मानचित्रण की प्रचलित विधियों का प्रयोग किया गया है। मुख्यत: दो विधियाँ प्रयोग में लायी गयी हैं- समरेखण एवं छाया चित्रण। इसके अतिरिक्त सहायक विधि के विविध प्रकार के सांख्यिकीय एवं अन्य आरेख भी प्रयोग में लाये गये हैं।

समरेखण का उपयोग मुख्यत: उन स्थलों पर किया गया जहाँ प्रयुक्त आँकड़ो को किसी कारणवश आँकलित किया गया था अन्यथा उन्हे जहाँ इकाई क्षेत्रों के एक तन्त्र से दूसरे तन्त्र पर लाया गया। इस विधि से यह सम्भव हो सका कि वितरण में स्थानिक विभिन्नता, प्रतिरूप एवं संगठन तीनों एक साथ प्रदर्शित हो। मानक-लब्धियों के सन्दर्भ में जो रेखाये प्रयुक्त हुई, उनके मान थे 1.5, 0.5, -0.5 एवं -1.5। इन मानों से पाँच वितरण वर्ग निर्मित हुए।

मानचित्र पर समरेखाओं का मार्ग निर्धारण रेखीय अन्तर्वेशन विधि से समानुपातिक आंबटनानुसार सम्पादित किया गया।

उन स्थलों पर जहाँ इकाई क्षेत्रों की सीमाओं के अनुसार वितरण दिखलाने थे, वहाँ छाया चित्रण विधि प्रयुक्त हुई और उनमें भी उक्त पाँच वितरण वर्गों द्वारा दर्शाया गया।

अध्याय 3

निर्वाचन पृष्ठ भूमि

प्रस्तुत अध्याय में "लोकसभा" निर्वाचन पद्धति एवं उन प्रकरणों का अध्ययन किया गया है जो प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचन से सम्बन्धित हैं। इस अध्याय के अन्तर्गत 4 अनुभाग हैं- प्रथम अनुभाग § 3.1 § में निर्वाचन प्रणाली का विस्तृत वर्णन किया गया है। द्वितीय § 3.2 § में भारत की प्रजातांत्रिक नीति, लोकसभा एवं निर्वाचन प्रक्रिया का वर्णन है। तृतीय अनुभाग § 3.3 § में निर्वाचन क्षेत्र की प्रक्रिया एवं इसके निर्माण का वर्णन है। चतुर्थ अनुभाग § 3.4 § में विभिन्न निर्वाचनों के समय निर्वाचन वातावरण का अध्ययन किया गया है।

भारत में निर्वाचन

3.1.1 भारतीय राजनीतिक संगठन

विदेशी शासन से मुक्ति के बाद संविधान निर्माताओं ने भारत के लिए राजनीतिक संगठन का सूत्रपात किया। भारत के संविधान का निर्माण अमेरिका तथा ब्रिटेन के संविधानों के आधार पर हुआ है। संसदीय प्रणाली की व्यवस्था की गयी, जो केवल तत्कालीन महत्त्व की न होकर आधुनिक समय में भी सर्वथा उपयुक्त है। प्रजातन्त्र के माध्यम से सामान्य जनता जनार्दन का प्रतिनिधित्व शासन में सम्भव हो सका है।

3.1.2 भारतीय निर्वाचन

भारत में निर्वाचन की प्रक्रिया अति प्राचीन है। प्राचीनकालीन निर्वाचन प्रक्रिया आधुनिक प्रक्रिया से भिन्न प्रकार की थी। वैदिक साहित्य में संकेत प्रणाली

का वर्णन है। आधुनिक निर्वाचन पद्धति के स्थान पर उस समय "चयन" एवं "संस्तुति" जैसी पद्धतियों का प्रचन था। यद्पि वेदों में किसी विशेष पद्धति का उल्लेख नहीं हैं, तथापि बौद्ध साहित्य में अनेक प्रकार की निर्वाचन पद्धतियों का उल्लेख मिलता है। कालान्तर में ब्रिटिश शासन के प्रभाव के कारण जनता निर्वाचन से अछूती रही। ब्रिटिश शासन लुप्त होते ही भारतीय जनता ने निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय योगदान दिया। प्रथम निर्वाचन 1951-52 में सम्पन्न हुआ, तदोपरान्त अन्य निर्वाचन 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में हुआ। संविधान में यह व्यवस्था है कि वह चाहे किसी भी जाति या धर्म को मानने वाला है, उसे मताधिकार प्राप्त है।

3.1.3 लोकसभा निर्वाचन प्रक्रिया

भारत एक प्रजातांत्रिक राष्ट्र है जिसमें संसदीय प्रणाली चार दशकों से विद्यमान है। भारतीय संविधान की स्थापना 26 नवम्बर 1949 को हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। संविधान में संघ की विधान सभा को "संसद" कहा गया है।

संघीय संसद का प्रथम सदन या निम्न सदन लोकसभा कहलाता है। इसके सदस्यों के निर्वाचन के लिए देश को विभिन्न प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में विभक्त किया जाता है। राष्ट्रपति के निर्वाचन की भाँति राज्य सभा के सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं जबकि लोकसभा के सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र की जनता के द्वारा सम्पन्न होता है।

3.2.1 लोकसभा

संघीय संसद का प्रथम सदन या निम्न सदन "लोकसभा" कहलाता है। वर्तमान काल में उसकी अधिकतम संख्या 545 है, जिसमें 525 सदस्य राज्योंसे तथा 20 सदस्य

केन्द्र शासित प्रदेशों से निर्वाचित होकर आते हैं। इसके अतिरिक्त राष्ट्रपति आंग्ल भारतीय समुदाय के 2 प्रतिनिधियों को भी मनोनीत करता है। इसके सदस्यों के निर्वाचन के लिए देश को विभिन्न प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में बाँट दियाजाता है। ये निर्वाचन क्षेत्र इस प्रकार विभक्त किये जाते हैं कि लोक सभा का एक सदस्य कम से कम 5 लाख जनता का प्रतिनिधित्व करे।

लोकसभा के सदस्यों का निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है। सभी भारतीय नागरिक जिनका आयु 21 वर्ष या अधिक हो जो पागल और दिवालिया नहीं है तथा जिन्हे संसद के कानून से किसी अपराध, भ्रष्टाचार या अन्य किसी कारण से मतदान के अधिकार से वंचित न कर दिया गया हो, को मत देने का अधिकार होता है। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए कुछ स्थान सुरक्षित किये जाते हैं।

लोकसभा की सदस्यता के लिए यह अति आवश्यक है कि वह भारत का नागरिक हो, उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो, केन्द्र सरकार या किसी अन्य राज्य सरकारों के अधीन कोई लाभ का पद न प्राप्त किए हो, वह किसी न्यायालय द्वारा दिवालिया या पागल घोषित न किया गया हो।

लोकसभा संसद का एक महत्वपूर्ण अंग है। लोकसभा की शक्तियों तथा कार्यों में विधायी तथा वित्त सम्बन्धी अधिकार है, साथ ही साथ संविधान संशोधन का भी अधिकार है। राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में निर्वाचक मण्डल के रूप में कार्य करती है। लोकसभा तथा राज्य सभा मिलकर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के विरूद्ध महाभियोग का प्रस्ताव पारित कर सकती है।

3.2.2 निर्वाचन पद्धति

भारत में निर्वाचन पद्धति का कार्य निर्वाचन आयोग नामक संस्था द्वारा सम्पन्न होता है। यह संस्था निर्वाचन का पूर्ण उत्तरदायित्व निभाती है। निर्वाचन

निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण करना, मतदाता सूची तैयार करना, राजनीतिक दलों को मान्यता देना, चुनाव चिन्ह आबंटित करना, निर्वाचन सम्बन्धी अर्द्धविवादों के लिए अर्द्ध न्यायिक प्राधिकरण का कार्य करना, विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए आचरण संहिता तैयार करना, उन राजनीतिक दलों को आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर प्रचार की सुविधा उपलब्ध कराना, चुनाव के दौरान अभ्यर्थी द्वारा खर्च की सीमा का निर्धारण करना आदि। आयोग के मुख्य आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

भारत में प्रथम चुनाव से पहले जनता को निर्वाचन का अनुभव न था किन्तु भारतीय निर्वाचन पद्धति ने अपना प्रभावशाली अस्तित्व बनाये रखा, भारत में मतदान की प्रक्रिया मात्र औपचारिक नहीं है वरन् सभी वयस्क नागरिकों को मताधिकार प्राप्त है।

3.3.1 निर्वाचन क्षेत्र

निर्वाचन का कार्य भारत को अनेक लघु इकाइयों में विभक्त करके किया जाता है। इन खण्डों को ही निर्वाचन क्षेत्र कहा जाता है। निर्वाचन क्षेत्रों का निर्धारण निर्वाचक संख्या के आधार पर आधारित होता है तथा यह ध्यान रखा जाता है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या समान हो।

निर्वाचन क्षेत्रों तथा स्थानों की संख्या में जो परिवर्तन होता रहता है। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए स्थान सुरक्षित होता है।

निर्वाचन क्षेत्रों का सीमांकन निर्वाचन आयोग जो एक स्वायत्त संस्था है करती है। इसका परसीमन आधार समान आकार, यातायातीय सुविधा संचारीय सुविधा आदि होते हैं। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में लगभग सभी सुविधाएं समान रूप से होती है।

3.3.2 निर्वाचन सीट

1952 के चुनाव वर्ष में भारत के कुल निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या 401 तथा स्थान 489 थे। 72 स्थान अनुसूचित जाति तथा 25 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

उड़ीसा राज्य में भी प्रथम चुनाव वर्ष में 16 स्थान थे जिसमें 2 स्थान अनुसूचित जाति तथा 2 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

द्वितीय निर्वाचन वर्ष (1957) में कुल स्थान 494 जिसमें 76 अनुसूचित जाति के लिए तथा 31 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे। उड़ीसा राज्य के द्वितीय निर्वाचन वर्ष (1957) में कुल स्थान 14, जिसमें 4 स्थान अनुसूचित जाति, 1 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित था।

तृतीय निर्वाचन वर्ष (1962) में कुल स्थान 494, अनुसूचित जाति 76 तथा अनुसूचित जनजाति के 31 स्थान थे। उड़ीसा राज्य में कुल स्थानों की संख्या 20 थी, जिसमें 4 स्थान अनुसूचित जाति तथा 4 स्थान अनुसूचित जनजाति के थे।

चतुर्थ निर्वाचन वर्ष (1967) में कुल स्थानों की संख्या 520 थी, 77 स्थान अनुसूचित जाति तथा 36 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे। चतुर्थ निर्वाचन वर्ष (1967) में उड़ीसा प्रान्त में कुल स्थानों की संख्या 20 थी, जिसमें 3 स्थान अनुसूचित जाति तथा 5 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

पंचम निर्वाचन वर्ष (1971) में कुल स्थानों की संख्या 518 थी जिसमें 77 अनुसूचित जाति तथा 37 अनुसूचित जनजाति के लिए थे। उड़ीसा राज्य (1971) के पंचम निर्वाचन वर्ष में कुल स्थान 20, जिसमें 3 स्थान अनुसूचित जाति तथा 5 स्थान अनुसूचित जनजाति के थे।

षष्ठम् निर्वाचन वर्ष (1977) में कुल स्थान 542 थे, 78 स्थान अनुसूचित जाति तथा 38 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे। उड़ीसा राज्य के (1977) षष्ठम निर्वाचन वर्ष में कुल स्थान 21, जिसमें 3 स्थान अनुसूचित जाति तथा 5 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

सप्तम निर्वाचन वर्ष (1980) में कुल स्थान 542, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए क्रमशः 78,38 स्थान सुरक्षित थे। उड़ीसा राज्य के सप्तम निर्वाचन वर्ष में कुल स्थान 21 जिसमें 3 स्थान अनुसूचित जाति, तथा 5 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

अष्ठम निर्वाचन वर्ष (1984) के निर्वाचन वर्ष में कुल 543 स्थान जिसमें 78 तथा 38 स्थान अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे। उड़ीसा राज्य के (1984) अष्ठम निर्वाचन वर्ष में 21 स्थान थे, जिसमें 3 स्थान अनुसूचित जाति तथा 5 स्थान अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित थे।

3.3.3 निर्वाचन क्षेत्र निर्धारण

निर्वाचन क्षेत्र के निर्धारण की समस्या अपना अलग महत्त्व रखती है। क्योंकि मतदान के प्रतिरूप की समानता के बावजूद सीट आबंटन के रूप में भिन्न निर्वाचन क्षेत्र भिन्न-भिन्न निर्वाचन परिणाम देते हैं। टेलर (1973) जिस रूप में निर्वाचन समस्याएं खींची जाती है लोकसभा को सामान्य विशेषताओं एवं व्यक्ति तथा राजनीतिक दल के भाग्य को प्रभावित करती है।

निर्वाचन क्षेत्र की सीमा का निर्धारण अत्यन्त सावधानी पूर्वक किया जाता है। सीमा निर्धारण कभी भी स्थायी नहीं होता, क्योंकि जनसंख्या बढ़ने के साथ ही सीमा बदल जाती है। सीमा निर्धारण के समय तीन बातों का ध्यान रखा जाता है।

1- प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में जनसंख्या समान थे।

2- सम्पर्क एवं यातायात की सुविधा हो।

3- सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक समानता हो।

इन सब बातों को ध्यान में रखकर किसी निर्वाचन क्षेत्र की सीमा का निर्धारण किया जाता है।

3.4 आठ महानिर्वाचन

निर्वाचन पद्धति पूर्णरूप से अवलोकन करने के बाद यह अति आवश्यक हो जाता है कि लोकसभा के आठों निर्वाचनों पर दृष्टिपात किया जाय ताकि उस समय की स्थिति तथा निर्वाचकों का किसी राजनीतिक दल के प्रति मनोभाव स्पष्ट हो जाता है। इन आठों महानिर्वाचनों का क्रमिक रूप से वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

2.4.1 प्रथम महानिर्वाचन वर्ष 1952

भारत में स्वतन्त्रता आन्दोलन के समय प्रभावकारी दलों के संगठन की आवश्यकता महसूस हुई। कांग्रेस एक विशेष अस्तित्व वाले संगठन के रूप में पैदा हुई, जिसने देश में अंग्रेज विरोधी तत्वों को एकत्रित किया था। परिणाम स्वरूप स्वतन्त्रता के बाद कांग्रेस ने एक राजनीतिक दल के रूप में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया था। कांग्रेस आम जनता का सर्वप्रिय दल था । प्राय: इसको भारतीय समाज का छोटा रूप समझा जाता था, जिसमें राष्ट्र के समस्त तत्वों का प्रतिबिम्ब था। उड़ीसा राज्य में प्रथम महानिर्वाचन (सम्पूर्ण भारत में निर्वाचन के सन्दर्भ में 25 अक्टूबर 1951 से 21 फरवरी 1952 तक सम्पन्न हुआ। जिसमें उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को बहुमत प्राप्त हुआ। उड़ीसा के 16 स्थानों में से 10 स्थान कांग्रेस को, 3 स्थान गणतन्त्र परिषद को, 1 स्थान कम्युनिष्ट दल को तथा 2 स्थान निर्दलीय दल को प्राप्त हुए थे। यद्यपि जनता प्रथम निर्वाचन के समय अनुभव हीन थी, फिर भी इस महानिर्वाचन में जनता ने अपनी सूझ-बूझ कापरिचय दिया था।

उड़ीसा राज्य में कांग्रेस के बहुमत का कारण कांग्रेस के व्यापक उद्देश्य थे, क्योंकि इनमें भिन्न-भिन्न मतों का समावेश था। इसने प्रदेश के राष्ट्रीय स्वरूप को सुरक्षित रखने का समर्थन किया तथा उसके लिए अथक प्रयास किया। इसकी आर्थिक विचार धारा राज्य को पहल शक्ति और नियंत्रण देने के पक्ष में थी, जबकि अन्य दलों की नीतियाँ संकार्ण थीं।

उड़ीसा ही क्या पूरे देश में प्रथम महानिर्वाचन 1952 में कांग्रेस को पूर्ण रूपेण बहुमत प्राप्त हुआ था। देश के कुल 489 स्थानों में से 364 स्थान कांग्रेस को प्राप्त हुआ था।

3.4.2 द्वितीय महानिर्वाचन 1957

द्वितीय महानिर्वाचन के पहले जनवरी 1956 में वार्षिक अधिवेशन में समाजवादी ढांचे पर कांग्रेस की स्पष्ट नीति प्रकट हुई। कल्याणकारी राज्य तथा समाजवादी अर्थव्यवस्था के रूप में नेहरू ने राष्ट्र के उद्देश्य की व्याख्या की तथा आर्थिक तथा वार्षिक नीति का उद्देश्य समान बंटवारा बताया। जनता भी होशियार हो चली थी, उसके अन्दर विपक्ष की भूमिका के महत्त्व का ज्ञान हो चला था जिससे 1957 में राज्यों के पुर्नगठन के बाद महानिर्वाचन में उड़ीसा राज्य में 14 स्थानों में से 5 स्थान कांग्रेस को गणतन्त्र परिषद को 5 स्थान, 1 स्थान प्रजा सोसलिस्ट दल को, भारतीय कम्युनिष्ट दल को 1 स्थान तथा निर्दलीय दल को 2 स्थान प्राप्त हुआ था। इस प्रकार पूरे उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की मिली जुली सरकार गठित हुई थी।

इस महानिर्वाचन वर्ष में पहले वर्ष की अपेक्षा कांग्रेस का वर्चस्व उड़ीसा राज्य में नही रहा। इसके पहले कांग्रेस का बंटवारा शुरू हो गया था, जिससे जनता भी मतदान में कुछ कांग्रेस के प्रति उदासीनता दिखायी। यद्पि उड़ीसा राज्य में गणतन्त्र परिषद का पूर्णरूप से विकास हो गया था जो कांग्रेस दल का प्रमुख विपक्षी था।

यद्पि 1957 के महानिर्वाचन में सम्पूर्ण भारत के सन्दर्भ में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को ही बहुमत प्राप्त था। कुल 494 स्थानों में से 371 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को मिला।

इस प्रकार पूरे देश के सन्दर्भ में उड़ीसा की इस निर्वाचन से अभिहित होता है कि उड़ीसा की जनता कुछ अधिक ही जागरूक हो चली थी।

3.4.3 तृतीय महानिर्वाचन 1962

तृतीय महानिर्वाचन के समय भारत तथा चीन के सम्बन्धों में बढ़ते तनाव तथा भारत की पंचवर्षीय योजनाओं में असंतोषजनक प्रगति आदि कारणों के कारण भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसको काफी कीमत चुकानी पड़ी। योजना से सम्बन्धित प्रस्ताव पर निजी उद्यमों तथा सरकारी कार्यों के लिए अतिरिक्त साधन जुटाने तथा आयात को कम करने के लिए राज्य व्यापार की आवश्यकता पर बल दिया गया। संयुक्त तथा सहकारी खेती को बढ़ावा दिये जाने, भूमि अधिकार की सीमा को निश्चित करने तथा बिचौलियों को समाप्त करना आदि कार्यों पर बल दिया गया। उड़ीसा के तृतीय महानिर्वाचन में इसका अधिक प्रभाव पड़ा। उड़ीसा की जनता ने पुन: कांग्रेस को बहुमत में लानी चाही। यही कारण है कि 20 स्थानों में से 14 स्थान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को प्राप्त हुआ। 4 स्थान गणतन्त्र परिषद को, 2 स्थान सोसलिस्ट दल को एवं 1 स्थान प्रजा सोसलिस्ट दल को प्राप्त हुए।

उड़ीसा राज्य के तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में क्षेत्रीय पार्टियों का अधिक प्रभाव नहीं रहा। पूरे देश में इस महानिर्वाचन वर्ष में कांग्रेस को 494 स्थानों में से 361 स्थान प्राप्त हुए।

3.4.4 चतुर्थ महानिर्वाचन 1967

कांग्रेस की शक्ति बँटवारा काल की दृष्टि से तीसरा काल 1963 से 1967 का था, जिसमें प्रधानमंत्री तथा कांग्रेस अध्यक्ष के बीच भिन्नता व एक नया सन्तुलन पैदा हो गया। मई 1964 में नेहरू की मृत्यु के पश्चात दल में व्यक्ति विशेष का स्थान प्रबल हो उठा। उड़ीसा राज्य में इसका बहुत अधिक प्रभाव पड़ा। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल का असर महत्वहीन हो चला जिससे क्षेत्रीय पार्टियों का अधिक प्रभाव हो गया। देश की समुचित विकास न हो पाने के कारण सीधा असर मतदाता पर पड़ा। चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को भारी कीमत चुकानी पड़ी। इसी कारण से 20 स्थानों में से 8 स्थान स्वराज्यदल को प्राप्त हुआ, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 6 स्थान, प्रजा सोसलिस्ट दल को 1 स्थान तथा निर्दल

दल को 1 स्थान प्राप्त हुआ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभाव पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुआ था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा एस0डब्लू0 ए0 की मिली जुली सरकार गठित हुई।

सम्पूर्ण भारत में कुल 520 में 383 स्थान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को प्राप्त हुआ।

3.4.6 पंचम महानिर्वाचन 1971

इस महानिर्वाचन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल का विभाजन हो गया, जिससे संगठन कांग्रेस का जन्म हुआ। इस चुनाव में राजनीतिक दलों का मुख्य नारा था कि गरीबी हटाओ, सबको रोजगार दो। उड़ीसा राज्य में व्यापक तौर पर इसका प्रभाव पड़ा जिससे पंचम महानिर्वाचन वर्ष में पुन: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल की खोयी हुई प्रतिष्ठा मिली। उड़ीसा राज्य में कई कार्यक्रमों का विकास किया गया, जिससे इसका असर जनता या मतदाता पर पड़ा। इस निर्वाचन वर्ष में 20 स्थानों में से 15 स्थान कांग्रेस दल को प्राप्त हुआ। उत्कलदल को 1 स्थान, भारतीय कम्युनिष्ट दल को 1, स्वराज्य दल को 3 स्थान प्राप्त हुआ।

उड़ीसा राज्य के इस निर्वाचन वर्ष में क्षेत्रीय पार्टियों का महत्व हो गया। सम्पूर्ण भारत में कांग्रेस दल को 520 स्थानो में से 352 स्थान प्राप्त हुआ तथा केन्द्र में कांग्रेस की ही सरकार बनी।

3.4.6 षष्ठम महानिर्वाचन 1977

इस निर्वाचन वर्ष में पिछले निर्वाचन वर्ष की अपेक्षा परिस्थितियाँ भिन्न थीं इन्दिरा कांग्रेस पूर्ण रूप से इस निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के मतदाताओं से विश्वास खो चुकी थी। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक समस्याओं का सामना करने के लिए आपातकालीन स्थिति लागू कर दी गयी जिससे देश की जनता में इसके प्रति आक्रोश उत्पन्न हो गया। विरोधी दलों ने मिलकर जनता दल का

निर्माण किया तथा उड़ीसा राज्य में भारतीय लोकदल का प्रभाव अधिक था, इससे इन्दिरा कांग्रेस को भारी क्षति पहुँची।

उड़ीसा राज्य के इस निर्वाचन वर्ष में 21 स्थानों में 15 स्थान भारतीय लोकदल को प्राप्त हुआ, इन्दिरा कांग्रेस को 5 स्थान, भारतीयकम्युनिष्ट दल को 1 स्थान प्राप्त हुआ। इस निर्वाचन वर्ष में इन्दिरा कांग्रेस को काफी कीमत चुकानी पड़ी क्योंकि देश की समस्याओं से निपटने के लिए आपात कालीन स्थिति लागू कर दिया।

यही नहीं पूरे भारत में इस निर्वाचन वर्ष में जनता दल को 295 स्थान प्राप्त हुआ। कांग्रेस को मात्र 154 स्थानों को लेकर सन्तोष करना पड़ा।

3.4.7 सप्तम महानिर्वाचन 1980

इस महानिर्वाचन वर्ष के दौरान जनता पार्टी में विभाजन हो गया, जिससे इसका प्रभाव उड़ीसा राज्य में अधिक पड़ा। यह सरकार अपनी 5 वर्ष की अवधि को भी पूरा न कर पायी। इस महानिर्वाचन वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था शिथिल पड़ गयी। उड़ीसा राज्यमें आर्थिक विकास की गति मन्द पड़ गयी। सामाजिक मूल्यों का ह्रास होने लगा, इससे मतदाताओं पर काफी असर पड़ा।

उड़ीसा राज्य में 21 स्थानों में से 20 स्थानों पर इन्दिरा कांग्रेस का अधिकार हो गया। मात्र 1 स्थान जनता दल को मिला। इसका कारण यह था कि इन्दिरा कांग्रेस का व्यापक उद्देश्य, आर्थिक विकास लागू करना आदि।

इस निर्वाचन वर्ष में 542 स्थानों में से 351 स्थान कांग्रेस को मिला।

3.4.8 अष्ठम महानिर्वाचन 1980

इस निर्वाचन वर्ष की परिस्थितियाँ पिछले वर्ष की अपेक्षा बदली थी। लेकिन उड़ीसा राज्य में इसका प्रभाव नहीं पड़ा। इन्दिरा कांग्रेस का प्रभाव अन्य दलों की अपेक्षा अधिक रहा है। उड़ीसा राज्य का समुचित विकास के लिए इन्दिरा

कांग्रेस ने बहुत अधिक प्रयास किया, जिससे मतदाताओं पर काफी असर पड़ा। इस निर्वाचन वर्ष में कुल 21 स्थानों में से 20 स्थान पर इन्दिरा कांग्रेस का प्रभुत्व रहा क्योंकि इस चुनाव वर्ष के पूर्व श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या कर दी गयी थी। जनता दल को मात्र 1 स्थान मिला।

सम्पूर्ण भारत में इस निर्वाचन वर्ष में इन्दिरा कांग्रेस को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ।

अध्याय 4

सीट वितरण प्रतिरूप

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न हुए लोकसभा निर्वाचनों में विभिन्न दलों द्वारा प्राप्त स्थानों के वितरण प्रतिरूप को वर्तमान अध्याय में प्रदर्शित किया गया है। प्रस्तुत अध्याय पाँच भागों में विभक्त है। प्रथम अनुभाग 4.1 में सम्पूर्ण विजित सीटों का वितरण प्रस्तुत किया गया है। द्वितीय अनुभाग 4.2 में निर्वाचन वर्षों के अनुसार इनका वितरण प्रस्तुत किया गया है। तृतीय अनुभाग 4.3 में राजनीतिक दलों की प्रतिशत प्रतियोगिता का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चतुर्थ अनुभाग 4.4 में निर्वाचन वर्षों के आधार पर दलों के स्थानीय साम्यावस्था का वितरण प्रस्तुत किया गया है। अन्तिम अनुभाग 4.5 में प्रत्येक निर्वाचन वर्ष में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्याशियों की संख्या को प्रस्तुत किया गया है।

4.1 सम्मिलित दल

प्रस्तुत अध्याय के तालिका 4.1 में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा भिन्न भिन्न निर्वाचन वर्षों में विजय प्राप्त स्थानों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। तालिका के अध्ययन द्वारा निम्न निष्कर्ष निकाला जा सकता है-

उड़ीसा के सम्पूर्ण महानिर्वाचन वर्षों (1957, 1967 एवं 1977 के वर्षों को छोड़कर) में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व रहा है। पं0 जवाहर लाल नेहरू के समय में कांग्रेस को अधिक स्थान मिला तदनुसार उनके निधन के पश्चात लोकतन्त्र डगमगाने लगा और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के उभरने के साथ ही कांग्रेस का आधिपत्य शनैः-शनैः समाप्त होने लगा किन्तु यह स्थिति कुछ ही वर्षों तक उड़ीसा राज्य में 1957, 1967 में रही तदुपरान्त पुनः कांग्रेस दल का प्रभुत्व स्थापित होने लगा। निर्वाचन वर्षों के बाद पुनः कांग्रेस की स्थिति में सुधार हुआ। सप्तम निर्वाचन वर्ष (1980) में उड़ीसा राज्य के क्षेत्रीय दलों का प्रभुत्व समाप्त प्राय हो गया। कांग्रेस दल

तालिका 4.1

निर्वाचन में सम्मिलित दल एवं विजित स्थानों का योग

	1952	1957	1962	1967	1971	1977	1980	1984
1-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल	10	5	14	6	15	5	20	20
2-गणतन्त्र परिषद दल	3	5	4	×	×	×	×	×
3-सोसलिस्ट दल	×	×	1	×	×	×	×	×
4-प्रजासोसलिस्ट दल	×	1	1	4	×	×	×	×
5-भारतीय कम्युनिस्ट दल	1	1	×	×	1	×	×	×
6-भारतीय कम्युनिस्ट दल (मार्क्सवादी)	×	×	×	×	×	1	×	
7-स्वराज्यदल	×	×	×	8	3			×
8-उत्कल कांग्रेस दल	×	×	×	×	1	×		×
9-जनता पार्टी (सेक्लुर)	×	×	×	×	×	×		×
10-जनता पार्टी	×	×	×	×	×	×	1	1
11-भारतीय लोकदल	×	×	×	×	×	15		×
12-सम्यक सोसलिस्टदल	×	×	×	1	×	×	×	×
13-निर्दलीय	2	2	×	1	×	×	×	×

ने उड़ीसा राज्य के सम्यक विकास के लिए काफी प्रयत्न किया, जिसका परिणाम यह हुआ कि 1984 के निर्वाचन वर्ष में कांग्रेस की स्थिति अधिक सुदृढ हो गयी। प्रथम निर्वाचन वर्ष 1952 में कांग्रेस को 16 स्थानों में 10 स्थान प्राप्त हुआ, जबकि 1957 में कांग्रेस को केवल 5 स्थान मिला। तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में कांग्रेस की स्थिति में सुधार हुआ, और 20 स्थानों में से 14 स्थान प्राप्त हुआ। उड़ीसा राज्य के चतुर्थ निर्वाचन वर्ष में कांग्रेस को काफी क्षति पहुँची, क्योंकि 20 स्थानों में से मात्र 6 स्थानों पर ही वर्चस्व रहा। 1971 के निर्वाचन वर्ष में पुन: कांग्रेस को 20 स्थानों में से 15 स्थान प्राप्त हुआ, 1977 में पुन: कांग्रेस को भारी क्षति पहुँची, 21 स्थानों में से 5 स्थान को लेकर ही संतोष करना पड़ा। लेकिन 1980 एवं 1984 के निर्वाचन वर्षों में कांग्रेस को 21, 21 स्थानों में से 20, 20 स्थान प्राप्त हुआ। परिणाम स्वरूप उड़ीसा राज्य में क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के बावजूद कांग्रेस को 5 महानिर्वाचन वर्षों में बहुमत प्राप्त करना अपने आप में बहुत महत्त्वपूर्ण घटना है।

2- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के बाद द्वितीय स्थान गणतन्त्र परिषद का है। इस दल का जन्म 1952 में हुआ। लेकिन इस दल का अस्तित्व केवल 1962 तक ही रह पायी। इसके बाद इस दल का प्रभुत्व समाप्त हो गया।

3- भारतीय कम्युनिस्ट दल सम्पूर्ण निर्वाचन वर्षों में प्रभावशाली रहे। 1952 एवं 1957 में इस दल को 1, 1 स्थान प्राप्त हुआ। लेकिन सभी निर्वाचन वर्षों में इसका महत्त्वपूर्ण स्थान रहा है।

4- प्रजा सोसलिस्ट दल का प्रभाव 1952 से 1984 तक के निर्वाचन वर्षों में रहा लेकिन 1957 में इस दल को 1 स्थान, 1962 में भी 1 स्थान तथा 1967 में 4 स्थान प्राप्त हुआ। इस दल का प्रभाव लगभग सभी निर्वाचन वर्षों में रहा है।

5- निर्दलीय प्रत्याशी 1952 से ही निर्वाचन में सक्रिय भूमिका का निर्वाह करते रहे हैं और 1984 के निर्वाचन वर्ष तक अपना अस्तित्व बनाये रखने में सफलता प्राप्त की।

उड़ीसा राज्य में इन दलों के अतिरिक्त अन्य दलों में भारतीय कम्युनिस्ट दल, भारतीय कम्युनिस्ट दल (मार्क्सवादी) उत्कल कांग्रेस, जनतापार्टी आदि का उल्लेखनीय स्थान रहा है।

4.1.1 समग्रपार्टी प्रदर्शन

उड़ीसा राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया गया है। तालिका 4.2 का अवलोकन करने पर निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं-

1- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1952, 1962, 1971, 1980 एवं 1984 के निर्वाचन वर्षों में क्रमशः 62.50 प्रतिशत, 70 प्रतिशत, 75 प्रतिशत, 95.23 प्रतिशत तथा 95.23 प्रतिशत स्थान प्राप्त करके शीर्षस्थ स्थान पर था। 1957, 1967 एवं 1971 में क्रमशः 30.50 प्रतिशत, 30 प्रतिशत एवं 23.80 प्रतिशत स्थान प्राप्त किया।

2- गणतन्त्र परिषद दल को प्रथम निर्वाचन वर्ष, द्वितीय निर्वाचन तथा तृतीय निर्वाचन वर्ष में क्रमशः 18.75 प्रतिशत, 30.50 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत स्थान प्राप्त हुआ।

3- प्रजा सोसलिस्ट दल 1957, 1962 एवं 1967 में क्रमशः 7.14 प्रतिशत, 5प्रतिशत, तथा 20 प्रतिशत स्थान प्राप्त किया।

4- निर्दलीय प्रत्याशियों को 1952 तथा 1957 के निर्वाचन वर्ष में 12.50 प्रतिशत तथा 14.28 प्रतिशत स्थान प्राप्त किया।

5- भारतीय कम्युनिस्ट दल 1952, 1957 तथा 1971 के निर्वाचन वर्ष में क्रमशः 6.25 प्रतिशत, 7.12 प्रतिशत तथा 5 प्रतिशत स्थान प्राप्त किया। अन्य निर्वाचन वर्षों में इसका स्थान नगण्य रहा।

4.2 सीट वितरण (विजित, अविजित)

इस अनुभाग में उड़ीसा राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा प्राप्त स्थानों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। निर्वाचन वर्षों के अनुसार प्रत्येक निर्वाचन

तालिका 4.2

विजित स्थानों का प्रतिशत

	1952	1957	1962	1967	1971	1977	1980	1984
1-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल	62.50	30.50	70.0	30.0	75.0	23.80	95.23	95.23
2-गणतन्त्र परिषद दल	18.75	30.50	20.0	×	×	×	×	×
3-प्रजासोसलिस्ट दल	×	7.12	5.0	20.0	×	×	×	×
4-निर्दलीय प्रत्याशी	12.50	14.28	×	×	×	×	×	.×
5-भारतीय कम्युनिस्ट दल	6.25	7.12	×	×	5.0	×	×	×
6-मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दल	×	×	×	×	×	4.76	×	×
7-स्वराज्य दल	×	×	×	40.0	15.0	×	×	×
8-उत्कल कांग्रेस दल	×	×	×	×	5.0	×	×	×
9-भारतीय लोकदल	×	×	×	×	×	71.42	×	×
10-सम्यक सोसलिस्ट दल	×	×	×	5.0	×	×	×	×
11-जनता पार्टी	×	×	×	×	×	×	4.76	14.76

वर्ष के सन्दर्भ में प्रत्येक महानिर्वाचन वर्ष का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक प्रतिरूप के वर्णन के सन्दर्भ में विजयी दल के स्थान एवं साथ ही साथ द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का विवरण प्रस्तुत किया गया है ताकि प्रतियोगिता का स्तर स्पष्ट हो सके।

4.2.1 प्रथम महानिर्वाचन वर्ष 1952

ब्रिटीश शासन काल की यातनाओं से संघर्ष करता भारत जब स्वतन्त्र हुआ तो स्वतन्त्रता के पश्चात प्रथम महानिर्वाचन 1951-52 में सम्पन्न हुआ। उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीयकांग्रेस के साथ ही साथ अनेक क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ। दल को विजयश्री व्यक्तित्व के आधार पर मिली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को उड़ीसा राज्य में बहुमत प्राप्त होने के कारण था पंडित ज्वाहर लाल नेहरू के त्याग और व्यक्तित्व का प्रभाव। चित्र 4.1 में कांग्रेस केसाथ ही साथ द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का भी विवरण प्रस्तुत किया गया है। सम्पूर्ण वितरण पाँच प्रमुख दलों के वर्णन में प्रस्तुत किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, गणतन्त्र परिषद दल, सोसलिस्ट दल, भारतीय कम्युनिस्ट दल एवं निर्दल आदि।

4.2.1.1 भारतीय राष्ट्राय कांग्रेस क्षेत्र

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल उड़ीसा राज्य के लगभग सभी निर्वाचन क्षेत्रों में विस्तृत है। कांग्रेस दल को अनेक विरोधी दलों का सामना करना पड़ा है जिसमें गणतन्त्र परिषददल, सोसलिस्ट दल, भारतीय कम्युनिष्ट दल एवं निर्दल आदि। सुन्दरगढ़- ठेनकानाल,-वेस्ट कटक (अनुसूचित जनजाति) जाजपुर -केउंझर, (अनुसूचित जाति) मयुरभंज, बालासोर (अनुसूचित जाति) केन्द्रपाड़ा , कटक, पुरी, खुरदा तथा रायगढ़ा-फुलबानी (निर्विरोध) निर्वाचन क्षेत्रों में अपने प्रतिद्वन्दी दलों को हराकर विजयश्री हासिल की, नवरंगपुर, कलाहाण्डी- बोलंगीर (अनुसूचित जनजाति), सम्बलपुर, गुटमुसर निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पधा करके द्वितीय स्थान पर रही।
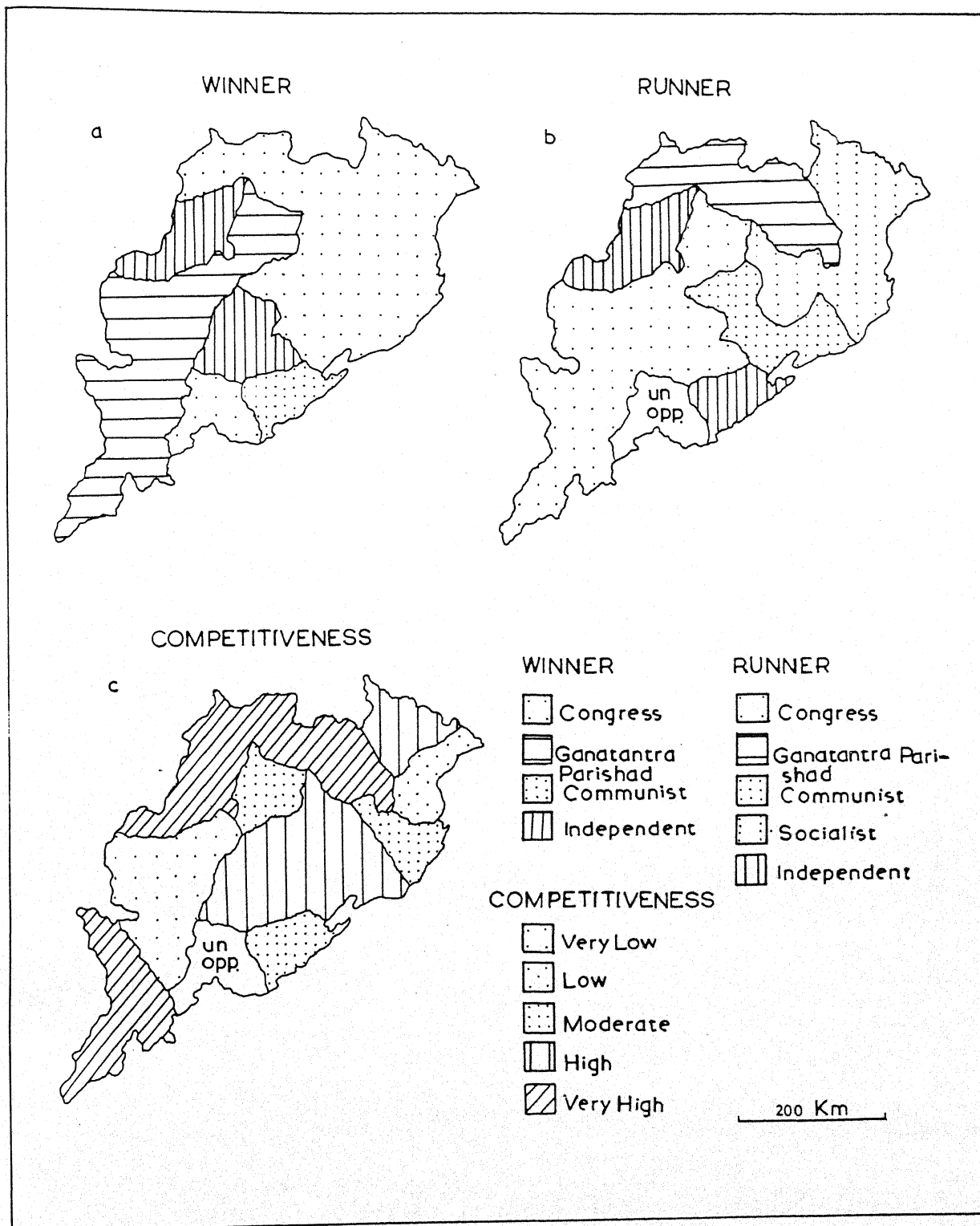
Fig. 4·1 Party Distribution : 1952

4.2.1.2 गणतन्त्रपरिषद क्षेत्र

यह दल उड़ीसा के पश्चिम तथा मध्य भाग में विस्तृत है। नवरंगपुर, कालाहाण्डी, बोलगीर (अनुसूचित जनजाति) सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्रों में विजयश्री प्राप्त किया। बारगढ़ , सुन्दरगढ़, जाजपुर, केउंझर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा करके द्वितीय स्थान पररहीं ।

4.2.1.3 सोसिालस्ट दल क्षेत्र

इस दल का प्रभाव उड़ीसा राज्य के केन्द्रपाड़ा , ढेनकानल, वेस्टकटक (अनुसूचित जनजाति) तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4.2.1.4 भारतीय कम्युनिष्ट दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मात्र गंजाम निर्वाचन क्षेत्र में दल को विजयश्री मिली। कटक, पुरी, खुरदा निर्वाचन क्षेत्रों में इसका द्वितीय स्थान रहा है।

4.2.1.5 निर्दलीय क्षेत्र

उड़ीसा के अनेक निर्वाचन क्षेत्रों में इसका विस्तार पाया जाता है। बारगढ़ तथा गुहमुसर निर्वाचन क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। गंजाम साउथ निर्वाचन क्षेत्र में इसका द्वितीय स्थान रहा है।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि प्रथम महानिर्वाचन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को ही पूर्णरूपेण बहुमत मिला। इसके अतिरिक्त गणतन्त्र परिषद , सोसिलिस्ट दल, कम्युनिष्ट दल तथा निर्दलीय का महत्त्व विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा है।

4.2.2 द्वितीय महानिर्वाचन 1957

द्वितीय महानिर्वाचन के पहले जनवरी 1956 में आण्डा वार्षिक अधिवेशन में समाजवादी ढांचे पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की नीति स्पष्ट हुई। उड़ीसा राज्य

में इस नीति का प्रभाव बहुत कम पड़ा। द्वितीय निर्वाचन के समय जनता प्रबुद्ध हो चली थी, उसके अन्दर विपक्ष की भूमिका का ज्ञान हो चुका था जिससे 1957 में राज्यों के पुनर्गठन के पश्चात महानिर्वाचन में विजयी दल के साथ अन्य दलों का भी महत्वपूर्ण स्थान रहा। द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का विवरण प्रस्तुत किया है। चित्र 4.2 (a-b) के द्वारा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। इस चित्र के अवलोकन से पाँच क्षेत्र स्पष्ट हो जाते हैं- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, गणतन्त्र परिषद, निर्दलीय, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी तथा प्रजा सोसलिस्ट दल का क्षेत्र।

4.2.2.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस क्षेत्र

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल उड़ीसा राज्य के उत्तरी पूर्वी तथा दक्षिणी भाग में विजयी रही। मध्यवर्ती भाग में भी इस दल का प्रभाव कम है। कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) गंजाम, (अनुसूचित जाति) बालासोर (अनुसूचित जाति) कटक तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्रों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को विजय श्री प्राप्त हुई। कालाहाण्डी (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर (अनुसूचित जाति), सुन्दरगढ, केउंझर केन्द्रपाड़ा (अनुसूचित जाति) ठेनकानल, अंगुल तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान पर रही है। इस निर्वाचन वर्ष में पूर्णरूप से कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला।

4.2.2.2 गणतन्त्र परिषद क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के द्वितीय निर्वाचन वर्ष में गणतन्त्र परिषद दल का प्रभाव उत्तरी तथा पश्चिमी भाग पर है। कालाहाण्डी (अनुसूचित जाति), सम्बलपुर (अनुसूचित जाति), सुन्दरगढ, ठेनकानाल, तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में गणतन्त्र परिषद दल को विजय मिली। कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान पर रही है।
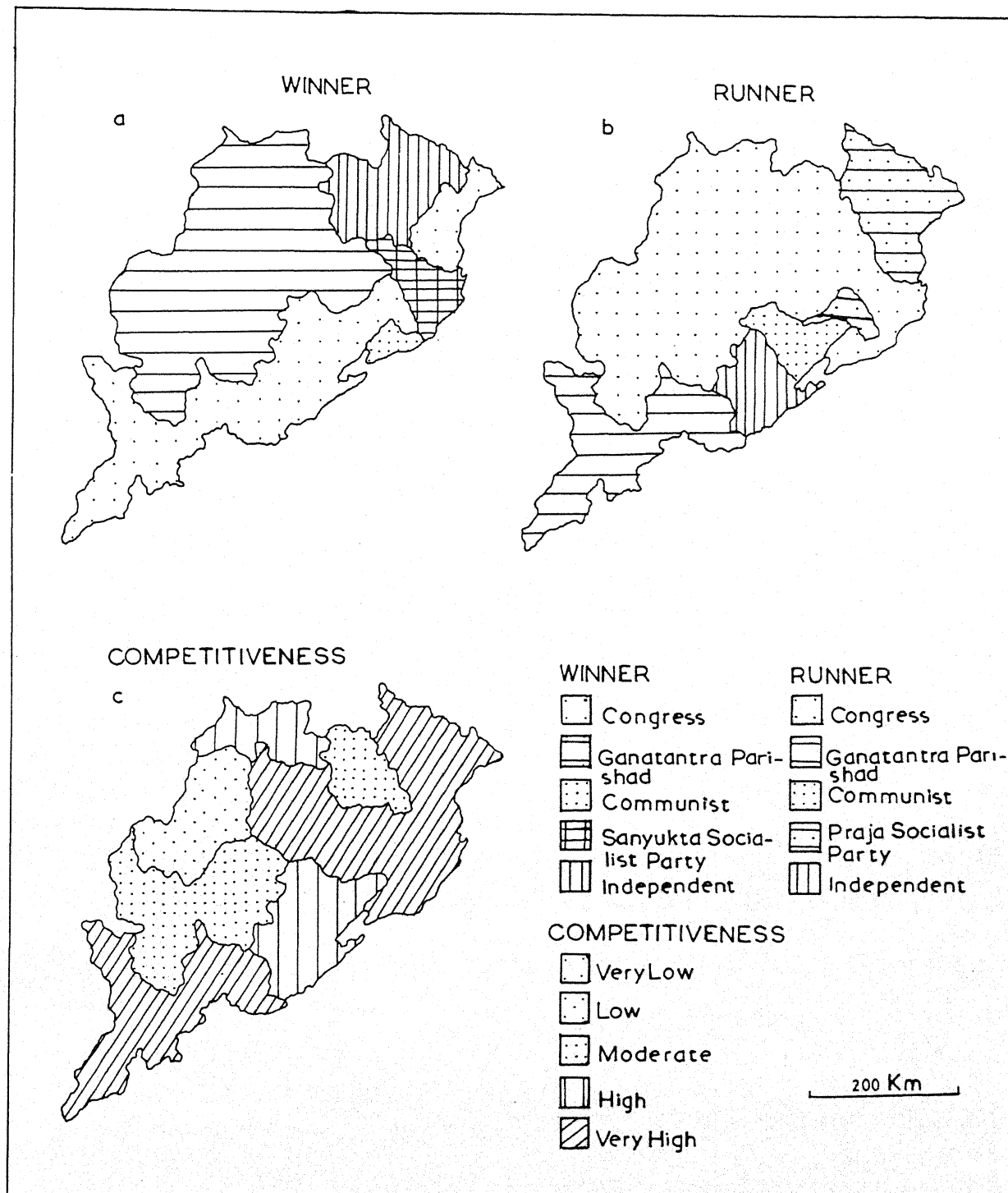
Fig. 4.2 Party Distribution : 1957

4.2.2.3 सोसलिस्ट दल क्षेत्र

इस दल का विस्तार उड़ीसा राज्य के पूर्वी तथा उत्तरी भाग में है। केन्द्रापाड़ा [अनुसूचित जाति] निर्वाचन क्षेत्र में विजय श्री प्राप्त की। कटक निर्वाचन क्षेत्र में दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.2.4 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

1957 में उड़ीसा राज्य के मात्र पुरी निर्वाचन क्षेत्र में इसका आधिपत्य रहा है। यहाँ पर कांग्रेस को हराकर विजय प्राप्त किया। भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में इसको द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.2.5 निर्दलीय क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के उत्तरी तथा दक्षिणी क्षेत्र में इसका प्रभाव है। केउंझर तथा मयूर भंज निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रतिद्वन्दी कांग्रेस दल को हराकर विजय हासिल की। गंजाम [अनुसूचित जाति] निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.3 तृतीय महानिर्वाचन वर्ष 1962

तृतीय महानिर्वाचन के समय राजनीतिक अस्थिरता आ गयी थी। पंचवर्षीय योजनाओं के न सफल होने के कारण जनता में असन्तोष व्याप्त हो गया तथा उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभाव कम हुआ। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अलावा, अन्य दल भी उभर कर आने लगे। चित्र 4.3[a-b] विजय प्राप्त दल तथा द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का स्थानिक प्रतिरूपण प्रस्तुत किया गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, गणतन्त्र परिषद, प्रजा सोसलिस्ट दल, भारतीय कम्युनिस्ट दल तथा निर्दल दल का क्षेत्र।

4.2.3.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर शेष भागों पर इस दल का वर्चस्व है। कोरापुत [अनुसूचित जनजाति], नवरंगपुर, छत्रपुर, भंजनगढ, केउंझर, मयूरगंज
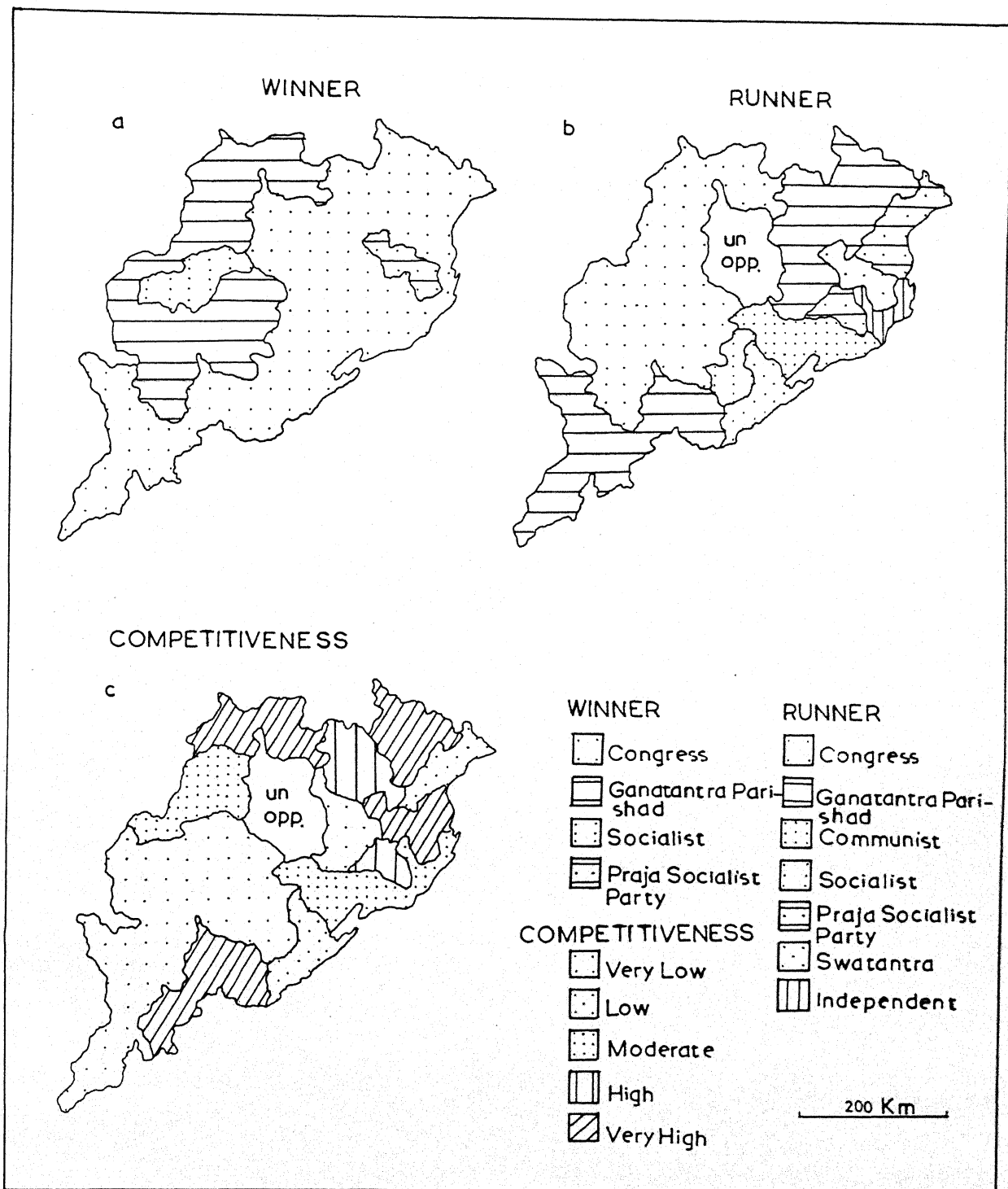
Fig. 4.3 Party Distribution : 1962

ः अनुसूचित जनजातिः बालासोर, भेड़ारकः अनुसूचित जातिः, जाजपुर ःअनुसूचित जातिः कटक, ठेनकानाल, अंगुल ः निर्विरोधः भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वन्दियों को हराकर अपना वर्चस्व कायम किया। कालाहाण्डी, फुलवानीः अनुसूचित जनजातिः सम्बलपुर, बोलगीर ःअनुसूचित जातिः, सुन्दरगढः अनुसूचित जनजातिः, केन्द्रापाड़ा निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा करके द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस निर्वाचन वर्ष में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को बहुमत मिला।

4.2.3.2 सोशिलिस्ट दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मात्र सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस दल को हराकर विजयहासिल किया। भजनगढ़ ःअनुसूचित जातिः निर्वाचन क्षेत्र में इसे द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस निर्वाचन क्षेत्र में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव कम हो गया था।

4.2.3.3 गणतन्त्र परिषद दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी, फुलवानीः अनुसूचित जनजातिः, बोलंगीर ःअनुसूचित जातिः, सुन्दरगढः अनुसूचित जनजातिः निर्वाचन क्षेत्रों पर इस दल का वर्चस्व रहा। कोरापुत ःअनुसूचित जातिः नवरंगपुर, केउंझर, मयूरभंज ःअनुसूचित जनजातिः ठेनकानाल, आदि निर्वाचन क्षेत्रों में इस दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.3.4 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को कोई स्थान न मिल सका। भुवनेश्वर, तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा करके द्वितीय स्थान पर रही।

4.2.3.5 निर्दलीय क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को कोई स्थान न मिल सका। बोलगीरःअनुसूचित जातिः, मयुरभंजःअनुसूचित जनजातिः आदि निर्वाचन क्षेत्रों में इसका तृतीय स्थान रहा।

4.2.4 चतुर्थ महानिर्वाचन 1967

चतुर्थ महानिर्वाचन विकट परिस्थितियों में सम्पन्न हुआ। उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल का प्रभाव कम होने लगा। इस निर्वाचन वर्ष में अनेक नयां विपक्षी दलों का उदय हुआ जिससे कांग्रेस को भारी क्षति उठानी पड़ी। चित्र 4.4 (a-b) के द्वारा विजित दल तथा द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है।

4.2.4.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस दल का विस्तार दक्षिणी-पश्चिमी भाग में है। भुवनेश्वर भजनगढ, छत्रपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति), नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा करके इस दल को विजयश्री मिली। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति), बालासोर, जाजपुर (अनुसूचित जाति), केन्द्रापाड़ा, कटक, पुरी, कालाहाण्डी, फुलवानी (अनुसूचित जाति), बोलंगीर, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) केउंझर (अनुसूचित जनजाति) ठेनकानल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रमें द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस निर्वाचन वर्ष में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को काफी क्षति पहुँची।

4.2.4.2 स्वराज्य दल क्षेत्र

इस निर्वाचन के पहले इस दल का अस्तित्व नहीं था। इसका जन्म 1967 के चुनाव में हुआ तथा इस दल को भारी सफलता मिली। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति), कालाहाण्डी, फुलवानी (अनुसूचित जाति), बोलंगीर, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) केउंझर (अनुसूचित जनजाति) ठेनकानल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में इस दल को विजय मिली। भेड़ारक (अनुसूचित जाति) छत्रपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति), नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति), सम्बलपुर, आदि निर्वाचन क्षेत्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.4.3 प्रजा सोसलिस्ट दल क्षेत्र

इस दल का विस्तार उत्तरी पूर्वी भाग में है। उड़ीसा के बालासोर, जाजपुर
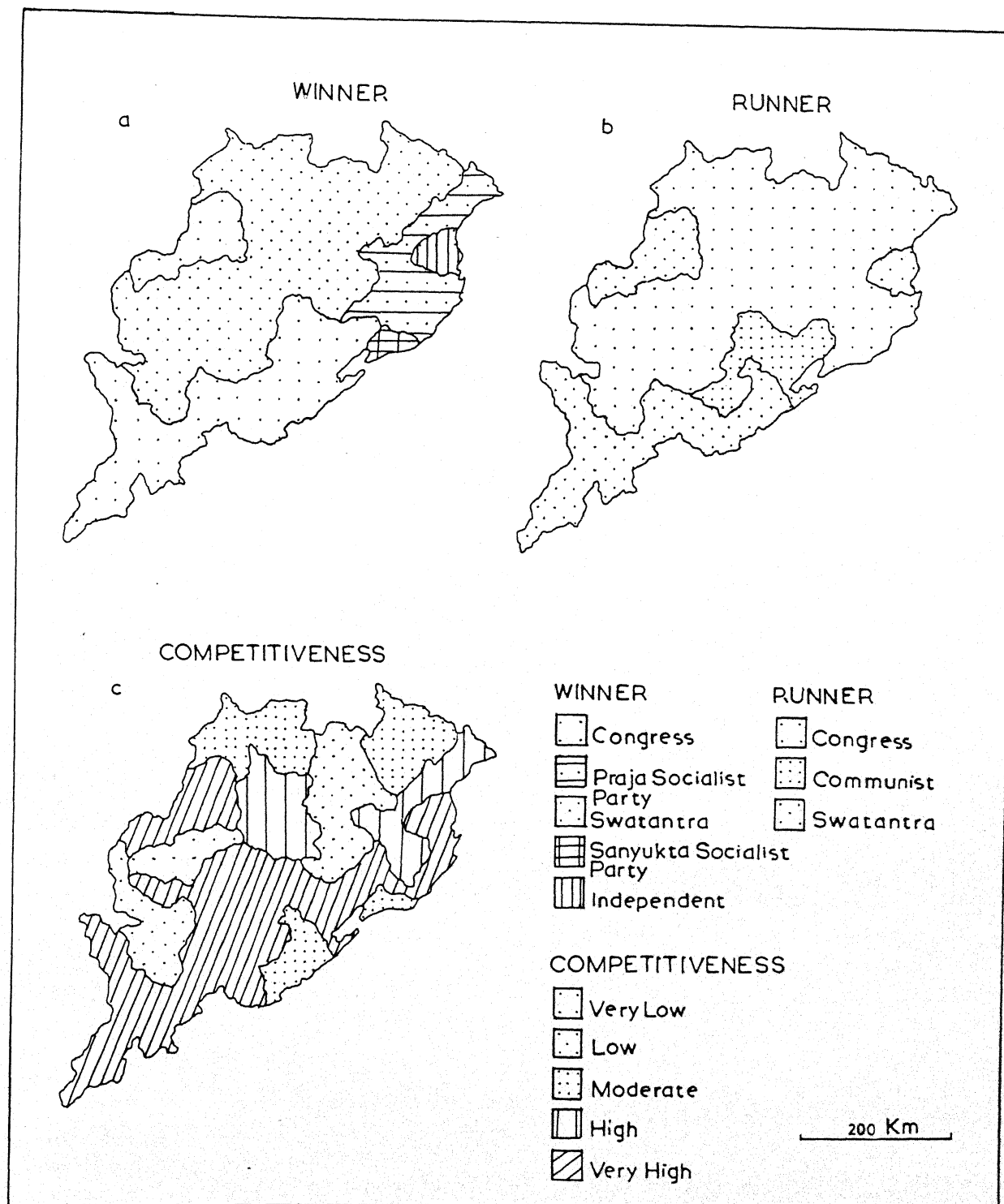
Fig.4·4 Party Distribution : 1967

§अनुसूचित जाति§ केन्द्रापाड़ा तथा कटक निर्वाचन क्षेत्रों में विजय श्री मिली। इस दल को किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान नहीं मिला।

4.2.4.4 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्यमें इस निर्वाचन वर्ष में कोई स्थान न पा सका। भुवनेश्वर तथा भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में इसे द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.4.5 निर्दलीय क्षेत्र

इस का प्रभाव पूर्वी क्षेत्र में है। भेड़ारक §अनुसूचित जाति§ निर्वाचन क्षेत्र में इसको विजय श्री मिली। इस को किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान भी न मिल सका।

4.2.5 पंचम महानिर्वाचन वर्ष 1971

इस महानिर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को खोयी हुई प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। यह निर्वाचन श्रीमती इन्दिरा गांधी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

चित्र 4.5 §a-b§ को विजयी दल तथा द्वितीय प्राप्त दल का प्रतिरूप प्रदर्शित किया गया है। अध्ययन की सुविधा के लिए पाँच क्षेत्रों में विभाजित किया गया है- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ,स्वराज्य दल, भारतीय कम्युनिस्ट दल, निर्दलीय तथा अन्य दल क्षेत्र आदि।

4.2.5.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के उत्तरी पूर्वी तथा दक्षिणी पश्चिमी भागों में विस्तृत है। इन निर्वाचन क्षेत्रों में इसे अनेकों विपक्षी दलों से प्रतिस्पर्धा करना पड़ा है। मयूरभंज §अनुसूचित जनजाति§, बालासोर, भेड़ारक §अनुसूचित जाति§, जाजपुर §अनुसूचित जाति§, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, छत्रपुर, कोरापुत§ अनुसूचित जनजाति§, नवरंगपुर§अनुसूचित जनजाति§
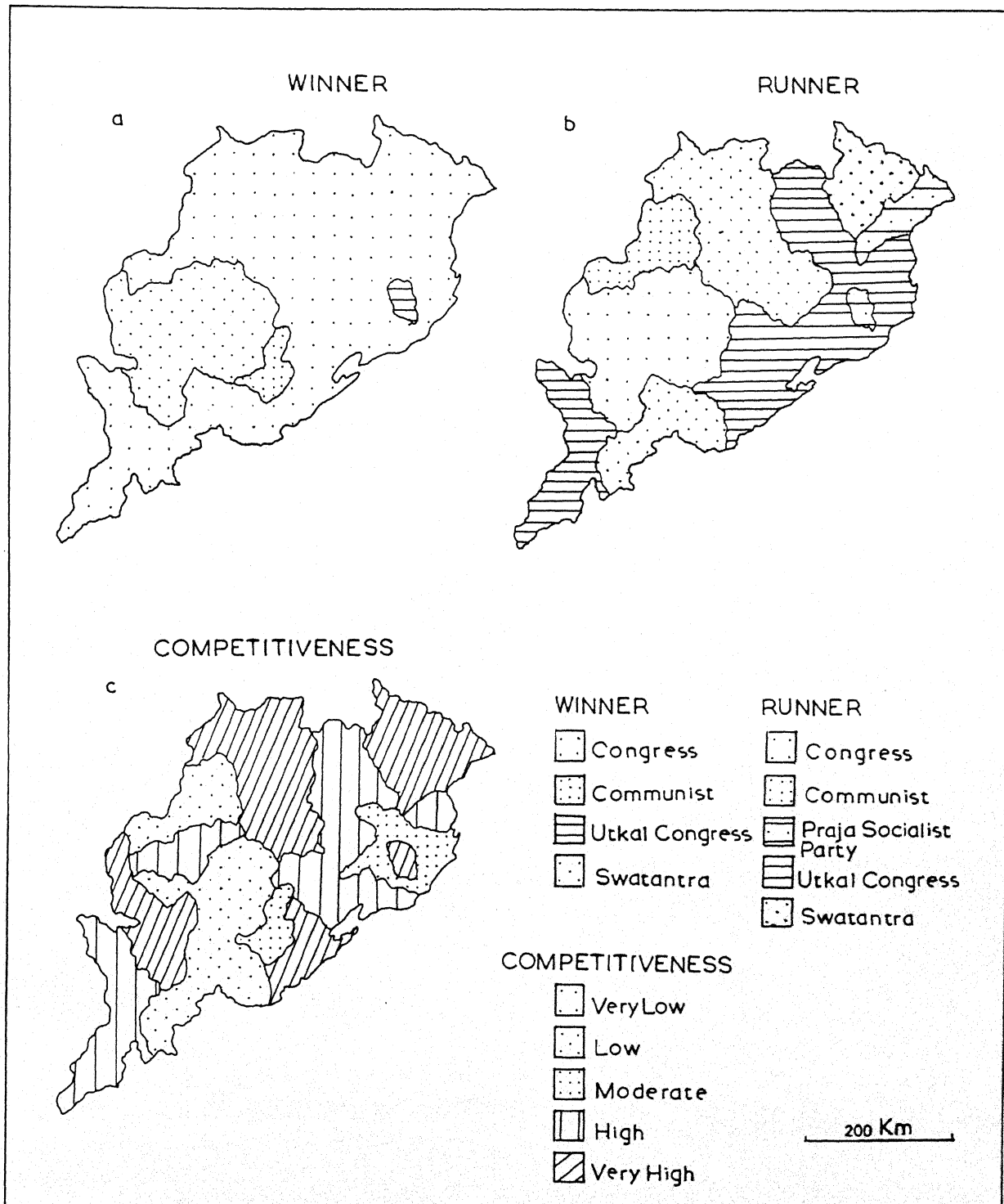
Fig. 4.5 Party Distribution : 1971

सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ केंउझर ॥अनुसूचित जनजाति॥, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा करके इस दल को विजयश्री मिली। कालाहाण्डी, फुलवानी॥ अनुसूचित जाति॥, बोलंगीर निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस दल को पूर्ण रूप से बहुमत मिला।

4.2.5.2 स्वराज्य दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के फुलवानी ॥अनुसूचित जाति॥, बोलगीर, कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र में विजय श्री मिली। मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥ सुन्दरगढ ॥अनुसूचित जनजाति॥, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों मेंइसे प्रथम स्थान मिला।

4.2.5.3 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

इस दल का प्रभाव उड़ीसा राज्य में बहुत कम है। भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में ही इसे विजयश्री मिली। सम्बलपुर में इस दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.5.4 अन्य दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्यमें1971 महानिर्वाचन वर्ष में कई क्षेत्रीय दलों का महत्व रहाहै। उत्कल कांग्रेस दल केन्द्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में विजयश्री पा सकी, भेडारक ॥अनुसूचित जाति॥ जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥ कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भजनगढ, छत्रपुर, नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4.2.6 षष्ठम महानिर्वाचन 1977

इस महानिर्वाचन वर्ष में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की साख काफी गिर चुकी थी। उड़ीसा राज्य में कांग्रेस दल प्रभावहीन हो गया जिससे विपक्षी दलों का प्रभाव बढ़ गया। कई विपक्षी दलों ने गठबन्धन करके जनता दल तथा भारतीय लोकदल को जन्म दिया। उड़ीसा में भारतीय लोकदल का प्रभाव अधिक था जिससे कांग्रेस दल को काफी नुकसान पहुँचा।
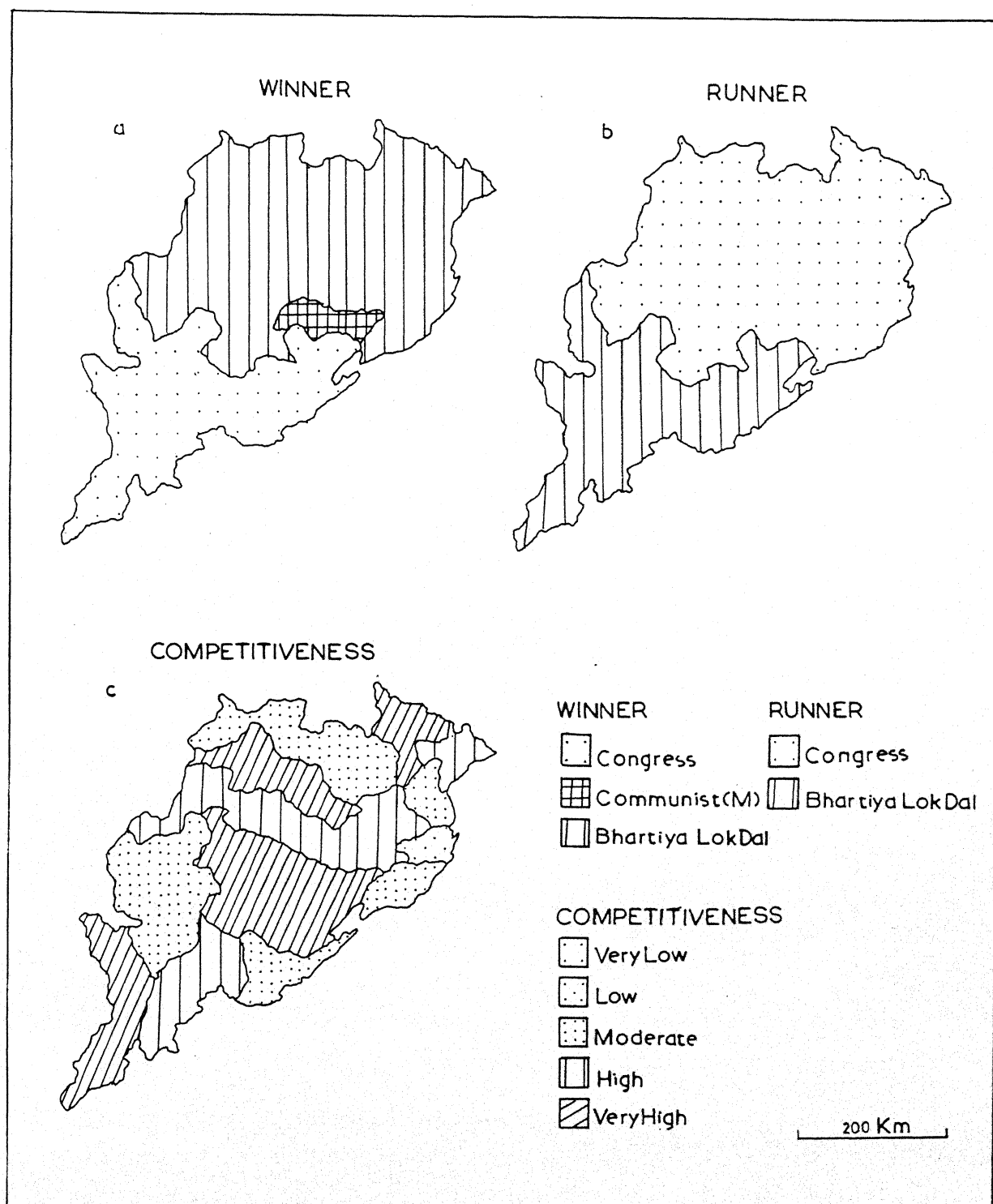
Fig.4.6 Party Distribution : 1977

चित्र 4.6 ॥ a-b ॥ केद्वारा इसका स्थानिक प्रतिरूप के साथ विजयीदल तथा द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का विवरण प्रस्तुत किया गया है। जिनमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय लोकदल, भारतीय कम्युनिस्ट दल, निर्दल दल तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दल आदि।

4.2.6.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस दल का प्रभाव इस निर्वाचन वर्ष में कम हो गया। असका, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥ नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र में इसे प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥, बालासोर भेड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ केन्द्रापाड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर, फुलवानी॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा कैंउझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.6.2 भारतीय लोकदल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस दल का उदय 1977 के निर्वाचन वर्ष में हुआ तथा इसदल को पूर्ण बहुमत मिला। मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥, बालासोर, भेड़ारक, ॥अनुसूचित जाति॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥, केन्द्रापाड़ा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, फुलवानी॥ अनुसूचित जाति॥, बोलंगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, ठेनकानल, सुन्दरगढ़॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा कैंउझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में विजय श्री मिली। उसका, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥, नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.6.3 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस दल का महत्व रहा है लेकिन इस निर्वाचन वर्ष में कोई सफलता न मिल सकी।

4.2.6.4 भारतीय कम्युनिष्ट दल [मार्क्सवादी] क्षेत्र

इस दल का विस्तार उड़ीसा राज्य के पूर्वी भाग में है। भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को प्रथम स्थान मिला।

4.2.6.5 निर्दलीय क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के आधे से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में इसका प्रभाव रहा लेकिन इसे किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में सफलता न मिल सका।

4.2.7 सप्तम महानिर्वाचन वर्ष 1980

इस महानिर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य में कांग्रेस की स्थिति में सुधार आया। उड़ीसा राज्य में विपक्षी दलों का महत्त्व कम हो गया क्योंकि विपक्षी गठित दल टूट गया तथा अलग-अलग विपक्षी दलों का प्रादुर्भाव हुआ। चित्र 4.7 [a-b] के द्वारा स्पष्ट रूप से विजयी दल तथा द्वितीय वरीयता प्राप्त दल को दर्शाया गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट दल, भारतीय कम्युनिस्ट दल [मार्क्सवादी] आदि।

4.2.7.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल क्षेत्र

इस दल का प्रभाव उड़ीसा राज्य के सम्पूर्ण निर्वाचन क्षेत्रों में है। मयूरभंज [अनुसूचित जनजाति], कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर, अस्का, बरहामपुर, कोरापुत [अनुसूचित जनजाति], नवरंगपुर [अनुसूचित जनजाति], कालाहाण्डी, फुलबानी [अनुसूचित जाति] बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, ढेंकानाल, सुन्दरगढ [अनुसूचित जनजाति], केउंझर [अनुसूचित जनजाति] निर्वाचन क्षेत्रों में विजयश्री मिली। केन्द्रापाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।
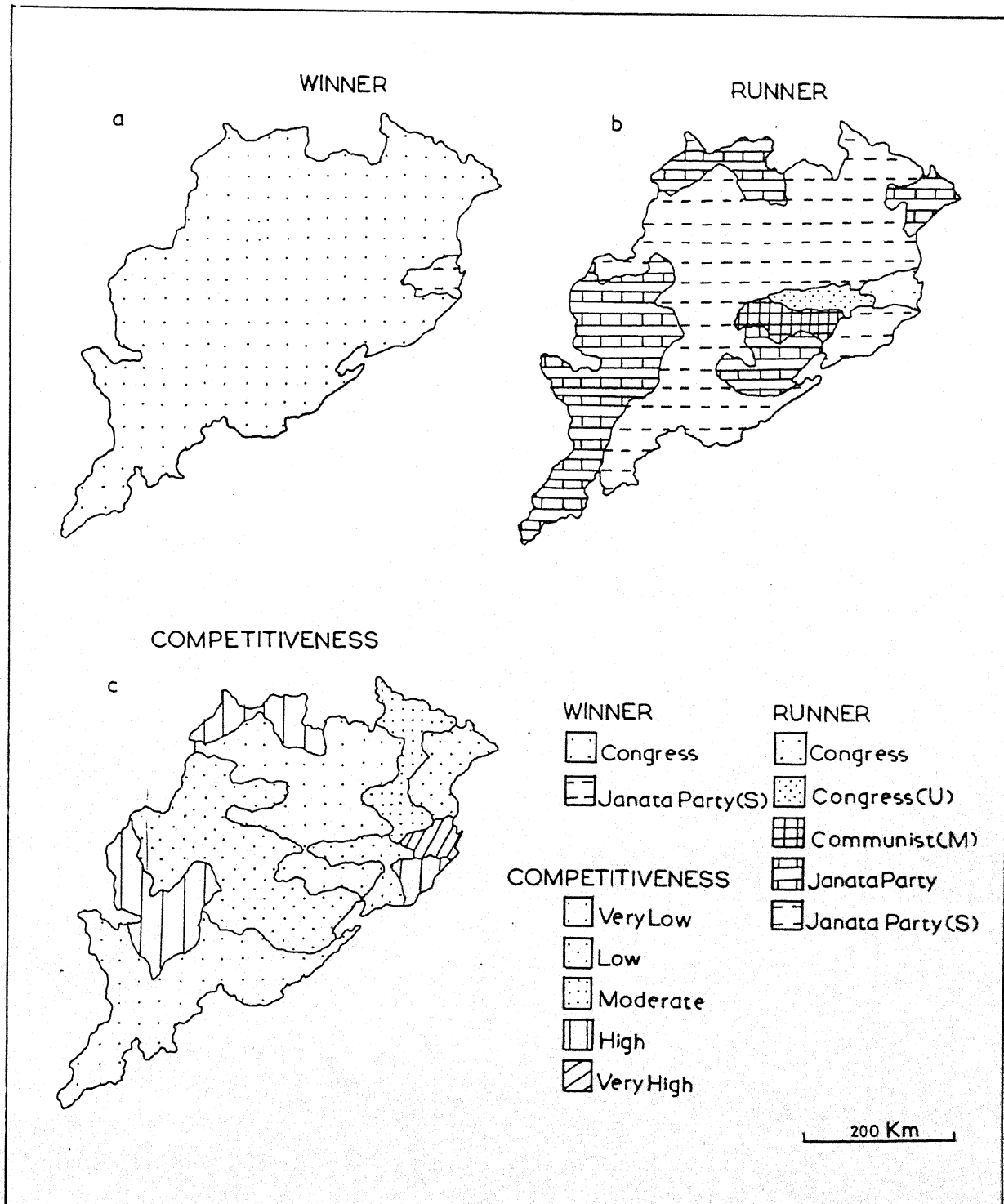
Fig. 4·7 Party Distribution : 1980

4.2.7.2 जनता दल॥ सेकुलर॥ क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कुल निर्वाचन क्षेत्रों को छोड़कर इसका प्रभाव पाया जाता है। यह दल मात्र केन्द्रापाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में विजय मिली। मयूरगंज ॥अनुसूचितजनजाति॥ भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥, जगतसिंहपुर, पुरी, वरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥, फुलवानी॥ अनुसूचित जाति॥ सम्बलपुर, देवगढ़, ढेंकानाल तथा केउंझर॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.7.3 भारतीय कम्युनिस्ट दल॥ मार्क्सवादी॥

इस महानिर्वाचन में उड़ीसा राज्य के मात्र भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त है।

4.2.7.4 जनता दल क्षेत्र

इस दल का विस्तार उड़ीसा राज्य के निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है। वालासोर, असका, नवरंगपुर॥अनुसूचित जनजाति॥, कालाहाण्डी, वोलगीर, सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में द्वितीय स्थान प्राप्त है।

4.2.8 अष्ठम महानिर्वाचन 1984

लोकसभा निर्वाचन से पहले श्रीमती इन्दिरागाँधी की हत्या कर दी गयी जिससे चारो तरफ असंतोष फैल गया। इसका प्रभाव उड़ीसा राज्य पर बहुत अधिक पड़ा तथा वहाँ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्ण रूपेण बहुमत प्राप्त हुआ।

चित्र 4.8 ॥a-b॥ के द्वारा विजयी दल तथा द्वितीय वरीयता प्राप्त दल का प्रतिरूप निरूपण किया गया है।

4.2.8.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के इस निर्वाचन वर्ष में इस दल का प्रभाव सभी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है। मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥, वालासोर, भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥
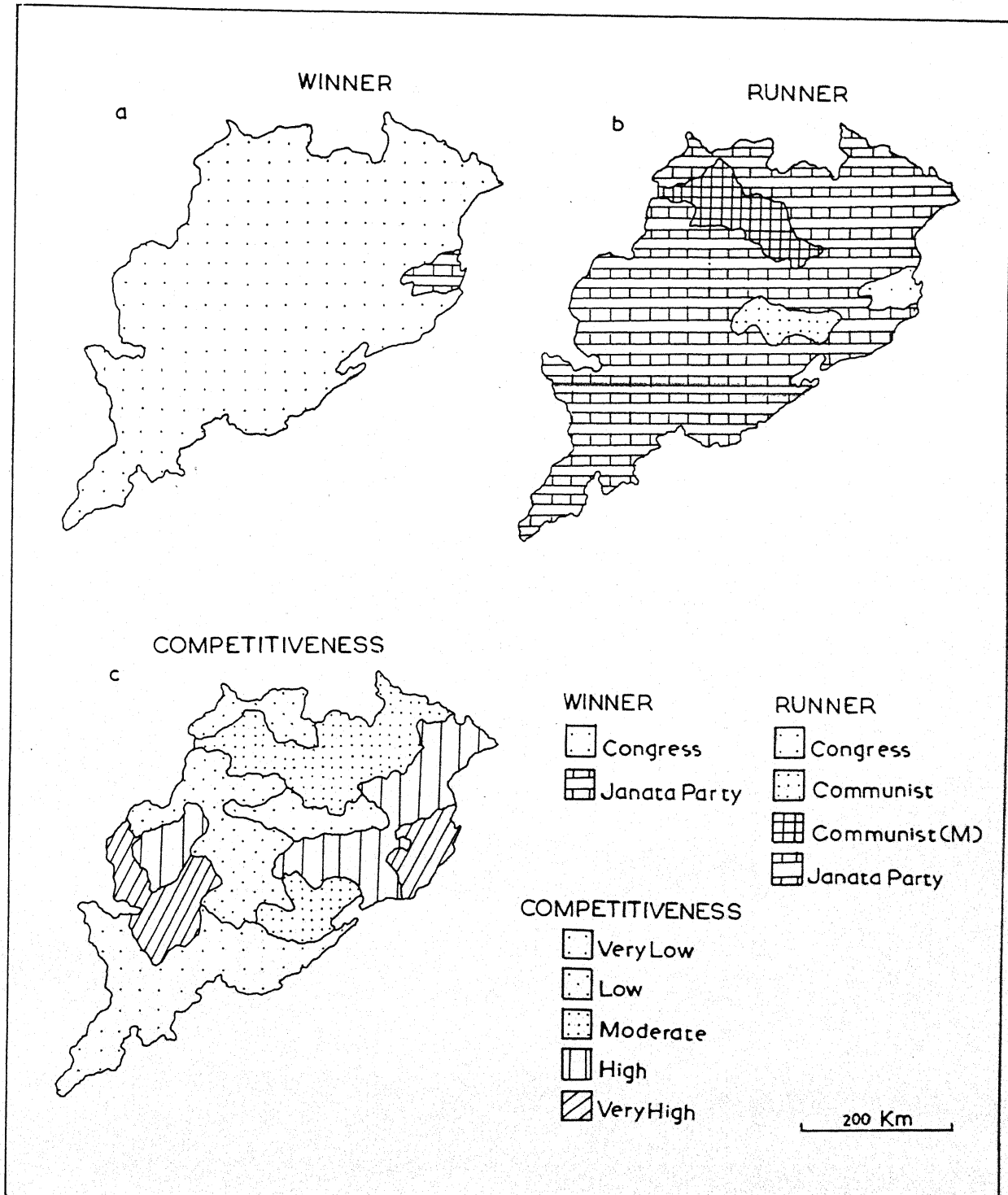
Fig. 4.8 Party Distribution : 1984

जाजपुर §अनुसूचित जाति§, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, कोरापुत, §अनुसूचित जनजाति§, नवरंगपुर §अनुसूचित जनजाति§, कालाहाण्डी, फुलवानी§अनुसूचित जाति§ बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ, ठेनकानाल, सुन्दरगढ §अनुसूचित जनजाति§ कैंउझर §अनुसूचित जनजाति§ निर्वाचन क्षेत्रों में प्रथम स्थान मिला। केन्द्रापाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में इसे द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.8.2 जनता दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मात्र केन्द्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को विजयश्री मिली। मयूरगंज§अनुसूचित जनजाति§ ,वारासोर, भेड़ारक§ अनुसूचित जाति§ जाजपुर §अनुसूचित जाति§ कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, असका, वरहामपुर, कोरापुत§अनुसूचित जनजाति§ नवरंगपुर §अनुसूचित जनजाति§, कालाहाण्डी, फुलवानी §अनुसूचित जाति§ वोलगीर, सम्बलपुर, ठेनकानाल, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जनजाति§ तथा कैंउझर §अनुसूचित जनजाति§ निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

4.2.8.3 भारतीय कम्युनिस्ट दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

4.2.8.4 भारतीय कम्युनिस्ट §मार्क्सवादी§ दल क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में दल को भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

भारत के विभिन्न महानिर्वाचन वर्षों में जो महत्वपूर्ण दल रहा है-

1- निर्वाचन वर्ष 1957, 1967 एवं 1971 को छोड़कर सभी निर्वाचन वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को पूर्णरूपेण बहुमत प्राप्त हुआ। 1980 एवं 1984 में कांग्रेस दल को विशेष सफलता मिली।

2- षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष में भारतीय लोकदल को पूर्ण बहुमत मिला जबकि कांग्रेस दल मात्र विपक्षी दल बन कर रह गया।

4.3 दल प्रतियोगिता

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में भिन्न-भिन्न राजनीतिक दलों द्वारा विभिन्न निर्वाचन वर्षों में विजयीदल तथा द्वितीय उच्च वरीयता प्राप्त दल के मध्य प्रतियोगिता के स्तर का निर्धारण किया गया है। चित्र 4.1 (C) से 4.8 (C) तक पूर्णतः स्पष्ट हो जाता है। इस प्रतियोगिता स्तर को पाँच भागों में विभक्त किया गया है। अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न, अतिनिम्न के क्षेत्र।

4.3.1 अति उच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कुछ ही निर्वाचन वर्षों में अति उच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र पाये जाते हैं। प्रथम निर्वाचन वर्ष (1952) में कालाहाण्डी, बोलगीर (अनुसूचित जनजाति) द्वितीय निर्वाचन वर्ष (1957) में कालाहाण्डी (अनुसूचित जाति), केउंझर, तृतीय निर्वाचन वर्ष (1962) में कोरापुत (अनुसूचित जनजाति), भजनगढ़ (अनुसूचित जाति), कालाहाण्डी, फुलवानी (अनुसूचित जनजाति), सम्बलपुर, ठेनकानाल, चतुर्थ निर्वाचन (1967) में बोलगीर, पंचम निर्वाचन (1971) में, षष्ठम निर्वाचन वर्ष (1977) में सर्वोच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र नहीं है। सप्तम निर्वाचन वर्ष (1980) में भुवनेश्वर, बरहामपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति), नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति), देवगढ़, ठेनकानाल तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) तथा अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष (1984) में अति उच्च प्रतियोगिता वाले क्षेत्र नहीं हैं।

4.3.2 उच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र सभी निर्वाचन वर्षों में पाया जाता है। प्रथम निर्वाचन वर्ष (1952), कटक, बालासोर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में, द्वितीय निर्वाचन वर्ष (1957) में सम्बलपुर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में तृतीय

निर्वाचन वर्ष ॥1962॥ में केउंझर, भेड़ारक॥ अनुसूचित जाति॥, कटक निर्वाचन क्षेत्र, चतुर्थ निर्वाचन ॥1967॥ में कालाहाण्डी, ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र, पंचम महानिर्वाचन क्षेत्र वर्ष ॥1971॥ में कोरापुत॥अनुसूचित जनजाति॥, फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥, सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र, षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष ॥1977॥ में केन्द्रापाड़ा, सप्तम निर्वाचन वर्ष ॥1980॥ में बालासोर, भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥, कटक, पुरी, असका, फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥, बोलंगीर, सम्बलपुर तथा अष्ठम निर्वाचन वर्ष ॥1984॥ में फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में उच्च प्रतियोगिता के क्षेत्र हैं।

4.2.3 मध्यम प्रतियोगिता के क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम प्रतियोगिता के निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचन वर्षों के अन्तर्गत रहा है। प्रथम महानिर्वाचन वर्ष ॥1952॥ में सम्बलपुर, केन्द्रापाड़ा, गुहमुसर, द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष ॥1957॥ में मध्यम प्रतियोगिता के क्षेत्र नहीं है। तृतीय महानिर्वाचन वर्ष ॥1962॥ में जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥, भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र हैं। चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष ॥1967॥ में मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥, पुरी, छत्रपुर, सुन्दरगढ़॥ अनुसूचित जनजाति॥, पंचम महानिर्वाचन वर्ष ॥1971॥ में जाजपुर॥ अनुसूचित जाति॥ कटक, भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र हैं। षष्ठम निर्वाचन वर्ष॥1977॥ में भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥, जगतसिंहपुर, पुरी, वरहामपुर, कालाहाण्डी, बोलंगीर, सुन्दरगढ॥ अनुसूचित जनजाति॥, केउंझर॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र हैं। सप्तम महानिर्वाचन वर्ष ॥1980॥ में मयूरभंज, जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र तथा अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष ॥1984॥ में मयूरभंज, असका, देवगढ, केउंझर॥ अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में मध्यम प्रतियोगिता के क्षेत्र पाये जाते हैं।

4.3.4 निम्न प्रतियोगिता के क्षेत्र

निम्न प्रतियोगिता के क्षेत्र बहुत कम निर्वाचन क्षेत्रों में रहा है। प्रथम महा-निर्वाचन वर्ष ॥1952॥ में मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥, पुरी, गुहमुसर, खुरदा निर्वाचन क्षेत्र। द्वितीय महानिर्वाचन ॥1957॥ में गंजाम॥साउथ॥, भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र, तृतीय

महानिर्वाचन वर्ष §1962§ में केउंझर §अनुसूचित जनजाति§, कटक, निर्वाचन क्षेत्र, चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष §1967§ में बालासोर, अंगुल निर्वाचन क्षेत्र, पंचम महानिर्वाचन वर्ष §1961§ में भेड़ारक §अनुसूचित जाति§, पुरी, भुवनेश्वर, नवरंगपुर§अनुसूचित जाति§, बोलगार, केउंझर §अनुसूचित जनजाति§, ठेनकानाल, निर्वाचन क्षेत्र, षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष §1977§ में बालेश्वर, जाजपुर§अनुसूचित जाति§ , कटक, कोरापुत§अनुसूचित जनजाति§ सम्बलपुर, ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र। सप्तम महानिर्वाचन वर्ष §1980§ में जगतसिंहपुर, कालाहाण्डी, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जनजाति§ निर्वाचन क्षेत्र, अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष §1984§ में बालेश्वर, भेड़ारक§अनुसूचित जाति§, जाजपुर §अनुसूचित जाति§ कटक, पुरी, भुवनेश्वर, बोलगीर आदि निर्वाचन क्षेत्रों में निम्न प्रतियोगिता के क्षेत्र पाये जाते हैं।

4.3.5 अति निम्न प्रतियोगिता के क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में कोई भी निर्वाचन वर्ष लगातार इस प्रतियोगिता में नहीं रहा है क्योंकि क्षेत्र बदलता रहा है। प्रथम महानिर्वाचन वर्ष §1952§ में नवरंगपुर, निर्वाचन क्षेत्र, बारगढ़ , सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जाति§, जाजपुर, केउंझर §अनुसूचित जाति§, द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष §1957§ में कोरापुत §अनुसूचित जनजाति§, बालासोर, केन्द्रापाड़ा , अंगुल पुरी, कटक, निर्वाचन क्षेत्र। तृतीय महानिर्वाचन वर्ष §1962§ में नवरंगपुर, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जनजाति§, बारासोर भेड़ारक §अनुसूचित जाति§ निर्वाचन क्षेत्र । चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष §1967§ में भेड़ारक, §अनुसूचित जाति§ कटक, भुवनेश्वर, भजनगढ़, कोरापुट §अनुसूचित जनजाति§, नवरंगपुर , फुलबानी§अनुसूचित जाति§, सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र, पंचम महानिर्वाचन वर्ष §1971§ में मयूरगंज §अनुसूचित जनजाति§, बालासोर, कालाहाण्डी, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जाति§, ठेनकानाल, केन्द्रापाड़ा, छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र । षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष §1977§ में मयूरभंज §अनुसूचित जनजाति§, भुवनेश्वर, असका, नवरंगपुर, फुलबानी§अनुसूचित जाति§ देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र। सप्तम निर्वाचन वर्ष §1980§ में केन्द्रापाड़ा तथा अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष §1984§ में केन्द्रापाड़ा , जगतसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्र अति निम्न प्रतियोगिता के अन्तर्गत आते हैं।

4.4 सीट की साम्यावस्था

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में भिन्न-भिन्न राजनीतिक दलों का विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के सन्दर्भ में कालिक विवेचन प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न समर्थन प्रतिरूपों के विवरण का अध्ययन चित्र ॥4.9॥ के द्वारा स्पष्ट रूप से दिखाया गया है। इसमें ऐसे दलों का चुनाव किया गया है जो एक ही निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न निर्वाचन वर्षों में कम से कम दो बार अवश्य स्थान पर अपना वर्चस्व स्थापित किया हो। निम्न रूपों में विभजित किया गया है- उच्च साम्यावस्था, ॥80 प्रतिशत से अधिक॥, साम्य समर्थन ॥60 से 80॥, अनिश्चित साम्य समर्थन ॥40 से 60॥, साम्य विरोध ॥40 से 20॥ उच्च साम्य विरोध ॥20 से कम॥ । इससे सम्बन्धित चार दलों का महत्वपूर्ण अध्ययन किया गया है- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, गणतन्त्र परिषद, भारतीय कम्युनिस्ट दल, निर्दलीय आदि।

4.4.1 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

उड़ीसा राज्य में भारतीय राष्ट्रीयकांग्रेस दल की स्थिति चित्र 4.9॥ ॥ के द्वारा स्पष्ट होता है। यही एक ऐसा दल है जिसे उच्च साम्य समर्थन प्राप्त है। कोरापुट ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में इसे उच्च साम्य समर्थन प्राप्त है।

साम्य समर्थन वाले निर्वाचन क्षेत्रों में नवरंगपुर, केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥, मयूरगंज ॥अनुसूचित जनजाति॥, वालासोर, कटक, पुरी, भुवनेश्वर तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

अनिश्चित साम्य समर्थन वाले निर्वाचन क्षेत्रों में सम्बलपुर, सुन्दरगढ़॥अनुसूचित जनजाति॥ , ठेनकानाल, केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ भेडारक ॥अनुसूचित जाति॥ तथा जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ आते हैं। यहाँ पर अनिश्चित समर्थन प्रतिरूप पाया जाता है।

साम्य विरोध उड़ीसा राज्य के फुलवानी॥अनूसूचित जाति॥, कालाहाण्डी, छत्रपुर, असका, बरहामपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है। यहाँ पर साम्य विरोध समर्थन प्रतिरूप पाया जाता है।
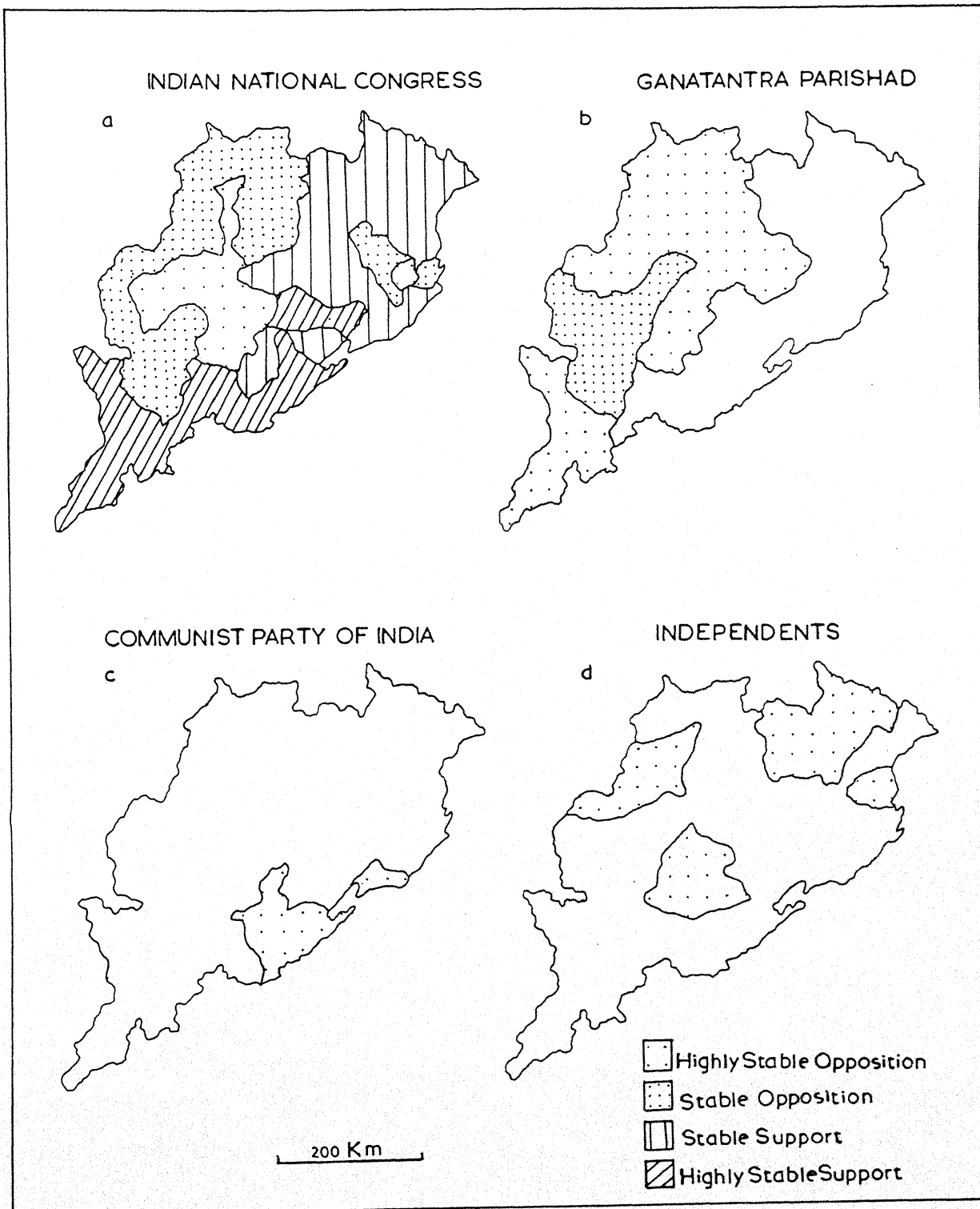
Fig. 4.9 Seat Stability

उच्च साम्य विरोध अंगुल, भजनगढ़, जगतसिंह पुर, देवगढ, खुरदा, गंजाम ꞉साउथ꞉ आदि निर्वाचन क्षेत्रों में उच्च साम्य विरोध प्रतिरूप पाया जाता है।

4.4.2 प्रजा सोसलिस्ट दल -

उड़ीसा राज्य में यह दल उच्च साम्य समर्थन, साम्य समर्थन, अनिश्चित समर्थन किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में न पा सका। साम्य विरोध के दृष्टिकोण से यह दल द्वितीय स्थान पर रहा है।

साम्य विरोध उड़ीसा राज्य के मात्र केन्द्रापाड़ा निर्वाचन क्षेत्रमें इस दल को स्थान मिला है।

उच्च साम्य विरोध बालासोर, कटक, जाजपुर ꞉अनुसूचित जाति꞉ निर्वाचन क्षेत्रों में हैं।

4.4.3 गणतन्त्र परिषद दल

यह दल उड़ीसा राज्य में उच्च साम्य समर्थन, साम्य समर्थन, अनिश्चित समर्थन तथा साम्य विरोध किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में न पा सकी।

उच्च साम्य विरोध, नवरंगपुर, फुलवानी꞉ अनुसूचित जाति꞉ सम्बलपुर, सुन्दरगढ, ꞉अनुसूचित जनजाति꞉ ढेनकानाल, कालाहाण्डी, अंगुल, बोलगीर निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है।

4.4.4 निर्दलीय

उड़ीसा राज्य में केवल इस दल को ही उच्च साम्य विरोध समर्थन प्रतिरूप ही प्राप्त हुआ है- बारगढ़, केउंझर, ꞉अनुसूचित जनजाति꞉, मयूरभंज ꞉अनुसूचित जनजाति꞉ , मुहमुसर तथा भेड़ारक ꞉अनुसूचित जाति꞉ निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है।

4.5 स्थानों की संख्या

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में उड़ीसा राज्य के प्रत्येक निर्वाचन वर्ष में निर्वाचन क्षेत्रों में कितने उम्मीदवार चुनाव मैदान में आये, इसका संक्षिप्त विवरण दिया गया है।

4.5.1 प्रथम निर्वाचन 1952

उड़ीसा राज्य के इस निर्वाचन वर्ष में नवरंगपुर ﴾3﴿, रायगढ-फुलवानी ﴾निर्विरोध﴿, कालाहाण्डी -वोलगीर﴾ अनुसूचित जाति﴾4﴿, वारगढ﴾5﴿, सम्बलपुर ﴾3﴿, सुन्दरगढ़﴾4﴿, ठेनकानाल-वेस्ट कटक﴾अनुसूचित जनजाति﴾6﴿, जाजपुर -केउंझर ﴾अनुसूचित जाति﴾6﴿, मयूरभंज ﴾3﴿, वालासोर ﴾6﴿, केन्द्रपाड़ा ﴾3﴿, कटक﴾4﴿, पुरी﴾2﴿ खुरदा ﴾3﴿, गुहमुसर﴾2﴿, गंजाम-साउथ ﴾3﴿ प्रत्याशी थे। चित्र 4.10 ﴾a﴿ के द्वारा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

4.5.2 द्वितीय महानिर्वाचन 1957

द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा के प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में कोरापुट ﴾अनुसूचित जनजाति﴾6﴿, गंजाम ﴾अनुसूचित जाति﴾6﴿, कालाहाण्डी﴾5﴿, सम्बलपुर﴾अनु० जनजाति﴾5﴿, सुन्दरगढ﴾3﴿, केउंझर ﴾3﴿, मयूरभंज﴾4﴿, वालासोर﴾6﴿, केन्द्रापाड़ा﴾6﴿ कटक﴾2﴿, ठेनकानाल﴾2﴿, अंगुल ﴾3﴿, भुवनेश्वर﴾3﴿, पुरी﴾3﴿, उम्मीदवार थे। चित्र 4.10 ﴾b﴿ के द्वारा दर्शाया गया है।

4.5.3 तृतीय महानिर्वाचन 1962

इस निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के भिन्न-भिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में कोरापुट ﴾अनुसूचित जनजाति﴿﴾2﴿, नवरंगपुर ﴾2﴿, छत्रपुर﴾3﴿, भजनगढ़ ﴾अनुसूचित जनजाति﴾2﴿, कालाहाण्डी﴾2﴿, फुलवानी ﴾अनुसूचित जाति﴾2﴿ सम्बलपुर ﴾3﴿, वोलगीर﴾अनुसूचित जाति ﴾3﴿, सुन्दरगढ़﴾अनुसूचित जाति ﴾4﴿, केउंझर ﴾2﴿, मयूरभंज﴾अनुसूचित जनजाति﴾4﴿, वालासोर ﴾3﴿, भैड़ारक﴾अनुसूचित जाति﴾2﴿, जाजपुर ﴾अनुसूचित जाति﴾3﴿, केन्द्रापाड़ा﴾2﴿, कटक﴾3﴿ ठेनकानाल﴾2﴿, अंगुल﴾ निर्विरोध﴿, भुवनेश्वर﴾2﴿, पुरा﴾2﴿ प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। चित्र
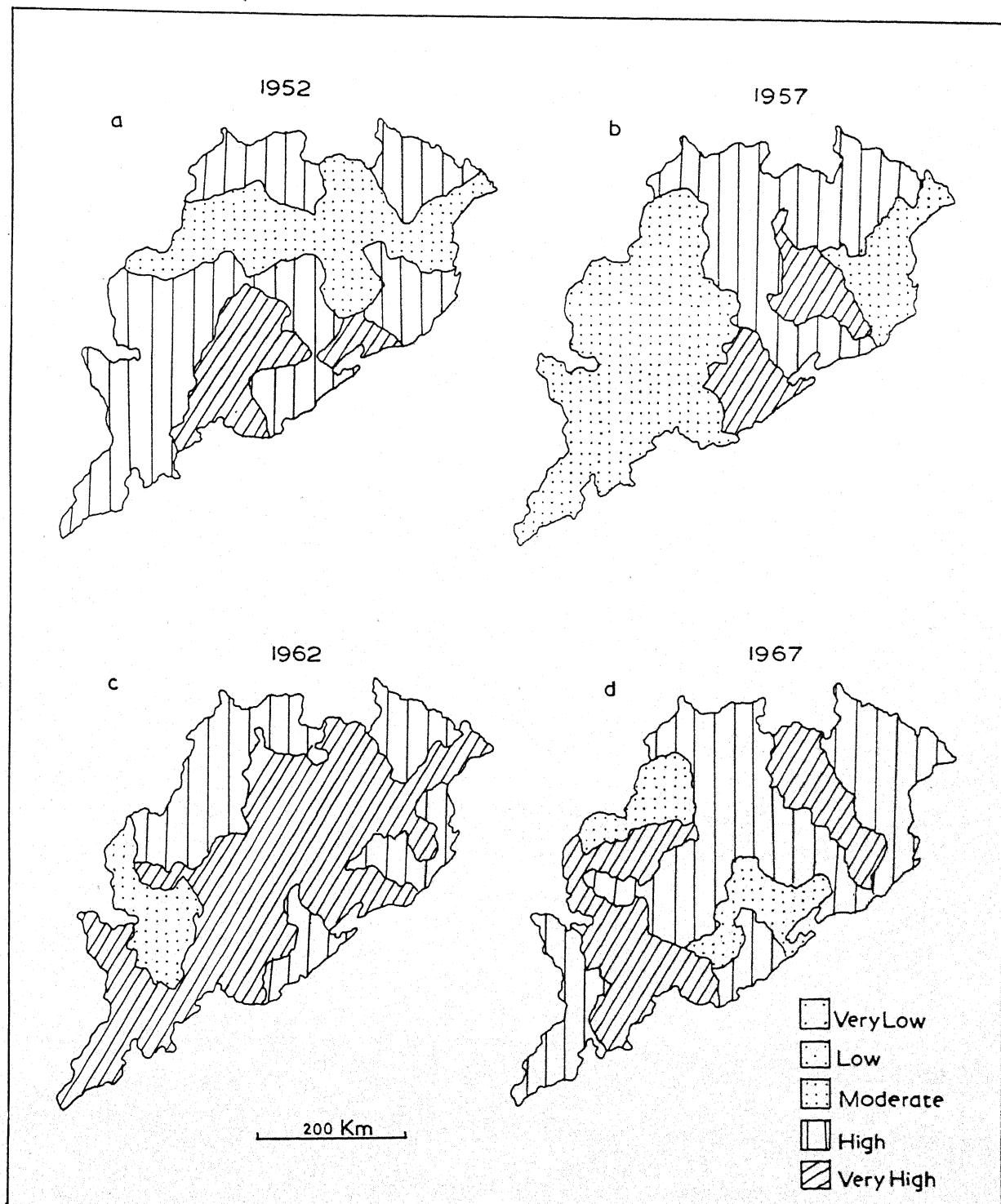
Fig.4·10 Contest Intensity
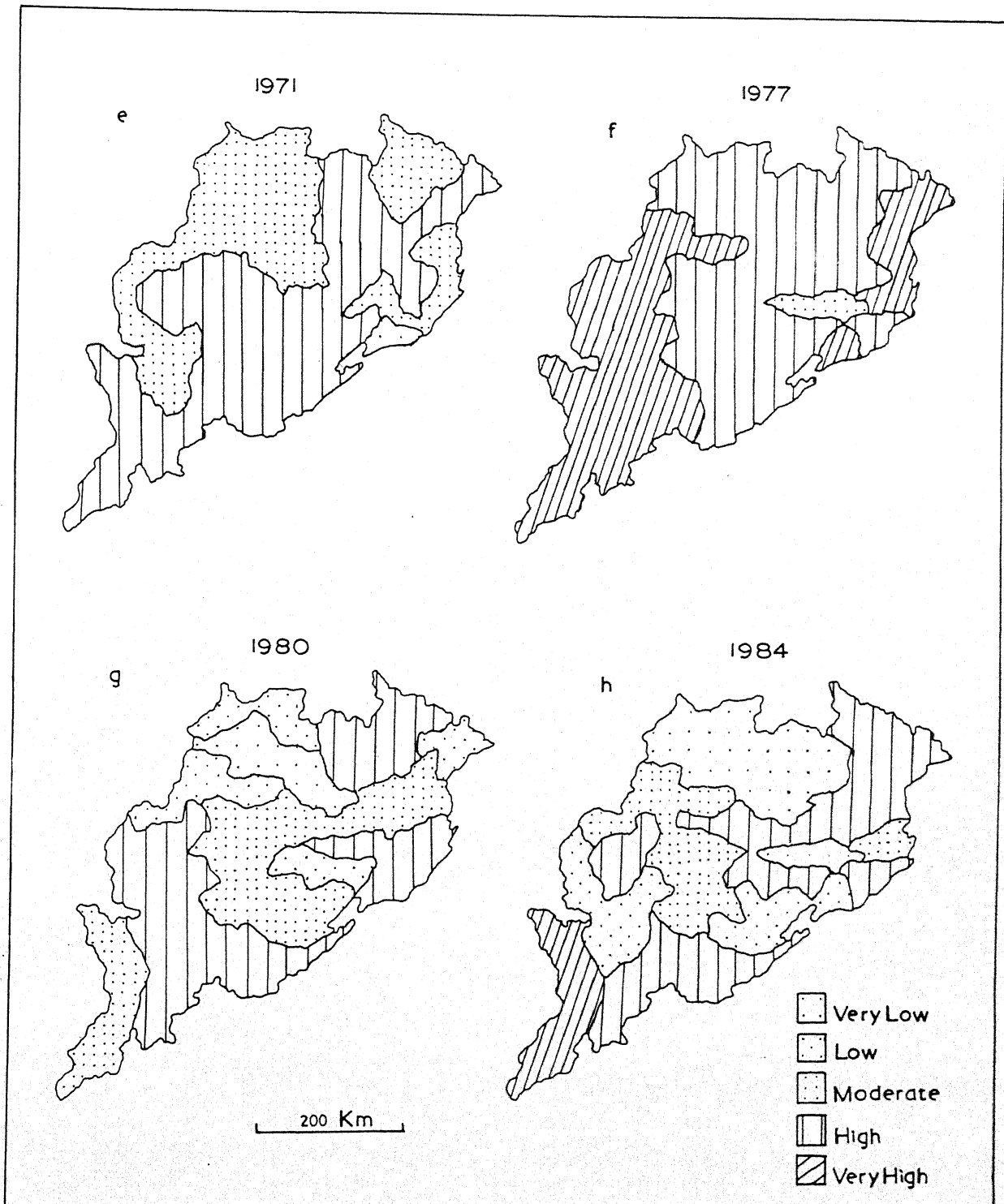
Fig.4.10 (Continued)

4.10 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

4.5.4 चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष 1967

उड़ीसा प्रान्त के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥3॥, बालासोर ॥3॥, भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥4॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥2॥, केन्द्रापाड़ा ॥2॥, कटक॥4॥, पुरी॥3॥, भुवनेश्वर॥5॥, भजनगढ॥5॥, छत्रपुर॥4॥, कोरापुट॥अनुसूचित जन-जाति॥2॥, नवरंगपुर॥अनुसूचित जनजाति॥3॥, कालाहाण्डी॥2॥, फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥3॥, बोलगीर॥2॥, सम्बलपुर॥6॥, सुन्दरगढ॥अनुसूचित जनजाति॥3॥ केउंझर॥अनुसूचित जनजाति॥2॥, ठेनकानाल॥3॥ तथा अंगुल ॥3॥ प्रत्याशी थे। चित्र 4.10॥d॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

4.5.5 पंचम महानिर्वाचन वर्ष 1971

उड़ीसा प्रान्त के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥5॥, बालासोर॥4॥, भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥5॥, जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥4॥, केन्द्रापाड़ा॥3॥ कटक॥5॥, पुरी॥4॥, भुवनेश्वर॥4॥, भजनगढ़॥3॥, छत्रपुर॥4॥, कोरपुत॥अनुसूचित जनजाति॥3॥, नवरंगपुर॥3॥, कालाहाण्डी॥6॥, फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥4॥, बोलगीर॥4॥, सम्बलपुर ॥6॥, सुन्दरगढ॥अनुसूचित जनजाति॥5॥, केउंझर॥ अनुसूचित जनजाति॥4॥, ठेनकानाल॥4॥, अंगुल॥5॥ प्रत्याशी थे। चित्र 4.10॥e॥ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

4.5.6 षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष 1977

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥4॥, बालासोर॥3॥, भेड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥2॥, जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥3॥, केन्द्रापाड़ा ॥2॥, कटक॥5॥, जगतसिंहपुर॥3॥, पुरी॥2॥, भुवनेश्वर॥3॥, असका॥4॥, बरहामपुर॥4॥, कोरापुत॥अनुसूचित जनजाति॥ ॥2॥ नवरंगपुर॥अनुसूचित जनजाति॥2॥, कालाहाण्डी॥2॥ फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥3॥, बोलगीर॥2॥, सम्बलपुर॥2॥, देवगढ॥2॥, ठेनकानाल॥3॥, सुन्दरगढ॥अनुसूचित जनजाति॥4॥, केउंझर॥अनुसूचित जनजाति॥3॥ प्रत्याशी थे। चित्र 4.10f के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

4.5.7 सप्तम महानिर्वाचन वर्ष 1980

उड़ीसा के सप्तम महा निर्वाचन वर्ष में मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति)(4), बालासोर(7), भेडारक(अनुसूचित जाति(5), जाजपुर(अनुसूचित जनजाति(5), केन्द्रापाड़ा (4), कटक(4), जगतसिंहपुर(4), पुरी(4), भुवनेश्वर(7), अस्का (6), बरहामपुर(4), कोरापुत(अनुसूचित जनजाति(3), नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति(5), कालाहाण्डी(4), फुलवानी(अनुसूचित जाति(5), बोलगीर(4), सम्बलपुर(8), देवगढ़(11), ठेनकानाल(6), सुन्दरगढ़(अनुसूचित जनजाति(7), केउंझर(अनुसूचित जनजाति(3) प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। चित्र 4.10(G)।

4.5.8 अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष 1984

उड़ीसा प्रान्त के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति)(4) बालासोर(2), भेडारक (अनुसूचित जनजाति(4), जाजपुर (अनुसूचित जाति(4), केन्द्रपाड़ा (6), कटक(9), जगतसिंहपुर(4), पुरी(8), भुवनेश्वर(3), अस्का(7), बरहामपुर(4), कोरापुत(अनुसूचित जनजाति(3), नवरंगपुर(अनुसूचित जनजाति(2), कालाहाण्डी(7), फुलवानी(अनुसूचित जाति(6), बोलगीर(4), सम्बलपुर(5), देवगढ(9), ठेनकानाल(4), सुन्दरगढ़(अनुसूचित जाति(9), केउंझर(अनुसूचित जनजाति(8), प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। चित्र 4.10 (H) के द्वारा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

अध्याय 5

वैध मतदान

प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में मतदान वयस्क नागरिकों का मूल अधिकार एवं कर्तव्य है। जनता-जनार्दन का प्रतिनिधित्व मतदान के द्वारा ही स्पष्ट होता है। अत: मतदान को यदि प्रजातांत्रिक कर प्रथम सोपान कहा जाय तो अतिशयोक्ति न होगी। अपना नेता, अपनी वांछित पार्टी एवं अपने हितों का रक्षक जनता इसी अधिकार द्वारा चुनती है। त्रुटिहीन मतदान ही वैध मतदान है एवं वैध मतदान के आधार पर ही मतगणना होती है। स्पष्ट है कि भारत के उन क्षेत्रों में जहाँ शिक्षा का प्रसार अधिक है वैध मतदान का प्रतिशत भी अधिक है किन्तु अशिक्षित तथा पिछड़े क्षेत्र में अवैध मतदान अपेक्षाकृत अधिक हो जाता है। नागरिकों की जागरूकता का सूचक है वैध मतदान। वर्तमान अध्याय का विषय वस्तु वैध मतदान और उसके विभिन्न पहलू हैं। प्रस्तुत अध्याय में उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन वर्षों में निर्वाचन सहभागिता का विवरण प्रस्तुत किया गया है। इस अध्याय को 3 अनुभागों में विभाजित किया गया है। प्रथम अनुभाग 5.1 में निरपेक्ष वितरण (वैध मतदान प्रतिशत) का विवरणप्रस्तुत किया गया है। द्वितीय अनुभाग 5.2 में निरपेक्ष वितरण को मानकलब्धि में परिवर्तित करके प्रस्तुत किया गया है। अन्तिम अनुभाग 5.3 में स्थानिक संकेन्द्रण (सापेक्ष वितरण) प्रस्तुत किया गया है।

5.1 निरपेक्ष वितरण

उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन वर्षों के वैध मतदान प्रतिशत (निरपेक्ष वितरण) को पाँच भागों में विभक्त किया गया है।

1- अति उच्च मतदान प्रतिशत- 75 प्रतिशत से अधिक मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र।

2- उच्च मतदान प्रतिशत- 65-75 के मध्य मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र।

3- मध्यम मतदान प्रतिशत- 55-65 प्रतिशत के मध्य मतदान वाले क्षेत्र।

4- निम्न मतदान प्रतिशत- 45-55 प्रतिशत के मध्य मतदान वाले क्षेत्र।

5- अति निम्न मतदान प्रतिशत- 45 प्रतिशत के कम मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग 5.1 में विभिन्न निर्वाचन वर्ष का वैध मतदान प्रस्तुत किया गया है।

5.1.1 प्रथम महानिर्वाचन 1952

उड़ीसा राज्य के प्रथम महानिर्वाचन वर्ष का वैध मतदान प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.1 (a) के द्वारा स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है।

5.1.1.1 अति उच्च मतदान प्रतिशत

उड़ीसा राज्य में अति उच्च वैध मतदान बालासोर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र में हुआ है।

5.1.1.2 उच्च मतदान प्रतिशत

उच्च मतदान प्रतिशत उड़ीसा के बारगढ़, सम्बलपुर, ढेनकानाल-वेस्ट कटक (अनुसूचित जनजाति) मयूरभंज, केन्द्रपाड़ा, कालाहान्डी-बोलंगीर (अनुसूचित जनजाति) तथा गंजाम (साउथ) निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

5.1.1.3 मध्यम मतदान प्रतिशत

उड़ीसा राज्य के मध्यम मतदान के निर्वाचन क्षेत्र नवरंगपुर, जाजपुर, केउंझार (अनुसूचित जाति) कटक, पुरी, खुरदा तथा गुहंमुंसर है।

5.1.1.4 निम्न मतदान प्रतिशत

निम्न मतदान राज्य के सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.1.1.5 अति निम्न मतदान प्रतिशत

अति निम्न मतदान प्रतिशत के क्षेत्र इस निर्वाचन क्षेत्र में निर्विरोध रहा है।

5.1.2 द्वितीय महानिर्वाचन 1957

उड़ीसा राज्य के द्वितीय निर्वाचन वर्ष में वैध मतदान प्रतिशत का प्रतिरूप
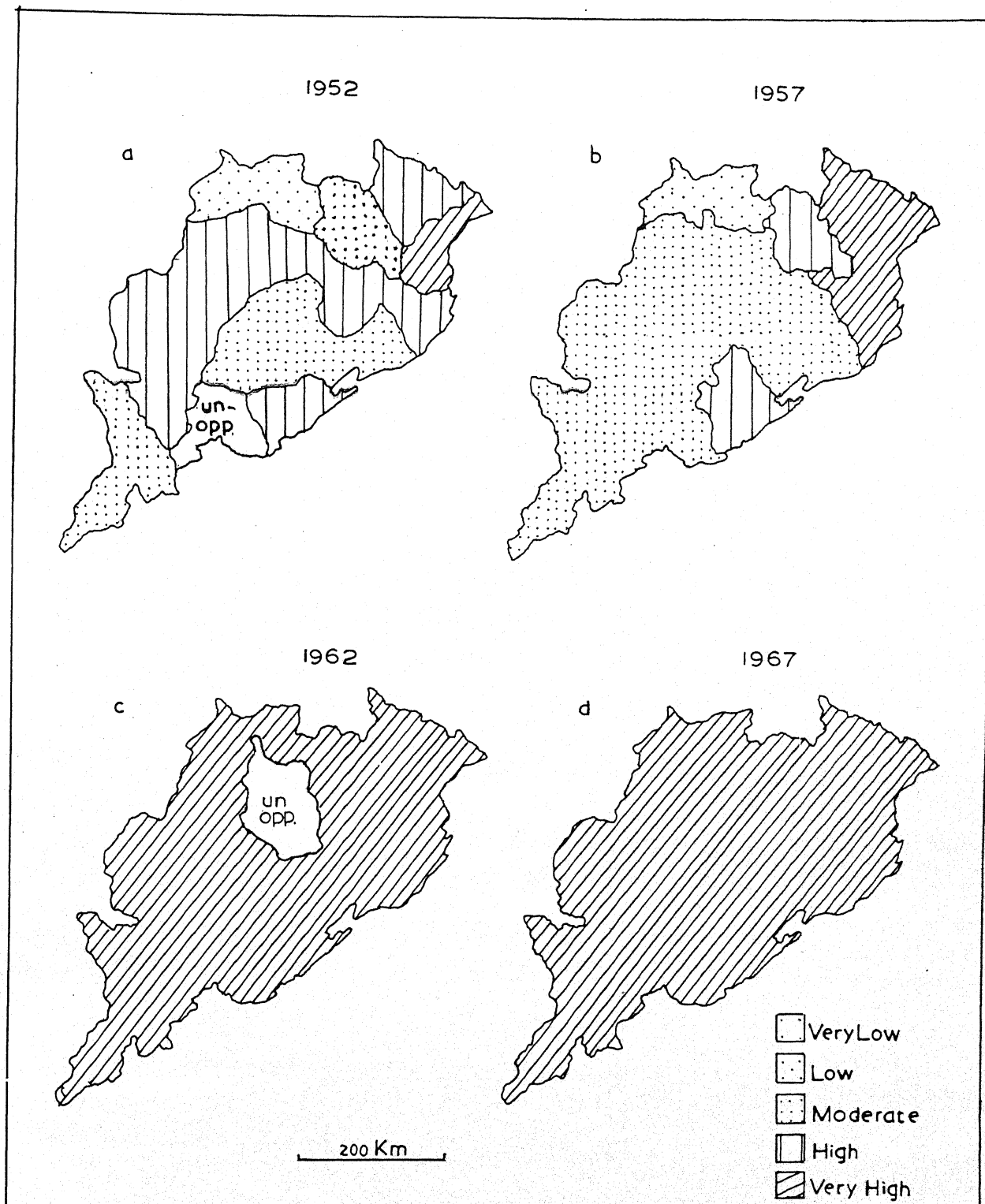
Fig.5.1 Absolute Distribution of Valid Vote (Percent)
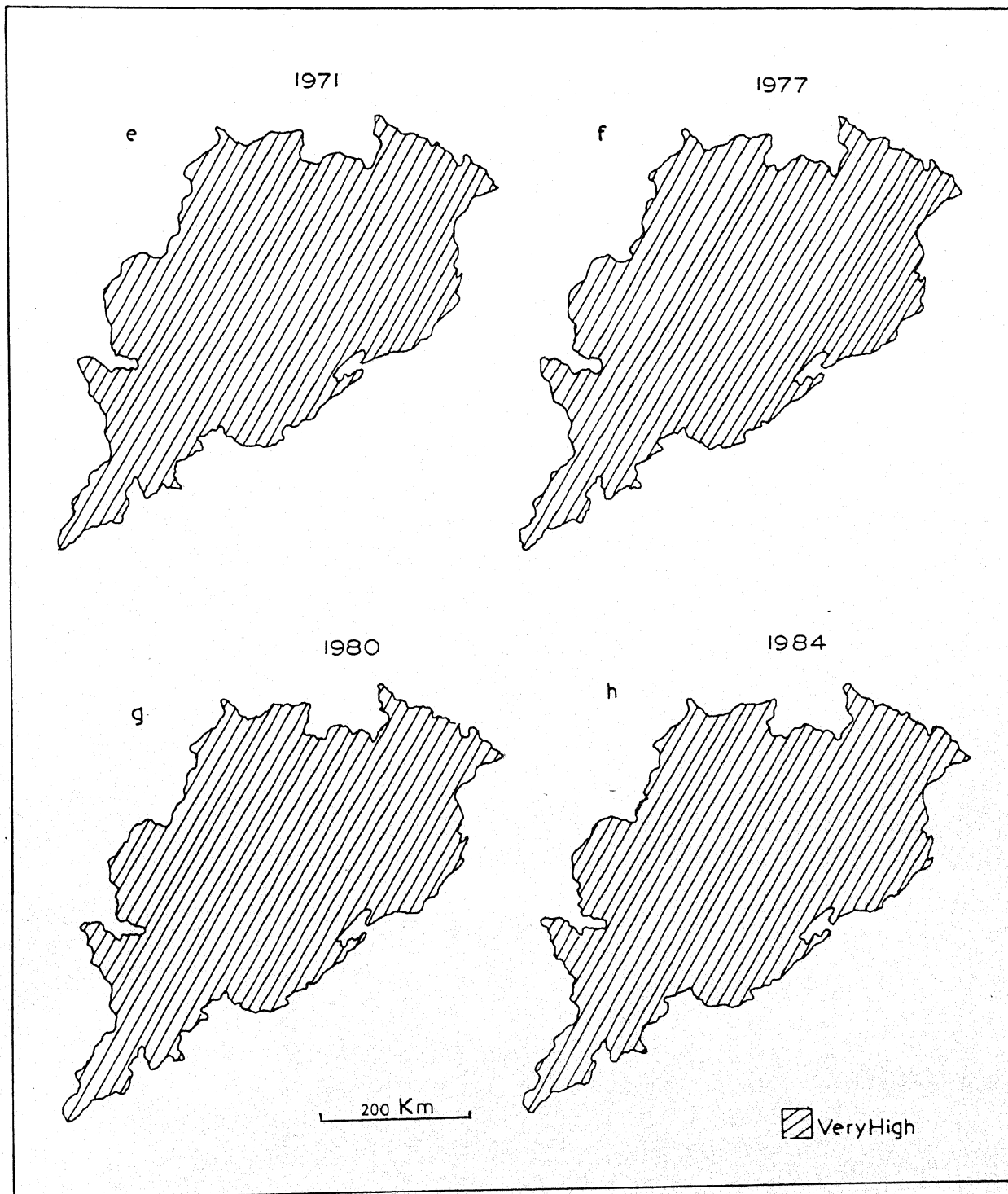
Fig. 5·1 (Continued)

स्पष्ट हो जाता है। चित्र 5.1 ﴾b﴿ के द्वारा स्पष्ट प्रदर्शित किया गया है।

5.1.2.1 अति उच्च मतदान

अति उच्च मतदान प्रतिशत उड़ीसा राज्य के बालासोर ﴾अनुसूचित जाति﴿ केन्द्रपारा ﴾अनुसूचित जाति﴿ तथा मयूरभंज के निर्वाचन क्षेत्रों में हुआ है।

5.1.2.2 उच्च मतदान

उड़ीसा राज्य के गंजाम ﴾अनुसूचित जाति﴿ तथा केंउझर निर्वाचन क्षेत्र में हुआ है।

5.1.2.3 मध्यम मतदान

मध्यम मतदान उड़ीसा राज्य के कोरापुत ﴾ अनुसूचित जनजाति﴿ कालाहाण्डी ﴾अनुसूचित जाति﴿ सम्बलपुर ﴾अनुसूचित जाति﴿ कटक,ढेनकानाल,अंगुल,भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र में हुआहै।

5.1.2.4 निम्न मतदान

निम्न मतदान राज्य के सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.1.3 तृतीय महा निर्वाचन 1962

तृतीय निर्वाचन वर्ष के वैध मतदान प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया है जो चित्र 5.1 ﴾C﴿ के द्वारा स्पष्ट हो जाता है-

5.1.2.1 अति उच्च मतदान

अति उच्च मतदान प्रतिशत उड़ीसा राज्य के सम्पूर्ण निर्वाचन क्षेत्र में हुआ है। कोरापुत ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ नवरंगपुर,छत्रपुर,भजनगढ़ ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ कालाहान्डी,फुलवानी﴾ अनुसूचित जनजाति﴿ सम्बलपुर,बोलगीर﴾ अनुसूचित जाति﴿ सुन्दरगढ़ ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ केउंझर ,मयुरभज ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ बालासोर , भेड़ारक ﴾अनुसूचित जाति﴿,केन्द्रपारा,जाजपुर﴾ अनुसूचित जाति﴿ कटक,ढेनकानाल,अंगुल भुवनेश्वर पुरी है।

तृतीय निर्वाचन वर्ष में उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्न मतदान तथा अति निम्न मतदान किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में नहीं पाया गया है।

5.1.4 चतुर्थ महा निर्वाचन 1967

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न चतुर्थ महा निर्वाचन के अन्तर्गत विभिन्न निर्वाचन में प्रतिशत मतदान की सहभागिता का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.1 (d) केद्वारा स्पष्ट हो जाता है।

5.1.4.1 अति उच्च मतदान

अति उच्च मतदान के निर्वाचन क्षेत्र उड़ीसा राज्य के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बालासोर, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति), केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भजनगढ, छत्रपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) कालाहान्डी, फुलवानी (अनुसूचित जाति) बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) केउंझर (अनुसूचित जनजाति) ठेनकानाल तथा अंगुल है।

चतुर्थ निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य में किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्न मतदान, अति निम्न मतदान नहीं हुआ है।

5.1.5 पंचम महा निर्वाचन 1971

इस निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के मतदान प्रतिशत सहभागिता का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.1 (e) के द्वारा आवहित होता है।

5.1.5.1 अति उच्च मतदान

अति उच्च मतदान सहभागिता वाले क्षेत्र उड़ीसा राज्य के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बालासोर, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) केन्द्रापारा कटक, पुरी भुवनेश्वर, भजनगढ, छत्रपुर, कोरापुत (अनुसूचित जाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) कालाहान्डी, फुलवानी (अनुसूचित जाति) बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) केउंझर (अनुसूचित जनजाति), ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र में है।

इस निर्वाचन वर्ष में उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्न मतदान, अति निम्न मतदान के क्षेत्र नहीं है।

5.1.6 षष्ठम महा निर्वाचन 1977

चित्र 5.1 ﴾6﴿ को सिंहावलोकन से यह विदित होता है कि उड़ीसा राज्य में सम्पन्न षष्ठम महा निर्वाचन में प्रतिशत मतदान के सहभागिता की स्थिति स्पष्ट हो जाती है।

5.1.6.1 अति उच्च मतदान

उड़ीसा राज्य के सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मयूरभंज, ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ बालासोर भेड़ारक ﴾अनुसूचित जाति﴿ जाजपुर ﴾अनुसूचित जाति﴿ केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर पुरी, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, कोरापुत ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ नवरंगपुर﴾अनुसूचित जनजाति﴿ फुलबानी ﴾अनुसूचित जाति﴿ बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ, ठेनकानाल, सुन्दरगढ ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ तथा केउंझर ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ अति उच्च मतदान सहभागिता वाले हैं।

इस निर्वाचन वर्ष में भी उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्नमत, अति निम्न मतदान के निर्वाचन क्षेत्र नहीं हैं।

5.1.7 सप्तम महा निर्वाचन 1980

उड़ीसा राज्य के सप्तम निर्वाचन वर्ष का प्रतिशत मतदान का विवरणप्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.1 ﴾6﴿ के पर्यवेक्षण से मतदान प्रतिरूप स्पष्ट हो जाता है-

5.1.7.1 अति उच्च मतदान

अति उच्च प्रतिशत मतदान, मयूरभंज ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ बालासोर, भेड़ारक ﴾अनुसूचित जाति﴿ जाजपुर ﴾ अनुसूचित जाति﴿ केन्द्रपारा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर असका, बरहामपुर, कोरापुत ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ नवरंगपुर, ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ फुलबानी ﴾अनुसूचित जाति﴿ बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, ठेनकानाल, सुन्दरगढ ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ तथा केउंझर ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ निर्वाचन क्षेत्र में है।

सप्तम निर्वाचन वर्ष में उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्न मतदान, अति निम्न मतदान के क्षेत्र नहीं हैं।

5.1.8 अष्ठम महा निर्वाचन 1984

चित्र 5.1 ( ) के अवलोकन से यह स्पष्ट हो जाताहै कि उड़ीसा राज्य में अति उच्च मतदान सहभागिता वाले ही निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.1.8.1 अति उच्च मतदान

उड़ीसा राज्य में अति उच्च मतदान प्रतिशत के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बालासोर, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा, कटक, जगतसिंहपुर, असका, पुरी, बरहामपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) फुलवानी (अनुसूचित जाति) बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, ढेनकानाल, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) के निर्वाचन क्षेत्र संकेन्द्रित हैं।

पिछले निर्वाचन की भांति उच्च मतदान, मध्यम मतदान, निम्न मतदान अति निम्न मतदान के क्षेत्र नहीं हैं।

5.2 निरपेक्ष वितरण-2

प्रस्तुत अध्याय में पिछले अनुभाग में निर्वाचन वर्षानुसार विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के परिपेक्ष्य में वैध मतदान प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया। इस अनुभाग में विभिन्न निर्वाचन वर्षों के वैध मतदान प्रतिशत को उच्च सांख्यकीय विधि द्वारा मानकलब्धि ( ) में परिवर्तित करके विवरण प्रस्तुत किया गया है। अध्ययन की सुविधा के लिए पांच भागों में विभक्त अति उच्च मानकलब्धि + 1.5 से अधिक, उच्च मानक लब्धि + 0.5 + 1.5, मध्यम मानकलब्धि -0.5+0.5, निम्न मानकलब्धि -0.5-1.5 तथा अति निम्न मानकलब्धि -1.5 किया गयाहै।

5.2.1 प्रथम महा निर्वाचन वर्ष 1952

उड़ीसा राज्य में प्रथम महा निर्वाचन वर्ष में वैध मतदान प्रतिशत को मानक लब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.2 (a) के द्वारा अभिहित होता है-
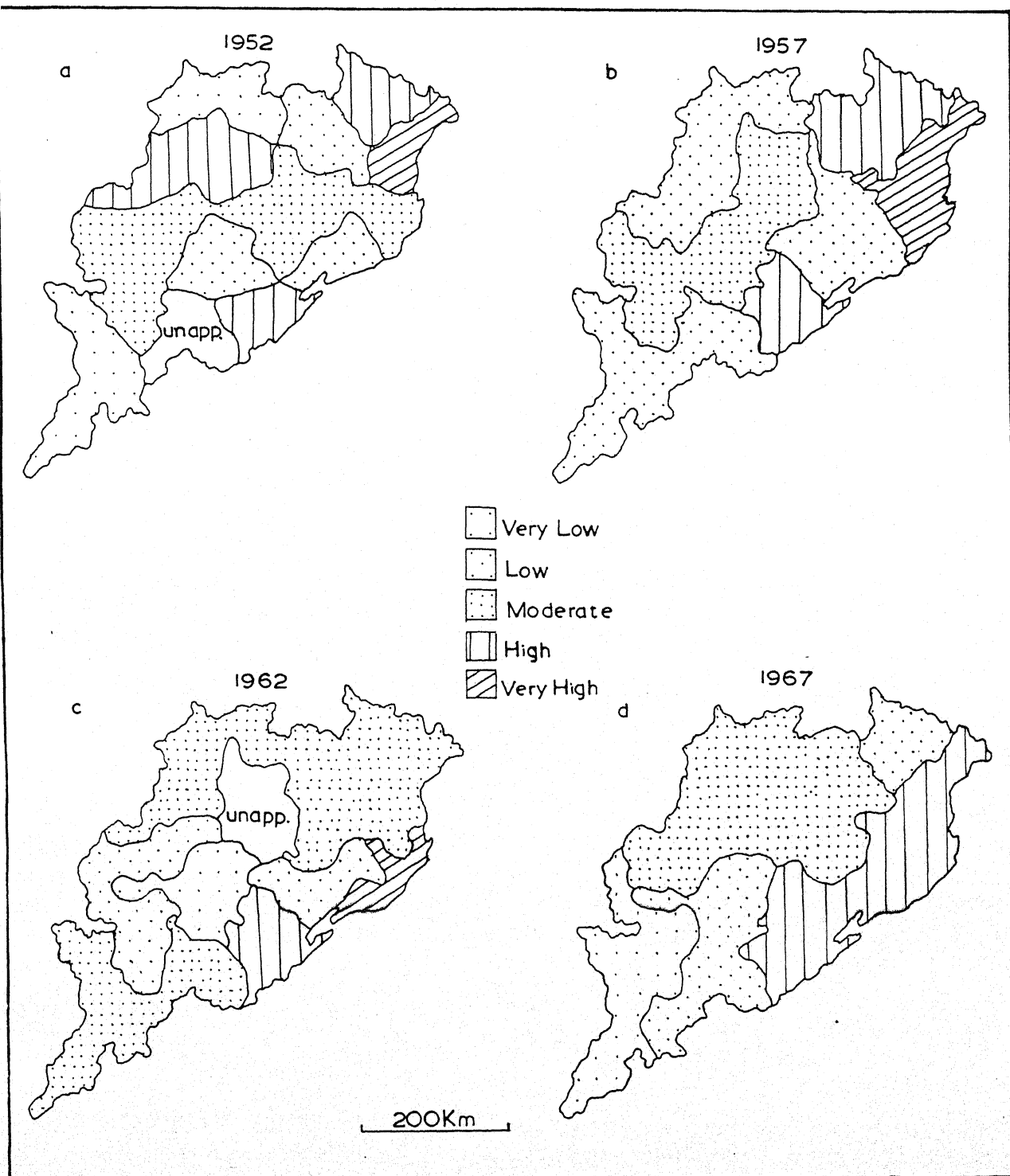
Fig. 5·2 Distribution of Valid Vote (z-score)
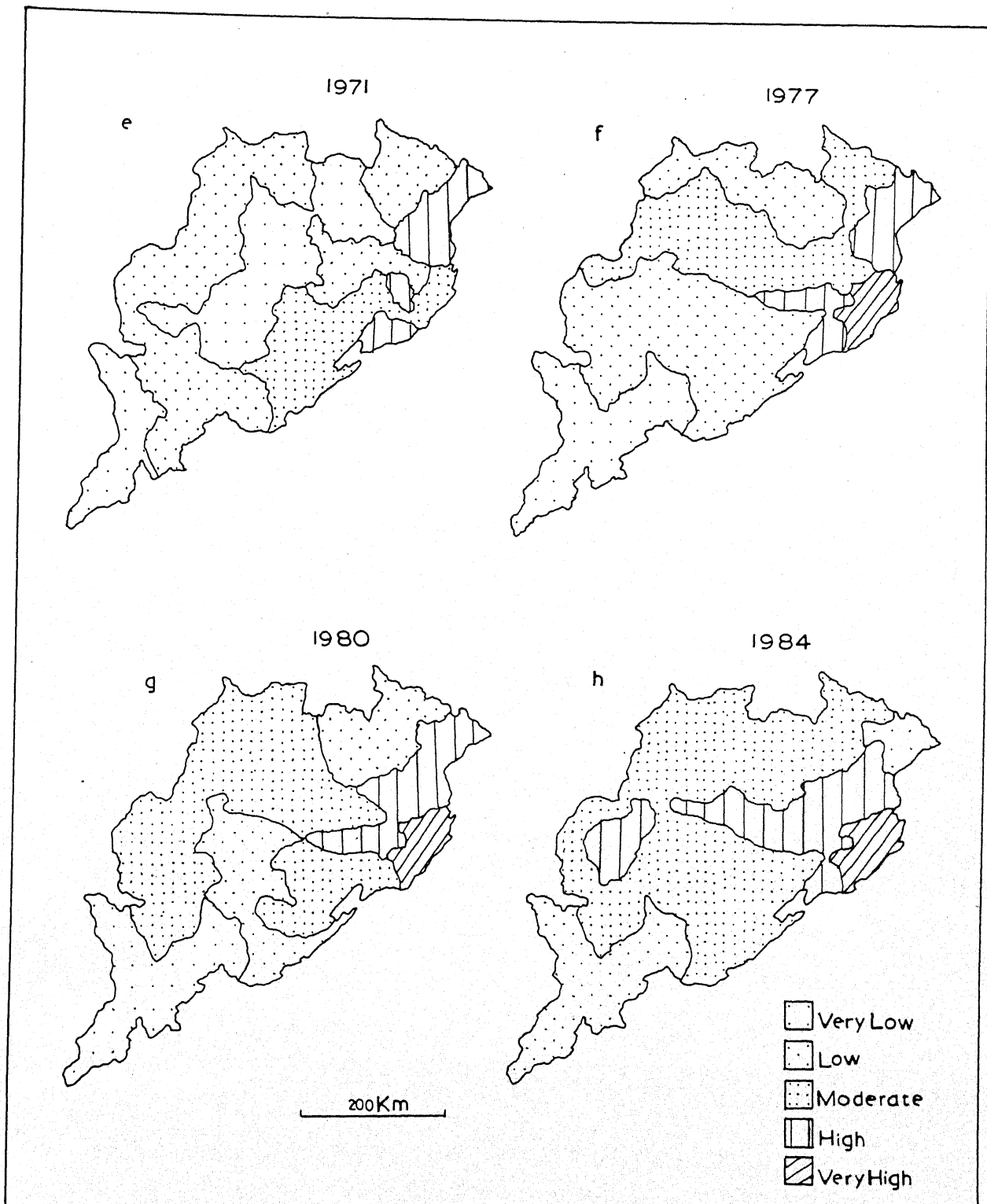
Fig. 5.2 (Continued)

5.2.1.1 अति उच्च मानकलब्धि

प्रथम महा निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के बालासोर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में अतिउच्च मानकलब्धि पायी गयी है।

5.2.1.2 उच्च मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में उच्च मानक लब्धि बारगढ, सम्बलपुर, मयूरभंज तथा गंजाम (साउथ) निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.2.1.3 मध्यम मानकलब्धि-

मध्यम मानकलब्धि उड़ीसा के कालाहान्डी-बोलगीर (अनुसूचित जनजाति), ढेनकानाल-वेस्ट कटक(अनुसूचित जनजाति) केन्द्रपारा तथाखुरदा निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.2.1.4 निम्न मानकलब्धि-

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि जाजपुर-केउंझर (अनुसूचित जाति) कटक, पुरी तथा गुहमुसर निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.1.2 द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष 1957

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत वैध मतों की मानकलब्धि प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.2 (b) के अवलोकन से निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं-

5.2.2.1 अति उच्च मानकलब्धि-

अतिउच्च मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के केन्द्रपारा(अनुसूचित जाति) तथा बालासोर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में आते हैं।

5.2.2.2 उच्च मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि गंजाम (अनुसूचित जाति) केउंझर तथा मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र है।

5.2.2.3 मध्यम मानकलब्धि

मध्यम मानकलब्धि कालाहाण्डी ॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र है।

5.2.2.4 निम्न मानकलब्धि-

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि कोरापुत॥अनुसूचित जाति॥ सम्बलपुर ॥अनुसूचित जाति॥, कटक, ढेनकानाल, भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.2.3 तृतीय महा निर्वाचन वर्ष 1962

चित्र 5.2 ॥C॥ के द्वारा उड़ीसा राज्य में सम्पन्न तृतीय महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त वैध मतों की मानकलब्धि का विवरण प्रदर्शित किया गया है जिससे निम्न तथ्य अभिहित होते हैं-

5.2.3.1 अति उच्च मानकलब्धि-

तृतीय महानिर्वाचन वर्ष मेंउड़ीसा राज्य के जाजपुर॥ अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च मानक लब्धि पायी जाती है।

5.2.3.2 उच्च मानलब्धि

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में छत्रपुर, भजनगढ़ ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.2.3.3 मध्यम मानकलब्धि

मध्यम मानकलब्धि के निर्यावचन क्षेत्रों में कोरापुत॥अनुसूचित जनजाति॥ नवरंगपुर, बोलगीर॥अनुसूचित जाति॥ सुन्दरगढ॥ अनुसूचित जनजाति॥ केउंझर, मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥बालासोर, भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥ केन्द्रपाड़ा, ढेनकानाल तथा पुरी है।

5.2.3.4 निम्न मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि फुलबानी ॥अनुसूचित जनजाति॥ सम्बलपुर, कटक तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्रों में है।

5.2.3.5 अति निम्न मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में अति निम्न मानक लब्धि कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

तृतीयमहा निर्वाचनवर्ष में अंगुल निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है।

5.2.4 चतुर्थ महा निर्वाचन वर्ष 1967

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न हुई चतुर्थ महा निर्वाचन वर्ष 1967 के अन्तर्गत मानकलब्धि का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.2 (d) के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है-

5.2.4.1 उच्च मानकलब्धि

उच्च मानकलब्धि उड़ीसा के बालासोर, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) केन्द्रपाड़ा कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भंजनगढ तथा छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

5.2.4.2 मध्यम मानलब्धि

मध्यम मानकलब्धि जाजपुर (अनुसूचित जाति) बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ, (अनुसूचित जनजाति) केउंझर (अनुसूचित जनजाति) ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.2.4.3 निम्न मानकलब्धि

निम्न मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) तथा फुलवानी (अनुसूचित जाति) उड़ीसा के निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.2.4.5 अति निम्न मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) कालाहाण्डी, निर्वाचन क्षेत्रों में अति निम्न मानकलब्धि पायी जाती है।

5.2.5 पंचम महा निर्वाचन वर्ष 1971

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न पंचम महा निर्वाचन वर्ष के मानकलब्धि का विवरण

प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.2 (e) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है-

5.2.5.1 अति उच्च मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में अति उच्च मानकलब्धि भजनगढ निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.2.5.2 उच्च मानकलब्धि

उच्च मानकलब्धि उड़ीसा के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बालासोरा, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा, कटक, पुरी तथा छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

5.2.5.3 मध्यम मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानकलब्धि भुवनेश्वर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) बोलगीर, सम्बलपुर, केउंझर, (अनुसूचित जनजाति) ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.2.5.4 निम्न मानकलब्धि

निम्न मानकलब्धि फुलबानी (अनुसूचित जाति) तथा सुन्दगढ (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र में है।

5.2.5.5 अति निम्न मानकलब्धि

इस निर्वाचन वर्ष में अति निम्न मानकलब्धि नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.2.6 षष्ठम महा निर्वाचन वर्ष (1977)

चित्र 5.2 (f) के द्वारा उड़ीसा राज्य में सम्पन्न हुए षष्ठम निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त वैध मतों की मानकलब्धि प्रदर्शित किया गया है। इसके अवलोकन से निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं-

5.2.6.1 उच्च मानकलब्धि

उच्च मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्र उड़ीसा राज्य में बालासोर भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर, (अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा, कटक, जगतसिंह पुर तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) हैं।

5.2.6.2 मध्यम मानकलब्धि

मध्यम मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) भुवनेश्वर, असका, बहरामपुर, फुलवानी (अनुसूचित जाति) देवगढ तथा सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) के निर्वाचन क्षेत्र हैं।

5.2.6.3 निम्न मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) कालाहान्डी, बोलगीर तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.2.6.4 अति निम्न मानकलब्धि

अति निम्न मानकलब्धि के क्षेत्र उड़ीसा राज्य के मात्र नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र में पाया जाता है।

5.2.7 सप्तम महानिर्वाचन वर्ष 1980

उड़ीसा राज्य के सप्तम महानिर्वाचन वर्ष के वैध मतों का स्थानिक प्रदर्शन मानकलब्धि के रूप में चित्र 5.2 (6) के द्वारा दर्शाया गया है। इसके अवलोकन से निम्न तथ्य अभिहित होते हैं-

5.2.7.1 अति उच्च मानकलब्धि

इस निर्वाचन वर्ष में अति उच्च मानकलब्धि कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र में पाया जाता है।

5.2.7.2 उच्च मानकलब्धि

उच्च मानकलब्धि उड़ीसा के बालासोर, भेडारक, (अनुसूचित जाति), जाजपुर (अनुसूचित जाति) कटक, जगतसिंहपुर, भुवनेश्वर तथा असका निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.2.7.3 मध्यम मानकलब्धि

इस निर्वाचन वर्ष में मध्यम मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बरहामपुर, फुलवानी (अनुसूचित जाति) तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया

जाता है।

5.2.7.4 निम्न मानकलब्धि

उड़ीसाराज्य में निम्न मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में कालाहान्डी, बोलगीर सम्बलपुर, देवगढ तथा सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) है।

5.2.7.5 अति निम्न मानकलब्धि

अति निम्न मानकलब्धि नवरंगपुर (अनुसूचित जाति) तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र में पाया जाता है।

5.2.8 अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष 1984

अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य में प्राप्त वैध मतों का मानकलब्धि के रूप में विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.2 (h) के द्वारा प्रदर्शित कियागया है।

5.2.8.1 अति उच्च मानकलब्धि

उड़ीसाराज्य में अति उच्च मानकलब्धि केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

5.2.8.2 उच्च मानकलब्धि

उच्च मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में बालासोर, भैंडारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) नरसिंहपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.2.8.3 मध्यम मानकलब्धि

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) कटक, पुरी, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, फुलबानी (अनुसूचित जाति) पाया जाता है।

5.2.8.4 निम्न मानकलब्धि

निम्न मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) कालाहाण्डी बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति)

पाया जाता है।

5.2.8.5 अति निम्न मानकलब्धि

इस निर्वाचन वर्ष में अति निम्न मानकलब्धि मात्र नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र (अनुसूचित जनजाति) में पया जाता है।

5.3 सापेक्ष वितरण

प्रस्तुत अध्याय के पूर्व अनुभाग में वैध मतदान का निरपेक्ष वितरण प्रस्तुत किया गया है, जहाँ प्रत्येक क्षेत्र को स्वतन्त्र व्यवहृत किया गया है। इस अनुभाग में उसका मूल्यांकन राज्य के माध्य के सन्दर्भ में किया जा रहा है जिसका प्रस्तुतीकरण प्रतिशत स्थानिक सान्द्रण के माध्यम से किया जा रहाहै। अध्ययन की सुविधा के लिए चार भागों में विभक्त किया गयाहै। अति उच्च 120 से अधिक, उच्च मतदान लब्धि 100-120, मध्यम मतदानलब्धि 80-100 तथा निम्न मतदानलब्धि 80 से कम वाले मतदान लब्धि क्षेत्र आते हैं।

5.3.1 महा निर्वाचन वर्ष 1952

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न प्रथम महानिर्वाचन वर्ष के वैध मतदान की लब्धि कासापेक्ष वितरण प्रस्तुत कियागया है। मानचित्र 5.3 (a) के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

5.3.1.1 अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति उच्च मतदानलब्धि वाले क्षेत्र मात्र बालासोर का उत्तरी, पश्चिमी भाग तथा मध्यवर्ती में आता है।

5.3.1.2 उच्च क्षेत्र

उच्च मतदानलब्धि उड़ीसा राज्य के पूर्वी भाग, उत्तरी पश्चिमी भाग तथा दक्षिणी पश्चिमी भाग में पाया जाता है। मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, बालासोर कापूर्वी भाग, केन्द्रापारा का उत्तरी पश्चिमी भाग, गंजाम साउथ का दक्षिणी भाग, कालाहान्डी, बोलगीर (अनुसूचित जनजाति) कादक्षिणी भाग नवरंगपुर का उत्तरी भाग,
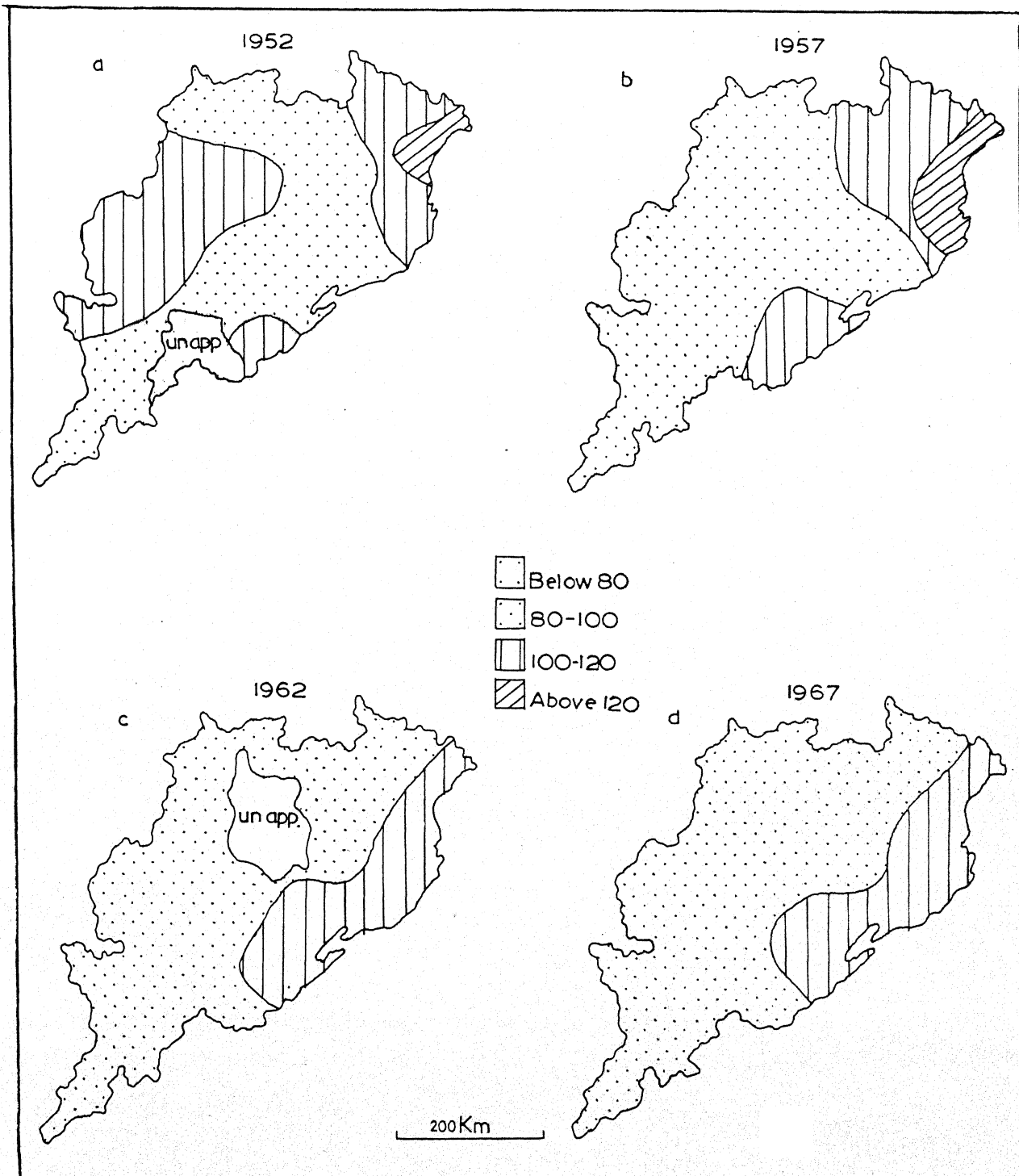
Fig. 5.3 Spatial Concentration of Valid Vote
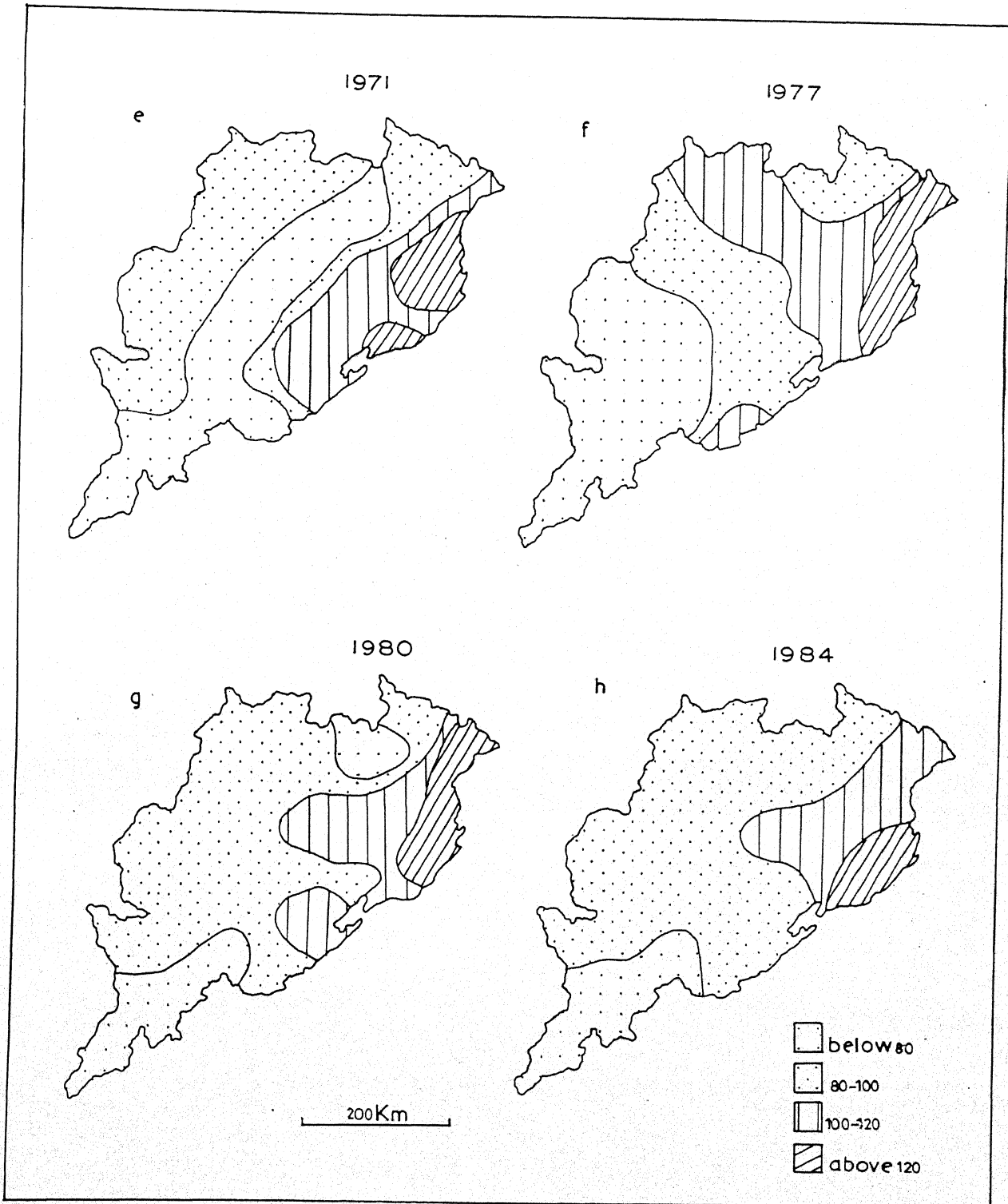
Fig. 5.3 (Continued)

छोड़कर, बारगढ तथा सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग आता है।

5.3.1.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के शेष भागों में मध्यम मतदानलब्धि के क्षेत्र पाये जाते हैं। नबरंगपुर का उत्तरी भाग छोड़कर सुन्दरगढ, ढेनकानाल-वेस्ट कटक ॥अनुसूचित जनजाति॥ जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ कटक, पुरी, खुरदा, गुहमूसर तथा गंजाम साउथ का उत्तरी भाग आता है।

5.3.2 महा निर्वाचन वर्ष 1957

चित्र 5.3 ॥ b ॥ के द्वारा उड़ीसा प्रान्त में सम्पन्न द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष के वैध मतदान लब्धि का सापेक्ष वितरण प्रदर्शित किया गया है।

5.3.2.1 अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापारा ॥अनुसूचित जाति॥ का उत्तरी पश्चिमी भाग आता है।

5.3.2.2 उच्च क्षेत्र

उच्च मतदान लब्धि वाले निर्वाचन क्षेत्रों में केउंझर, मयूरभंज, गंजाम ॥अनुसूचित जाति॥ का सम्पूर्ण भाग तथा केन्द्रापारा का पूर्वी भाग पाया जाता है।

5.3.2.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के शेष निर्वाचन क्षेत्रों कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥, कालाहान्डी ॥अनुसूचित जाति॥ सम्बलपुर ॥अनुसूचित जाति॥ सुन्दरगढ, कटक, ढेनकानाल, भुवनेश्वर तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग आता है।

5.3.3 महा निर्वाचन वर्ष 1962

उड़ीसा प्रान्त में सम्पन्न तृतीय महा निर्वाचन वर्ष के वैध मतदान लब्धि का सापेक्ष वितरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 5.3 ॥ C ॥ के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

5.3.3.1 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भेड़ारक ꞉अनुसूचित जाति꞉ का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापारा काउत्तर पश्चिमी तथादक्षिणी भाग, बालासोर का सम्पूर्ण भाग, जाजपुर ꞉अनुसूचित जाति꞉ कटक, ढेनकानाल का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर, पुरी, छत्रपुर तथा भजनगढ꞉अनुसूचित जाति꞉ का सम्पूर्ण भाग में पाया जाता है।

5.3.3.2 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत ꞉अनुसूचित जनजाति꞉ नवरंगपुर, कालाहान्डी फुलवानी꞉अनुसूचित जाति꞉ सम्बलपुर, बोलगीर꞉अनुसूचित जाति꞉, सुन्दरगढ꞉अनुसुचित जनजाति꞉ केउंझर, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापारा का पूर्वी भाग, ढेनकानाल का दक्षिणी भाग छोड़कर निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

5.3.4 महा निर्वाचन 1967

चित्र 5.3 ꞉d꞉ के द्वारा मतदानलब्धि का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

5.3.4.1 उच्च क्षेत्र

इस निर्वाचन वर्ष में उच्च मतदानलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में बालासोर, भेड़ारक꞉अनुसूचित जाति꞉जाजपुर꞉ अनुसूचित जाति꞉, केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर का पूर्वी भाग छोड़कर, भजनगढ तथा छत्रपुर पाया जाता है।

5.3.4.2 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मतदान लब्धि के क्षेत्र मयूरभंज꞉अनुसूचित जनजाति꞉ भुवनेश्वर कापूर्वी भाग, कोरापुत꞉अनुसूचित जनजाति꞉ नवरंगपुर꞉अनुसूचित जनजाति꞉ कालाहान्डी, फुलवानी ꞉अनुसूचित जाति꞉ बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ꞉अनुसूचित जनजाति꞉ केउंझर꞉अनुसूचित जनजाति꞉ ढेनकानाल तथा अंगुल है।

5.3.5 महा निर्वाचन 1971

चित्र 5.3 ꞉e꞉ के द्वारा वैध मतदानलब्धि का विवरण प्रस्तुत किया गया है। इसके अवलोकन से निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं।

5.3.5.1 अति उच्च क्षेत्र

इस निर्वाचन वर्ष में अति उच्च मानकलब्धि के क्षेत्र उड़ीसा राज्य के उत्तरी पश्चिमी भाग में विस्तृत है। भेड़ारक॥अनुसूचित जाति॥ जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥का पूर्वी भाग छोड़कर केन्द्रपारा, पुरी, कट, का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

5.3.5.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर का सम्पूर्ण भाग, जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥का पूर्वी भाग, कटक, पूर्वी तथा दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर का सम्पूर्ण भाग, भजनगढ का दक्षिणी भाग छोड़कर छत्रपुर का दक्षिणी भाग छोड़कर तथा ठेनकानाल का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

5.3.5.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानकलब्धि के क्षेत्र उड़ीसा राज्य में मयूरभंजन॥अनुसूचित जनजाति॥ केउंझर॥अनुसूचित जनजाति॥ का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग, अंगुल का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर का उत्तरी, पूर्वी भाग, फुलवानी का दक्षिणी पश्चिमी भाग, छत्रपुर कादक्षिणी भाग, नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ का उत्तरी पूर्वी भाग, काला-हान्डी का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी का पूर्वी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर॥अनुसूचित जनजाति॥ अंगुल का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

5.3.5.4 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ का पश्चिमी दक्षिणी भाग, अंगुल का उत्तरी भाग छोड़कर फुलवानी॥अनुसूचित जाति॥ का उत्तरी-पूर्वी भाग छोड़कर , कोरापुत॥अनुसूचित जनजाति॥ का सम्पूर्ण भाग, नवरंगपुर॥अनुसूचित जनजाति॥ का उत्तरी भाग छोड़कर सम्मिलित हैं।

5.3.6 महा निर्वाचन वर्ष 1977

चित्र 5.3 ॥ f ॥ के द्वारा मानकलब्धि विवरण प्रदर्शित किया गया है।

5.3.6.1 अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर का सम्पूर्ण भाग, भेड़ारक का सम्पूर्ण भाग, जाजपुर (अनुसूचित जाति) का पश्चिमी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग तथा जगतसिंह पुर का सम्पूर्ण भाग निर्वाचन क्षेत्रों में पाया जाता है।

5.3.6.2 उच्च क्षेत्र

उच्च मानकलब्धि का क्षेत्र मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) का दक्षिणी भाग तथा पश्चिमी भाग, जाजपुर (अनुसूचित जाति) का पश्चिमी भाग छोड़कर कटक का सम्पूर्ण भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग, भुवनेश्वर का दक्षिण-पश्चिमी भाग, ठेनकानाल का उत्तरी पश्चिमी भाग, देवगढ का पूर्वी भाग छोड़कर, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग तथा केउंझर का सम्पूर्ण दक्षिणी भाग जाता है।

5.3.6.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानकलब्धि के क्षेत्र मयूरभंज का उत्तरी भाग, केउंझर (अनुसूचित जनजाति) का उत्तरी भाग, असका का सम्पूर्ण भाग, भुवनेश्वर का पूर्वी भाग, ठेनकानाल का पूर्वी भाग, फुलवानी का दक्षिणी पश्चिमी भाग, बोलगीर का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का पूर्वी भाग छोड़कर पाये जाते हैं।

5.3.6.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी (अनुसूचित जाति) का पूर्वी भाग, बोलगीर का उत्तरी भाग छोड़कर अन्य भाग में पाया जाता है।

5.3.7 महा निर्वाचन 1980

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न सप्तम महा निर्वाचन वर्ष के सापेक्ष वितरण (मानकलब्धि) का विवरण चित्र 5.3 (4) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

5.3.7.1 अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में बालासोर का पूर्वी भाग छोड़कर भेड़ारक (अनुसूचित जाति) का सम्पूर्ण उत्तरी पश्चिमी भाग, केन्द्रपाडा का सम्पूर्ण भाग, जगतसिंहपुर का

सम्पूर्ण भाग पाया जाता है।

5.3.7.2 उच्च क्षेत्र

बालासोर का पूर्वी भाग, भेड़ारक ।अनुसूचित जाति। का पश्चिमी भाग कटक का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल का पश्चिमी भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग पाया जाता है।

5.3.7.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के मयूरभंज।अनुसूचित जनजाति। का सम्पूर्ण भाग, केउंझर ।अनुसूचित जनजाति। का दक्षिणी भाग, बरहामपुर का सम्पूर्ण भाग, फुलबानी।अनुसूचित जाति। कालाहान्डी , बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ, सुन्दरगढ, ।अनुसूचित जनजाति। का सम्पूर्ण भाग तथा ढेनकानाल का पूर्वी भाग आता है।

5.3.7.4 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि उड़ीसा राज्य में कोरापुत।अनुसूचित जनजाति। का सम्पूर्ण भाग तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग को छोड़कर पायाजाता है।

5.3.8 महा निर्वाचन वर्ष 1984

उड़ीसा राज्य में अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष के मानकलब्धि का विवरण चित्र 5.3।h। के द्वारा प्रदर्शित किया गयाहै।

5.3.8.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च मानकलब्धि केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, कटक का पश्चिमी भाग, कटक का पश्चिमी भाग, जगतसिंहपुर का तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग में यह क्षेत्र पाया जाता है।

5.3.8.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि बालासोर का भाग, भेड़ारक ।अनुसूचित जाति। जाजपुर ।अनुसूचित जाति। कटक का पश्चिमी भाग छोड़कर , ढेनकानाल का पिश्चमी भाग, भुवनेश्वर का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

5.3.8.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मयूरभंजन (अनुसूचित जनजाति) भुवनेश्वर पूर्वी दक्षिणी भाग, असका ,वरहामपुर,कालाहान्डी,फुलवानी (अनुसूचित जाति) वोलगीर,सम्बलपुर,देवगढ़ ढेनकानाल का पूर्वी भाग,सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) का तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) का सम्पूर्ण भाग आता है।

5.3.8.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) तथा नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) का उत्तरी भाग छोड़कर निम्न मानकलब्धि का क्षेत्र विस्तृत है।

अध्याय 6

कांग्रेस समर्थन

कांग्रेस भारतीय क्रान्ति का प्रधान साधन रही है । शिक्षित मध्यम वर्ग के लिए लोगों के एक संगठन के रूप में शुरू होकर महात्मा गांधी और जवाहर लाल नेहरू के नेतृत्व में वह दुनिया का एक सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक आन्दोलन और जनता की एक सबसे बड़ी पार्टी बन गयी इसके इतिहास के परिवेश में राष्ट्रीय स्वतन्त्रता पाने और उसेमें मजबूत बनाने के नौ दशक का प्रयास है ।

हमारी आबादी के आधे से अधिक लोग आजादी मिलने के बाद को पैदा हुए है । राजनैतिक घुटन के औपनिवेशिक दिनों में हमारी जनता में विदेशी जुआ उतार फेकने के लिए बहादुरी के साथ जो बलिदान किए उनकी केवल थोड़े से ही लोगों की याद होगी । हमारी स्वतन्त्रता सेनानियों की दूर-दृष्टि और यातनाओं ने इस महान देश को इस योग्य बना दिया कि आज हम एकता और समता की भावना से रह पा रहे हैं । हमारा राष्ट्र एक ऐसे बहु-धार्मिक, बहु भाषी समाज की शानदार मिसाल है जो बाहरी ताकतों के बहकावे यादबाव में आने से इन्कार कर राजनीतिक स्वाधीनता की हवा में एक जुट हो सामाजिक रूप-परिवर्तन के लिए काम कर रहा है ।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 1885 में हुयी । तब से लेकर आजतक कांग्रेस भारतीय राजनीति की धुरी रही है । यद्यपि समय-समय पर जनता ने कांग्रेस की नीतियों के प्रति अपना विरोध निर्वाचन के माध्यम से व्यक्त किया । 1967 और 1977 का लोकसभा निर्वाचन जनता का विरोध ही था । तथापि कांग्रेस की महत्त्व अक्षुण्य है । अतः प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में कांग्रेस वोट और उसके निर्णायक स्तर का वर्णन अतिआवश्यक हो जाता है ।

गत अध्याय की भांति, कांग्रेस समर्थन से सम्बन्धित प्रस्तुत अध्याय भी तीन अनुभागों में विभाजित किया गया है । प्रथम अनुभाग 6.1 में विभिन्न लोकसभा निर्वाचनों में कांग्रेस समर्थन का भौगोलिक विवरण प्रस्तुत किया गया है । द्वितीय अनुभाग 6.2 में मानक लब्धि के रूप में निरपेक्ष वितरण (वैधवोट प्रतिशत) को प्रस्तुत किया गया है । अन्तिम अनुभाग 6.3 में सापेक्ष वितरण का उल्लेख किया गया है ।

6.1 प्रतिशत समर्थन

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न विभिन्न निर्वाचन वर्षों में लोकसभा चुनावों में कांग्रेस वोट के निरपेक्ष वितरण को पाँच भागों में विभक्त किया गया है-अति उच्च कांग्रेसवोट (54 % से अधिक) उच्च कांग्रेस वोट (48-54 %) मध्यम् कांग्रेस वोट (42-48 %) निम्न कांग्रेस वोट (36-42 %) अतिनिम्न कांग्रेस वोट (36 से कम) इस विभाजन का मानक सम्पूर्ण निर्वाचन वर्षों के अनुसार प्रतिशत कांग्रेस वोट का वितरण निम्न प्रकार से प्रस्तुत किया गया है ।

6.1.1 कांग्रेस समर्थन, 1952: प्रतिशत

चित्र 6.1 (a) में महानिर्वाचन वर्ष 1952 में कांग्रेस वोट का प्रतिशत प्रतिरूप प्रदर्शित किया गया है ।

6.1..1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस वोट प्रतिशत उड़ीसा राज्य के बालासोर (अनुसूचित जाति) कटक, तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।
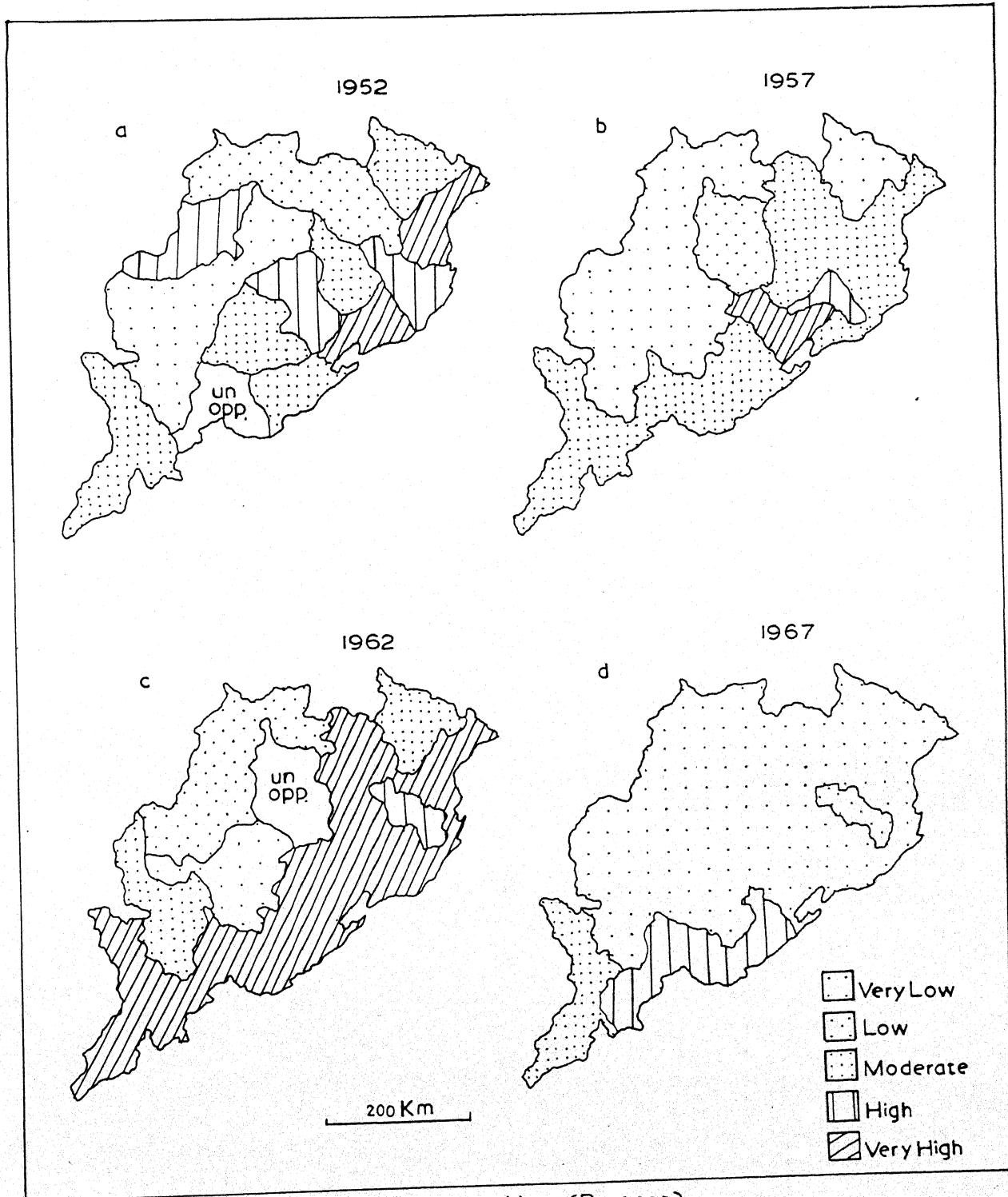
Fig. 6·1 Absolute Distribution of Congress Vote (Percent)
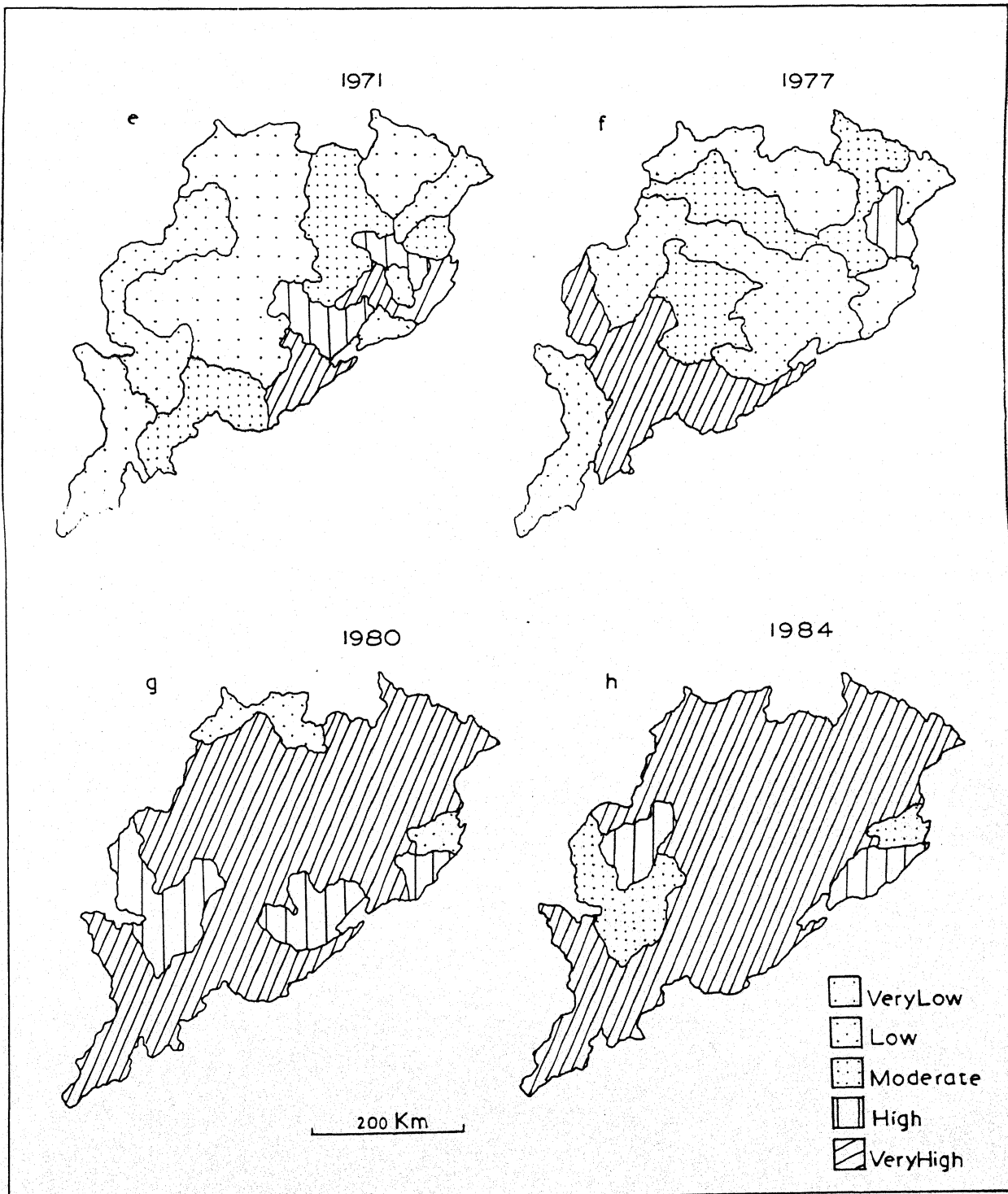
Fig. 6.1 (Continued)

6.1.1.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के केन्द्रपारा तथा खुरदा निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.1.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम कांग्रेस समर्थन के निर्वाचन क्षेत्रों में मयूरभंज, नवरंगपुर, ढेनकानाल गुहमुसर है ।

6.1.1.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न कांग्रेस समर्थन का क्षेत्र उड़ीसा राज्य के सुन्दरगढ़ तथा जाजपुर-केउंझर §अनुसूचित जाति§ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.1.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में अतिनिम्न कांग्रेस समर्थन कालाहाण्डी- बोलंगीर § §अनुसूचित जनजाति§ सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

रायगढ़-फुलबानी निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है तथा गंजाम साउथ में कांग्रेस दल नहीं था ।

6.1.2 कांग्रेस समर्थन 1957 प्रतिशत

उड़ीसा राज्य में द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट प्रतिशत का प्रतिरूप 6.1 §b§ चित्र द्वारा दर्शाया गया है । इसके अवलोकन से निम्न तथ्य अभिहित होते हैं ।

6.1.2.1 अति उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में अति उच्च कांग्रेस समर्थन भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.2.2 उच्च क्षेत्र

उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के कटक निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.2.3 मध्यम क्षेत्र-

उड़ीसा राज्य में मध्यम् कांग्रेस समर्थन कोरापुत (अनुसूचित जनताति) गंजाम (अनुसूचित जाति) केन्द्र पारार (अनुसूचित जाति) वालासोर (अनुसूचित जाति) ढेनकानाल तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

6.1.2.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न कांग्रेस समर्थन का क्षेत्र उड़ीसा राज्य के अंगुल निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.2.5 अति निम्न क्षेत्र -

कांग्रेस समर्थन का अति निम्न क्षेत्र उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर (अनुसूचित जाति) सुन्दरगढ़, केंउझर, मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.3 कांग्रेस समर्थन 1962 प्रतिशत

चित्र 6.1 (C) का सिंहावलोकन करने से यह विदित होता कि कांग्रेस को उच्च समर्थन तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त है ।

6.1.3.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर, छत्रपुर, भजनगढ़ (अनुसूचित जाति) केउंझर, वालासोर, भेडारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) कटक, ढेनकानाल, भूवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.3.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च कांग्रेस समर्थन का क्षेत्र केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.3.3 मध्यम क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में मध्यम क्षेत्र फुलवानी (अनुसूचित जाति) मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.3.4 निम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में निम्न कांग्रेस समर्थन सम्बलपुर, बोलंगीर ‡अनुसूचित जाति‡ सुन्दरगढ़ ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.3.4 अति निम्न क्षेत्र -

अति निम्न कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.4 कांग्रेस समर्थन 1967 प्रतिशत

चित्र 6.1 ‡d‡ के द्वारा चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में प्रतिशत कांग्रेस वोट की सहभागिता स्पष्ट हो जाती है । अन्य निर्वाचन वर्षों के विपरीत इस वर्ष अति उच्च क्षेत्र का अभाव पाया जाता है ।

6.1.4.1 उच्च क्षेत्र -

उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के छत्रपुर कोरापुत ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.4.2 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम कांग्रेस समर्थन उड़ीसा के नवरंगपुर ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.4.3 निम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में निम्न कांग्रेस समर्थन जाजपुर ‡अनुसूचित जाति‡ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.4.4 अति निम्न क्षेत्र-

अति निम्न कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के मयूरभंज अनुसूचित जनजाति‡ बालासोर भेड़ारक ‡अनुसूचित जाति‡ कटक, पुरी, भूवनेश्वर, केन्द्रपारा भजनगढ़, कालाहाण्डी, फुलबानी ‡अनुसूचित जाति‡ बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़

§अनुसूचित जानजाति§ कैंउझर §अनुसूचित जनजाति§ ठेनकानाल, तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

6.1.5 कांग्रेस समर्थन 1971 प्रतिशत

उड़ीसा राज्य के पंचन महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट प्रतिशत के सहभागिता का विवरण प्रस्तुत किया गया है । चित्र 6.1 §e§ के द्दारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.1.5.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के कटक, छत्रपुर, निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.5.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च कांग्रेस समर्थन जाजपुर §अनुसूचित जाति§ भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.5.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम क्षेत्र उड़ीसा राज्य के भेड़ारक §अनुसूचित जाति§ कोरापुत §अनुसूचित जनजाति§ कैंउझर §अनुसूचित जनजाति§ तथा ठेनकानाला निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.5.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न कांग्रेस समर्थन क्षेत्र उड़ीसा के बालासोर पुरी नवरंगपुर §अनुसूचित जनजाति§ तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.5.5 अति निम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के मयूरभंज §अनुसूचित जनजाति§ केन्द्रपारा, कालाहाण्डी, फुलवानी §अनुसूचित जाति§ बोलंगीर, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जाति§ तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस चुनाव मैदान में नहीं थी ।

6.1.6 कांग्रेस-समर्थन 1977 प्रतिशत

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न षष्टम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस द्वारा प्राप्त वोट प्रतिशत के सहभागिता का प्रतिरूप चित्र 6.1 ‡6‡ के द्वारा दर्शाया गया है ।

6.1.6.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस वोट का प्रतिशत उड़ीसा राज्य के बरहामपुर, कोरापुत ‡अनुसूचित जनजाति‡ तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.6.2 उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में नवरंगपुर ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्र में उच्च कांग्रेस समर्थन पाया गया है ।

6.1.6.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के मयूर भंज ‡अनुसूचित जनजाति‡ भुवनेश्वर फुलवानी ‡अनुसूचित जाति‡ तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.6.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न कांग्रेस वोट प्रतिशत उड़ीसा राज्य के बालासोर, भेड़ारक ‡अनुसूचित जाति‡ कटक, पुरी, असका, बोलगीर, ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.6.5 अति निम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में अति निम्न कांग्रेस समर्थन केन्द्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, सुन्दरगढ़ ‡अनुसूचित जनजाति‡ तथा केउंझर ‡अनुसूचित जनजाति‡ आदि निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.7 कांग्रेस-समर्थन 1980 प्रतिशत

उड़ीसा राज्य के सटतम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त कांग्रेस वोट प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया है । चित्र 6.1 ॥ g ॥ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है । मध्यम तथा अति निम्न क्षेत्र नहीं पाया जाता है ।

6.1.7.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस समर्थन उड़ीसा राज्य के मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥ बालासोर भेड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥ जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ कटक, पुरी, भुवनेश्वर, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जाति॥ बोलंगीर, देवगढ़, ढेनकानाल तथा केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.7.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च कांग्रेस समर्थन जगतसिंह पुर, असका, कालाहाण्डी, तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.7.3 निम्न क्षेत्र -

निम्न कांग्रेस वोट प्रतिशत उड़ीसा के केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.1.7.4 अति निम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न कांग्रेस वोट प्रतिशत उड़ीसा के सटतम महानिर्वाचन वर्ष में नहीं पाया गया है ।

6.1.8 कांग्रेस-समर्थन- 1984 प्रतिशत

चित्र 6.1 ॥ h ॥ के अवलोकन से यह विदित होता है कि उड़ीसा के अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत निम्न तथा अतिनिम्न कांग्रेस समर्थन के क्षेत्र में नहीं पाये जाते हैं ।

6.1.8.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च कांग्रेस वोट प्रतिशत उड़ीसा राज्य के मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥ बालासोर, भेड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥ जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ कटक, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥ नवरंगपुर॥ अनुसूचित जनजाति॥

फुलवानी (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर, देवगढ़, ढेनकानाल, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.1.8.2 उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में उच्च कांग्रेस समर्थन पुरी, जगतसिंहपुर, तथा बोलंगीर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2 निरपेक्ष वितरण-2

प्रस्तुत अध्याय के पूर्व अनुभाग में विभिन्न निर्वाचन वर्षों में निर्वाचन क्षेत्रों के प्रतिशत कांग्रेस वोट का विवरण प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों की सापेक्ष स्थिति पर प्रकाश नहीं पड़ पाया है। इसलिए प्रस्तुत अनुभाग में प्रत्येक निर्वाचन वर्ष गत मूल्य को मानक लब्धि (Z SCORE) में परिवर्तित कर दिया गया है साथ ही साथ मान चित्रण भी कर दिया गया है।

मानकलब्धि की अध्ययन की सुविधा के लिए पांच भागों में विभक्त किया गया है। अति उच्च 7 + 1.5 उच्च + 0.5 + 1.5 मध्यम -0.5 +0.5 निम्न- -0.5+0-1.5 तथा अतिनिम्न 7-1.5 क्षेत्र सम्मिलित है। इनका वर्णन निर्वाचन वर्षानुसार प्रदर्शित किया गया है।

6.2.1 महानिर्वाचन वर्ष 1952

चित्र 6.2 (a) के अवलोकन से मानकलब्धि के रूप में कांग्रेस वोट की प्रवृत्ति स्पष्ट हो जाती है।

6.2.1.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के मात्र बालासोर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

6.2.1.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मानकलब्धि नारगढ़, केन्द्रपारा, कटक तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

6.2.1.3 मध्यम क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानकलब्धि नवरंगपुर, ढेनकानालवेस्ट कटक, (अनुसूचित जाति) तथा खुरदा निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

6.2.1.4 निम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि के निर्वाचन क्षेत्रों में कालाहाण्डी-बोलंगीर (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर सुन्दरगढ़, जाजपुर-क्योंझर (अनुसूचित जनजाति) मयूरभंज तथा मुहमुसर है।
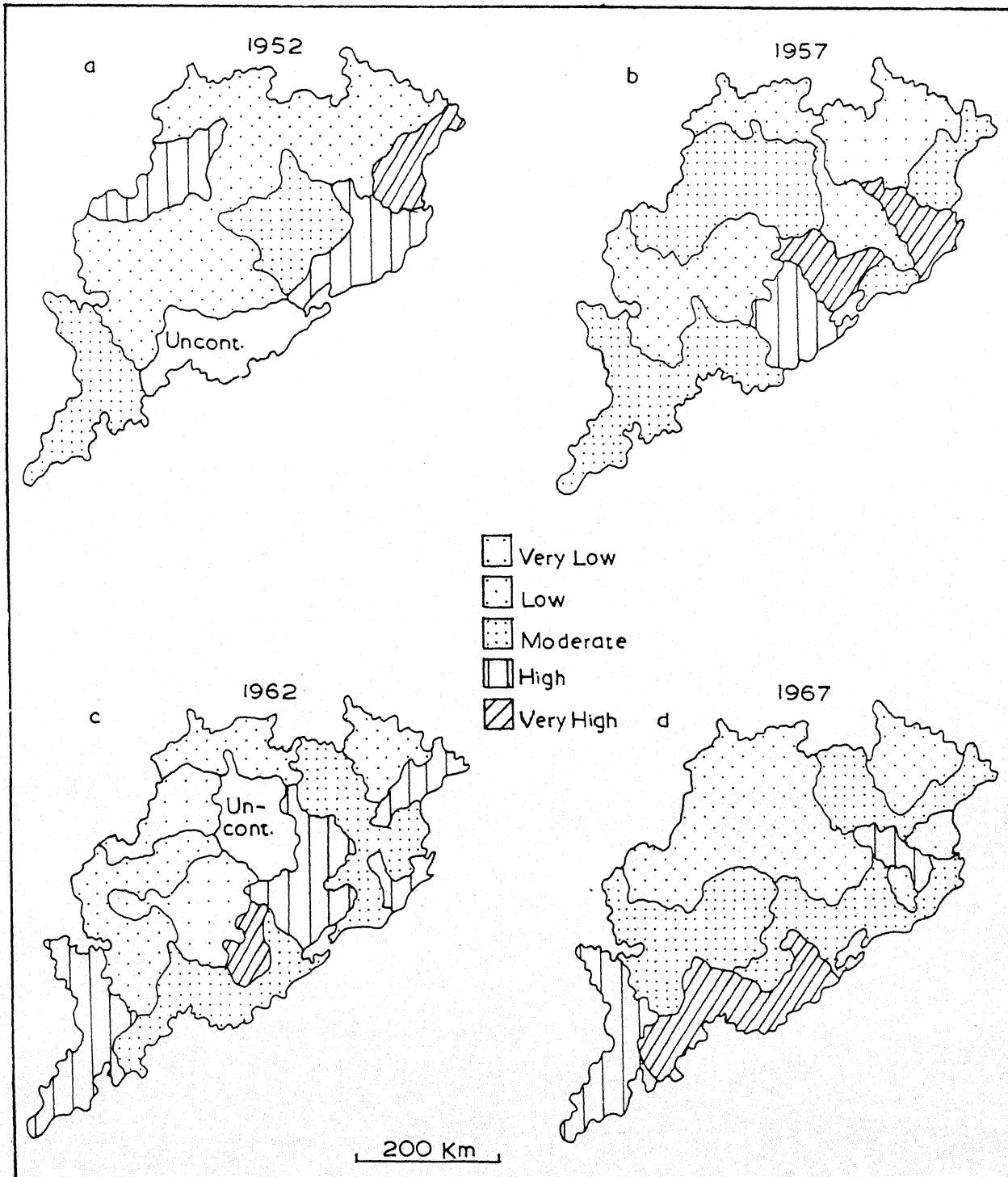
Fig. 6·2 Distribution of Congress Vote (z-score)
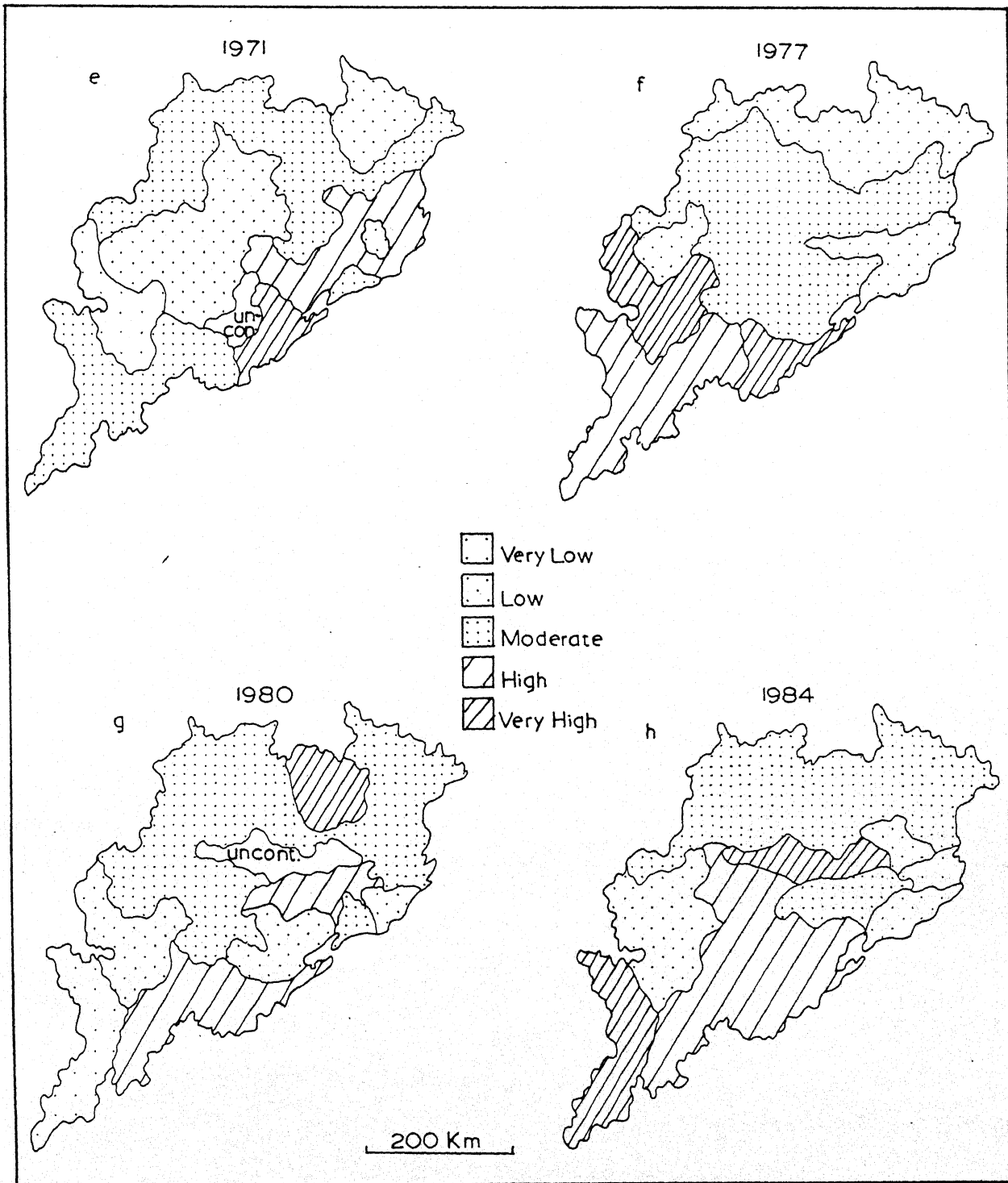
Fig. 6.2 (Continued)

रायगढ़ फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है ।

6.2.2 महानिर्वाचन 1957

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट के मानकलब्धि का वितरण चित्र 6.2 (b) के द्वारा दर्शाया गया है -

6.2.2.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च क्षे मानकलब्धि केन्द्रपारा (अनुसूचित जाति) तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.2.2 उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि गंजाम (अनुसूचित जाति) तथा कटक निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.2.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम क्षेत्र उड़ीसा के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) सम्बलपुर (अनुसूचित जाति) बालासोर (अनुसूचित जाति) अंगुल तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.2.4 निम्नक्षेत्र -

उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी (अनुसूचित जाति) सुन्दरगढ़, ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में निम्न मानकलब्धि पायी गयी है ।

6.2.2.5 अतिनिम्न -

अतिनिमन मानकलब्धि केउंझर तथा मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.3 महानिर्वाचन 1962

चित्र 6.3 (C) के द्वारा उड़ीसा राज्य में सम्पन्न तृतीय महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त कांग्रेस मतों का मानकलब्धि का विवरण प्रदर्शित किया गया है ।

6.2.3.1 अतिउच्च क्षेत्र -

अति उच्च मानकलब्धि के क्षेत्र मात्र अंजगढ़ (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

6.2.3.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मानकलब्धि के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) ढेनकानाल तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र है ।

6.2.3.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम मानकलब्धि नवरंगपुर, छत्रपुर, केउंझर, बालेश्वर केन्द्रपारा, कटक, तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र है ।

6.2.3.4 निम्न मानकलब्धि -

निम्न मानकलब्धि के फुलवानी (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र हैं ।

6.2.3.5 अतिनिम्न मानकलब्धि -

अति निम्नमानकलब्धि तथा कालाहाण्डी तथा बोलंगीर (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र आते है ।

अंगुल निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है ।

6.2.4 महानिर्वाचन 1967

चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस द्वारा प्राप्त मतों को मानकलब्धि का विवरण चित्र 6.2 (d) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.2.4.1 अति उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में अति उच्च मानकलब्धि के छत्रपुत तथा कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.4.2 उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि जाजपुर (अनुसूचित जाति) तथा नवरंगपुर

§अनुसूचित जनजाति§ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.4.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम मानकलब्धि बालासोर, कटक, पुरी भूवनेश्वर, भजनगढ़, कालाहाण्डी, फुलवानी §अनुसूचित जाति§ तथा केउझंर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.4.4 निम्न क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में निम्न मानकलब्धि मयूरभंज §अनुसूचित जाति§ केन्द्रपारा, बोलंगीर, सुन्दरगढ़ §अनुसूचित जनजाति§ ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.4.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अति निम्न मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के मात्र भेड़ारक §अनुसूचित जाति§ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.5 महानिर्वाचन 1971

कांग्रेस व्दारा प्राप्त मतों के मानक लब्धि का विश्लेषण चित्र 6.2 § e § के व्दारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.2.5.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च क्षेत्र मात्र छत्रपुर, निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.5.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च क्षेत्र उड़ीसा राज्य के भेड़ारक अनुसूचित जाति§ जाजपुर §अनुसूचित § कटक तथा भूवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.5.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम क्षेत्र बारासोर, पुरी, कोरोपुत §अनुसूचित जनजाति§ नवरंगपुर §अनुसूचित जनजाति§ सम्बलपुर, सुन्दरगढ़§ अनुसूचित जनजाति§ केउंझर §अनुसूचित जनजाति§ तथा ठेनकानाल निर्वाचम क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.5.4 निम्न क्षेत्र -

निम्नक्षेत्र मयूरभंज ﴾अनुसूचित जाति﴿ बोलंगीर तथा केन्द्रपारा, फुलवानी ﴾अनुसूचित जाति﴿ बोलंगीर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.5.5 अति निम्न क्षेत्र -

अति निम्न मानकलब्धि उड़ीसा के कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है.।

6.2.6 महा निर्वाचन 1977

चित्र 6.2 ﴾b﴿ के व्दारा उड़ीसा राज्य में सम्पन्न षष्ठम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट की मानकलब्धि के रूप में निर्वाचन सहभागिता की प्रवृत्ति स्पष्ट हो जाती है ।

6.2.6.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च क्षेत्र उड़ीसा राज्य के वरहामपुर, कालाहाण्डी, निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.6.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च क्षेत्र कोरापुत ﴾अनसुचित जनजाति﴿ नवरंगपुर ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

6.2.6.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम क्षेत्र जाजपुर ﴾अनुसूचित जाति﴿ भेड़ारक ﴾अनुसूचित जाति﴿ भुवनेश्वर, असका, फुलवानी ﴾अनुसूचित जाति﴿ सम्बोपुर, देवगढ़ तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.6.4 निम्न क्षेत्र -

निम्नक्षेत्र वालासोर, मयूरभंज ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ केन्द्रपारा, कटक, वोलंगीर, सुन्दरगढ़ ﴾ अनुसूचित जनजाति﴿ तथा केउंझर ﴾अनुसूचित जनजाति﴿

6.2.7 महा निर्वाचन 1980

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न सप्तम महा निर्वाचन के अन्तर्गत कांग्रेस वोट के मानकलब्धि का विवरण चित्र 6.2 ﴾G﴿ के व्दारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.2.7.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.7.2 उच्च क्षेत्र-

उच्च मानकलब्धि कटक, भूवनेश्वर, बरहामपुर तथा कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन में पाया गया है ।

6.2.7.3 मध्यम क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य मध्यम मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) बालासोर भेड़ारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति). फुलबानी (अनुसूचित जाति) बोलंगीर, सम्बलपुर, तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.7.4 निम्नक्षेत्र -

निम्न मानकलब्धि जगतसिंहपुर, असका, तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.2.7.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मानकलब्धि केन्द्रपारा, तथा सुन्दरगढ़ अनुसूचित जनजाति निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.8 महानिर्वाचन 1984

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त कांग्रेस वोट के मानकलब्धि का विवरण प्रस्तुत किया गया है । चित्र 6.2 (h) के द्वारा स्पष्ट होता है ।

6.2.8.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मानकलब्धि नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.8.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मानकलब्धि असका बरहामपुर, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) फुलबानी (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.8.3 मध्यम क्षेत्र-

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानकलब्धि मयूरभंज [अनुसूचित जाति] वालासोर भेडारक [अनुसूचित जाति] कटक, भूवनेश्वर केउंझर [अनुसूचित जाति] निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.8.4 निम्नक्षेत्र -

निम्न मानकलब्धि जाजपुर, [अनुसूचित जाति] जगतसिंहपुर, पुरी, कालाहाण्डी तथा वोलंगीर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.2.8.5 अतिनिम्न -

अतिनिम्न मानकलब्धि केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3 सापेक्ष वितरण

प्रस्तुत अध्याय के पूर्व अनुभाग में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्राप्त कांग्रेस वोट प्रतिशत को मानकलब्धि के रूप में निरपेक्ष वितरण प्रस्तुत किया गया । इस अनुभाग में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र का मूल्यांकन राज्य के माध्यम के सन्दर्भ में अभिहित करता है तथा इसका प्रस्तुतीकरण प्रतिशत स्थानिक सान्द्रण के रूप में सापेक्ष वितरण प्रस्तुत किया गया है ।

अध्ययन की सुविधा के लिए पांच भागों में विभक्त किया गया है । अति उच्च क्षेत्र, 115 से अधिक, उच्च क्षेत्र 105.115, मध्यम क्षेत्र 95-105, निम्नक्षेत्र 85-95 तथा अति निम्न क्षेत्र 0-85 से कम प्रतिशत मतलब्धि के क्षेत्र ।

6.3.1 महानिर्वाचन- 1952

उड़ीसा राज्य में प्रथम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट के लब्धि का प्रतिशत सापेक्ष वितरण चित्र 6.3 [ ] के व्दारा प्रदर्शित किया गया है । इसके अवलोकन से निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं -

6.3.1.1 अति उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि प्रतिशत उड़ीसा के वालासोर [अनुसूचित जाति] केन्द्रपारा,
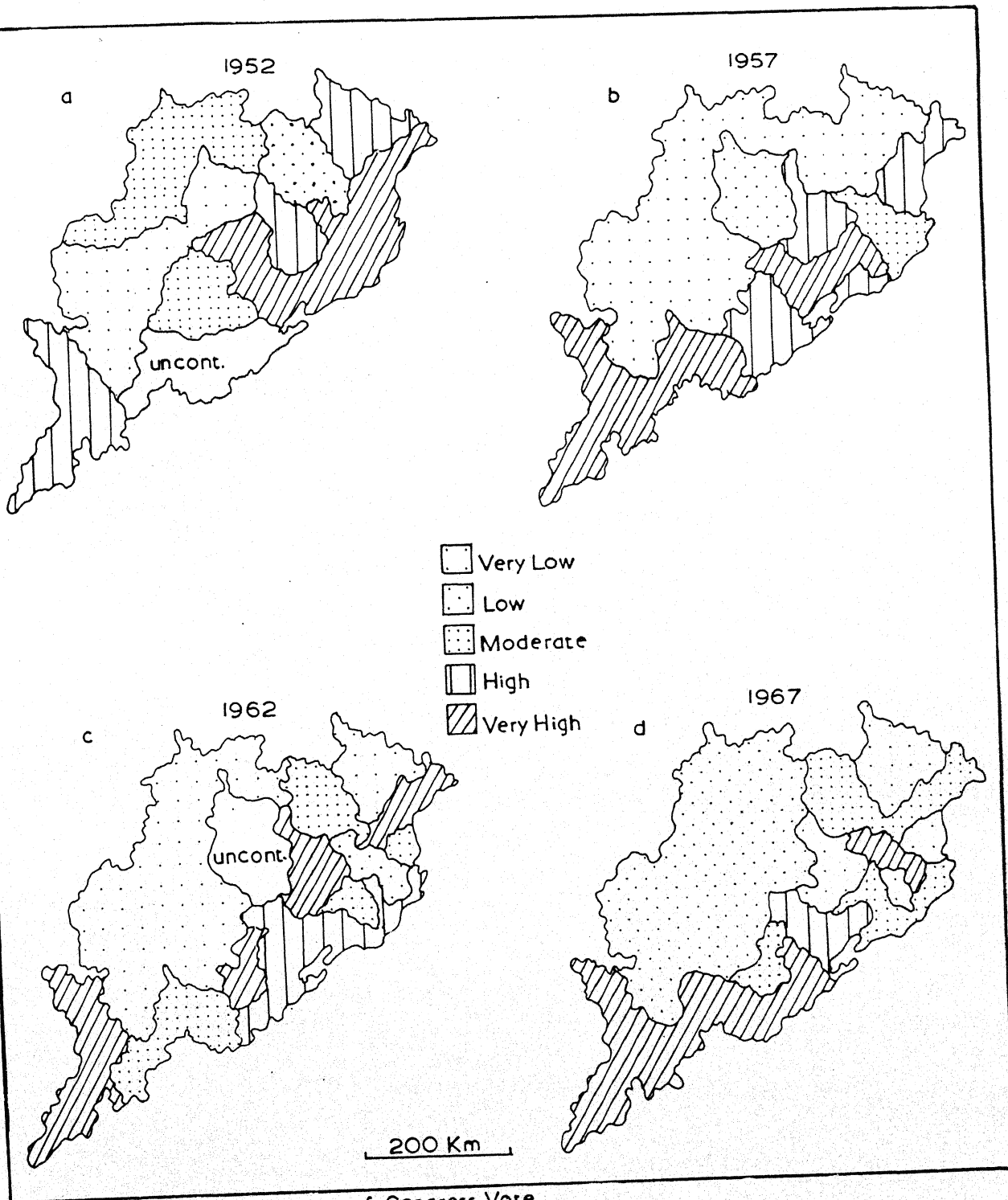
Fig. 6·3 Spatial Concentration of Congress Vote
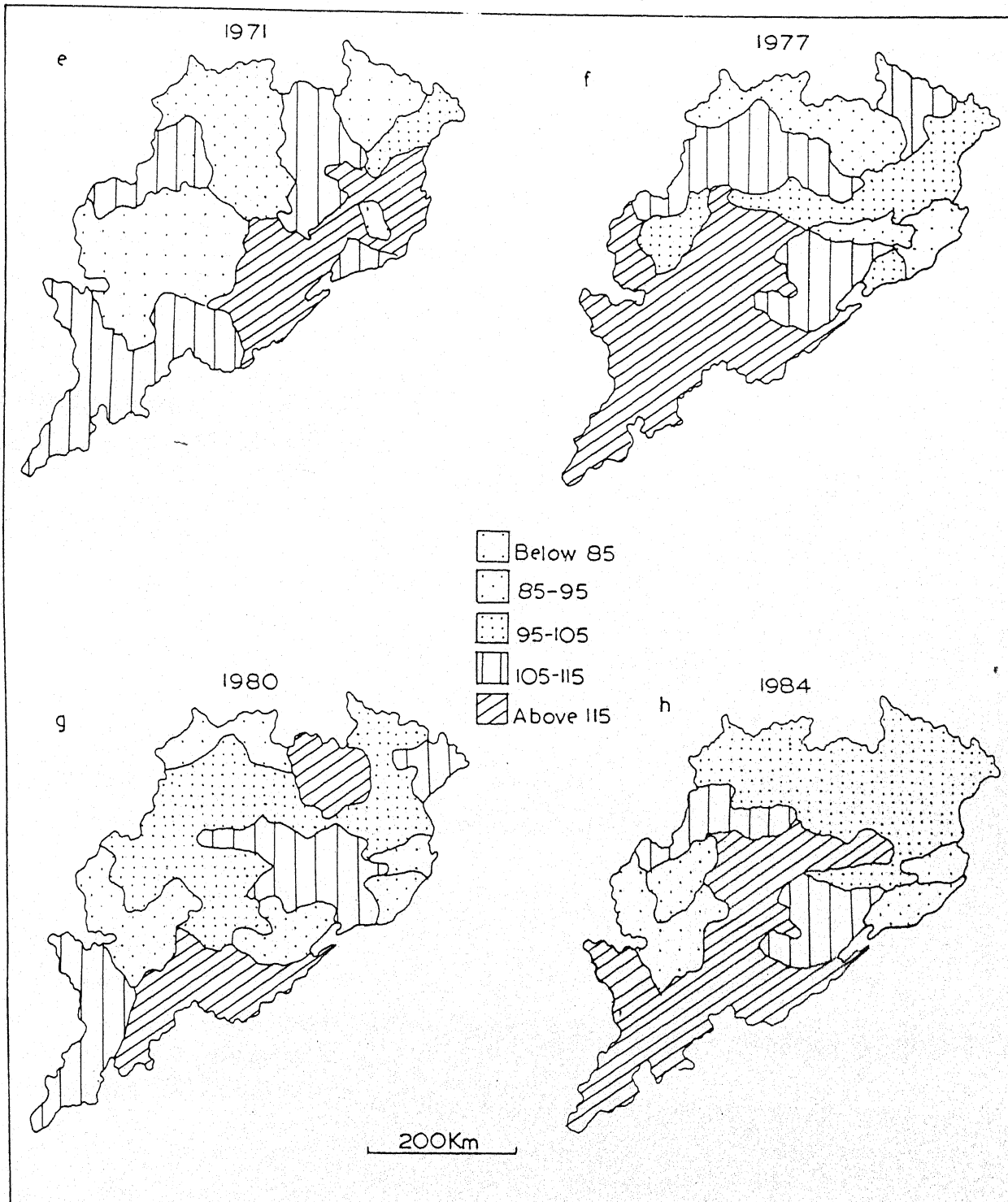
Fig. 6·3 (Continued)

कटक, पुरी तथा खुरदा निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.1.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि प्रतिशत नवरंगपुर, ठेनकानाल-वेस्टकटक ‌॥अनुसूचित जनजाति॥ मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र आते हैं ।

6.3.1.3 मध्यम क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में मध्यम महलब्धि प्रतिशत बारगढ़, सुन्दरगढ़ तथा गुहमुसर निर्वाचन क्षेत्र आते हैं ।

6.3.1.4 निम्नक्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत मात्र जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.1.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत कालाहाण्डी-बोलंगीर ॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

रायगढ़-फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है तथा गंजाम साउथ निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस दल नहीं था ।

6.3.2 महानिर्वाचन 1957

चित्र 6.3 ॥b॥ के द्वारा उड़ीसा राज्य में द्वितीय निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट के लब्धि प्रतिशत का सापेक्ष वितरण प्रदर्शित किया गया है-

6.3.2.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मतिलब्धि प्रतिशत कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥ कटक, तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.2.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतिलब्धि प्रतिशत गंजाम ॥अनुसूचित जाति॥ बालासोर ॥अनुसूचित जाति॥ ठेनकानाल तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र आते हैं ।

6.3.2.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम मतलब्धि प्रतिशत केन्द्रपारा ।अनुसूचित जाति। निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.2.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत अंगुल निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.2.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी ।अनुसूचित जाति। सम्बलपुर अनुसूचित जाति। सुन्दरगढ़, केउंझर, मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3 महानिर्वाचन 1962

उड़ीसा राज्य में तृतीय महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट की लब्धि प्रतिशत 6.3 । C । के द्वारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.3.3.1 अति उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में अति उच्च मतलब्धि प्रतिशत कोरापुत ।अनुसूचित जनजाति भंजनगढ़ ।अनुसूचित जाति। भेडारक ।अनुसूचित जाति। तथा ढेंनकानाल निर्वाचन क्षेत्र आते हैं ।

6.3.3.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि प्रतिशत छत्रपुर, जाजपुर ।अनुसूचित जाति। भूवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.3.3 मध्यम क्षेत्र -

नवरंगपुर, केउंझर, वालासोर तथा कटक निर्वाचन क्षेत्रों में मध्यम मतलब्धि प्रतिशत पाया गया है ।

6.3.3.4 निम्नक्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.3.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत कालाहाण्डी, फुलवानी ‡अनुसूचित जनजाति‡ सम्बलपुर, वोलंगीर ‡अनुसूचित जाति‡ सुन्दरगढ़ ‡अनुसूचित जनजाति‡ तथा मयूरभंज ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्र आते हैं ।

इस निर्वाचन वर्ष में अंगल निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध रहा है ।

6.3.4 महानिर्वाचन वर्ष 1967

चित्र 6.3 ‡d‡ के व्दारा कांग्रेस वोट के मतलब्धि प्रतिशत का विवरण प्रदर्शित किया गया है । इसके अवलोकन से निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं ।

6.3.4.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मतलब्धि प्रतिशत जाजपुर ‡अनुसूचित जाति‡ छत्रपुर, कोरापुत, ‡अनुसूचित जनजाति‡ तथा नवरंगपुर ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.4.3 उच्च क्षेत्र -

भूवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में उच्च मतलब्धि प्रतिशत का क्षेत्र पाया गया है ।

6.3.4.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम मतलब्धि प्रतिशत वालासोर, कटक, पुरी, भंजनगढ़, तथा केउंझर ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

6.3.4.4 निम्नक्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत केन्द्रपारा, कालाहाण्डी, फुलवानी ‡अनुसूचित जाति‡ वोलंगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ ‡ अनुसूचित जनजाति‡ तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

6.3.4.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत मयूरभंज ‡अनुसूचित जनजाति‡ भेडारक ‡अनुसूचित जाति‡ तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.5 महानिर्वाचन वर्ष 1971

उड़ीसा प्रान्त में सम्पन्न पंचम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत कांग्रेस वोट के मतलब्धि प्रतिशत का प्रतिरूप चित्र 6.3 (e) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है ।

6.3.5.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च क्षेत्र उड़ीसा राज्य के भेडारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर, (अनुसूचित जाति) कटक, भूवनेश्वर, तथा छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र आता है ।

6.3.5.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि प्रतिशत पुरी, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर, कैंउझर, (अनुसूचित जनजाति) तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.5.3 मध्यम क्षेत्र -

इस प्रकार के क्षेत्र मात्र बालासोर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.5.4 निम्नक्षेत्र -

निम्नमतलब्धि प्रतिशत सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.5.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मत प्रतिशत मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) केन्द्रपारा, फुलवानी (अनुसूचित जाति) कालाहाण्डी, तथा बोलंगीर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.6 महानिर्वाचन वर्ष 1977

चित्र 6.3 (f) के द्वारा कांग्रेस वोट के मतलब्धि प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया है ।

6.3.6.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मतलब्धि प्रतिशत बरहामपुर, कोरापुर (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) कालाहाण्डी, फुलवानी (अनुसूचित जाति)

निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.6.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि प्रतिशत उड़ीसा राज्य में मयूरभंज [अनुसूचित जनजाति] भूवनेश्वर असका, सम्बलपुर तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है ।

6.3.6.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम मतलब्धि प्रतिशत बालासोर, भेडारक [अनसुचित जाति] जाजपुर, [अनुसूचित जाति] पुरी, बोलंगीर तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.6.4 निम्नक्षेत्र -

निम्नमतलब्धि कटक, सुन्दरगढ़, [अनुसूचित जनजाति] तथा केउंझर [अनसुचित जनजाति] निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.6.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत केन्द्रपारा तथा जगतसिंह पुर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.7 महानिर्वाचन वर्ष 1980

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न सप्तम महानिर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त कांग्रेस वोट के मतलब्धि प्रतिशत का प्रतिरूप चित्र 6.3 [G] के द्वारा दर्शाया गया है ।

6.3.7.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मतलब्धि प्रतिशत बरहामपुर, कोरापुत [अनुसूचित जनजाति] तथा कैंउझर [अनुसूचित जनजाति] निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.7.2 उच्च क्षेत्र -

उच्च मतलब्धि उड़ीसा राज्य के बालासोर, कटक, पुरी, भूवनेश्वर, नवरंगपुर [अनुसूचित जनजाति] तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.7.3 मध्यम क्षेत्र -

मध्यम क्षेत्र उड़ीसा राज्य के मयरूभंज ¤अनुसूचित जनजाति¤ भेडारक ¤अनुसूचित जाति¤ जाजपुर ¤अनुसूचित जाति¤ फुलवानी ¤अनुसूचित जाति¤ वोलंगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, आदि निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.7.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत जगतसिंहपुर, असका, तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.7.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

इस प्रकार के क्षेत्र केन्द्रपारा तथा सुन्दरगढ़ ¤अनुसूचित जनजाति¤ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.8 महानिर्वाचन वर्ष 1984

चित्र 6.3 ¤h¤ के व्दारा अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष में प्राप्त कांग्रेस वोट के मतलब्धि प्रतिशत का प्रतिरूप प्रदर्शित किया गया है ।

6.3.8.1 अति उच्च क्षेत्र -

अति उच्च मतलब्धि प्रतिशत बरहामपुर, कोरापुर ¤अनुसूचित जनजाति¤ नवरंगपुर ¤अनुसूचित जनजाति¤ फुलवानी ¤अनुसूचित जाति¤ तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.8.2 उच्च क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य में उच्च मतलब्धि प्रतिशत के भूवनेश्वर, असका, तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र है ।

6.3.8.3 मध्यम क्षेत्र -

उड़ीसा राज्य के मयरूभंज ¤अनुसूचित जाति¤ जाजपुर ¤अनुसूचित जाति¤ कटक, देवगढ़, सुन्दरगढ़ ¤अनुसूचित जनजाति¤ तथा केंउझर ¤अनुसूचित जनजाति¤ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

6.3.8.4 निम्न क्षेत्र -

निम्न मतलब्धि प्रतिशत जगतसिंहपुर, पुरी तथा बोलंगीर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है ।

6.3.8.5 अतिनिम्न क्षेत्र -

अतिनिम्न मतलब्धि प्रतिशत केन्द्रपारा तथा कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है ।

अध्याय 7

कांग्रेसत्तर दल एवं निर्दल

पूर्व अध्याय में कांग्रेस समर्थन का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। इस अध्याय में कांग्रेसत्तर दल एवं निर्दल दल की कालिक साम्यावस्था का वर्णन किया गया है। इसमें कुछ मुख्य राजनीतिक दलों के क्षेत्रीय विस्तार के साथ ही साथ महानिर्वाचन वर्षों के अन्तर्गत निर्दल दल का भी विवेचन प्रस्तुत किया गया है। प्रथम अनुभाग 7.1 में समस्त मतों का निरपेक्ष वितरण प्रस्तुत किया गया है। द्वितीय अनुभाग 7.2 में निर्दल दल को प्राप्त मत प्रतिशत को मानकलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

7.1 निरपेक्ष वितरण ﴾प्रतिशत﴿

प्रस्तुत अध्याय के इस विभाग में विभिन्न राजनीतिक दलों की कालिक साम्यावस्था का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। राजनीतिक दलों में जो कई बार चुनी गयी है उनका पूर्ण विवेचन प्रस्तुत किया गया है। अन्त में निर्दलीय का विभिन्न निर्वाचन वर्षों में अलग-अलग विवेचन प्रस्तुत किया गया है। कांग्रेसत्तरदल महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों में भारतीय कम्युनिष्ट दल, गणतंत्र परिषद, सोसलिस्ट दल, भारतीय कम्युनिष्ट दल﴾ मार्क्सवादी﴿ एवं निर्दल हैं।

7.1.1 गणतन्त्र परिषद दल

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न विभिन्न महानिर्वाचन वर्षों के निर्वाचनों के अन्तर्गत गणतन्त्र परिषद दल की स्थिति स्पष्ट हो जाती है। यह एक क्षेत्रीय महत्वपूर्ण दल है। प्रथम महानिर्वाचन वर्ष से लेकर तृतीय महा निर्वाचन वर्ष तक किसी न किसी भाग में छाया रहा है। प्रथम महानिर्वाचन में इस दल को 4 स्थान प्राप्त हुआ। नवरंगपुर ﴾47 %﴿, कालाहान्डी-बोलगीर ﴾अनुसूचित जनजाति﴿ 35.8 प्रतिशत, सम्बलपुर 55 प्रतिशत, मत मिला था। द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को पाँच स्थान प्राप्त

था। कालाहान्डी ॥अनुसूचित जाति॥,69.2 प्रतिशत, सम्बलपुर॥अनुसूचित जाति॥, 57.6 प्रतिशत,सुन्दरगढ,47.2 प्रतिशत,ठेनकानाल 54.9 प्रतिशत तथा अंगुल 46.3 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ था। तृतीय महा निर्वाचन वर्ष में इस दल को मात्र चार स्थान प्राप्त हुआ। कालाहान्डी 72.4 प्रतिशत,फुलवानी ॥अनुसूचित जनजाति॥57.1 प्रतिशत, बोलगोर॥अनुसूचित जाति॥ 58.1 प्रतिशत तथा सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ 44.1 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ था।

इस दल का प्रभाव तृतीय महानिर्वाचन वर्ष के बाद समाप्त हो गया।

7.1.2 भारतीय कम्युनिष्ट दल

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न विभिन्न महानिर्वाचन वर्षों में इस दल का प्रभाव रहा है। प्रथम महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को मात्र एक स्थान मिला। गंजाम साउथ 55.6 प्रतिशतम मत प्राप्त हुआ था। द्वितीय निर्वाचन वर्ष में एक स्थान पर अपना वर्चस्व स्थापित किया। पुरी निर्वाचन क्षेत्र में 48.8 प्रतिशत मत मिला था। इस निर्वाचन वर्ष में कई निर्वाचन क्षेत्रों में तृतीय स्थान पर रहा है। तृतीय महा-निर्वाचन वर्ष में इस दल को किसी भी स्थान पर विजय नहीं मिली। भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र में द्वितीय स्थान पर रहा है। चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष में भी इसे कोई स्थान न मिल सका तथा भुवनेश्वर,भजनगढ तथा सम्बलपुर में इसका महत्वपूर्ण स्थान रहा है। पंचम महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को मात्र एक स्थान ही मिल सका। भजनगढ 47.75 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ। कई निर्वाचन क्षेत्रों में इसका महत्वपूर्ण स्थान था। षष्ठम निर्वाचन वर्ष में इसे किसी निर्वाचन क्षेत्र में विजय नहीं मिल पायी। जगतसिंहपुर,भुवनेश्वर,असका निर्वाचन क्षेत्रों में इस दल का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। सप्तम महानिर्वाचन वर्ष में इसदल को मात्र असका निर्वाचन क्षेत्र में तृतीय स्थान पर रहा है। अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष में भी इसदल को कोई सफलता नहीं मिली। मात्रदेवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में यह दल द्वितीय स्थान पर रहा है।

भारतीय कम्युनिस्ट दल काप्रभाव सभी निर्वाचन वर्षों में उड़ीसाराज्य के किसी न किसी निर्वाचन क्षेत्र में अवश्य रहा है।

7.1.3 सोशलिस्ट दल

उड़ीसा राज्य में इस दल का प्रभाव विभिन्न निर्वाचन वर्षों में रहा है। प्रथम महानिर्वाचन वर्ष में इस दल का प्रभाव अधिक था। 16 स्थानों में 6 स्थानों पर इस दल का वर्चस्व था। लेकिन इस दल को किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में प्रथम स्थान नहीं प्राप्तु हुआ। नवरंगपुर, ठेनकानाल-वेस्ट कटक ॥अनुसूचित जनजाति॥ मयूरभंज, जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥, वालासोर ॥अनुसूचित जाति॥, केन्द्रपारा, कटक निर्वाच क्षेत्रों में द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान पर रही है। द्वितीय महानिर्वाचन वर्ष में इस दल का स्थान प्रजा सोशलिस्ट दल ने लिया तथा इस दल को केन्द्रापारा ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कटक, वालासोर ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों मेंद्वितीयस्थान प्राप्त हुआ। तृतीय महानिर्वाचन वर्ष में सोशलिस्ट दल को मात्र एक स्थान पर विजय मिली। सम्बलपुर 42.2 प्रतिशत मत लेकर प्रथम स्थान पर रही तथा कटक, जाजपुर॥अनुसूचित ॥ निर्वाचन क्षेत्रों में द्वितीय स्थान पर रही है। चतुर्थ महानिर्वाचन वर्ष में पुनः इसदल का नाम प्रजा सोसलिस्ट दल हो गया। वालासोर 49.8 प्रतिशत, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ 61.5 प्रतिशत, केन्द्रपारा, 66.9 प्रतिशत, कटक 39.2 प्रतिशत मत लेकर प्रथम स्थान पर रहा है। पंचम महानिर्वाचन वर्ष में इस दल को किसी भी स्थान पर विजय नहीं मिल पायी। षष्ठम निर्वाचन वर्ष में इस दल का अस्तित्व ही समाप्त हो गया तथा सप्तम महा निर्वाचन वर्ष में मात्र जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में थी। षष्ठम निर्वाचन वर्ष में इसका महत्व कम हो गया तथा किसी भी निर्वाचन से विजय भी नहीं मिली।

7.1.4 अन्य दल

उड़ीसा राज्य में अनेक छोटे-छोटे दल समय-समय पर अपना प्रभाव बनाये रखा है। परन्त अधिकांश दल एक ही महा निर्वाचन में भाग लेकर विलुप्त हो गये।

ऐसे दलों में प्रथम महा निर्वाचन वर्ष में मजदूर किसान दल था। यह दल एक या दो निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारा था। द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष में ऐसा कोई दल नहीं था जो एक ही निर्वाचन वर्ष में रहकर समाप्त हो गया हो। तृतीय महा निर्वाचन वर्ष अनेक क्षेत्रीय दलों का प्रभाव था। स्वतन्त्र दल जो छत्रपुरा निर्वाचन क्षेत्र में थो। इस दल को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। 1967 के महा निर्वाचन क्षेत्रों में विजयश्री मिली। मयूरभंजन ‡अनुसूचित जनजाति‡, नवरंगपुर ‡अनुसूचित जनजाति‡ कालाहान्डी, फुलवानी ‡अनुसूचित जनजाति‡, बोलगीर, सुन्दरगढ ‡अनुसूचित जनजाति‡ केउंझर ‡अनुसूचित जनजाति‡ ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में प्रथम स्थान रहा है। पंचम महा निर्वाचन वर्ष कई दलों का उदय हुआ। स्वराज्य दल, उत्कल कांग्रेस, झारखण्ड दल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दल आदि थे। यह दल 1971 के महा निर्वाचन वर्ष में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों मे महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। षष्ठम महा निर्वाचन वर्षों में क्षेत्रीय दलों में भारतीय लोकदल, मार्क्सवादी, कम्युनिस्ट दल, झारखण्ड दल आदि थे। भारतीय लोकदल को इस महा निर्वाचन वर्ष में पूर्ण रूप से बहुमत मिला। मयूरभंज ‡अनुसूचित जनजाति‡, बालासोर भेड़ारक ‡अनुसूचित जाति‡ जाजपुर ‡अनुसूचित जाति‡ केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, फुलवानी ‡अनुसूचित जनजाति‡ तथा केउंझर ‡अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट दल को विजय श्री मिली। सप्तम महा निर्वाचन वर्ष में जनता दल, जनता दल ‡सेकुलर‡ फारवर्ड ब्लाक, कांग्रेस अर्स आदि दल उभरकर सामने आये लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में जनता दल को विजय श्री मिली। अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष में जनता दल, भारतीय जनता दल आदि दल थे। केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में जनता दल को विजय श्री मिली।

7.1.5 निर्दल

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न विभिन्न निर्वाचन वर्षों में लोकसभा निर्वाचनों में निर्दल को प्राप्त मत ‡निरपेक्ष वितरण‡ प्रतिशत का विवरण प्रस्तुत किया गया है। प्रथम महा निर्वाचन वर्ष ‡1952‡ में प्राप्त मत प्रतिशत को चार भागों में विभक्त किया गया है।

1- उच्चमत प्रतिशत- 28 प्रतिशत से अधिक मत प्रतिशत वाले निर्वाचन क्षेत्र
2- मध्यम मत प्रतिशत -23 -28 प्रतिशत के मध्य वाले निर्वाचन क्षेत्र
3- निम्न मत प्रतिशत- 18-23 प्रतिशत के मध्य वाले निर्वाचन क्षेत्र
4- अति निम्न प्रतिशत- 18 प्रतिशत से कम मतदान वाले क्षेत्र

द्वितीय महा निर्वाचन तथा चतुर्थ महा निर्वाचन में प्राप्त मत प्रतिशत को समान रूप से विभक्त किया गया है।

1- उच्च मत प्रतिशत- 30 प्रतिशत से अधिक मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र।
2- मध्यम मत प्रतिशत- 20=30 प्रतिशत के मध्य वाले निर्वाचन क्षेत्र ।
3- निम्न मत प्रतिशत- 10-20 प्रतिशत के मध्य वाले निर्वाचन क्षेत्र ।
4- अति निम्न प्रतिशत- 10 प्रतिशत से कम मतदान वाले क्षेत्र ।

तृतीय महा निर्वाचन वर्ष, पंचम महा निर्वाचन वर्ष, षष्ठम महा निर्वाचन वर्ष, सप्तम महा निर्वाचन वर्ष तथा अष्ठम महा निर्वाचन वर्ष में प्राप्त मत प्रतिशत को समान रूप से विभाजित किया गया है-

1- उच्च मत प्रतिशत- 8 प्रतिशत से अधिक मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र
2- मध्यम मत प्रतिशत- 6-8 प्रतिशत के मध्य मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र
3- निम्न मत प्रतिशत-4-6 प्रतिशत के मध्य मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र
4- अति निम्न मत प्रतिशत- 4 प्रतिशत से कम मतदान वाले निर्वाचन क्षेत्र

7.1.5.1 महा निर्वाचन वर्ष 1952

उड़ीसा राज्य के प्रथम महा निर्वाचन वर्ष में बारगढ़, 51.1 प्रतिशत, सम्बलपुर 16.1 प्रतिशत, सुन्दरगढ, 20.6 प्रतिशत, मयूरभंज, ‡20.1 प्रतिशत, खुरदा 22.2 प्रतिशत तथा गुहमुसर 56.4प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्रों में रहा है।

7.1.5.2 महा निर्वाचन वर्ष 1957

उड़ीसा राज्य के द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत गंजाम ‡अनुसूचित जाति‡ 34.1 प्रतिशत, कालाहान्डो ‡अनुसूचित जाति‡ 3.5 प्रतिशत, सम्बलपुर ‡अनुसूचित जाति 7.9 प्रतिशत केन्द्रपारा ‡अनुसूचित जाति‡ 5.9 प्रतिशत, भुवनेश्वर 10.3 प्रतिशत तथा
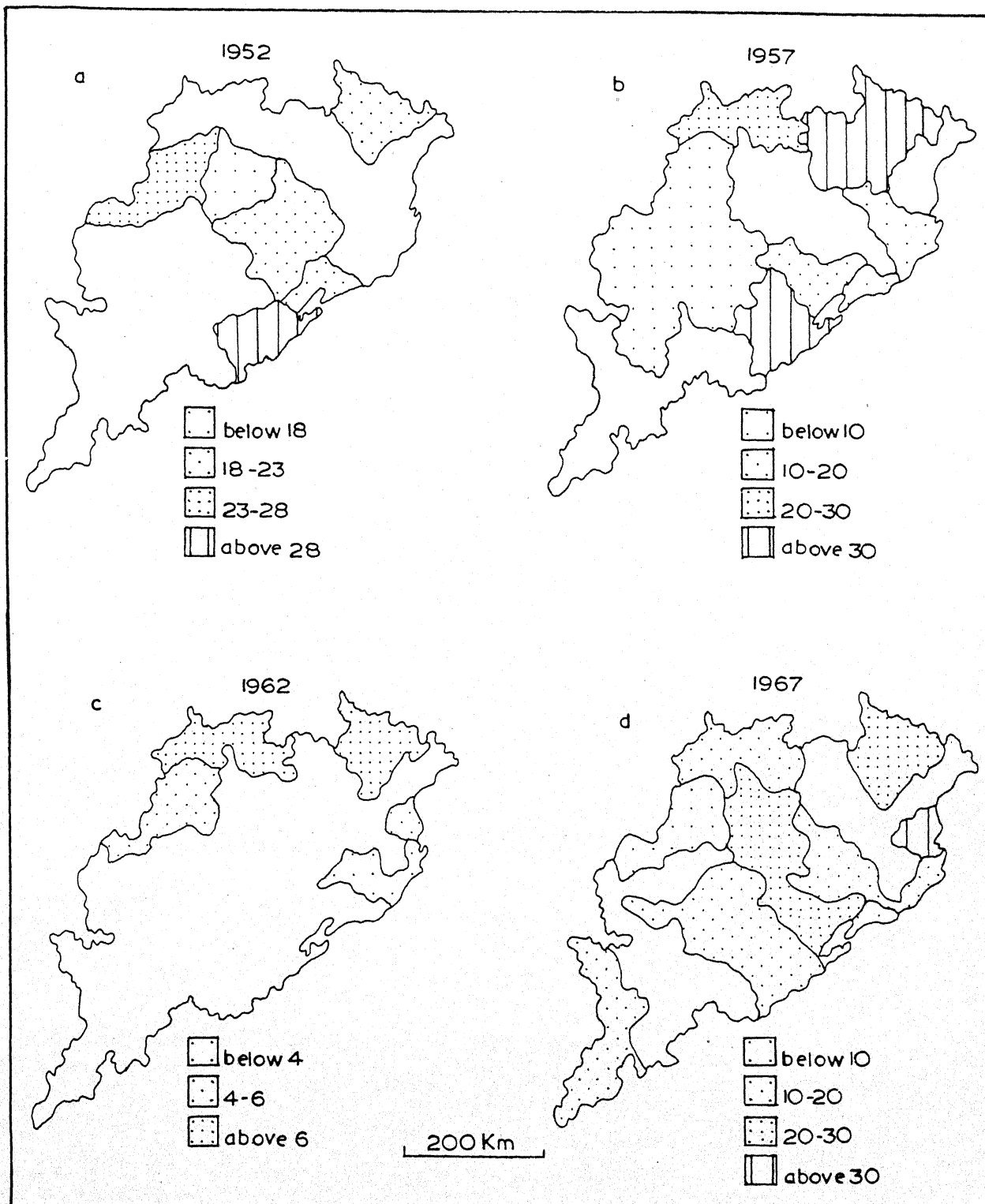
Fig. 7.1 Percent Distribution of Independents
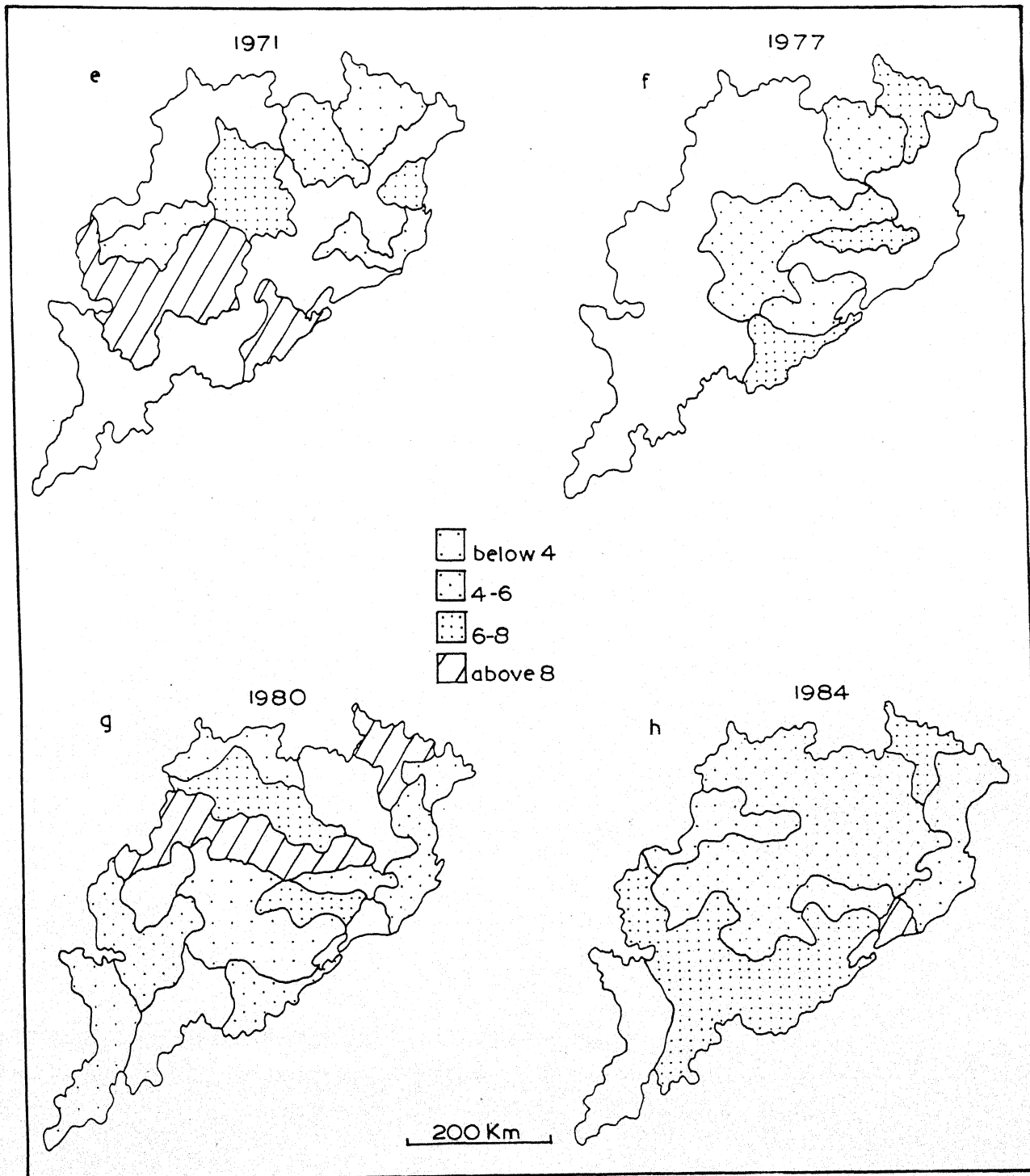
Fig. 7.1 (Continued)

पुरी 7.6 प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त किया। मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र में इस दल को प्रथम स्थान मिला।

7.1.5.3 महा निर्वाचन वर्ष 1962

इस महा निर्वाचन वर्ष में इस दल को यद्यपि कोई स्थान न मिल सका परन्तु बोलगीर (अनुसूचित जाति) 4.4 प्रतिशत, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) 17.2 प्रतिशत, मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) 18.1 प्रतिशत, बालासोर 4.6 प्रतिशत, जाजपुर (अनुसूचित जाति) 3.2 प्रतिशत, कटक, 2.3प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्र में प्राप्त किया।

7.1.5.4 महा निर्वाचन 1967

चतुर्थ महा निर्वाचन वर्ष में निर्दल दल 20 स्थानों में से 11 स्थानों पर अपने प्रत्याशियों को उतारा, लेकिन मात्र एक स्थान पर ही सफलता मिल सकी। भेड़ारक (अनुसूचित जाति) 35.5 प्रतिशत मत प्राप्त करके प्रथम स्थान पर रहा। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) 20.9 प्रतिशत, कटक, 12.3 प्रतिशत, पुरी 6.0 प्रतिशत, भुवनेश्वर 21.3 प्रतिशत, भजनगढ़ 17.6 प्रतिशत, छत्रपुर 14.4 प्रतिशत नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) 11.0 प्रतिशत, फुलवानी (अनुसूचित जाति) 12.0 प्रतिशत, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) 18 प्रतिशत, ढेनकानाल 12.0 प्रतिशत तथा अंगुल 23.3 प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त किया।

7.1.5.5 महानिर्वाचन 1971

इस महा निर्वाचन वर्ष में किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में दल को सफलता नहीं मिली। भेड़ारक (अनुसूचित जाति) 7.18 प्रतिशत, कटक, 2.9 प्रतिशत, छत्रपुर 9.22 प्रतिशत, कालाहान्डी 9.25 प्रतिशत, फुलवानी (अनुसूचित जाति) 8.31 प्रतिशत, बोलगीर 3.11 प्रतिशत, केउंझर (अनुसूचित जनजाति) 5.16 प्रतिशत तथा अंगुल 6.45 प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त हुआ।

7.1.5.6 महा निर्वाचन 1977

षष्ठम महा निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) 9.67 प्रतिशत, कटक 8.78 प्रतिशत, असका 2.42 प्रतिशत, बरहामपुर 8.67 प्रतिशत, फुलवानी (अनुसूचित जाति) 4.49 प्रतिशत, ढेनकानाल 4.33 प्रतिशत, केउंझर (अनुसूचित जनजाति) 4.52 प्रतिशत मत निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त किया।

7.1.5.7 महा निर्वाचन वर्ष 1980

सप्तम महा निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद कोई सफलता नहीं मिली। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) 8.30 प्रतिशत, बालासोर 1.48 प्रतिशत भेड़ारक (अनुसूचित जाति), 4.58 प्रतिशत, केन्द्रापारा 4.7 प्रतिशत, कटक, 3.72 प्रतिशत, जगतसिंह पुर 4.86 प्रतिशत, भुवनेश्वर 6.43 प्रतिशत, असका 3.97 प्रतिशत, बरहामपुर 4.26 प्रतिशत, नवरंगपुर(अनुसूचित जनजाति) 2.38 प्रतिशत, कालाहाण्डी 5.9प्रतिशत, फुलवानी (अनुसूचित जाति 2.60 प्रतिशत , सम्बलपुर 9.30 प्रतिशत, देवगढ़ 7.81 प्रतिशत, ढेनकानाल 8.54 प्रतिशत, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) 4.53 प्रतिशत मत प्राप्त किया।

7.1.5.8 महा निर्वाचन वर्ष 1984

अष्टम निर्वाचन वर्ष में उड़ीसा राज्य के किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में सफलता नही मिली। मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) 6.54 प्रतिशत, बालासोर 3.23 प्रतिशत, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) 3.59 प्रतिशत, जाजपुर (अनुसूचित जाति) 4.56 प्रतिशत, केन्द्रापारा 2.0 प्रतिशत, कटक, 5.76 प्रतिशत, जगतसिंहपुर 1.58 प्रतिशत, पुरी 9.65 प्रतिशत , भुवनेश्वर 2.57 प्रतिशत, असका 7.84 प्रतिशत, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) 7.17 प्रतिशत, कालाहाण्डी 10.27 प्रतिशत, फुलवाना (अनुसूचित जाति) 5.89 प्रतिशत बोलगीर 4.71 प्रतिशत, सम्बलपुर 3.92 प्रतिशत, देवगढ़ 5.47 प्रतिशत, ढेनकानाल 4.59 प्रतिशत, सुन्दरगढ (अनु0जाति) 4.95 तथा केउंझर (अनु0 जनजाति) 5.73 प्रतिशत मत प्राप्त हुआ।

7.2 निरपेक्ष वितरण

प्रस्तुत अध्याय के पूर्व अनुभाग में विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचन के क्रमानुसार निर्दल वोट प्रतिशत का विवेचन प्रस्तुत किया गया है। निर्वाचन वर्षों के अन्तर्गत दलीय सहभागिता के स्तर की तुलना पूर्व अनुभाग में न की जा सकी। यह एक प्रमुख समस्या रह गयी थी। इसका मूल भूत कारण किसी एक वर्ष का निम्न मत मूल्य का सम्भव होना था। इसी समस्या के समाधान के लिए पूर्ण समय 1952 से 1984 के सन्दर्भ में तुलना हेतु प्रत्येक वर्ष के मत मूल्य को मानकलब्धि में परिवर्तित कर दिया गया है।

अध्ययन की सुविधा के लिए पाँच भागों में विभक्त किया गया है। अति उच्च +1.5 से अधिक, उच्च +0.5+1.5, मध्यम -0.5+0.5, निम्न -0.5-1.5 तथा अति निम्न -1.5 मानक लब्धि के क्षेत्र हैं।

7.2.1 महा निर्वाचन वर्ष 1952

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न प्रथम महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत मानलब्धि का प्रतिरूप चित्र 7.2 (a) के प्रदर्शित किया गया है।

7.2.1.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च मानकलब्धि गुहमुसर तथा बारगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.1.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि गंजाम (ला उथ) निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.1.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानक लब्धि उड़ीसा राज्य के मात्र निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.1.4 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि सुन्दरगढ़, सम्बलपुर, मयूरभंज, खुरदा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है। इस निर्वाचन वर्ष में अति निम्न मानकलब्धि के क्षेत्र नहीं हैं।
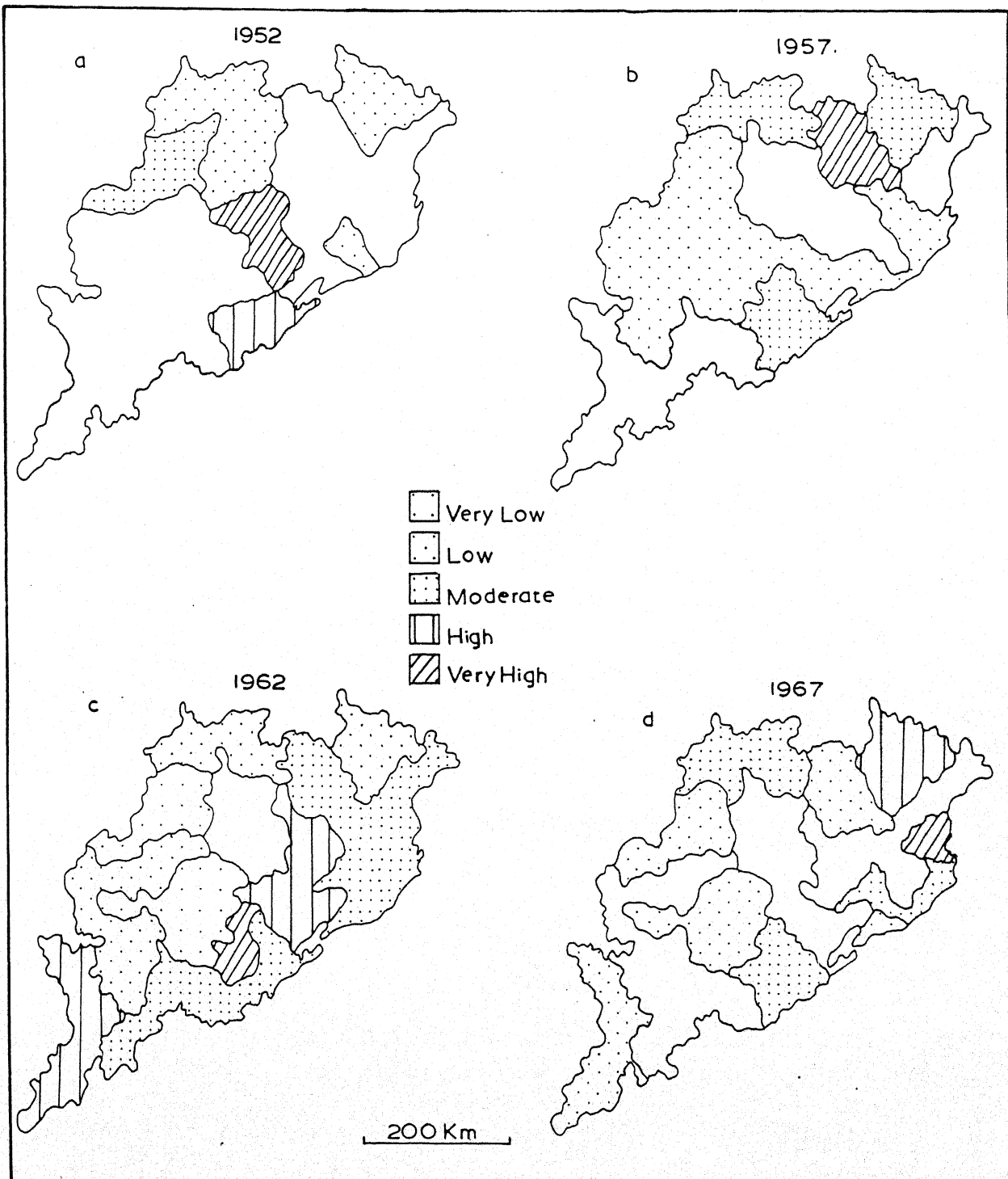
Fig. 7·2 Distribution of Independents (z-score)
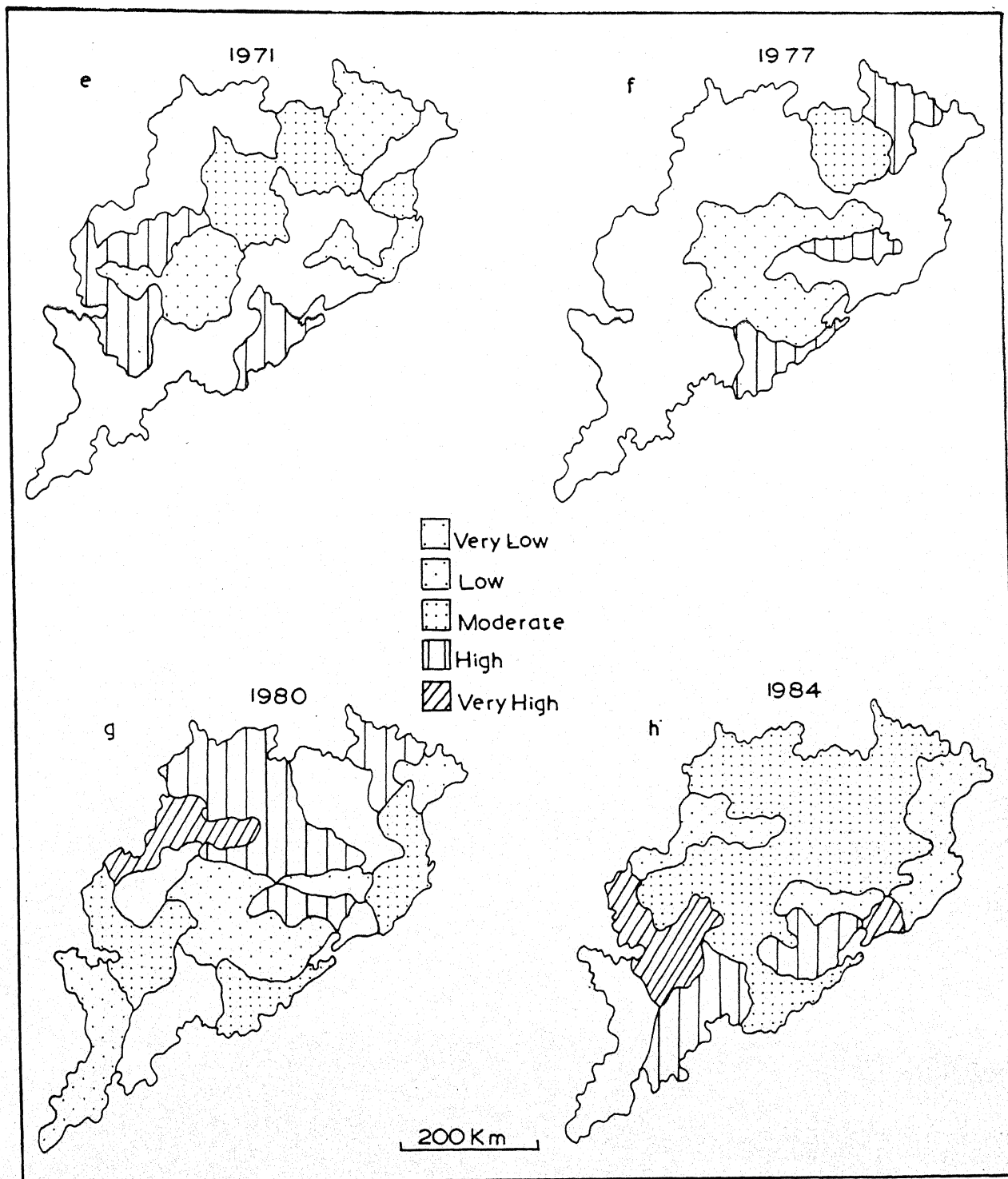
Fig. 7.2 (Continued)

7.2.2 महानिर्वाचन वर्ष 1957

चित्र 7.2 (b) के द्वारा द्वितीय महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त निर्दल दल मत के मानकलब्धि का प्रतिरूप प्रदर्शित किया गया है।

7.2.2.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के मात्र केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.2.2 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के गंजाम(अनुसूचित जाति) सुन्दरगढ तथा मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.2.3 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि कालाहाण्डी(अनुसूचित जाति)सम्बलपुर(अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा(अनुसूचित जाति) भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र में पाया जाता है।

7.2.3 महा निर्वाचन वर्ष 1962

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न तृतीय महा निर्वाचन वर्ष के अन्तर्गत प्राप्त निर्दल मत के मानक लब्धि का प्रतिरूप चित्र 7.2 (c) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

7.2.3.1 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि सुन्दरगढ(अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र तथा मयूरभंज(अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है।

7.2.3.2 निम्न क्षेत्र

निम्न मानलकलब्धि उड़ीसा राज्य के बोलगीर(अनुसूचित जाति) बालासोर, जाजपुर (अनुसूचित जाति) तथा कटक निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.4 महा निर्वाचन वर्ष 1967

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न हुए चतुर्थ निर्वाचन वर्ष में निर्दल दल मत के मानक लब्धि का समाकरण चित्र 7.2 (d) के द्वारा अभिहित होता है। इसके अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि इस निर्वाचन वर्ष में अति निम्न मानकलब्धि का क्षेत्र नहीं पाया गया है।

7.2.4.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च मानकलब्धि भेड़ारक (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र में गया है।

7.2.4.2 उच्च क्षेत्र

उच्च क्षेत्र में उड़ीसा राज्य में उच्च मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जाति) भुवनेश्वर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.4.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानकलब्धि कटक, भजनगढ, छत्रपुर तथा सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.4.4 निम्न क्षेत्र

निम्न मानक लब्धि उड़ीसा राज्य के पुरी, नवरंगपुर (अनुसूचित जनजाति) फुलवानी (अनुसूचित जाति) सम्बलपुर तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.5 महा निर्वाचन वर्ष 1971

चित्र 7.2 (e) के द्वारा उड़ीसा राज्य के इस महा निर्वाचन वर्ष में प्राप्त निर्दल दल मत के मानक लब्धि का प्रतिरूप प्रदर्शित किया गया है। इसके अवलोकन से यह स्पष्ट हो जाता है कि अति उच्च तथा अति निम्न मानकलब्धि के क्षेत्र नहीं है।

7.2.5.1 उच्च क्षेत्र

उच्च मानकलब्धि, छत्रपुर, कालाहान्डी, बोलगीर निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.5.2 मध्यम क्षेत्र

मध्यम मानकलब्धि भेड़ारक ⦃अनुसूचित जाति⦄ भुवनेश्वर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.5.3 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के मयूरभंज⦃अनुसूचित जनजाति⦄, कटक, फुलवानी⦃ अनुसूचित जाति⦄ निर्वाचन क्षेत्र है।

7.2.6 महा निर्वाचन वर्ष 1977

षष्ठम महा निर्वाचन वर्ष में प्राप्त निर्दल वोट के मानलब्धि का विवरण चित्र 7.2 ⦃ *b* ⦄ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। इसके द्वारा यह विदित होता है कि अति उच्च मानक तथा अति निम्न मानक लब्धि के क्षेत्र नहीं हैं।

7.2.6.1 उच्च क्षेत्र

उच्च मानकलब्धि मयूरभंज⦃अनुसूचित जाति ⦄ तथा कटक निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है।

7.2.6.2 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानक लब्धि केउंझर ⦃अनुसूचित जनजाति⦄ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

7.2.6.3 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि उड़ीसा राज्य के असका, फुलवानी⦃अनुसूचित जाति⦄ तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.7 महा निर्वाचन वर्ष 1980

उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में प्राप्त निर्दल दल मत के मानक लब्धि के रूप में चित्र 7.2 ⦃ *g* ⦄ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस निर्वाचन वर्ष में सभी प्रकार के क्षेत्रों में विस्तार पाया जाता है।

7.2.7.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च मानक लब्धि सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में पाया जाता है।

7.2.7.2 उच्च क्षेत्र

उच्च मानकलब्धि मयूरभंज ‡अनुसूचित जनजाति‡ भुवनेश्वर, देवगढ़ , ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.7.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम मानक लब्धि भेड़ारक ‡अनुसूचित जाति‡ केन्द्रापारा जगतसिंह पुर, बरहामपुर, कालाहाण्डी, सुन्दरगढ‡ अनुसूचित जनजाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.7.4 निम्न क्षेत्र

कटक, असका, नवरंगपुर ‡अनुसूचित जनजाति‡ फुलवानी ‡अनुसूचित जाति‡ निर्वाचन क्षेत्रों में निम्नमानक लब्धि पाया गया है।

7.2.7.5 अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न मानकलब्धि बालासोर निर्वाचन क्षेत्र में सम्मिलित है।

7.2.8 महा निर्वाचन वर्ष 1984

उड़ीसा राज्य में सम्पन्न अष्ठम महानिर्वाचन वर्ष में निर्दल वोट के मानक लब्धि का विवरण चित्र 7.2 ‡I‡ केद्वारा प्रदर्शित किया गया है। इसके सिंहावलोकन से यह विदित होता है कि अति निम्न मानक लब्धि के क्षेत्रों का विस्तार नहीं पाया गया है।

7.2.8.1 अति उच्च क्षेत्र

पुरी, तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्रों में अति उच्च मानक लब्धि का विस्तार पाया गया है।

7.2.8.2 उच्च क्षेत्र

उच्च मानक लब्धि, अस्का तथा कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.8.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मध्यम मानकलब्धि मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) कटक, वरहामपुर, फुलवानी (अनुसूचित जाति) वोलगीर, देवगढ़, ठेनकानाल, सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) तथा केउंझर (अनुसूचित जनजाति) निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

7.2.8.4 निम्न क्षेत्र

निम्न मानकलब्धि बालेश्वर, भेड़ारक (अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा, जगतसिंहपुर, सम्बलपुर तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

अध्याय 8

सामाजिक- आर्थिक संरचना

भारत में राजनैतिक व्यवहार सामाजिक एवं आर्थिक संरचना से पूर्णत: प्रभावित होता है। राजनैतिक व्यवहार की समीक्षा वस्तुत: सामाजिक संरचना के मूल में निहित है। वर्ग विशेष, विभिन्न जातियों, धर्मों एवं आर्थिक विषमताओं का प्रतीक भारतीय समाज, पंजातन्त्र को सफलता के सोपानों पर निरन्तर अग्रसर करता जा रहा है। निश्चय ही यहाँ की सामाजिक संरचना में अनेकता में एकता का दर्शन सम्भव हो सका है। प्रस्तुत अध्याय में प्रयत्न किया गया है कि विभिन्न सामाजिक आर्थिक चरों के अन्तर्सम्बन्धों तथा पारस्परिक प्राप्य साम्यता के आधार पर अनेक समूह निश्चित किये जायें। समूह निर्धारण घटक विश्लेषण विधि द्वारा सम्भव हो सका है। एक समूह के चरों में पारस्परिक सभ्यता दृष्टिगत हुई है।

प्रस्तुत अध्याय के प्रथम अनुभाग 8.1 में सामाजिक- आर्थिक चरों के पारस्परिक सम्बन्ध का विवेचन किया गया है। द्वितीय अनुभाग 8.2 में चरों में प्राप्त अन्तर्सम्बन्ध दोष से स्वतन्त्र करने के लिए प्रमुख घटक विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया जिसमें सन्तर्सम्बन्धित घटकों का निर्धारण हो सका। तृतीय अनुभाग 8.3 में सामाजिक-आर्थिक घटकों का विशद विश्लेषण किया गया है। चतुर्थ अनुभाग 8.4 मेंसामाजिक-आर्थिक घटकों की लब्धि का भौगोलिक प्रतिरूप वर्षानुसार वर्णन किया गया है।

8.1 चर

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में अन्तर्सम्बन्ध विश्लेषण तथा प्रमुख घटक निर्धारण में सामाजिक-आर्थिक चरों को प्रस्तुत किया गया है। सामाजिक-आर्थिक चरों के मानक-विचलन एवं केन्द्रीय प्रवृत्तियों (माध्य) का वर्णन विभिन्न जनगणना वर्षों के आधार पर किया गया है।

तालिका 8.1 तथा तालिका 8.1.2 में सभी जनगणना वर्षों में उल्लिखित 29 चरों का वर्णन किया गया है। तालिका के आधार पर विभिन्न जनगणना वर्षों के मानक विचलन तथा केन्द्रीय प्रवृत्तियों (माध्य) का संक्षेप में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम जनगणना वर्ष 1951 में सामाजिक-आर्थिक चरों में उड़िया भाषा का मानक विचलन अधिक रहा है। मध्यम मानक विचलन अन्य भाषा का है तथा हिन्दी भाषा, आयुवर्ग(40-60), अनुसूचित जाति, खेतिहार आदि चरों का मानक विचलन मध्यम से कम रहा है।

द्वितीय जनगणना वर्ष 1961 में सामाजिक, आर्थिक चरों में उड़िया भाषा तथा हिन्दी भाषा का मानक विचलन अधिक रहा है। अनुसूचित जनजाति का मानक विचलन मध्यम है तथा ग्रामीण जनसंख्या तथाशहरी जनसंख्या का मनवक विचलन कम है।

तृतीय जनगणना वर्ष 1971 में अनुसूचित जनजाति का मानक विचलन अधिक है। मध्यम मानक विचलन हिन्दू का है तथा अनुसूचित जाति, ग्रामीण जनसंख्या, ग्रामीण स्त्री, चरों का मानक विचलन कम है।

चतुर्थ जनगणना वर्ष 1981 में सामाजिक आर्थिक चरों में अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार का मानक विचलन अधिक है। मध्यम मानक विचलन चरों में ,अन्य उद्योग में लगे, अनुसूचित जनजाति का है तथा उड़िया भाषा तथा ग्रामीण जनसंख्या का रहा है।

तालिका 8.1.2 का अवलोकन करने से यह स्पष्ट होता है कि प्रथम जनगणना वर्ष में ग्रामीण जनसंख्या का सबसे अधिक माध्य (96.97) है। मध्यम माध्य वाला चर हिन्दू है तथा ग्रामीण स्त्री, कुल काम करने वाले तथा उड़िया भाषा का माध्य कम है।

द्वितीय जनगणना वर्ष में सर्वाधिक माध्य ग्रामीण जनसंख्या का है। मध्यम माध्य उड़िया भाषा, हिन्दू चर का है तथा काम न करने वाले चर का माध्य कम है।

तृतीय जनगणना वर्ष 1971 में सामाजिक आर्थिक चरों में सर्वाधिक माध्य हिन्दू तथा ग्रामीण जनसंख्या का है। मध्यम माध्य वाले चरों में अन्य भाषा का है तथा निम्न माध्य ग्रामीण स्त्री, उड़िया भाषा आदि चरों का है।

चतुर्थ जनगणना वर्ष 1981 में सर्वाधिक माध्य उड़िया भाषा का है। मध्यम माध्य ग्रामीण जनसंख्या चर का है तथा निम्न माध्य काम न करने वाले चर का है। शेष सभी जनगणना वर्षों के चरों का केन्द्रीय प्रवृत्तियाँ ३माध्य३ अति निम्न है जो तालिका में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

8.2 सह-सम्बन्ध

इस अनुभाग में विभिन्न सामाजिक आर्थिक चरों के मध्य अन्तर्सम्बन्धों की जाँच उनके पारस्परिक सहसम्बन्ध गुणाँको "पियर्सन का " के माध्यम से की गयी है।

तालिका 8.1 तथा 8.1.2 का अवलोकन करने से निम्न तथ्य अभिहित होते हैं।

1- सर्वाधिक माध्य वाला चर ३97.00३ ग्रामीण जनसंख्या है तथा सबसे कम माध्य वाला चर ३0.02३ प्राविधिक है।

2- उच्च माध्य वाले चरों में हिन्दू तथा उड़िया भाषा है। निम्न माध्य वाले चरों में शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, स्नातक , इत्यादि हैं।

3- उड़ीसा राज्य में चरों के वितरण पर यदि ध्यान दिया जाय तो स्पष्ट है कि कुछ चरों का वितरण लगभग समान है। परन्तु कुछ चरों के वितरण में अत्यधिक विषमता है। समान वितरण वाले चरों में ग्रामीण जनसंख्या, हिन्दू, उड़िया भाषा तथा ग्रामीण स्त्री इत्यादि हैं। जिनका प्रामाणिक विचलन न्यून है।

4- वें चर जिनका वितरण असमान पाया गया है एवं जिनका प्रामाणिक विचलन अधिक है, अन्य भाषा, हिन्दी भाषा आदि हैं।

तालिका 8.1

सामाजिक-आर्थिक चर (1951-81) विचलन गुणांक

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	1.65	8.83	4.57	10.31
2- शहरी जनसंख्या	1.76	9.12	4.40	5.45
3- ग्रामीण स्त्री जनसंख्या	3.80	2.08	4.88	5.84
4- शहरी स्त्री जनसंख्या	0.97	3.34	2.00	2.70
5- कुल काम करने वाले	2.72	8.48	3.80	4.42
6- खेतिहर	3.95	5.22	2.67	3.79
7- कृषि मजदूर	1.81	9.18	3.14	2.51
8- अन्य उद्योग में लगे	1.75	0.58	0.26	17.30
9- घरेलू उद्योग	0.76	0.78	0.44	2.21
10-अन्य घरेलू उद्योग	1.97	0.78	0.19	19.51
11-व्यापार	1.17	0.40	0.32	19.47
12-परिवहन	0.47	0.31	0.35	6.38
13-अन्य नौकरी	2.46	1.99	1.35	0.98
14-काम न करने वाले	2.85	7.75	3.39	9.76
15-हिन्दू	3.18	7.63	7.40	11.81
16-मुस्लिम	0.79	0.62	1.12	1.49
17-इसाई	0.60	0.34	1.52	1.73
18-अनुसूचित जाति	3.51	3.72	4.56	4.20
19-अनुसूचित जनजाति	2.40	14.02	9.77	17.23
20-20-39आयुवर्ग	2.21	2.12	3.27	2.67
21-40-60 आयु वर्ग	3.47	1.09	1.37	1.75
22-60 वर्ष से अधिक	0.81	0.64	0.74	0.70

तालिका 8.1 क्रमशः

चर	1951	1961	1971	1981
23-शिक्षित	1.74	2.98	3.40	8.56
24-हाईस्कूल	0.44	2.61	1.22	3.67
25-स्नातक	0.12	0.01	0.24	0.79
26-प्राविधिक	0.19	0.26	0.29	4.33
27-उड़िया भाषा	13.88	17.55	4.71	12.41
28-हिन्दी भाषा	4.94	22.70	3.35	1.68
29-अन्यभाषा	9.82	6.84	5.30	1.74

तालिका 8.12

सामाजिक-आर्थिक चर, 1951-1981 केन्द्रीय प्रवृत्तियाँ [माध्य]

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	96.97	90.13	92.41	83.69
2- शहरी जनसंख्या	3.41	9.22	7.92	12.97
3- ग्रामीण स्त्री जनसंख्या	49.86	47.25	45.70	43.15
4- शहरी स्त्री जनसंख्या	1.59	3.81	3.46	4.94
5- कुल काम करने वाले	57.45	44.54	30.40	29.83
6- खेतिहर	27.11	25.36	13.68	12.35
7- कृषि मजदूर	4.30	10.17	9.76	9.35
8- अन्य उद्योग में लगे	9.43	0.97	0.70	4.56
9- घरेलू उद्योग	1.04	2.63	1.07	2.79
10-अन्य घरेलू उद्योग	5.85	0.67	0.50	4.89
11-व्यापार	2.27	0.74	0.81	5.12
12-परिवहन	0.63	0.32	0.52	2.27
13-अन्य नौकरी	7.98	5.18	2.97	2.58
14-काम न करने वाले	42.78	56.21	69.57	62.55
15-हिन्दू	91.88	87.11	93.23	91.86
16-मुस्लिम	1.38	1.04	1.03	1.58
17-इसाई	1.25	0.52	1.38	1.26
18-अनुसूचित जाति	8.76	14.56	13.58	13.58
19-अनुसूचित जनजाति	7.80	23.53	1.48	20.35
20-20-39 आयु वर्ग	13.94	12.17	14.61	16.50
21-40-60 आयु वर्ग	9.94	8.41	7.31	9.10
22-60 वर्ष से अधिक	3.43	2.26	3.74	4.30

तालिका 8.1.2 क्रमश:

चर	1951	1961	1971	1981
23- शिक्षित	2.75	4.30	4.67	29.69
24-हाईस्कूल	0.74	1.69	1.35	16.29
25-प्राविधिक	0.05	0.02	0.16	2.82
26-स्नातक	0.15	0.28	0.31	13.14
27-उड़िया भाषा	79.20	78.28	43.22	90.60
28-हिन्दी भाषा	8.62	15.12	2.20	2.64
29- अन्य भाषा	12.72	7.53	55.24	2.18

8.2.1 सामाजिक-आर्थिक अन्तर्सम्बन्ध 1951

जनगणना वर्ष 1951 के सामाजिक-आर्थिक चरों के अन्तर्सम्बन्धों के विश्लेषण से प्राप्त परिणाम तालिका 8.2 में अभिहित हैं। इस तालिका के निरीक्षण से जो निष्कर्ष निकलते हैं उन्हे तालिका 8.3 में दिया गया है जिससे सम्बन्धों की दिशा और सीमा दोनों पर प्रकाश पड़ता है। तालिका 8.2 का संक्षेप में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम जनगणना वर्ष 1951 में सामाजिक -आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान शहरी जनसंख्या तथा शहरी स्त्री का है जो + .7 से अधिक है। मध्यम मान परिवहन, अन्य नौकरी, ईसाई आदि चरों का है तथा निम्न माध्य काम न करने वाले मुस्लिम, अनुसूचित जाति तथा पढ़े लिखे चरों का है।

द्वितीय घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों का सर्वाधिक मान अन्य घरेलू उद्योग, पढ़े लिखे तथा प्राविधिक का है। मध्यम सामाजिक-आर्थिक चरों में घरेलू उद्योग, काम न करने वाले तथा हिन्दू है। ग्रामीण जनसंख्या, ग्रामीण स्त्री, कृषि मजदूर व्यापार तथा परिवहन आदि चरों का मान कम है।

तृतीय घटक के चरों में सर्वाधिक मान ग्रामीण स्त्री तथा व्यापार का है। मध्यम मान काम न करने वाले, हिन्दी भाषा आदि का है। ग्रामीण जनसंख्या, कृषि मजदूर अन्य घरेलू उद्योग परिवहन आदि चरों का मान कम है।

चतुर्थ घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान मुस्लिम, 20-39 आयु वर्ग का है। मध्यम मान कुल काम करने वाले परिवहन आदि चरों का है। ग्रामीण जनसंख्या, ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, घरेलू उद्योग, अन्य नौकरी आदि चरों का है।

8.2.2 सामाजिक-आर्थिक अन्तर्सम्बन्ध 1961

जनगणना वर्ष 1961 के सामाजिक-आर्थिक चरों के अन्तर्सम्बन्धों के बीच जो पारस्परिक सम्बन्ध पाये गये उनका विवरण तालिका 8.2 से 8.5 में दिया गया है।

तालिका को अवलोकन करने पर निम्न तथ्य प्रकाश में आते हैं उनका संक्षेप में वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम घटक के सामाजिक-आर्थिक चरो को सर्वाधिक मान शहरी जनसंख्या तथा शहरी स्त्री का है। मध्यम चरों में अनुसूचित जाति,स्नातक का है। कृषि मजदूर,अन्य घरेलू उद्योग आदि चरों का मान सबसे कम है।

द्वितीय घटक के चरों में सर्वाधिक मान अन्य उद्योग में लगे ,अन्य घरेलू उद्योग,परिवहन आदि चरों का है। मध्यम चरों में इसाई,अन्य भाषा का मान है। खेतिहर,कृषि मजदूर,नौकरी काम करने वाले,मुस्लिम,अनुसूचित जनजाति आदि चरों का मान कम है।

तृतीय घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान काम न करने वाले, इसाई ,उड़िया भाषा का है। मध्यम मान वाले चरों में अनुसूचित जाति का है। ग्रामीण जनसंख्या,अन्य घरेलू उद्योग, हिन्दू मुस्लिम,अन्य भाषा आदि चरों का मान कम है।

चतुर्थ घटक में सर्वाधिक मान 40.60 (आयु वर्ग) चर का है। मध्यम मान वाले चरों में व्यापार,अन्य नौकरी अनुसूचित जाति का है। ग्रामीण जनसंख्या,शहरी जनसंख्या, कृषि मजदूर,घरेलू उद्योग आदि चरों का मान सबसे कम है।

8.2.3 <u>सामाजिक-आर्थिक अन्तर्सम्बन्ध 1971</u>

तृतीय जनगणना वर्ष 1971 से प्राप्त सामाजिक आंकड़ों के बीच जो पारस्परिक सम्बन्ध पाया गया है उन्हे तालिका 8.2 से 8.5 में प्रस्तुत किया गया है। तालिका का निरीक्षण करने से जो निष्कर्ष निकला है उनका संक्षेप में वर्णन किया गया है।

प्रथम घटक के सामाजिक-आर्थिक चरो में सर्वाधिक मान शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री का है। मध्यम मान व्यापार आदि चरों का है। कुल काम करने वाले, खेतिहर,अन्य उद्योग में लगे परिवहन,अन्य नौकरी आदि चरो का मान सबसे कम है।

द्वितीय घटक के चरों में सर्वाधिक मान कुल काम करने वाले कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग का है। मध्यम मान वाले चरों में हिन्दू का है। ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार आदि चरों का मान सबसे कम है।

तृतीय घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान खेतिहर, उड़िया भाषा आदि का है। मध्यम चरों में 60 से अधिक आयु, हिन्दी भाषा का मान है। शहरी जनसंख्या, कुल काम करने वाले, कृषि मजदूर, व्यापार आदि चरों का मान सबसे कम है।

चतुर्थ घटक के चरों में सर्वाधिक मान 40-60 आयु वर्ग, 60 से अधिक आयु वाले, आदि का है। मध्यम मान वाले चरों में मुस्लिम 20-39 आयु वर्ग शिक्षित, उड़िया भाषा का मान है। कुल काम करने वाले, खेतिहर अन्य उद्योग में लगे, [illegible] अन्य नौकरी आदि चरो का मान सबसे कम है।

8.2.4 सामाजिक-आर्थिक अन्तर्सम्बन्ध 1981

तालिका 8.2 से 8.5 में जनगणना वर्ष 1981 के सामाजिक-आर्थिक आंकड़ो के पारस्परिक सम्बन्धों को प्रस्तुत किया गया है। जिसका संक्षेप में विवरण प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान ग्रामीण जनसंख्या, ग्रामीण स्त्री, खेतिहर हिन्दू आदि हैं। मध्यम मान वाले चरों में कुल काम करने वाले, अन्य नौकरी, काम न करने वाले, मुस्लिम आदि का है। शहरी जनसंख्या, घरेलू उद्योग, अनुसूचित जनजाति आदि चरों का मान सबसे कम है।

द्वितीय घटक के चरों का सर्वाधिक मान अन्य उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार परिवहन का है। मध्यम मान वाले चरों में अन्य भाषा का है। शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, कुल काम करने वाले, खेतिहर, कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग आदि चरों का मान सबसे कम है।

तृतीय घटक के सामाजिक-आर्थिक चरों में सर्वाधिक मान वाला शहरी स्त्री, तथा हिन्दू है। मध्यम मान उड़िया भाषा का है। ग्रामीण स्त्री, कुल काम करने वाले

तालिका 8.2
घटक तल

	1951	1961	1971	1981
1-उच्च धनात्मक तल (+.7 से अधिक)	शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री	शहरी जनसंख्या शहरा स्त्री	शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, परिवहन, इसाई, हाईस्कूल हिन्दी भाषा, प्राविधिक	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, हिन्दू, अनुसूचित जाति 40 से 60 आयु वर्ग, हाईस्कूल, उड़िया भाषा
2-मध्यम धनात्मक तल (+.3+.7)	परिवहन, अन्य नौकरी इसाई, 60 से अधिक उम्र वाले, शिक्षित	अनुसूचित जाति, व्यापार 40 से 60 आयु वर्ग के, स्नातक		कुल काम करने वाले, अन्य नौकरी काम न करने वाले, मुस्लिम, 60 से अधिक आयु वर्ग, पढ़े लिखे स्नातक
3-निम्न धनात्मक तल (-.3 से कम)	कुल काम करने वाले, खेतिहर, कृषि मजदूर व्यापार, अन्य उद्योग, घरेलू उद्योग, हिन्दू, अनुसूचित जनजाति 40 से 60के उम्र वाले, प्राविधिक , स्नातक उड़ियाभाषा, हिन्दी भाषा	अन्य उद्योग, में लगे, अन्य घरेलू उद्योग व्यापार, परिवहन, अन्य नौकरी, काम न करने वाले, 20 से 39 उम्र उड़ियाभाषा	कुल काम करने वाले, कृषि मजदूर, अन्य नौकरी, मुस्लिम 20से 39 आयु, 40 से 60आयु 60 से अधिक आयु, शिक्षित, स्नातक	शहरी स्त्री, कृषि मजदूर, अन्य घरेलू, उद्योग व्यापार, परिवहन, इसाई, हिन्दी भाषा, अन्यभाषा
	ग्रामीण जनसंख्या	ग्रामीण जनसंख्या, हिन्दू	ग्रामीण जनसंख्या	

तालिका 8. 2 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
5-मध्यम ऋणात्मक तल (-.3 से -.7)	ग्रामीण स्त्री, अन्य उद्योग, अन्य भाषा	ग्रामीण स्त्री, कुल काम करने वाले, खेतिहर	ग्रामीण स्त्री	
6-निम्न ऋणात्मक तल (-.3से कम)	काम न करने वाले मुस्लिम, अनुसूचित जाति, 20 से 40 आयु वर्ग के, हाईस्कूल	कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग, मुस्लिम, ईसाई, अनुसूचित जाति 60 से अधिक आयु वाले, शिक्षित, हाईस्कूल प्राविधिक, हिन्दी भाषा, अन्यभाषा	खेतिहर, कृषि मजदूर, अन्य उद्योग में लगे, घरेलू उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग काम न करने वाले हिन्दू, अनुसूचितजाति अनुसूचित जनजाति, उड़िया अन्य भाषा	शहरी जनसंख्या, घरेलू उद्योग, अनुसूचित जन-जाति, प्राविधिक

तालिका 8.3
घटक तल

	1951	1961	1971	1981
1-उच्च धनात्मक तल (+.7 से अधिक)	अन्य घरेलू उद्योग, शिक्षित, प्राविधिक	अन्य उद्योग में लगे, अन्य घरेलू उद्योग, परिवहन, शिक्षित, हाई स्कूल	कुल काम करने वाले कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग	अन्य उद्योग, अन्य घरेलू, व्यापार, परिवहन
2-मध्यम धनात्मक तल (+.3 +.7)	घरेलू उद्योग काम न करने वाले हिन्दू	इसाई, अनुसूचित जाति, अन्यभाषा	हिन्दू	अन्यभाषा
3- निम्न धनात्मक तल (+.3 से कम)	शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, अनुसूचित जाति, 30-39 आयु वर्ग, 40-60 आयुवर्ग, 60 से अधिक, हाई स्कूल, स्नातक, उड़िया भाषा, हिन्दीभाषा	ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या शहरी स्त्री, कुल काम करने वाले, व्यापार, हिन्दू, 60 से अधिक आयु	ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, अन्य घरेलू, उद्योग, परिवहन, इसाई, अनुसूचित जनजाति 40-60 आयु वर्ग, स्नातक, हिन्दीभाषा	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, हिन्दू, मुस्लिम, अनुसूचित जाति, 20-39 आयुवर्ग, 40-60 आयुवर्ग 60 से अधिक आयु वर्ग, शिक्षित, प्राविधिक, हाईस्कूल
4- उच्च ऋणात्मक (-.7 से अधिक	अन्य नौकरी, अनुसूचित जनजाति		काम न करने वाले	
5- मध्यम ऋणात्मक तल (-.3 से -.7)	कुल काम करने वाले, अन्य घरेलू उद्योग, इसाई	ग्रामीण स्त्री, घरेलू, उद्योग स्नातक	मुस्लिम	अन्य नौकरी, हिन्दी भाषा

तालिका 8.3 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
6- निम्न ऋणात्मक तल (-3 से कम)	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, कृषि मजदूर, व्यापार परिवहन, मुस्लिम, अन्य भाषा	खेतिहर, कृषि मजदूर, अन्य नौकरी, काम न करने वाले मुस्लिम, अनुसूचित जनजाति, 20-39 आयु वर्ग, 40-60 आयु वर्ग, प्राविधिक उड़िया भाषा, हिन्दी भाषा	ग्रामीण स्त्री खेतिहर, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार, अन्य नौकरी, अनु0 जाति, 20-39 आयु वर्ग, शिक्षित, हाईस्कूल, प्राविधिक, उड़िया भाषा	शहरी जनसंख्या शहरी स्त्री, कुल काम करने वाले, खेतिहर, कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग काम न करने वाले, ईसाई, अनुसूचित जनजाति, स्नातक, उड़िया भाषा

तालिका 8.4
घटकतल

	1951	1961	1971	1981
धनात्मक तल (+.7 से अधिक)	ग्रामीण स्त्री व्यापार	काम न करने वाले, इसाई उड़िया	खेतिहर, उड़िया भाषा	शहरी स्त्री
2-मध्यम धनात्मक तल (+.3 से +.7 तक)	काम न करने वाले, हिन्दी भाषा, अन्य भाषा	अनुसूचित जाति	60 से अधिक आयु, हिन्दी भाषा	उड़िया भाषा
3-निम्न धनात्मक तल (+.3 से कम)	शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, घरेलू उद्योग, मुस्लिम, 20-39 आयु वर्ग, 40-60 आयुवर्ग हाईस्कूल, स्नातक	शहरी जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, शहरी स्त्री, कृषि मजदूर, अन्य उद्योग में लगे, पारवहन, 20-39 आयु वर्ग, 60 से अधिक, शिक्षित, प्राविधिक, हाईस्कूल	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, शहरी स्त्री, घरेलू उद्योग, अन्य घरेलूउद्योग परिवहन, काम न करने वाले, हिन्दू मुस्लिम, 20-39 आयु वर्ग, हाईस्कूल प्राविधिक	शहरी जनसंख्या, कृषि मजदूर, व्यापार, परिवहन, अन्य नौकरी, काम न करने वाले, इसाई, अनुसूचित जाति, 20-39 आयु वर्ग, 40 से 60 आयु
4-उच्च ऋणात्मक तल (-.7 से अधिक)	कुल काम करने वाले, खेतिहर	कुल काम करने वाले खेतिहर	अन्य भाषा	
5-मध्यम ऋणात्मक (-.3 से -.7 तक)	अन्य उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग अन्य नौकरी, उड़ियाभाषा	घरेलू उद्योग, व्यापार, अन्य नौकरी, हिन्दी भाषा	अन्य उद्योग में लगे, अन्य नौकरी	ग्रामीण जनसंख्या हिन्दी भाषा अन्य भाषा

तालिका 8.4 क्रमश

	1951	1961	1971	1981
6-निम्न ऋणात्मक तल ‡-.3 से कम ‡	ग्रामीण जनसंख्या कृषि मजदूर, अन्य घरेलू उद्योग परिवहन, हिन्दू, ईसाई, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, 60 से अधिक आयु वर्ग, शिक्षित, प्राविधिक	ग्रामीण जनसंख्या अन्य घरेलू उद्योग, हिन्दू मुस्लिम, अनुसूचित जनजाति, 40-60 आयु वर्ग, स्नातक अन्य भाषा	शहरी जनसंख्या कुल काम करने वाले, कृषि मजदूर, व्यापार इसाई, अनुसूचित जाति, 40-60 आयु वर्ग, शिक्षित, स्नातक	ग्रामीण स्त्री कुल काम करने वाले खेतिहर, अन्य उद्योग में लगे, घरेलू उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग, मुस्लिम, 60 से अधिक आयु वर्ग, शिक्षित, हाईस्कूल प्राविधिक, स्नातक

तालिका 8.5
घटक तल

	1951	1961	1971	1981
1- उच्च धनात्मक तल (+.7 से अधिक)	मुस्लिम, 20-39 आयु वर्ग, 60 से अधिक आयुवर्ग	40-60 आयु वर्ग	40-60 आयुवर्ग, 60 से अधिक आयु	घरेलू उद्योग, अनुसूचित जन-जाति
2-मध्यम धनात्मक तल (+.3 +.7 तक)	कुल काम करने वाले, परिवहन इसाई, अनुसूचित जनजाति	व्यापार, अन्य नौकरी, अनुसूचित जाति	मुस्लिम, 20-39 आयु वर्ग, उड़िया भाषा, शिक्षित	कुल काम करने वाले, प्राविधिक हिन्दी भाषा, अन्य भाषा
3-निम्न धनात्मक तल (+.3 से कम)	शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, कृषि मजदूर, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार 40-60 आयु वर्ग हाई स्कूल, हिन्दी भाषा, अन्यभाषा	शहरी स्त्री, कुल काम करने वाले खेतिहर, अन्य घरेलू उद्योग, परिवहन, काम न करने वाले, मुस्लिम 60 से अधिक आयु वर्ग, हाईस्कूल, उड़िया भाषा, हिन्दीभाषा	ग्रामीण जनसंख्या शहरी स्त्री, कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार, काम न करने वाले, हिन्दू, अनुसूचित जाति, हाइस्कूल स्नातक	ग्रामीण जनसंख्या, शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, कृषि मजदूर, काम न करने वाले, हिन्दू 60 से अधिक आयु
4-उच्च ऋणात्मक तल (-.7 सेअधिक)	हिन्दू	अनुसूचित जनजाति		
5-मध्यम ऋणात्मक (-.3 से -.7)	अन्य उद्योग में लगे, काम न करने वाले	ग्रामीण स्त्री, अन्य उद्योग में लगे हिन्दू, शिक्षित	ग्रामीण स्त्री, अनु० सूचितजनजाति प्राविधिक	अनुसूचित जाति हाईस्कूल, स्नातक शिक्षित

तालिका 8.5 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
6-निम्न ऋणात्मक तल (-.3 से कम)	ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, घरेलू उद्योग, अन्य नौकरी, अनुसूचित जाति, शिक्षित, प्राविधिक, स्नातक, उड़िया भाषा	ग्रामीण जनसंख्या शहरी जनसंख्या, कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग, ईसाई, 20-39 आयु वर्ग, प्राविधिक, स्नातक, अन्यभाषा	कुल काम करने वाले खेतिहर, अन्यउद्योग में लगे, परिवहन, अन्य नौकरी, ईसाई, हिन्दी भाषा, अन्यभाषा	ग्रामीण स्त्री खेतिहर, अन्य उद्योग में लगे अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार, परिवहन, अन्य नौकरी, मुस्लिम, ईसाई, 20-39 आयु वर्ग 40-60 आयुवर्ग उड़िया भाषा

8.2.2 सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स -

प्रत्येक जनगणना वर्ष के सामाजिक-आर्थिक चरों के अन्तर्सम्बन्धों की मैट्रिक्स तालिका 8.6 से तालिका 8.9 में विवरण प्रस्तुत किया गया है। विभिन्न जनगणना वर्षों का अलग-अलग विवरण संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है।

8.2.2.1 सामाजिक -आर्थिक सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स 1951

प्रथम जनगणना वर्ष 1951 में सामाजिक-आर्थिक चरों के सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स का विवरण तालिका 8.6 में दिया गया है। प्रथम जनगणना वर्ष में सर्वाधिक मान शहरी स्त्री तथा शहरी जनसंख्या का है जिसका मान 0.96 है। मध्यम मान 0.65 है। स्नातक तथा शहरी जनसंख्या का मान कम है जिसका मान 0.35 है। शेष चरों का मान अत्यधिक निम्न है।

8.2.2.2 सामाजिक-आर्थिक सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स 1961

जनगणना वर्ष में सामाजिक-आर्थिक चरों के सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स का संक्षेप में विवरण दिया गया है जो तालिका 8.7 को देखने पर स्पष्ट होता है। सर्वाधिक सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स व्यापार,शहरी स्त्री चर का है। उड़िया भाषा तथा इसाई चरों का मान कम है। शेष चरों का मान अति निम्न है।

8.2.2.3 सामाजिक-आर्थिक सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स 1971

तृतीय जनगणना वर्ष 1971 में सामाजिक-आर्थिक सहसम्बन्ध मैट्रिक्स का विवरण संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है जो तालिका 8.8 को देखने से स्पष्ट होता है। तृतीय जनगणना वर्ष में सर्वाधिक मान हाईस्कूल,शहरी स्त्री का है। मध्यम मान प्राविधिक तथा इसाई चरों का है। स्नातक तथा कृषि मजदूर का मान कम है।

8.2.3.4 सामाजिक-आर्थिक सह:सम्बन्ध मैट्रिक्स 1981

चतुर्थ जनगणना वर्ष में सामाजिक-आर्थिक चरों का विवरण संक्षेप में दिया गया है जो तालिका 8.9 को देखने से स्पष्ट होताहै। इस जनगणना वर्ष में सर्वाधिक मान ग्रामीण स्त्री का है। मध्यम वाले चरों में शिक्षित तथा ग्रामीण स्त्री का है। स्नातक, तथा हिन्दू चरों का मान कम है।

तालिका 8.6

सह-सम्बन्ध मेट्रिक्स

चर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
ीण जनसंख्या	1.00																												
ी जनसंख्या	-0.98	1.00																											
ीण स्त्री जनसंख्या	0.41	-0.42	1.00																										
ी स्त्री जनसंख्या	-0.95	0.96	-0.40	1.00																									
ाम करने वाले	0.01	0.01	-0.40	-0.01	1.00																								
हर	0.16	0.15	-0.51	-0.10	0.45	1.00																							
मजदूर	-0.50	0.53	-0.27	0.48	0.29	0.17	1.00																						
उद्योग में लगे	0.67	-0.62	0.10	-0.59	0.37	0.37	-0.11	1.00																					
उद्योग	-0.39	0.33	-0.15	0.32	-0.23	-0.37	-0.07	-0.23	1.00																				
घरेलू उद्योग	-0.35	0.33	-0.28	0.39	-0.22	-0.16	0.00	-0.47	0.56	1.00																			
ापार	-0.31	0.27	0.49	0.25	-0.40	-0.61	0.20	-0.53	0.28	-0.00	1.00																		
रिवहन	-0.59	0.53	-0.43	0.39	0.22	-0.04	0.61	-0.44	0.10	0.04	0.15	1.00																	
नौकरी	0.30	-0.28	-0.08	-0.32	0.54	0.47	-0.01	0.54	-0.49	-0.85	-0.25	-0.08	1.00																
ाम न करने वाले	-0.16	0.13	0.24	0.17	-0.84	-0.34	-0.15	-0.21	0.37	0.36	0.11	-0.15	-0.57	1.00															
न्दू	0.16	-0.14	-0.15	-0.05	-0.15	0.16	-0.21	0.34	0.32	0.18	-0.19	-0.50	0.04	0.28	1.00														
स्लिम	-0.53	0.46	-0.24	0.37	0.22	-0.23	0.03	-0.59	0.14	0.04	0.18	0.65	-0.01	-0.31	-0.39	1.00													
ाई	0.00	0.00	-0.17	-0.16	0.56	0.04	0.33	0.14	0.14	-0.32	0.11	0.42	0.44	-0.54	-0.32	0.18	1.00												
सूचित जाति	0.00	-0.03	0.03	0.12	-0.18	0.18	-0.03	-0.10	-0.26	0.08	-0.12	-0.09	-0.22	0.15	-0.39	-0.19	-0.47	1.00											
सूचित जनजाति	0.14	-0.16	0.13	-0.24	0.44	0.08	0.09	0.12	-0.46	-0.66	0.04	0.32	0.53	-0.56	-0.77	0.26	0.56	0.19	1.00										
-30 आयु वर्ग	-0.14	0.13	0.04	-0.02	0.25	-0.26	0.06	-0.42	-0.18	0.06	0.09	0.53	-0.13	-0.33	-0.67	0.65	0.33	-0.18	0.45	1.00									
0-60 आयु वर्ग	-0.66	0.67	-0.10	0.55	0.05	0.17	0.46	-0.54	0.23	0.30	0.32	0.49	-0.25	0.02	-0.05	0.52	-0.13	-0.05	-0.22	0.45	1.00								
0 वर्ष से अधिक	-0.51	0.48	-0.26	0.40	0.32	-0.24	0.01	-0.52	0.22	0.22	0.12	0.55	-0.15	-0.31	-0.43	0.87	0.17	-0.12	0.28	0.73	0.47	1.00							
शिक्षित	0.28	-0.26	-0.06	-0.17	-0.40	0.12	-0.20	-0.07	-0.00	0.63	-0.25	-0.34	-0.58	0.37	0.37	-0.41	-0.60	0.21	-0.64	-0.14	-0.14	-0.30	1.00						
ाइस्कूल	-0.09	0.08	-0.25	0.17	-0.13	-0.07	-0.33	-0.24	-0.49	0.85	-0.19	-0.24	-0.61	0.23	0.49	-0.05	-0.45	-0.08	-0.75	-0.04	0.16	0.19	0.67	1.00					
स्नातक	-0.24	0.21	-0.11	0.24	-0.05	-0.20	-0.00	0.00	0.47	0.32	0.07	0.01	-0.21	0.43	0.18	-0.16	0.16	-0.07	-0.17	-0.13	-0.01	0.03	-0.05	0.20	1.00				
ाविधिक	-0.44	0.39	0.01	0.39	-0.25	-0.14	0.13	-0.30	0.61	0.31	0.48	0.09	-0.29	0.46	0.10	-0.04	0.11	-0.13	-0.17	-0.10	0.21	0.14	-0.10	0.12	0.69	1.00			
ड़ियाभाषा	0.56	-0.52	-0.13	-0.44	-0.40	0.50	0.10	0.67	-0.27	-0.11	-0.47	-0.19	0.26	-0.34	0.06	-0.50	0.03	0.27	0.18	-0.19	-0.55	-0.27	0.28	-0.05	-0.12	-0.26	1.00		
हिन्दी भाषा	-0.39	0.35	0.17	0.26	-0.25	-0.41	0.11	-0.65	0.15	0.19	0.55	0.25	-0.24	-0.15	-0.13	0.38	0.19	-0.32	-0.15	0.30	-0.58	0.14	-0.13	0.05	0.06	0.20	-0.52	1.[illegible]	
न्य भाषा	-0.50	0.47	0.13	0.39	-0.43	-0.57	-0.25	-0.65	0.27	0.05	0.45	0.13	-0.15	0.32	-0.07	0.52	-0.07	-0.23	-0.12	0.19	0.42	0.33	-0.31	0.04	0.10	0.21	-0.96	0.[illegible]	1.00

सह:सम्बन्ध

चर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
1- ग्रामीण जनसंख्या	1.00																												
2- शहरी जनसंख्या	-0.58	1.00																											
3- ग्रामीण स्त्री	0.96	-0.54	1.00																										
4- शहरी स्त्री	0.00	0.71	-0.01	1.00																									
5- कुल काम करने वाले	0.63	-0.26	0.47	0.18	1.00																								
6- खेतिहर	0.68	-0.17	0.67	0.21	0.45	1.00																							
7- कृषि मजदूर	0.17	0.11	0.16	-0.05	0.36	-0.01	1.00																						
8- अन्यउद्योगों में लगे	0.13	-0.20	0.27	-0.05	-0.11	-0.07	-0.22	1.00																					
9- घरेलू उद्योग	-0.24	0.33	0.34	0.23	0.31	-0.36	0.31	-0.28	1.00																				
10- अन्य घरेलू उद्योग	0.18	-0.20	0.27	-0.06	-0.12	0.07	-0.23	0.99	-0.28	1.00																			
11- व्यापार	0.18	-0.20	0.27	-0.05	-0.11	0.07	-0.22	0.99	-0.27	0.99	1.00																		
12- परिवहन	0.18	-0.21	0.77	-0.07	-0.11	0.07	-0.22	0.99	-0.28	0.99	0.99	1.00																	
13- अन्य नौकरी	0.31	0.08	0.21	0.12	0.24	0.49	0.38	-0.55	-0.29	-0.35	-0.54	-0.55	1.00																
14- काम न करनेवाले	0.64	0.06	0.59	0.57	0.44	0.57	0.20	-0.35	-0.03	-0.35	-0.35	-0.36	0.55	1.00															
15- हिन्दू	0.58	-0.16	0.87	0.38	0.56	0.75	0.28	0.08	-0.17	0.08	0.08	0.08	0.46	0.83	1.00														
16- मुस्लिम	0.37	-0.19	0.44	0.16	0.08	0.32	0.48	0.35	-0.24	0.37	0.33	0.36	0.06	0.14	0.28	1.00													
17- इसाई	-0.21	-0.82	-0.19	0.76	0.09	-0.07	0.43	-0.14	0.37	-0.14	-0.14	-0.16	0.15	0.30	0.14	-0.09	1.00												
18- अनुसूचित जाति	0.73	0.33	0.80	0.05	0.27	-0.00	0.09	0.24	-0.65	0.23	0.24	0.23	0.49	0.50	0.71	0.51	-0.04	1.00											
19- अनुसूचित जनजाति	-0.28	-0.25	-0.35	-0.01	0.27	-0.54	0.53	-0.18	0.85	-0.18	-0.18	-0.17	-0.33	-0.19	-0.23	-0.52	0.28	-0.65	1.00										
20- 20-39 आयु वर्ग	0.59	0.21	0.49	0.35	0.40	0.53	-0.03	0.13	-0.19	0.13	0.13	0.12	0.08	0.60	0.57	0.17	0.07	0.47	0.20	1.00									
21- 40 से 60 आयु वर्ग	0.67	-0.02	0.77	0.26	0.37	0.68	0.32	0.11	-0.23	0.11	0.12	0.11	0.59	0.58	0.81	0.50	0.22	0.77	0.29	0.18	1.00								
22- 60 वर्ष से अधिक	0.77	-0.25	0.71	0.31	0.58	0.54	0.14	0.24	-0.24	0.22	0.23	0.21	0.15	0.67	0.79	0.20	0.11	0.66	-0.24	0.73	0.47	1.00							
23- शिक्षित	0.64	-0.15	0.63	0.40	0.50	0.45	-0.12	0.33	-0.20	0.32	0.33	0.31	0.12	0.52	0.64	0.67	0.17	0.70	-0.39	0.57	0.56	0.81	1.00						
24- हाईस्कूल	0.72	-0.30	0.81	0.03	0.19	0.76	0.08	0.24	-0.82	0.24	0.25	0.25	0.51	0.48	0.74	0.52	0.17	0.87	-0.56	0.36	0.82	0.49	0.51	1.00					
25- स्नातक	0.15	-0.21	0.06	-0.27	0.39	-0.15	0.65	-0.10	-0.42	-0.12	-0.12	-0.11	-0.25	0.02	0.07	-0.71	-0.03	-0.26	0.70	0.08	-0.21	0.18	-0.26	-0.29	1.00				
26- प्राविधिक	0.30	0.28	0.33	-0.15	0.15	0.38	0.65	-0.14	-0.41	-0.16	-0.16	-0.15	0.48	0.29	0.38	-0.47	0.10	0.44	-0.08	0.15	0.54	0.31	-0.09	0.37	0.42	1.00			
27- उड़ियाभाषा	0.75	0.04	0.74	0.55	0.54	0.71	0.29	-0.00	-0.14	0.00	-0.00	-0.01	0.59	0.86	0.94	0.53	0.37	0.70	-0.25	0.58	0.82	0.72	0.06	0.65	0.08	0.35	1.00		
28- हिन्दी भाषा	0.27	-0.58	0.28	-0.53	0.20	0.09	0.04	0.30	0.00	0.30	0.30	0.32	-0.48	-0.24	-0.00	-0.04	-0.50	-0.00	0.22	-0.06	-0.05	0.06	-0.06	-0.10	0.49	0.15	-0.24	1.00	
29- अन्य भाषा	0.21	-0.34	0.20	-0.18	0.12	-0.07	-0.75	0.37	0.33	0.36	0.37	0.37	-0.58	-0.09	0.06	-0.12	-0.37	-0.17	0.30	-0.02	-0.09	0.20	0.17	0.07	0.31	-0.45	-0.17	0.45	1.00

तालिका 8.7

सहसम्बन्ध मैट्रिक्स 1961

चर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
1- ग्रामीण जनसंख्या	1.00																												
2- शहरी जनसंख्या	-0.99	1.00																											
3- ग्रामीण स्त्री	0.89	-0.89	1.00																										
4- शहरी स्त्री	-0.97	0.97	-0.94	1.00																									
5- कुल काम करने वाले	0.84	-0.84	0.76	-0.84	1.00																								
6- खेतिहर	0.63	-0.6	0.49	-0.57	0.69	1.00																							
7- कृषि मजदूर	-0.70	0.71	-0.82	0.82	-0.55	-0.24	1.00																						
8- अन्य उद्योग में लगे	0.19	-0.18	0.30	-0.23	0.25	-0.16	-0.14	1.00																					
9- घरेलू उद्योग	-0.85	0.86	-0.92	0.94	-0.73	-0.39	0.92	-0.32	1.00																				
10- अन्य घरेलू उद्योग	-0.84	0.84	-0.86	0.92	-0.69	-0.41	0.87	-0.15	0.93	1.00																			
11- व्यापार	-0.86	0.87	-0.94	0.95	-0.76	-0.41	0.92	-0.31	0.99	0.94	1.00																		
12- परिवहन	-0.86	0.87	-0.94	0.95	-0.77	-0.42	0.92	-0.30	0.99	0.94	0.99	1.00																	
13- अन्य नौकरी	-0.86	0.87	-0.94	0.95	-0.72	-0.38	0.90	-0.36	0.99	0.93	0.99	0.98	1.00																
14- काम न करने वाले	-0.86	-0.86	-0.77	0.85	-0.96	-0.70	0.59	-0.17	0.73	0.71	0.77	0.77	0.73	1.00															
15- हिन्दू	0.17	-0.17	-0.12	-0.00	-0.10	0.23	0.42	-0.01	0.20	0.22	0.21	0.22	0.19	0.00	1.00														
16- मुस्लिम	0.48	-0.46	0.56	-0.43	0.56	0.27	-0.39	0.19	-0.40	-0.48	-0.47	-0.48	-0.42	-0.49	0.12	1.00													
17- ईसाई	0.07	-0.09	0.14	-0.12	-0.21	-0.36	-0.3	0.20-	0.20	-0.14	-0.20	-0.19	-0.26	0.13	-0.11	0.02	1.00												
18- अनुसूचित जाति	0.29	0.32	0.20	-0.34	0.08	-0.10	-0.46	0.07-	0.42	-0.23	-0.39	-0.38	-0.42	-0.07	0.13	0.07	0.73	1.00											
19- अनुसूचित जनजाति	-0.55	0.56	-0.34	0.51	-0.38	-0.26	0.37	-0.18	0.39	0.31	0.39	0.38	0.42	0.49	-0.08	0.05	-0.28	-0.29	1.00										
20- 20-39 आयुवर्ग	-0.05	-0.02	0.20	-0.13	-0.10	-0.16	-0.43	0.05	-0.34	-0.28	-0.32	-0.31	-0.33	0.13	-0.46	-0.29	0.24	0.31	0.04	1.00									
21- 40-60 आयुवर्ग	0.30	-0.31	-0.39	-0.44	0.35	0.23	-0.70	-0.32	-0.56	-0.53	-0.54	-0.55	-0.49	-0.39	-0.55	0.25	-0.04	0.24	-0.08	0.37	1.00								
22- 60 वर्ष से अधिक	0.06	-0.02	0.05	-0.02	0.05	-0.13	-0.04	0.18	-0.02	-0.06	-0.03	-0.04	0.00	-0.05	-0.06	0.29	-0.22	-0.31	-0.13	-0.46	-0.12	1.00							
23- शिक्षित	-0.20	0.20	-0.32	0.24	-0.18	-0.26	0.25	0.52	0.20	0.47	0.22	0.23	0.16	0.21	0.22	-0.19	0.39	0.36	-0.04	-0.15	-8.49	-0.01	1.00						
24- हाईस्कूल	-0.51	0.51	-0.59	-0.50	-0.51	-0.44	0.18	-0.18	0.42	0.53	0.43	0.42	0.43	0.37	-0.32	-0.50	0.36	0.19	-0.04	-0.06	-0.04	0.08	0.47	1.00					
25- स्नातक	0.10	-0.10	-0.00	-0.10	-0.26	-0.27	-0.21	-0.14	-0.14	-0.09	-0.08	-0.08	-0.12	0.30	0.31	-0.04	0.40	0.62	-0.24	0.23	0.05	-0.02	-0.03	-0.03	1.00				
26- प्राविधिक	-0.43	0.42	-0.06	0.27	-0.38	-0.44	-0.13	0.05	0.05	-0.02	0.05	0.05	0.05	0.29	-0.81	-0.19	0.23	-0.20	0.26	0.45	0.23	-0.11	-0.18	0.29	-0.29	1.00			
27- उड़ियाभाषा	-0.35	0.34	-0.18	-0.28	-0.55	-0.44	-0.03	-0.40	0.18	0.00	8.16	0.16	0.13	0.45	-0.41	-0.39	0.39	0.15	0.38	0.29	0.09	-0.08	-0.19	0.40	0.17	0.51	1.00		
28- हिन्दी भाषा	0.25	-0.24	0.11	-0.21	0.46	0.32	-0.10	0.13	-0.17	-0.00	-0.15	-0.15	-0.07	-0.38	0.27	0.51	-0.32	-0.05	-0.21	-0.24	0.16	0.22	0.02	-0.23	0.01	-0.42	-0.86	1.00	
29- अन्य भाषा	0.35	-0.36	0.23	-0.28	0.49	0.43	0.14	0.55	-0.17	-0.04	-0.15	-0.14	-0.18	-0.41	0.43	0.10	-0.34	-0.19	-0.28	-0.22	-0.30	-0.14	0.26	-0.4	0.31	-0.38	-0.80	0.41	1.0

तालिका 8.8

सहसम्बन्ध मैट्रिक्स 1971

चर	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29
1- ग्रामीण जनसंख्या	1.00																												
2- शहरी जनसंख्या	-0.86	1.00																											
3- ग्रामीण स्त्री	0.26	-0.31	1.00																										
4- शहरी स्त्री	0.77	0.90	-0.64	1.00																									
5- कुल काम करने वाले	0.05	0.13	0.01	0.12	1.00																								
6- खेतिहर	0.15	-0.30	0.00	-0.26	-0.08	1.00																							
7- कृषि मजदूर	0.04	0.29	0.13	0.13	0.60	-0.13	1.00																						
8- अन्य उद्योग में लगे	0.17	-0.22	-0.48	0.04	0.19	-0.15	-0.10	1.00																					
9- घरेलू उद्योग	0.39	-0.03	-0.27	0.09	0.57	0.06	0.55	0.29	1.00																				
10- अन्य घरेलू उद्योग	-0.02	-0.25	0.01	-0.14	-0.08	-0.10	-0.47	0.09	-0.19	1.00																			
11- व्यापार	-0.42	0.55	-0.41	0.59	-0.01	-0.11	0.02	0.17	0.03	-0.49	1.00																		
12- परिवहन	-0.70	0.72	-0.33	0.72	0.05	-0.30	-0.03	-0.19	-0.01	0.09	0.23	1.00																	
13- अन्य नौकरी	-0.17	0.15	-0.24	0.11	-0.22	-0.49	0.07	0.00	-0.07	0.05	0.00	0.39	1.00																
14- काम न करने वाले	-0.05	-0.16	0.02	-0.08	-0.77	-0.00	-0.83	-0.16	-0.64	0.28	0.12	-0.09	-0.17	1.00															
15- हिन्दू	0.40	-0.35	0.26	-0.36	0.42	0.06	0.38	0.04	0.25	0.16	-0.16	-0.37	-0.27	-0.43	1.00														
16- मुस्लिम	-0.14	0.04	-0.01	0.12	-0.40	0.00	-0.47	-0.25	-0.13	0.68	-0.17	0.16	-0.09	0.52	0.13	1.00													
17- इसाई	-0.76	0.80	-0.31	0.74	0.30	0.05	-0.29	0.05	-0.09	-0.36	0.60	0.52	0.04	-0.29	0.34	-0.26	1.00												
18- अनुसूचित जाति	0.16	-0.35	-0.06	-0.35	0.15	0.35	-0.08	-0.09	-0.35	-0.21	-0.16	-0.48	-0.08	0.00	0.27	-0.46	0.01	1.00											
19- अनुसूचित जनजाति	0.26	-0.32	0.05	-0.38	0.17	0.35	-0.22	-0.43	0.19	-0.29	-0.19	-0.25	0.31	-0.53	0.17	-0.48	-0.00	0.47	1.00										
20- 20 से 39 आयु वर्ग	-0.17	0.23	-0.33	0.22	-0.36	-0.23	-0.08	-0.34	-0.14	-0.10	0.18	0.38	0.46	0.08	-0.39	0.05	0.12	0.12	0.09	1.00									
21- 40-60 आयु वर्ग	-0.12	0.19	-0.27	0.27	-0.01	-0.04	0.03	-0.03	0.11	0.38	0.02	0.14	-0.04	0.00	-0.03	0.55	0.08	-0.10	-0.22	0.52	1.00								
22- 60 वर्ष से अधिक	0.18	-0.16	-0.34	0.07	-0.36	0.16	-0.33	-0.07	0.02	0.38	-0.27	-0.10	-0.28	0.41	0.21	0.62	-0.31	0.08	-0.36	0.19	0.60	1.00							
23- शिक्षित	-0.23	0.21	-0.24	0.35	0.04	-0.47	-0.32	-0.03	-0.02	0.65	0.20	-0.42	0.01	0.22	0.09	0.67	-0.11	-0.43	-0.48	0.13	0.48	0.46	1.00						
24- हाईस्कूल	-0.77	0.19	-0.41	0.83	-0.10	-0.10	-0.17	-0.34	-0.02	0.07	0.36	0.84	0.08	0.16	-0.44	0.43	0.60	-0.40	-0.38	0.36	0.37	0.21	0.50	1.00					
25- स्नातक	-0.61	0.58	-0.23	0.57	-0.06	0.03	-0.24	-0.06	0.09	-0.19	-0.55	0.76	0.13	0.13	-0.67	0.02	0.54	-0.44	-0.17	0.10	-0.25	0.33	0.03	0.69	1.00				
26- प्राविधिक	-0.47	0.42	-0.42	0.15	0.20	0.08	0.33	-0.33	-0.13	0.06	0.09	0.02	-0.34	-0.13	0.03	0.15	0.34	-0.17	-0.25	0.19	0.23	0.23	-0.01	0.14	-0.00	1.00			
27- उड़ियाभाषा	0.33	-0.38	0.29	-0.31	-0.09	0.46	-0.38	-0.40	-0.05	0.39	-0.38	-0.27	-0.57	0.33	0.20	0.60	-0.32	-0.04	-0.10	-0.14	0.35	0.58	0.30	0.06	-0.19	0.00	1.00		
28- हिन्दीभाषा	-0.60	0.67	-0.32	0.67	0.05	-0.06	0.03	-0.32	0.13	0.04	0.14	0.92	0.31	-0.17	-0.26	0.26	0.48	-0.52	-0.10	0.29	0.16	-0.00	0.35	0.85	0.73	0.01	-0.06	1.00	
29- अन्य भाषा	0.07	-0.13	0.00	-0.19	0.00	-0.32	0.24	0.49	-0.09	-0.17	0.13	0.63	0.29	-0.23	0.03	-0.51	-0.07	0.33	0.13	-0.10	-0.31	-0.41	-0.39	-0.56	-0.34	0.04	-0.09	-0.55	1.00

ेतिहर,अन्य उद्योग में लगे घरेलू उद्योग ,अन्यघरेलू उद्योग आदि चरों का मान सबसे कम है।

चतुर्थ घटक के सर्वाधिक मान घरेलू उद्योग,अनुसूचित जाति का है। मध्यम मान काम न करने वाले प्राविधिक हिन्दी भाषा तथा अन्य भाषा का है। ग्रामीण स्त्री खेतिहर,अन्य उद्योग में लगे ,व्यापार,परिवहन,अन्य नौकरी आदि चरों का मान सबसे कम है।

8.3 सामाजिक-आर्थिक घटक

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में चयन किये गये चरों में अन्तर्सम्बन्धों का विशद विवेचन किया गया है। चरों के बीच प्राप्त अन्तर्सम्बन्धों के आधार पर इन चरों को चार प्रमुख घटकों में विभक्त कर दिया गया है। घटको का निर्धारण प्रमुख घटक विश्लेषण विधि के द्वारा किया गया है । ये चारो घटक प्रत्येक जनगणना वर्ष के आंकड़ो के मध्य निर्धारित किये गये हैं। ये चारो घटक पूर्णरूपेण एक दूसरे से पृथक नही हैं अर्थात कई स्थानों पर कुछ चर एक घटक के अन्तर्गत उच्च रूप से भारित हैं। उन्ही चरों में से कुछ घटक के अन्तर्गत निम्न भारण के द्वारा सम्मिलित हैं।

8.3.1 घटक निर्धारण -

विभिन्न जनगणना वर्षों में संकलित चरों के अन्तर्गत चार-चार घटकों का निर्धारण किया गया है जिनका वर्णन भिन्न-भिन्न जनगणना वर्षों के आधार पर किया गया है। प्रथम जनगणना वर्ष 1951 के चरों के अन्तर्गत चार घटक निर्धारित हुए हैं। प्रथम घटक के अन्तर्गत प्रमुखत: शहरी जनसंख्या,शहरी स्त्री इत्यादि चर सम्मिलित हैं। द्वितीय घटक,अन्य घरेलू उद्योग ,शिक्षित,प्राविधिक,तृतीय घटक,ग्रामीण स्त्री,व्यापार, तथा चतुर्थ घटक मुस्लिम जनसंख्या 20-30 आयुवर्ग तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वाली जनसंख्या। द्वितीय जनगणना वर्ष 1961 के चरों के अन्तर्गत प्रथम घटक शहरी जनसंख्या, द्वितीय घटक उद्योग ,तृतीय घटक काम न करने वाले तथा चतुर्थ घटक आयुवर्ग। वर्ष 1971

के चरों के अन्तर्गत निर्धारित घटक शहरी जनसंख्या, द्वितीय, घरेलू उद्योग, तृतीय घटक भाषा तथा चतुर्थ घटक आयुवर्ग जनगणना वर्ष 1981 के चरों के अन्तर्गत निर्धारित घटक ग्रामीण जनसंख्या, द्वितीय औद्योगिक, तृतीय शहरी जनसंख्या तथा चतुर्थ घटक अनुसूचित जाति है।

उपर्युक्त निर्धारित घटकों के अन्तर्गत पाये जाने वाले अन्य चरों का विवरण निम्नवत है।

8.3.1.1 प्रमुख घटक 1951

प्रथम जनगणना वर्ष 1951 के चरों द्वारा निर्धारित घटकों के अन्तर्गत प्राप्त चरों के भारण का विवरण तालिका 8.10 में प्रस्तुत है।

प्रथम घटक शहरी जनसंख्या के अन्तर्गत शहरी स्त्री, है। इनमें से दोनों चरों का भारण 0.93 तथा 0.92 है।

द्वितीय घटक के अन्तर्गत अन्य घरेलू उद्योग पढ़े लिखे तथा प्राविधिक चर सम्मिलित है जिनका भारण + .7 से अधिक है। तृतीय घटक के अन्तर्गत ग्रामीण स्त्री तथा व्यापार है। चतुर्थ घटक के अन्तर्गत मुस्लिम 20-30 आयु वाले तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वाले आते हैं।

8.3.1.2 प्रमुख घटक 1961

1961 में निर्धारित चारो घटकों का भारण तालिका 8.11 में प्रस्तुत किया गया है। इसका विवरण निम्नवत है-

प्रथम घटक के अन्तर्गत शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री आदि चर है।

द्वितीय घटक के अन्तर्गत अन्य उद्योग में लगे, अन्य घरेलू उद्योग, परिवहन, पढ़े लिखे तथा हाईस्कूल आदि चर हैं।

तालिका 8.10

घटक भारण

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	-0.94	-0.97	-0.92	0.86
2- शहरी जनसंख्या	0.93	0.97	0.90	-0.23
3- ग्रामीण स्त्री	-0.50	-0.47	-0.42	0.89
4- शहरी स्त्री	0.92	0.91	0.89	0.21
5- कुल काम करने वाले	0.00	-0.34	0.10	0.58
6- खेतिहर	0.03	-0.42	-0.12	0.79
7- कृषि मजदूर	0.47	-0.21	0.02	0.27
8- अन्य उद्योग में लगे	-0.61	0.11	-0.15	0.08
9- घरेलू उद्योग	0.21	-0.00	-0.14	-0.22
10-अन्य घरेलू उद्योग	0.23	0.12	-0.05	0.08
11-व्यापार	0.16	0.23	0.45	0.08
12-परिवहन	0.51	0.25	0.84	0.08
13-अन्य नौकरी	-0.14	0.21	0.14	0.56
14-काम न करने वाले	0.10	0.32	-0.07	0.69
15-हिन्दू	-0.05	-0.71	-0.39	0.91
16-मुस्लिम	0.49	-0.17	0.09	0.48
17-इसाई	-0.10	-0.08	0.83	0.07
18-अनुसूचित जाति	0.04	-0.01	-0.26	0.80
19-अनुसूचित जनजाति	-0.18	0.53	-0.25	-0.29
20-20-39 आयु वर्ग	0.01	0.14	0.21	0.38
21-40-60 आयु वर्ग	0.60	0.38	0.15	0.93
22-60 से अधिक	0.38	-0.21	0.11	0.66

तालिका 8.10 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
23- शिक्षित	-0.24	-0.09	0.28	0.67
24- हाईस्कूल	0.05	-0.18	0.88	0.83
25- प्राविधिक	0.06	-0.14	0.73	-0.08
26- स्नातक	0.26	0.37	0.28	0.33
27- उड़िया भाषा	-0.54	0.16	-0.26	0.88
28- हिन्दी भाषा	0.35	-0.23	0.78	0.05
29- अन्य भाषा	0.48	-0.39	-0.27	0.01
आइगेनमान	7.08	7.25	7.79	9.99

तालिका 8.11

घटक भारण

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	-0.04	0.00	0.16	0.07
2- शहरी जनसंख्या	0.04	0.03	0.13	-0.09
3- ग्रामीण स्त्री	-0.14	-0.42	0.01	0.18
4- शहरी स्त्री	0.11	0.14	0.09	-0.03
5- कुल काम करने वाले	-0.34	0.11	0.83	-0.16
6- खेतिहर	-0.10	-0.12	-0.01	-0.02
7- कृषि मजदूर	-0.14	-0.12	0.86	-0.13
8- अन्य उद्योग में लगे	-0.31	0.71	0.05	0.98
9- घरेलू उद्योग	0.33	-0.35	0.76	-0.19
10-अन्य घरेलू उद्योग	0.89	0.93	-0.26	0.98
11-व्यापार	-0.13	0.01	-0.14	0.98
12-परिवहन	-0.13	0.94	0.01	0.98
13-अन्य नौकरी	-0.81	-0.26	-0.02	-0.61
14-काम न करने वाले	0.38	-0.20	-0.95	-0.10
15-हिन्दू	0.32	0.14	0.54	0.01
16-मुस्लिम	-0.08	-0.04	-0.42	0.26
17-ईसाई	-0.55	0.31	0.19	-0.03
18-अनुसूचित जाति	0.07	0.46	-0.10	0.15
19-अनुसूचित जनजाति	-0.74	-0.18	0.36	-0.06
20-20-39 आयुवर्ग	0.03	-0.07	-0.18	0.06
21-40-60 आयु वर्ग	0.18	-0.19	0.05	0.06
22-60 से अधिक आयुवर्ग	0.04	0.30	-0.24	0.18

तालिका 8.11 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
23- शिक्षित	0.87	0.89	-0.11	0.26
24- प्राविधिक	0.88	-0.13	=0.16	0.15
25- हाईस्कूल	0.05	0.94	-0.21	0.13
26- स्नातक	0.05	-0.31	0.14	-0.12
27- उड़िया भाषा	0.03	-0.29	-0.19	-0.06
28- हिन्दी भाषा	0.05	-0.07	0.12	-0.32
29- अन्य भाषा	-0.08	0.68	0.03	0.36
आइगेनमान	5.97	6.60	5.45	5.95

तालिका 8.12

घटक भारण

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	-0.10	-0.10	0.18	-0.32
2- शहरी जनसंख्या	0.07	0.19	-0.19	0.91
3- ग्रामीण स्त्री	0.71	0.09	0.10	-0.28
4- शहरी स्त्री	0.02	0.28	0.12	0.85
5- कुल काम करने वाले	-0.71	-0.84	-0.12	-0.09
6- खेतिहर	-0.74	-0.76	0.74	-0.05
7- कृषि मजदूर	-0.12	0.20	-0.23	0.17
8- अन्य उद्योग में लगे	-0.49	0.12	-0.41	-0.07
9- घरेलू उद्योग	0.11	-0.43	0.16	-0.07
10-अन्य घरेलू उद्योग	-0.00	-0.08	0.01	-0.09
11-व्यापार	0.77	-0.53	-0.20	0.17
12-परिवहन	-0.03	0.07	0.02	0.25
13-अन्य नौकरी	-0.37	-0.50	-0.43	0.09
14-काम न करने वाले	0.50	0.84	0.06	0.00
15-हिन्दू	-0.20	-0.12	0.05	0.92
16-मुस्लिम	0.08	-0.07	0.29	-0.07
17-इसाई	-0.13	0.86	-0.03	0.11
18-अनुसूचित जाति	-0.07	0.57	-0.04	0.05
19-अनुसूचित जनजाति	-0.06	-0.21	0.19	0.18
20-20-39 आयु वर्ग	0.16	0.13	-0.06	0.01
21-40-60 आयु वर्ग	0.25	-0.00	0.10	0.14
22-60 से अधिक	-0.06	-0.31	0.33	-0.14

तालिका 8.12
घटक भारण

	1951	1961	1971	1981
23- शिक्षित	-0.06	0.00	-0.01	-0.28
24- प्राविधिक	-0.15	0.16	0.23	-0.26
25- हाईस्कूल	0.01	0.02	0.22	-0.28
26- स्नातक	0.25	-0.05	-0.12	-0.05
27- उड़िया	-0.66	0.79	0.76	0.33
28- हिन्दीभाषा	0.66	-0.36	0.30	-0.69
29- अन्य भाषा	0.64	-0.20	-0.83	-0.39
आइगेनमान	3.51	4.36	3.33	3.33

तालिका 8.13

घटक भारण

चर	1951	1961	1971	1981
1- ग्रामीण जनसंख्या	-0.16	-0.03	0.02	0.05
2- शहरी जनसंख्या	0.12	=0.00	0.12	0.04
3- ग्रामीण स्त्री	-0.07	-0.44	-0.33	-0.03
4- शहरी स्त्री	0.00	0.04	0.24	0.10
5- कुल काम करने वाले	0.37	0.00	-0.14	0.49
6- खेतिहर	-0.24	0.17	-0.10	-0.15
7- कृषि मजदूर	0.01	-0.14	0.05	0.26
8- अन्य उद्योग मैं लगे	-0.39	-0.64	-0.23	-0.05
9- घरेलू उद्योग	-0.01	-0.18	0.12	0.89
10-अन्य घरेलू उद्योग	0.11	0.22	0.19	-0.05
11-व्यापार	0.08	0.39	0.04	-0.04
12-परिवहन	0.56	0.05	-0.05	-0.04
13-अन्य नौकरी	-0.13	0.43	-0.13	-0.04
14-काम न करने वाले	-0.45	0.04	0.12	0.02
15-हिन्दू	-0.71	-0.32	0.05	0.03
16-मुस्लिम	0.71	0.12	0.46	-0.08
17-इसाई	0.39	-0.07	-0.03	0.15
18-अनुसूचित जाति	-0.03	0.43	0.03	-0.45
19-अनुसूचित जनजाति	0.55	-0.70	-0.30	0.79
20-20-39 आयु वग	0.90	-0.12	0.50	-0.07
21-40-60 आयु वर्ग	0.25	0.88	0.90	-0.08
22-60 से अधिक	0.82	0.12	0.74	0.03

तालिका 8.13 क्रमशः

	1951	1961	1971	1981
23- शिक्षित	-0.23	-0.33	0.40	0.04
24- हाईस्कूल	0.00	0.22	0.24	-0.40
25- प्राविधिक	-0.08	-0.08	0.41	0.51
26- स्नातक	-0.08	-0.11	0.10	-0.41
27- उड़िया भाषा	-0.06	0.27	0.30	-0.04
28- हिन्दी भाषा	0.15	0.24	-0.03	0.30
29- अन्य भाषा	0.10	-0.05	-0.18	0.63
आइगेनमान	2.6	3.05	2.66	3.21

तृतीय घटक के अन्तर्गत काम न करने वाले ईसाई उड़िया भाषा आदि चर हैं।

चतुर्थ घटक के अन्तर्गत 40-60 आयु वर्ग वाले चर हैं।

8.3.1.3 प्रमुख घटक 1971

जनगणना वर्ष 1971 में निर्धारित घटकों के अन्तर्गत प्राप्त चरों का भारण प्रस्तुत किया गया है। तालिका 8.12 में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं-

प्रथम घटक के अन्तर्गत शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, परिवहन, इसाई, हाईस्कूल प्राविधिक, हिन्दी भाषा इत्यादि हैं।

द्वितीय घटक के अन्तर्गत काम करने वाले, कृषि मजदूर, घरेलू उद्योग आदि चर हैं।

तृतीय घटक के अन्तर्गत खेतिहर तथा उड़िया भाषा इत्यादि चर हैं।

चतुर्थ घटक के अन्तर्गत 40-60 तथा 60 से अधिक आयु वर्ग वाले इत्यादि हैं।

8.3.1.4 प्रमुख घटक 1981

1981 में निर्धारित घटको के अन्तर्गत प्राप्त चरों का भारण तालिका 8.13 में प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम घटक के अन्तर्गत ग्रामीण जनसंख्या, ग्रामीण स्त्री, खेतिहर, हिन्दू, अनुसूचित जाति, 40-60 आयु वर्ग, हाईस्कूल तथा उड़िया भाषा इत्यादि चर आते हैं।

द्वितीय घटक के अन्तर्गत अन्य उद्योग, अन्य घरेलू उद्योग, व्यापार परिवहन इत्यादि।

तृतीय घटक के अन्तर्गत शहरी स्त्री, हिन्दू इत्यादि।

चतुर्थ घटक के अन्तर्गत अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आदि हैं।

8.4 घटक लब्धि

प्रस्तुत अध्याय में सामाजिक-आर्थिक चरों का वर्णन किया गया है। सम्बन्धित विषय के विवरण को उच्च, अति उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न भागों में विभक्त कर प्रत्येक वर्ग में सम्मिलित क्षेत्रों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

8.4.1 सामाजिक-आर्थिक प्रतिरूप

इस अध्याय के अन्तर्गत प्रत्येक जनगणना वर्षों को अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न भागों में विभक्त किया गया है। चित्र 8.1 में जनगणना वर्षों के अनुसार सामाजिक आर्थिक प्रतिरूप को दर्शाया गया है।

प्रथम घटक

8.4.1.1 उच्च क्षेत्र

प्रथम (1951) जनगणना वर्ष में उड़ीसा राज्य के दक्षिणी भाग तथा उत्तरीपूर्वी भाग में उच्च क्षेत्र स्थित है। नवरंगपुर, रायगढ़ -फुलवानी का आधे से अधिक भाग, कालाहाण्डी, बोलगीर (अनुसूचित जनजाति) का दक्षिणी भाग, बालासोर (अनुसूचित जाति) का उत्तरी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का लगभग सम्पूर्ण भाग, कटक तथा पूरी निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है। यहाँ का अधिकतम मान + 1.46 है जो कटक निर्वाचन क्षेत्र का है। चित्र 8.1 (a) के द्वारा स्पष्ट होता है।

8.4.1.2 मध्यम क्षेत्र

चित्र 8.1 (a) के द्वारा दर्शाया गया है कि प्रथम जनगणना वर्ष में उड़ीसा राज्य के उत्तरी पश्चिमी भाग तथा दक्षिणी पूर्वी भाग एक पतली पट्टी में विस्तृत है। खुरदा निर्वाचन क्षेत्र का पूर्वी भाग, गंजाम का लगभग सम्पूर्ण भाग तथा सुन्दरगढ़ का पूरा भाग इस क्षेत्र में आता है।

8.4.1.3 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न घटकलब्धि का क्षेत्र सम्पूर्ण मध्यवर्ती भाग में पाया गया है। उत्तरी मध्य भाग में बारगढ़, सम्बलपुर, ढेनकानल- वेस्ट कटक॥ अनुसूचित जनजाति॥ जाजपुर -केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग तथा गुहमुसर निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पूर्वी भाग आता है। यहाँ का अधिकतम मान -1.38 है जो कि सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र का है। चित्र 8.1 ॥ a ॥ के द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय घटक

प्रथम जनगणना वर्ष में द्वितीय घटक के प्रतिरूप को दर्शाया गया है। इसमें अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न क्षेत्रों में विभक्त किया गया है। चित्र 8.4 ॥ ॥ के द्वारा दर्शाया गया है।

8.4.1.1 अतिउच्च क्षेत्र

प्रथम जनगणना वर्ष में उड़ीसा प्रान्त में अति उच्च स्थानिक प्रतिरूप के क्षेत्र हैं। जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ का लगभग आधा भाग आता है। चित्र 8.1 ॥ b ॥ के द्वारा स्पष्ट होता है।

8.4.1.2 उच्च क्षेत्र

प्रथम जनगणना वर्ष में उच्च स्थानिक प्रतिरूप के क्षेत्र उड़ीसाराज्य के उत्तरी पश्चिमी भाग तथा उत्तरी पूर्वी भाग में पाया गया है। बारगढ़, सुन्दरगढ, सम्बलपुर, निर्वाचन क्षेत्रों का लगभग सम्पूर्ण भाग जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ का मध्यवर्ती भाग, केन्द्रपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग, उच्च घटकलब्धि क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। यहाँ का सर्वाधिक मान + 1.68 है जो जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ निर्वाचन क्षेत्र का है।
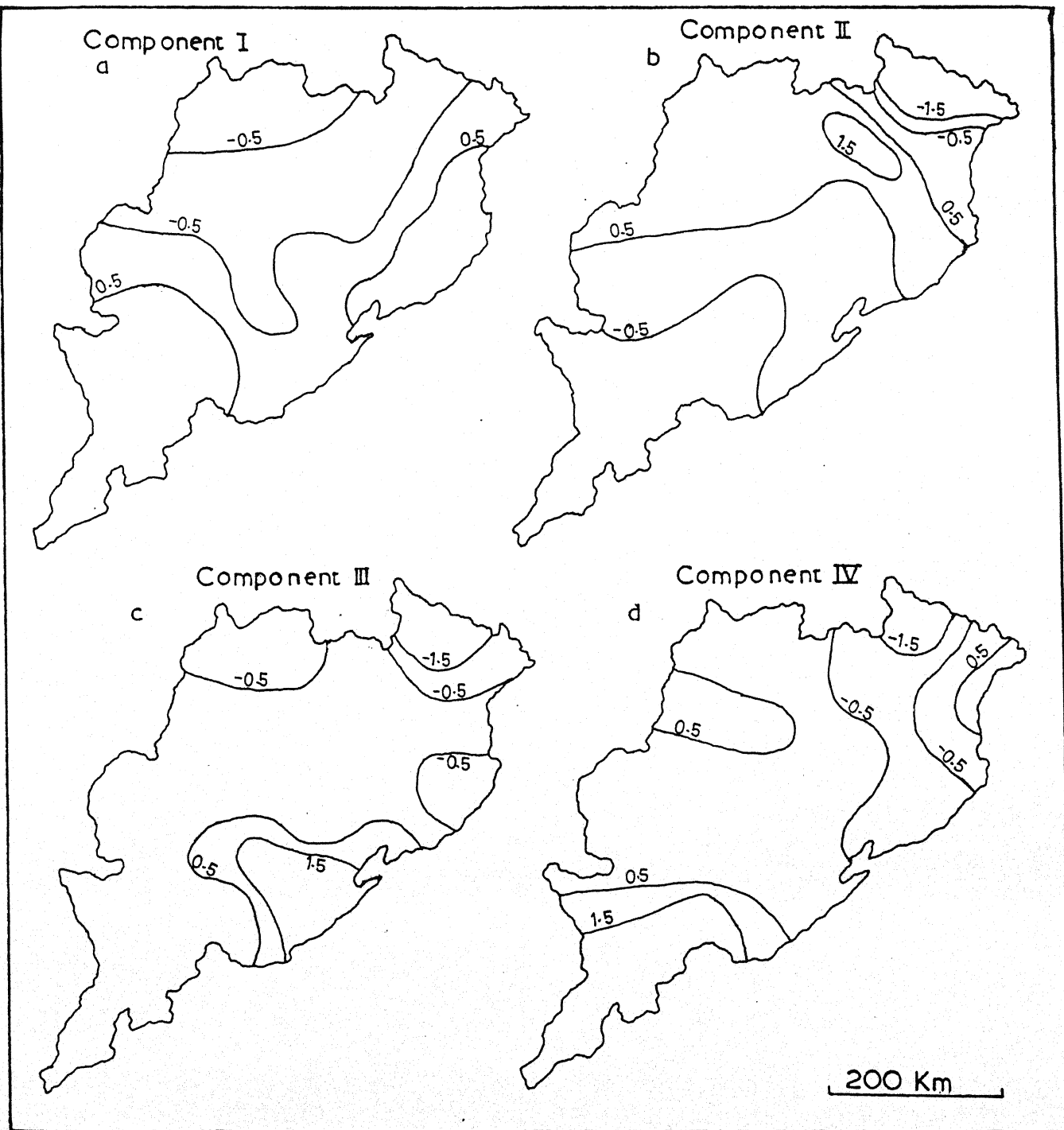
Fig. 8.1 Socio-Economic Surface (z-scores) : 1951

8.4.1.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में प्रथम जनगणना वर्ष में इस प्रकार के क्षेत्र उड़ीसा के उत्तरी पूर्वी भाग, दक्षिणी भाग तथा मध्यवर्ती भाग में पाया गया है। बालासोर ‡अनुसूचित जाति‡ का सम्पूर्ण भाग, गंजाम साउथ तथा खुरदा का दो तिहाई भाग सम्मिलित है। चित्र 8.1 ‡ b ‡ के द्वारा दर्शाया गया है।

8.4.1.4 निम्न क्षेत्र

चित्र 8.1 ‡ b ‡ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। उड़ीसा राज्य केदक्षिणी भाग में निम्न क्षेत्र पाया गया है। नवरंगपुर, रायगढ़-फुलबानी, कालाहाण्डी-बोलगीर ‡अनुसूचित जनजाति‡ का उत्तरीभाग, मुहमुसर का आधे से अधिक भाग, गंजाम साउथ का दक्षिणी, पश्चिमी भाग इस क्षेत्र के अन्तर्गत पाया गया है। यहाँ का स्थानिक प्रतिरूप निम्न है।

8.4.1.5 अति निम्न क्षेत्र

प्रथम जनगणना वर्ष में अति निम्न क्षेत्र उड़ीसा राज्य के उत्तरी भाग में पाया गया है। मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण उत्तरी भाग इसी के अन्तर्गत आता है। यहाँ का सर्वाधिक मान -2.36 है जो कि मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का है। चित्र 8.1 ‡ b ‡ द्वारा स्पष्ट होता है।

तृतीय घटक

प्रथम जनगणना वर्ष में उड़ीसा राज्य में प्राप्त द्वितीय घटक के प्रतिरूप को चित्र 8.1 ‡ c ‡ के द्वारा दर्शाया गया है।

8.4.1.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च क्षेत्र उड़ीसा राज्य के दक्षिणी -पूर्वी भाग में पाया गया है। गंजाम साउथ का सम्पूर्ण भाग मुहमुसर का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

8.4.1.2 उच्च क्षेत्र

उच्च घटक लब्धि के क्षेत्र उड़ीसा राज्य के उत्तरी भाग में पाया गया है।

पुरी निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग, गुहमुसर का मध्यवर्ती भाग तथा रायगढ़ फुलवानी का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

8.4.1.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम घटकलब्धि के क्षेत्र चित्र 8.1 (c) के द्वारा दर्शाया गया है। नबरंगपुर, रायगढ़-फुलवानी का उत्तरी भाग, वारगढ़, सम्बलपुर, जाजपुर-केउंझर (अनुसूचित जाति) का दो तिहाई भाग, बालासोर (अनुसूचित जाति) का लगभग सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल वेस्ट कटक (अनुसूचित जनजाति) खुरदा का सम्पूर्ण भाग तथा कटक निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

8.1.4.4 निम्न क्षेत्र

चित्र 8.1 (C) के द्वारा दर्शाया गया है। उड़ीसा राज्य के मात्र सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में निम्न क्षेत्र पाया गया है।

8.1.4.5 अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी भाग अति निम्न क्षेत्र में पाया गया है।

चतुर्थ घटक

8.1.4.1 अति उच्च क्षेत्र

चित्र 8.1 (d) के द्वारा अति उच्च घटक क्षेत्र दर्शाया गया है। नबरंगपुर तथा रायगढ़-फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र का तीन चौथाई भाग आता है।

8.1.4.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के उत्तरी पूर्वी भाग तथा दक्षिणी मध्यवर्ती भाग में पाया गया है। नबरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहाण्डा-बोलंगीर (अनुसूचित जनजाति) का दक्षिणी भाग रायगढ-फुलवानी का सम्पूर्ण उत्तरी भाग उच्च क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित है। बारगढ़,

सुन्दरगढ़ का लगभग सम्पूर्ण भाग तथा ढेनकानाल-वेस्ट कटक ॥अनुसूचित जनजाति॥ का मध्यवर्ती भाग आता है। चित्र 8.1 ॥d॥ के द्वारा स्पष्ट होता है।

8.1.4.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम क्षेत्र पश्चिम से पूर्व तक पाया गया है। कालाहाण्डी-बोलगीर॥अनुसूचित जाति॥ का दक्षिणी पश्चिमी भाग मुहमुसर का लगभग सम्पूर्ण भाग गजाम साउथ का उत्तरी भाग ,खुरदा का दक्षिणी मध्यवर्ती भाग ढेनकानाल-वेस्ट कटक ॥अनुसूचित जनजाति॥ का दक्षिणी भाग,सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग आता है। चित्र 8.1 ॥ ॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.1.4.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न क्षेत्र जाजपुर-केउंझर ॥अनुसूचित जाति॥ का लगभग सम्पूर्ण भाग,बालासोर,केन्द्रापाड़ा,कटक,पुरी का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

8.1.4.5 अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न क्षेत्र उड़ीसा राज्य के मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी मध्यवर्ती भाग में पाया गया है। चित्र 8.1 ॥d॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2

प्रस्तुत अध्ययन अध्येय क्षेत्र सामाजिक आर्थिक से सम्बन्धित है। इस अध्याय में द्वितीय जनगणना वर्ष 1961 का विवेचन किया गया है। द्वितीय जनगणना वर्ष का अति उच्च,उच्च ,मध्यम, निम्न,अतिनिम्न भागों में विभक्त किया गया है।

प्रथम घटक

8.4.2.1 अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति उच्च क्षेत्र केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र का दो तिहाई भाग, कटक का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

8.4.2.2 उच्च क्षेत्र

चित्र (8.2 a) के द्वारा दर्शाया गया है। उच्च घटक क्षेत्र का विस्तार मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रपाड़ा का उत्तरी भाग, कटक का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

8.4.2.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम घटक क्षेत्र का विस्तार सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) केंउझर, सम्बलपुर का उत्तरी भाग, भुवनेश्वर गंजाम (अनुसूचित जाति) का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है। चित्र 8.2 (a) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.4 निम्न क्षेत्र

निम्न घटक क्षेत्र उड़ीसा के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) कालाहाण्डी (अनुसूचित जनजाति) तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग सम्मिलित है। चित्र 8.2 ( ) के द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय घटक

8.4.2.1 अति उच्च क्षेत्र

चित्र 8.2 (b) के द्वारा दर्शाया गया है। उड़ीसा राज्य में ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का आधे से अधिक भाग सम्मिलित है।

8.4.2.2 उच्च क्षेत्र

उच्च घटक क्षेत्र मात्र मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरीभाग सम्मिलित है। चित्र 8.2(b) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.3 मध्यम क्षेत्र

चित्र 8.2(b) के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर, भुवनेश्वर, पुरी, केन्द्रपाड़ा, कटक, सुन्दरगढ (अनुसूचित जाति) का दक्षिणी भाग केंउझर, बालासोर का सम्पूर्ण भाग पाया गया है।
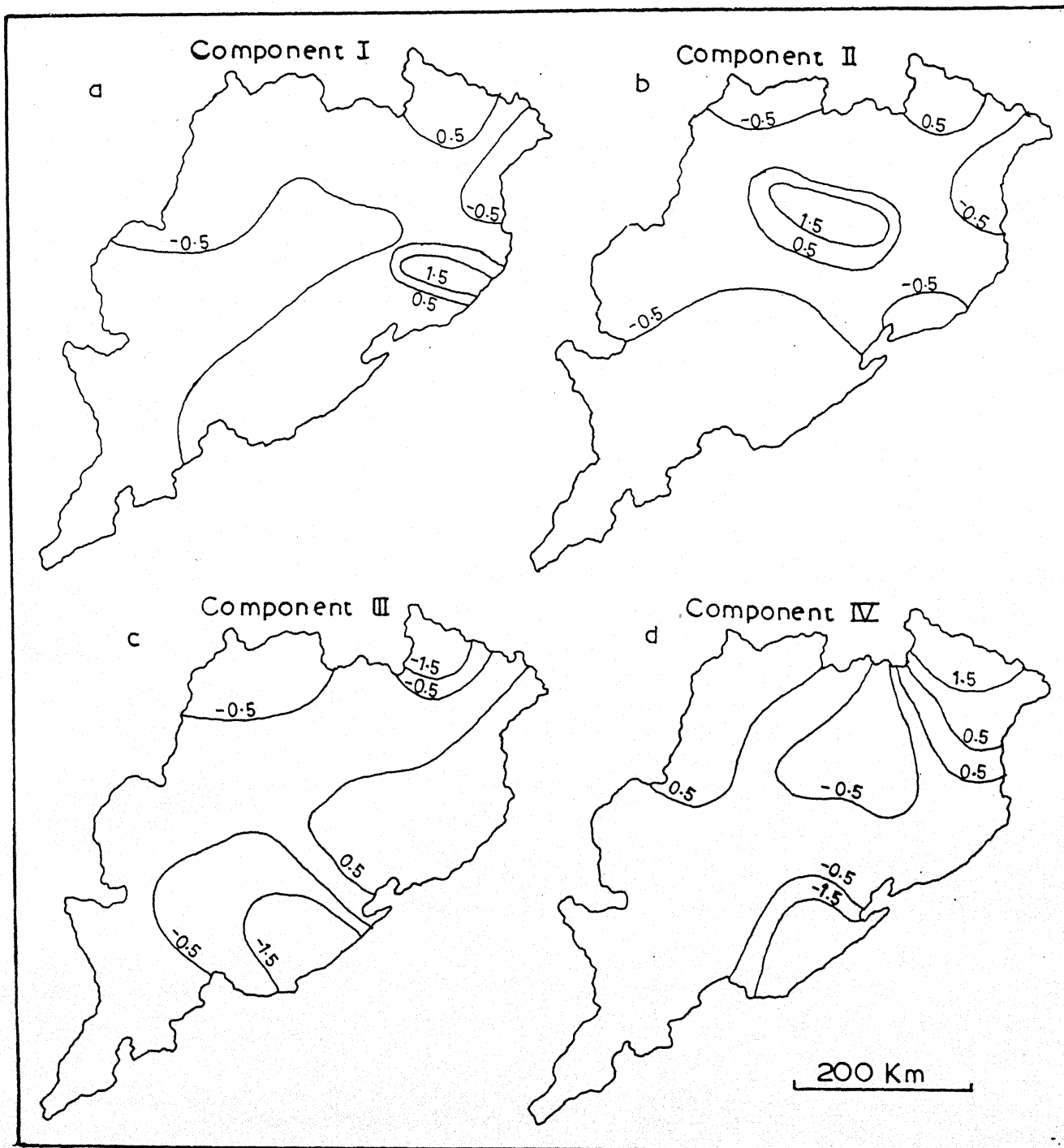
Fig. 8.2 Socio-Economic Surface (z-scores) : 1961

8.4.2.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न सामाजिक-आर्थिक घटक के क्षेत्र कोरापुत ऽअनुसूचित जातिऽ गंजाम ऽअनुसूचित जातिऽ कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्रों का उत्तरी पश्चिमी भाग छोड़कर शेष भागों में पाया गया है। उत्तर पश्चिम मे सुन्दरगढ़ ऽअनुसूचित जनजातिऽ का उत्तरी भाग, बालासोर तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

तृतीय घटक

8.4.2.1 उच्च क्षेत्र

उच्च सामाजिक-आर्थिक घटकों का क्षेत्र बालासोर, केन्द्रपाड़ा, कटक, अंगुल का लगभग सम्पूर्ण भाग, भुवनेश्वर तथा पूरी का भाग सम्मिलित है। चित्र 8.2 ऽ ऽ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.2 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुटऽअनुसूचित जनजातिऽ का आधा भाग, कालाहाण्डी का उत्तरी भाग, भुवनेश्वर का उत्तरी भाग, केउंझर का लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है। चित्र 8.2 ऽCऽ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.3 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न घटक क्षेत्र कालाहाण्डी के दक्षिणी भाग में पाया गया है।

8.4.2.4 अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सुन्दरगढऽअनुसूचित जनजातिऽ निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है। चित्र 8.2 ऽCऽ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

चतुर्थ घटक

8.4.2.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च सामाजिक-आर्थिक घटक क्षेत्र मयूरभंज(अनुसूचित जनजाति) में पाया गया है।

8.4.2.2 उच्च क्षेत्र

उच्च घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर का उत्तरी मध्यवर्ती भाग, सुन्दरगढ़ (अनुसूचित जनजाति) का उत्तरी भाग तथा भुवनेश्वर का लगभग सम्पूर्ण भाग आता है। चित्र 8.2 (d) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम घटक क्षेत्र कोरापुट(अनुसूचित जनजाति) ,कालाहाण्डी, भुवनेश्वर, पुरी, केन्द्रपारा तथा कटक का सम्पूर्ण भाग पाया गया है। चित्र 8.2 ( ) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न घटक क्षेत्र अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी-पूर्वी भाग, ढेनकानल का सम्पूर्ण भाग, केउंझर का पूर्वी भाग पाया गया है। चित्र 8.2 (d) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.2.5 अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न घटक क्षेत्र सुन्दरगढ़(अनुसूचित जनजाति) का दक्षिणी भाग छोड़कर शेष सभी भागों में पाया गया है। चित्र 8.2 (d) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3

तृतीय जनगणना वर्ष (1971) में सामाजिक आर्थिक घटकों का विश्लेषण किया गया है तथा इनके आधार पर अति उच्च, उच्च मध्यम, निम्न अति निम्न क्षेत्रों में विभक्त किया गया है जिसका विवरण चित्र 8.3 में स्पष्ट किया गया है।

प्रथम घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च घटक [अनुसूचित जनजाति] निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

8.4.3.2 मध्यम क्षेत्र

चित्र 8.3 [a] के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उड़ीसा राज्य में मध्यम घटकलब्धि मयूरभंज [अनुसूचित जनजाति] बालासोर, भेड़ारक [अनुसूचित जाति] जाजपुर [अनुसूचित जाति], केन्द्रापाड़ा, कटक, पूरी, भुवनेश्वर, भजनगढ़, छत्रपुर, कोरापुट [अनुसूचित जनजाति], नवरंगपुर [अनुसूचित जनजाति], कालाहाण्डी, फुलवानी [अनुसूचित जाति] का दक्षिणी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, केउंझर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों का उत्तरी भाग पाया गया है।

8.4.3.3 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न घटक के क्षेत्र अंगुल का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का सम्पूर्ण भाग तथा फुलवानी का उत्तरी भाग पाया गया है।

द्वितीय घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च सामाजिक आर्थिक घटक के क्षेत्र उड़ीसा राज्य में सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र केउत्तरी पश्चिमी भाग में पाया गया है। चित्र 8.3 [b] के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.2 उच्च क्षेत्र

चित्र 8.3 [b] के द्वारा यह स्पष्ट किया गया है कि उच्च सामाजिक-आर्थिक घटक उड़ीसा राज्य के मयूरभंज [अनुसूचित जनजाति] का उत्तरी भाग, नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र का दो तिहाई भाग, कोरापुत [अनुसूचित जनजाति] का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी [अनुसूचित जाति] बोलंगीर, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, अंगुल का पश्चिमी भाग तथा भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी पश्चिमी भाग पाया गया है।
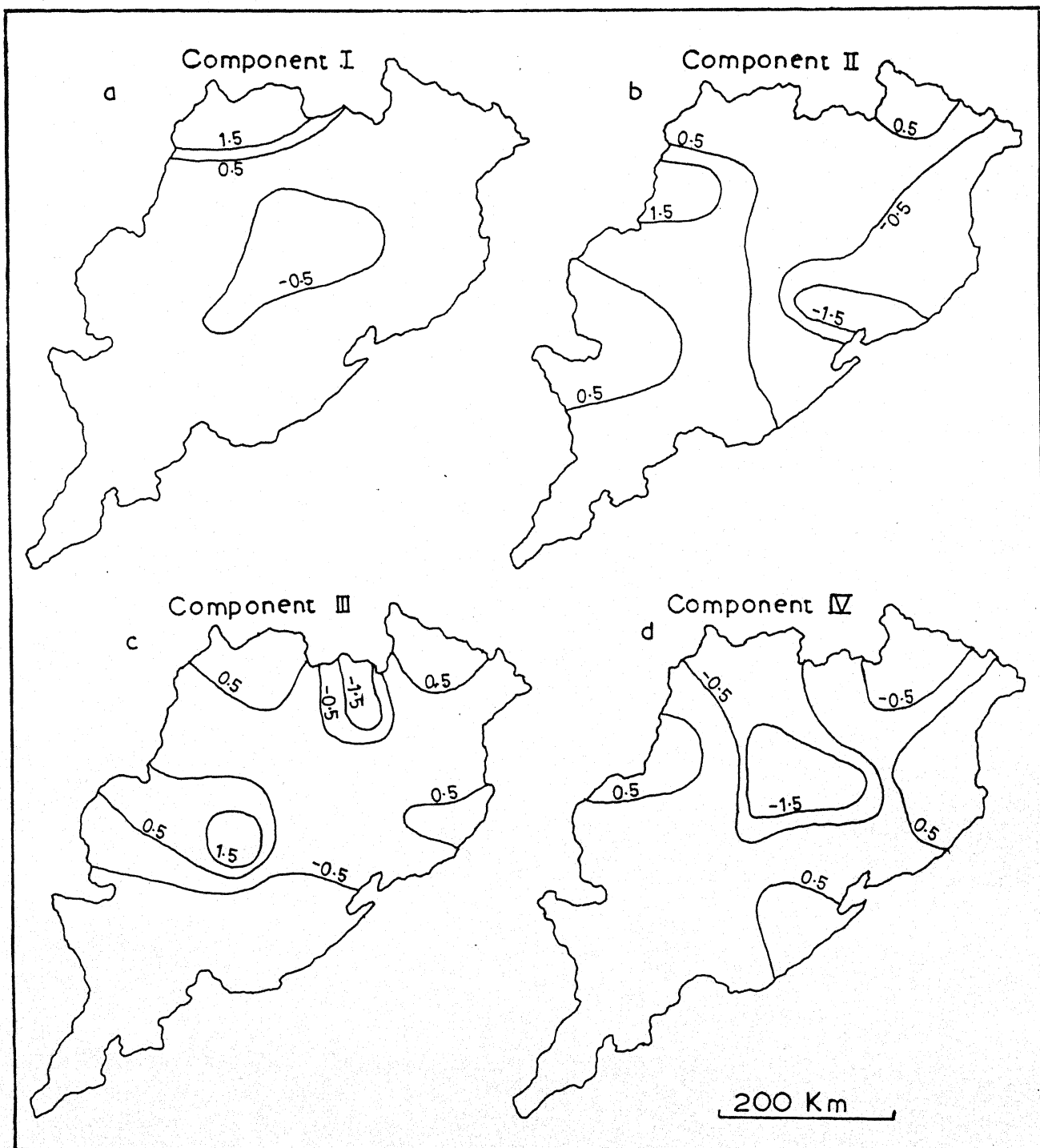
Fig. 8·3 Socio-Economic Surface (z-scores) : 1971

8.4.3.3 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम सामाजिक-आर्थिक घटक के क्षेत्र ,भजनगढ,उत्तरी भाग छत्रपुर का सम्पूर्ण भाग,फुलबानी (अनुसूचित जाति) का पूर्वी भाग,अंगुल का उत्तरी,पूर्वी भाग केउंझर (अनुसूचित जनजाति) का सम्पूर्णभाग तथा सुन्दरगढ (अनुसूचित जनजाति) का दक्षिणी भाग सम्मिलित है। चित्र 8.3 (b) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.4 निम्न क्षेत्र

निम्न सामाजिक आर्थिक घटक भेड़ारक (अनुसूचित जाति) बालासोर,जाजपुर (अनुसूचित जाति) केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग पाया गया है। चित्र 8.3 ( ) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.5 अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न घटक उड़ीसा राज्य के पूरी,भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है। चित्र 8.3 (b) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

तृतीय घटक

8.4.3.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के फुलबानी (अनुसूचित जाति) निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग पाया गया है।

8.4.3.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज (अनुसूचित जनजाति) का उत्तरी भाग,केन्द्र पाड़ा का लगभग सम्पूर्ण भाग,कटक का सम्पूर्ण भाग,बोलंगीर का सम्पूर्ण भाग,सम्बलपुर का दक्षिणी भाग पाया गया है। चित्र 8.3 (c) के द्वारा स्पष्टकिया गयाहै।

8.4.3.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम सामाजिक-आर्थिक घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के बालासोर,भेड़ारक(अनुसूचित जाति)जाजपुर(अनुसूचित जाति) केन्द्रपाड़ा का उत्तरी भाग,कटक का उत्तरी पश्चिमी भाग

ठेनकानाल, अंगुल तथा सम्बलपुर का उत्तरी भाग पाया गया है। चित्र 8.3 (c) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.4 निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न घटक क्षेत्र छत्रपुर का लगभग सम्पूर्णभाग, भजनगढ़, कोरापुत (अनुसूचित जनजाति) नवरंगपुर, कालाहाण्डी निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग तथा फुलवानी का दक्षिणी भाग पाया गया है।

8.4.3.5 अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र, केउंझर, निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

चतुर्थ घटक

8.4.3.1 उच्च क्षेत्र

उच्च घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के बालासोर, भैंडारक (अनुसूचित जाति) जाजपुर (अनुसूचित जाति) केन्द्रपाड़ा, कटक का दक्षिणी भाग पाया गयाहै।

8.4.3.2 मध्यम क्षेत्र

मध्यम क्षेत्र उड़ीसा राज्य के कोरापुत (अनुसूचित जनजाति), नवरंगपुर, कालाहाण्डी का दक्षिणी, मध्यवर्ती भाग, फुलवानी (अनुसूचित जाति) का सम्पूर्ण भाग, बोलंगीर कासम्पूर्ण भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग पाया गया है। चित्र 8.3 (d) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.3 निम्न क्षेत्र

उड़ीसाराज्य में निम्न क्षेत्र मयूरभंज का लगभग सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल का पूर्वी भाग तथा अंगुल का कुछ भाग पाया गया है। चित्र 8.3(d) के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.3.4 अति निम्न क्षेत्र

चित्र 8.3 ${d}$ के द्वारा स्पष्ट किया गया है कि उड़ीसा राज्य में अति निम्न घटक क्षेत्र अंगुल का लगभग मध्यवर्ती भाग, ठेनकानाल का पश्चिमी उत्तरी भाग, सुन्दरगढ़ ${अनुसूचित जनजाति}$ का आधा भाग पाया गया है।

8.4.4

उड़ीसा राज्य में चतुर्थ जनगणना वर्ष 1981 में सामाजिक-आर्थिक चरों का वर्णन किया गया है। सम्बन्धित विषय के विवरण को अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न भागों में विभक्त किया गया है।

8.4.4.1 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च क्षेत्र, बालासोर का सम्पूर्ण भाग, जाजपुर ${अनुसूचित जाति}$ केन्द्रपारा, कटक, जगतसिंहपुर का लगभग सम्पूर्ण भाग, केउंझर ${अनुसूचित जनजाति}$ का दक्षिणी भाग, देवगढ़ ${अनुसूचित जनजाति}$ का पूर्वी भाग पाया गयाहै। चित्र 8.4 ${a}$ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.4.2 मध्यम क्षेत्र

मध्यम घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के पुरी का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर का कुछभाग, असका, वरहामपुर, कोरापुत ${अनुसूचित जनजाति}$, नवरंगपुर, कालाहाण्डी, फुलबानी ${अनुसूचित जाति}$ का दक्षिणी भाग, बोलगीर का सम्पूर्ण भाग, मयूरभंज ${अनुसूचित जनजाति}$ का लगभग सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर तथा सुन्दरगढ़ ${अनुसूचित जाति}$ का दो तिहाई भाग पाया गया है।

8.4.4.3 अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति निम्न क्षेत्र देवगढ़ ${अनुसूचित जाति}$ का दक्षिणी, पश्चिमी भाग, ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग, सुन्दरगढ ${अनुसूचित जनजाति}$ दक्षिणी भाग पाया गया है। चित्र 8.3 ${a}$ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

द्वितीय घटक

8.4.4.1 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम सामाजिक-आर्थिक घटक क्षेत्र, मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥ बालासोर, भेड़ारक॥ अनुसूचित जाति॥, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ केन्द्रपारा, कटक, जगतसिंहपुर, पूरी, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जाति॥, नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ कालाहाण्डी, फुलबानी ॥अनुसूचित जाति॥ बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥, ठेनकानाल, सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ तथा केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है। चित्र 8.4 ॥ b ॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

तृतीय घटक

8.4.4.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च घटक क्षेत्र सुन्दरगढ़॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है। चित्र 8.4॥C॥के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.4.2 उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य मेंउच्च सामाजिक-आर्थिक घटक क्षेत्र बरहामपुर, कोरापुत॥अनुसूचित जनजाति॥, नबरंगपुर॥ अनुसूचित जनजाति॥ कालाहाण्डी के दक्षिणीभाग में पाया गया है। चित्र 8.4 ॥C ॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।

8.4.4.3 मध्यम क्षेत्र

मध्यम सामाजिक-आर्थिक घटक क्षेत्र बालासोर का दक्षिणी भाग, भेड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥ जाजपुर॥अनुसूचित जाति॥ केन्द्रपारा, जगतसिंहपुर, पूरी का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर, सम्बलपुर का उत्तरी भाग, देवगढ़, ठेनकानाल तथा केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है। चित्र 8.4॥ C ॥ के द्वारा स्पष्ट किया गया है।
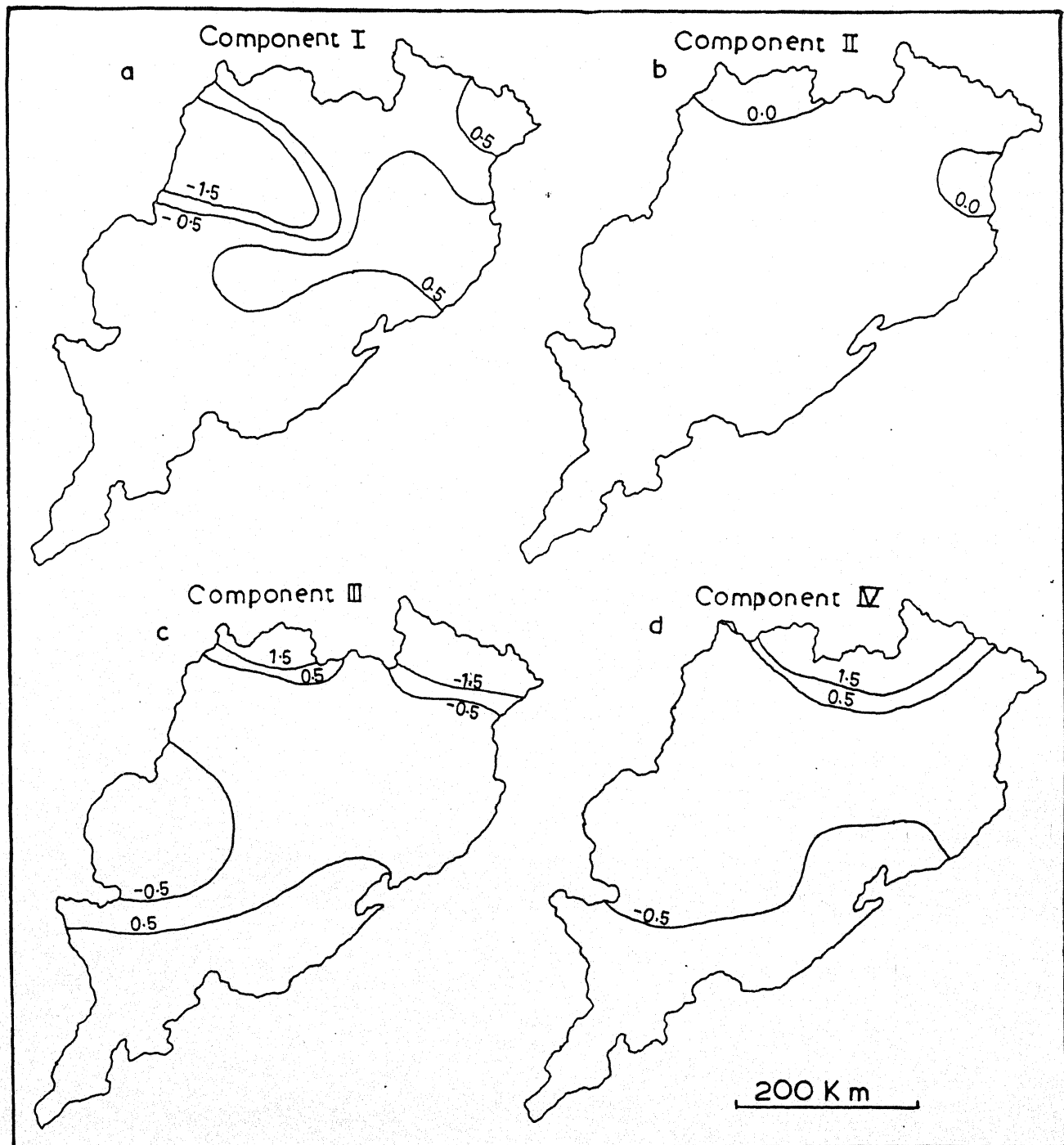
Fig. 8·4 Socio-Economic Surface (z-scores) : 1981

8.4.4.4 निम्न क्षेत्र

निम्न घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के कालाहाण्डी का उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग पाया गया है।

8.4.4.5 अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज ॥अनुसूचित जनजाति॥ बालासोर के उत्तरी भाग में पाया जाता है। चित्र 8.4॥C॥ के द्वारा स्पष्ट होता है।

चतुर्थ घटक

8.4.4.1 अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च घटक क्षेत्र में मयूरभंज॥अनुसूचित जनजाति॥ ,सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जाति॥ केउंझर ॥अनुसूचित जनजाति॥ का उत्तरी भाग है। चित्र ॥8.4 d॥ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

8.4.4.2 मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में सामाजिक आर्थिक घटक क्षेत्र बालासोर ,भैंड़ारक ॥अनुसूचित जाति॥ केन्द्रपाड़ा, कटक, जाजपुर ॥अनुसूचित जाति॥ जगतसिंहपुर ,फुलवानी, बोलगीर ,कालाहाण्डी का उत्तरी भाग, सम्बलपुर ,देवगढ़, ठेनकानाल तथा सुन्दरगढ़ ॥अनुसूचित जनजाति॥ का भाग सम्मिलित है। चित्र 8.4 ॥ d ॥ के द्वारा स्पष्ट होता है।

8.4.4.3 निम्न क्षेत्र

निम्न घटक क्षेत्र उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर ,असका, बरहामपुर, कोरापुत ॥अनुसूचित जनजाति॥, नवरंगपुर ॥अनुसूचित जनजाति॥ कालाहाण्डी का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत आता है। चित्र 8.4॥ d ॥ के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

अध्याय 9

मतदान एवं सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध

उड़ीसा राज्य में निर्वाचन व्यवहार पर पड़ने वाले सामाजिक प्रभावों को अग्रिम तीन अध्यायों में विश्लेषित किया गया है। ये तीनों अध्याय निर्वाचन व्यवहार के तीन प्रमुख विषयों से सम्बन्धित है। प्रस्तुत अध्याय में वैध मतदान तथा सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध देखने का प्रयास किया जा रहा है। यह सम्बन्ध सह:सम्बन्ध एवं समाश्रयण विधि द्वारा गणना करने के उपरान्त प्राप्त किया गया है। वैध मतदानों एवं घटकों के मध्य सम्बन्धों को उड़ीसा के प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन वर्ष के लिए पृथक-पृथक अध्ययन किया गया है। इस अध्याय में प्रत्येक घटकों का वैध मतदानों से पृथक-पृथक सम्बन्ध विश्लेषण के साथ ही साथ संयुक्त रूप से चारो घटकों का सम्बन्ध भी विश्लेषित किया गया है।

इस अध्याय को दो अनुभागों में विभक्त किया गया है। प्रथम अनुभाग 9.1 में वैध मतदानों तथा सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध स्थापित करने के लिए प्रयुक्त दि्वचरीय एवं बहुचरीय समाश्रयण प्रतिमानों का मूल्यांकन किया गया है। दि्वतीय अनुभाग 9.2 में क्रमशः प्रथम, दि्वतीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटको के साथ वैध मतदानों के सम्बन्धों का भौगोलिक विवेचन किया गया है तथा संयुक्त रूप से चारो घटकों का मतदानों से सम्बन्ध का स्थानिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

9.1 समाश्रयण प्रतिमान

वैध मतदान एवं सामाजिक घटको के मध्य सम्बन्धों की प्रकृति का ज्ञान तालिका 9.1 द्वारा किया जा सकता है। समाश्रयण प्रतिमान दि्वचरीय एवं बहुचरीय का प्रयोग किया गया है। इससे यह अभिहित होता है कि वैध मतदानों एवं सामाजिक घटकों के मध्य रैखिक सम्बन्ध का अनुमान किया गया है। यहाँ रैखिक प्रतिमान निम्न है-

$$Y = a + bx \quad \text{'द्विचरीय'}$$

$$Y = a + bx1 + bx2 + bx3 + bx4 \quad \text{'बहुचरीय'}$$

तालिका 9.1

सम्बन्धों का प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान) द्विचरीय बहुचरीय

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	67.20 +-0.13x	67.70+-1.15x	69.82+8.06x	65.60+4.44x	$67.07+-0.46x_1+2.27x_2+9.97x_3+6.11$
1957	68.21+5.63x	67.81+-1.04x	68.28+1.80x	67.62+0.63x	$69.39+6.09x_1+-1.79x_2+3.04x_3+0.41$
1962	94.37+-0.38x	94.33+-0.41x	94.23+0.24x	94.16+-0.08x	$94.43+-0.87x_1+-0.22x2-0.05x_3+0.0$
1967	93.53+[illegible],06x	93.65+-0.67x	93.65-0.67x	93.55+0.33x	$93.71+0.02x_1+-0.74x_2+0.31x_3+0.47$
1971	94.67+-0.10x	94.66+-0.24x	94.63+0.28x	94.66+-0.02	$94.58+-0.12x_1+-0.35x_2+0.34x_3+-0.$
1977	94.27+-0.36x	94.25+0.28x	94.25+-1.98x	94.18+1.10x	$94.14+-0.35x_1+0.34x_2+1.99+1.14x_4$
1980	95.60+0.57x	95.58+0.27x	95.60+-0.15x	95.61+-0.23x	$95.60+0.57x_1+0.22x_2+-0.15x_3-0.21$
1984	96.89+0.36x	96.92+0.19x	96.95+-0.33x	96.95+-0.22x	$96.92+0.35+0.18x2+-0.31x_3+-0.20x$

यहाँ पर Y मतदान, a मतदान के उस परिणाम का द्योतक है जब मतदान पर सामाजिक -आर्थिक घटकों में परिवर्तन के फलस्वरूप निर्वाचकों में परिवर्तन के दर से जबकि x_1, प्रथम घटक x_2 द्वितीय घटक, x_3 तृतीय घटक, x_4 चतुर्थ घटक है।

9.1.1 सम्बन्धों की प्रकृति

उड़ीसा राज्य के भिन्न-भिन्न लोकसभा निर्वाचन के लिए समाश्रयण प्रतिमानों की संगणना की गयी है जिसका उल्लेख तालिका 9.1 में किया गया है। मतदान आँकड़े Y अपने वास्तविक रूप "10,000" में जबकि सामाजिक घटकों x_1, x_2, x_3 एवं x_4 के आँकड़े जेडलब्धि में है। सामाजिक घटक 1951 के आँकड़ो को 1952, लोकसभा निर्वाचनों के लिए प्रयोग में लाया गया है। 1961 वर्ष के सामाजिक घटकों के आँकड़ो को 1957 एवं 1962 वर्ष 1971 के सामाजिक घटको 1967 एवं 1971 तथा वर्ष 1981 के सामाजिक घटको के आँकड़ो को 1977, 1980 एवं 1984 के लोकसभा निर्वाचन हेतु प्रयोग किया गया है।

तालिका 9.1 का सिंहावलोकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि 1952, 1962, 1971 एवं 1977 में मतदानों के साथ प्रथम घटक का सम्बन्ध ऋणात्मक पाया गया है जबकि 1957, 1967, 1980 एवं 1984 के साथ धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है। 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1971 के साथ द्वितीय घटक का सम्बन्ध ऋणात्मक तथा 1980 एवं 1984 के मध्य धनात्मक पाया गया है। 1977, 1980 एवं 1984 के मध्य तृतीय घटक का सम्बन्ध ऋणात्मक तथा 1952, 1957, 1962, 1967 तथा 1971 के मध्य धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है। 1962, 1971 तथा 1980, 1984 के मध्य ऋणात्मक तथा 1952, 1957, 1967 एवं 1977 के मध्य धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

तालिका 9.2

सम्बन्धों की मात्रा (सह:सम्बन्ध गुणांक)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थघटक	संयुक्त
1952	-0.017	-0.118	0.412	0.533	0.755
1957	0.53	-0.11	0.17	0.07	0.67
1962	-0.94	-0.15	0.10	-0.70	0.95
1967	0.05	-0.43	0.17	0.23	0.57
1971	-0.14	-0.22	0.32	-0.02	0.48
1977	-0.04	0.03	-0.26	0.14	0.31
1980	0.48	0.19	-0.12	-0.19	0.56
1984	0.30	0.17	-0.29	-0.20	0.49

9.1.2 सम्बन्धों की मात्रा

चारो सामाजिक-आर्थिक घटको का संयुक्त एवं पृथक महत्त्व जो मतदानों से सम्बन्धों के फलस्वरूप प्राप्त हुए हैं, का वर्णन इस अनुभाग में किया जा रहा है। सम्बन्धों के इसमहत्त्व को सह:सम्बन्ध गुणांक के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। ये सह:सम्बन्ध गुणांक तालिका 9.2 में वर्णित किया गया है।

मतदानो के साथ प्रथम घटक का ऋणात्मक सम्बन्ध 1952, 1962, 1971 तथा 1977 मेंदेखा गया है। 1957, 1967, 1980 एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है। द्वितीय घटक के साथ मतदानों का 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1977 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया जाता है। 1977, 1980 एवं 1984 में धनात्मक सह:सम्बन्ध पाया जाता है। तृतीय घटक का ऋणात्मक सम्बन्ध 1977, 1980 एवं 1984 में देखा गया है। 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1977 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है। चतुर्थ घटक के साथ मतदानों का 1962, 1971, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध देखा गयाहै जबकि 1952, 1957, 1967 एवं 1977 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

संयुक्त रूप से चारो घटकों से मतदानों का सभी निर्वाचन वर्षों में धनात्मक पाया गया है। वर्ष 1962 में अति उच्च, 1952 में उच्च, 1957 , 1967 एवं 1980 में मध्यम, वर्ष 1977 एवं 1984 में निम्न तथा 1977 में अति निम्न सम्बन्ध पाया गया है।

9.1.3 व्याख्यापित प्रसरण

मतदान एवं सामाजिक घटक के सम्बन्ध का प्रसरण तालिका 9.3 में प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 9.3

व्याख्यायित सम्बन्ध स्तर ‡निर्धारण गुणांक x100‡

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0	01	17	28	57
1957	28	01	02	0	38
1962	90	02	01	0	91
1967	02	19	03	05	32
1977	02	05	10	01	23
1980	23	03	01	03	32
1984	09	03	08	04	24

उपरोक्त तालिका में 1980 के अन्तर्गत सर्वाधिक चारो घटको से मतदान का सम्बन्ध अधिक है। 1962 एवं 1957 में मध्यम है। 1984 में निम्न तथा शेष निर्वाचन वर्षों में मतदान एवं सामाजिक घटको के साथ अति निम्न सम्बन्ध पाया गया है।

संयुक्त रूप से चारो घटको तथा मतदान का सम्बन्ध 1962 में अति उच्च 1952 में उच्च, 1957 में मध्यम एवं 1967 एवं 1980 में निम्न तथा 1971, 1977 एवं 1984 में अति निम्न पाया गया है।

9.1.4 आकलन

संयुक्त एवं आंशिक समाश्रयण प्रतिमानों को आंकलन शुद्धता का अनुमान तालिका 9.4 से किया जाता है।

9.4 मानकत्रुटि

उक्त तालिका में समाश्रयण आकलन की मान त्रुटियां अंकित है। मतदान एवं सामाजिक घटक में किस मात्रा तक मानक त्रुटि पायी जाती है। वर्ष 1957 में प्रथम घटक, द्वितीय घटक, तृतीय घटक, चतुर्थ घटक तथा संयुक्त रूप से चारो घटकों का तथा 1952 के सभी घटकों का मानक त्रुटि अधिक है। शेष सभी निर्वाचन वर्षों में मानक त्रुटि न्यून पायी गयी है।

तालिका 9.4

मानक त्रुटि

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	8.54	8.48	7.78	7.23	7.91
1957	9.10	10.68	10.59	10.73	10.67
1962	0.42	1.34	1.35	1.36	0.51
1967	1.50	1.35	1.47	1.46	1.37
1971	0.95	0.94	0.91	[illegible]	[illegible]
1977	8.05	8.05	7.77	7.97	8.44
1980	1.12	1.26	1.27	1.26	1.16
1984	1.13	1.17	1.13	1.16	1.14

तालिका 9.5

Standard rate of Turnout Variation (Beta Weights)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक
1952	-0.01	-0.11	0.41	0.53
1957	0.53	-0.11	0.17	0.07
1962	-0.94	-0.15	0.10	-0.07
1967	0.05	-0.43	0.17	0.23
1971	-0.14	-0.22	0.32	-0.02
1977	-0.04	0.03	-0.26	0.14
1980	0.48	0.19	-0.12	-0.19
1984	0.30	0.17	-0.29	-0.20

मतदान का प्रमाणिक वैभिन्य॥बीटावेट॥ के संदर्भ में आकलित किया गया। उपर्युक्त तालिका 9.5 से स्पष्टहै कि यह विभिन्नता अधिक नहीं थी। सर्वाधिक ॥बीटावेट॥ 0.53, 1952 तथा 1957 में क्रमशः चतुर्थ एवं प्रथम के सहःसम्बन्धों से दृष्टिगत होता है।

तालिका 9.6

Standard Error and Significance Rates of Variations

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक
1952	3.29	3.96	7.26	2.88
1957	3.15	3.08	3.65	3.14
1962	0.10	0.90	0.78	0.43
1967	0.34	0.35	0.35	0.36
1971	0.22	0.33	0.25	0.32
1977	1.80	1.82	1.74	1.84
1980	0.25	0.28	0.28	0.29
1984	0.28	0.26	0.26	0.26

9.6 में प्रमाणिक त्रुटियों का अवलोकन किया गया। प्रामाणिक त्रुटि प्राय: सभी वर्षों में स्वीकार्य योग्य रही। केवल 1952 में तृतीय घटक से सम्बन्धित आँकड़ा 7.26 है।

तालिका 9.7

'F' Ratios

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.002	0.085	1.23	2.38	0.99
1957	3.18	0.011	0.24	0.04	0.78
1962	3.43	0.20	0.09	0.04	12.86
1967	0.03	3.55	0.47	0.85	1.46
1971	0.20	0.52	1.21	0.007	0.53
1977	0.04	0.02	1.28	0.35	0.37
1980	5.23	0.66	0.28	0.63	1.65
1984	1.61	0.51	1.56	0.70	1.03

1952 में सर्वाधिक "F" अनुपात 2.38 है। 1957 में यह 3.18 तथा 1962 में इनका मान 3.43 है। इसी प्रकार 1967, 1971, 1977, 1980 और 1984 में " " का सर्वाधिक मान क्रमशः 3.55, 1.21, 1.28, 5.23 तथा 1.61 है।

तालिका 9.8

स: सम्बन्ध मैट्रिक्स

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैध मतदान	कांग्रेस वोट	कांग्रेसत्तर वोट
1952							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.58	1.00					
तृतीय घटक	0.10	0.04	1.00				
चतुर्थ घटक	0.16	-0.55	-0.12	1.00			
वैध मतदान	-0.01	-0.11	0.41	0.53	1.00		
कांग्रेस वोट	0.33	0.08	0.20	0.41	0.44	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.24	-0.34	0.36	-0.19	-0.30	-0.55	1.00
1957							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.03	1.00					
तृतीय घटक	-0.13	0.18	1.00				
चतुर्थ घटक	0.17	0.00	-0.05	1.00			
वैध मतदान	0.53	-0.11	0.17	0.07	1.00		
कांग्रेस वोट	-1.14	-0.12	0.48	-0.64	0.17	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	-0.67	0.13	-0.05	0.16	-0.80	-0.34	1.00
1962							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.07	1.00					
तृतीय घटक	-0.14	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.03	0.13	0.28	1.00			
वैध मतदान	-0.94	-0.15	0.10	-0.07	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.49	0.01	-0.14	0.40	0.60	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.61	0.31	-0.32	0.31	-0.63	-0.60	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैध मतदान	कांग्रेस वोट	कांग्रेसेत्तर वोट
1967							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.04	1.00					
तृतीय घटक	0.04	0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.02	0.13	-0.13	1.00			
वैध मतदान	0.05	-0.43	0.17	0.23	1.00		
कांग्रेस वोटें	0.12	0.12	-0.56	0.29	-0.11	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.02	0.28	-0.09	-0.55	-0.63	-0.13	1.00
1971							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.09	0.19	1.00				
चतुर्थ मतदान	-0.00	-0.24	-0.05	1.00			
वैध मतदान	-0.14	-0.22	0.39	-0.02	1.00		
कांग्रेस वोट	0.01	-0.50	-0.09	0.01	0.55	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	-0.10	0.68	0.03	0.11	-0.65	-0.77	1.00
1977							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.04	0.01	1.00			
वैध मतदान	-0.04	0.03	-0.26	0.14	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.05	-0.05	-0.01	-0.26	-0.29	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.08	0.19	-0.20	0.11	0.14	-0.82	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैध मतदान	कांग्रेसवोट	कांग्रेसत्तरवोट
1980							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.001	1.00					
तृताय घटक	0.003	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.006	-0.03	0.00	1.00			
वैध मतदान	0.485	0.19	-0.12	-0.19	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.11	0.09	-0.17	0.07	-0.26	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.37	-0.02	-0.08	-0.03	0.35	-0.64	1.00
1984							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.01	1.00					
तृतीय घटक	-0.03	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.30	-0.04	0.00	1.00			
वैध मतदान	0.30	0.17	-0.29	-0.20	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.42	-0.00	0.24	0.85	-0.52	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.60	0.06	-0.47	-0.20	0.67	-0.83	1.00

स:सम्बन्ध मैट्रिक्स का गणना परस्पर घटकों के सन्दर्भ में का गया। अत: चारों घटकों का पारस्परिक स:सम्बन्ध का आंकलन स्पष्ट करता है कि कहीं धनात्मक सम्बन्धों का बाहुल्य है जबकि किन्हीं घटकों के मध्य ऋणात्मक सह:सम्बन्ध भी दृष्टिगत होता है। सह:सम्बन्ध अत्यन्त न्यून प्रकार का पाया गया। अत: यह स्पष्ट है कि प्रत्येक घटक अत्यन्त लम्बित हैऔर कांग्रेस वोट से उनका सह:सम्बन्ध पृथक आचरण को व्याख्यायित करता है।

9.2 मतदान एवं घटक

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में वैध मतो को विश्लेषित किया गया है। इस कार्य हेतु अध्याय को क्रमशः अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न उपखण्डो में विभक्त किया गया है तथा इन उपखण्डो के सन्दर्भ में सम्पूर्ण उड़ीसा प्रान्त का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम निर्वाचन वर्ष 1952

प्रथम घटक

अति उच्च विचलन

चित्र 9.1 (a) के द्वारा यह विदित होता है कि उड़ीसा राज्य में उच्च विचलन वाले उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पूर्वी भाग तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

उच्च विचलन क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त का पश्चिमी भाग तथा उत्तर पूर्वी मध्यवर्ती भाग आता है। कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पश्चिमी भाग, बारगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग तथा मयूरभंज का उत्तरी भाग बालासोर का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

मध्यम विचलन क्षेत्र

चित्र 9.1 (a) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा राज्य में आधे से अधिक भाग पर मध्यम विचलन का क्षेत्र पाया गया है। नवरंगपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग, कालाहाण्डी का उत्तरी पश्चिमी भाग को छोड़कर शेष भाग बारगढ़ का उत्तरी भाग, सांबलपुर, सुन्दरगढ़ का दक्षिणी पश्चिमी भाग, ढेनकानाल, वेस्ट कटक का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापाड़ा तथा खुरदा निर्वाचन क्षेत्र का लगभग पूरा भाग सम्मिलित है। इसे सामान्य क्षेत्र भी कहा जा सकता है।
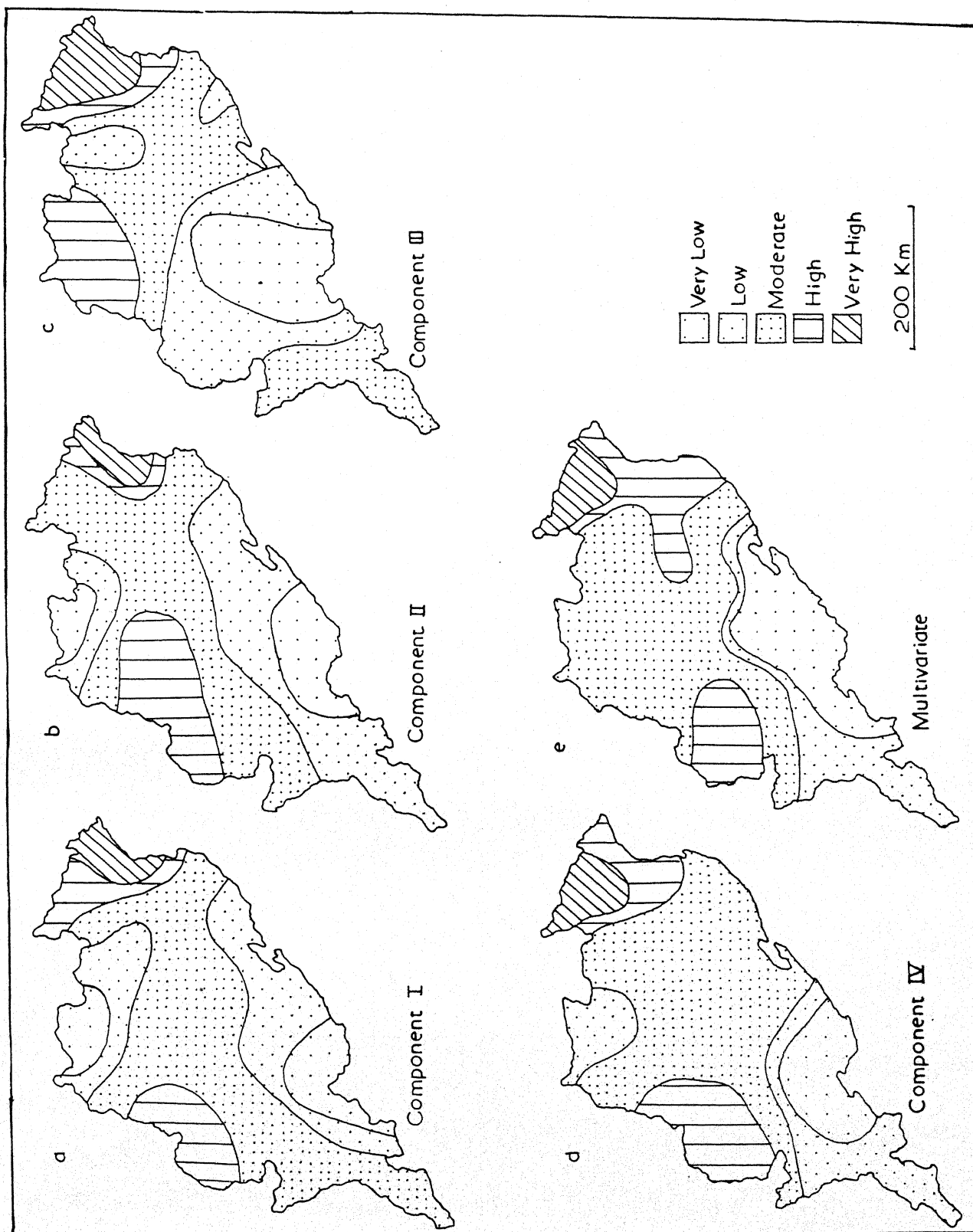
Fig. 9·1 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1952

निम्न विचलन का क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न विचलन का क्षेत्र दक्षिणी पूर्वी तथा पूर्वी भाग में इसका विस्तार है। कटक, निर्वाचन क्षेत्र, पुरी निर्वाचन क्षेत्र, खुरदा का दक्षिणी भाग, गुहमूसर का दक्षिणी भाग, गंजाम साउथ का लगभग सम्पूर्ण भाग, नवरंगपुर का उत्तरी पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न विचलन क्षेत्र

चित्र 9.1 ॥ a ॥ के द्वारा दर्शाया गया है। उड़ीसा के सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी मध्यवर्ती भाग, रायगढ़-फुलवानी का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में चित्र 9.1 ॥ b ॥ के द्वारा विदित होता है कि मयूरभंज का आधे से कम भाग, वालासोर का सम्पूर्णभाग आता है। यहाँ का विचलन अति उच्च पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च क्षेत्र का विस्तार दक्षिणी पश्चिमी भाग में है। काला-हाण्डी का उत्तरी भाग, वारगढ़ का लगभग सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर का उत्तरी पूर्वी भाग तथा सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी पश्चिमी भाग आता है।

मध्यम क्षेत्र

मध्यम क्षेत्र का विस्तार मध्यवर्ती भाग तथा उत्तरी पूर्वी मध्यवर्ती भाग में पाया जाता है। मयूरभंज का उत्तर पश्चिमी भाग कालाहान्डी का दक्षिणी भाग, खुरदा का उत्तरी भाग, मुहमुसर का उत्तरी भाग, केन्द्रापारा का लगभग सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल वेस्ट का उत्तरी भाग, जाजपुर केउंझर का लगभग सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर का उत्तरी पूर्वी भाग, वारगढ़ का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के दक्षिण पूर्वी भाग तथा दक्षिण पश्चिमी भाग में विस्तृत है। मयूरभंज का पश्चिमी भाग, कालाहान्डा का दक्षिणी भाग, गुहमूसर का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, खुरदा का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, कटक तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग, गंजाम साउथ का उत्तर पूर्वी भाग, सुन्दरगढ़ का उत्तर पश्चिम भाग तथा जाजपुर का उत्तरी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा का पूर्वी भाग, तथा उत्तर पश्चिमी भाग आता है। रायगढ़-फुलवानी का लगभग सम्पूर्ण भाग तथा गंजाम साऊथ का दक्षिण मध्यवर्ती भाग तथा सुन्दरगढ़ का उत्तरी भाग इसके अन्तरर्गत आता है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा का उत्तरी पूर्वी भाग तथा दक्षिण मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है। रायगढ़ फुलवानी का अर्द्धभाग, गुहमूसर का सम्पूर्ण भाग, गंजाम साउथ का दक्षिणी पश्चिमी भाग तथा कालाहान्डी का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत है।

उच्च क्षेत्र-

इस प्रकार का क्षेत्र उत्तर पश्चिम भाग, उत्तर मध्यवर्ती भाग तथा दक्षिणी मध्यवर्ती भाग में पाया गया है। बारगढ़ का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का उत्तरी भाग, सुन्दरगढ़ का सम्पूर्ण भाग, मयूरभंज का उत्तर पश्चिम भाग तथा बालासोर का दक्षिण भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र-

इसका विस्तार मध्यवर्ती भाग में पायाजाता है। बारगढ़ का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का दक्षिण पूर्वी भाग, ठेनकानाल का सम्पूर्ण भाग तथा केन्द्रापारा, नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस प्रकार का क्षेत्र कालाहान्डी का दक्षिण पश्चिमी भाग खुरदा का सम्पूर्ण भाग तथा कटक का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

अति निम्न विचलन क्षेत्र

चित्र 9.1 (C) के द्वारा विदित होता है कि दक्षिण मध्य भाग रायगढ़-फुलवानी तथा गुहमुसर निर्वाचन क्षेत्र है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च विचलन क्षेत्र

चित्र 9.1 (d) के द्वारा इस प्रकार का क्षेत्र उड़ीसा राज्य के मयूर भंज निर्वाचन के अन्तर्गत है। यहाँ अति उच्च विचलन पाया गया है।

उच्च विचलन क्षेत्र

उड़ीसा के उत्तरी पूर्वी भाग तथा दक्षिण पश्चिम भाग वालासोर कासम्पूर्ण भाग, कैंउझर का उत्तर पश्चिमी भाग कालाहान्डी का उत्तर पश्चिमी भाग, वारगढ़ का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मध्यवर्ती भाग में इस प्रकार का क्षेत्र स्थित है। बारगढ़ का उत्तरी भाग सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग खुरदा, गुहमूसर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल, जाजपुर केन्द्रा-पारा, कटक तथा पूरी का लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न विचलन का क्षेत्र

चित्र 9.1 (d) के द्वारा उड़ीसा राज्य के निम्न विचलन का क्षेत्र दर्शाया गया है। उत्तर पश्चिमी भाग, दक्षिणी पूर्वी भाग में यह क्षेत्र पाया जाता है। सुन्दगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्णभाग तथा नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी का पश्चिमी भाग तथा गुहमुसर का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

अति निम्न विचलन क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति निम्न विचलन क्षेत्र का विस्तार उत्तरी भाग तथा दक्षिणी पूर्वी भाग में स्थित है। रायगढ़ फुलवानी का सम्पूर्ण भाग तथा मयूरभंज का उत्तरी भाग आता है।

संयुक्त घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.1 (e) के द्वारा दर्शाया गया है कि उड़ीसा राज्य में अति उच्च विचलन का क्षेत्र मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

उच्च विचलन क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च विचलन का क्षेत्र दक्षिण पश्चिमी भाग तथा उत्तरी पूर्वी भाग में कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र का उत्तर मध्यवर्ती भाग ढेनकानाल वेस्ट कटक, उत्तरी भाग, बालासोर तथा केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

मध्यम विचलन क्षेत्र

चित्र 9.1 (e) के द्वारा यह दिखाया गया है कि उड़ीसा राज्य के मध्यम विचलन का क्षेत्र कहा पाया जाता है। उत्तरी भाग तथा मध्यवर्ती भाग सुन्दरगढ़, सम्बलपुर, जाजपुर, केंउझर, खुरदा कटक, बारगढ, कालाहान्डा का उत्तरीतथा दक्षिणी पूर्वीभाग मुहमूसर का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न क्षेत्र का विस्तार उत्तरी भाग से लेकर दक्षिणी पूर्वी भाग में एक पट्टी की तरह फैला हुआ है। नवरंगपुर, कालाहान्डी, बोलगोर का दक्षिणी भाग में विस्तृत है।

अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न विचलन का क्षेत्र उड़ीसा के दक्षिण पूर्वी भाग तथा उत्तर पूर्वी भाग में विस्तृत है।

द्वितीय निर्वाचन वर्ष 1957

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में द्वितीय निर्वाचन वर्ष (1957) के वैध मतों को विश्लेषित किया गया है। अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न, अतिनिम्न भागों में विभाजित किया गया है। चित्र 9.2 केद्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च विचलन

उड़ीसा राज्य में अति उच्च क्षेत्र का विस्तार चित्र 9.2 (a) के द्वारा दर्शाया गया है। अति उच्च विचलन का क्षेत्र उड़ीसा के उत्तरी पूर्वी भाग में विस्तृत है। बालासोर निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा का उत्तरी मध्यवर्ती तथा पूर्वी भाग आता है। केउंझर का उत्तरी पूर्वी भाग, मयूरभंज का दक्षिणी भाग तथा बालासोर का दक्षिणी भाग, केन्द्रापरा का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम विचलन क्षेत्र का विस्तार सम्पूर्ण मध्यवर्ती तथा पूर्वी भाग में है। गंजाम, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, अंगुल का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल का दक्षिणी भाग, केन्द्रापारा का दक्षिणी भाग तथा पुरी का लगभग सम्पूर्ण भाग, भुवनेश्वर का दक्षिणी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निम्न विचलनक्षेत्र

चित्र 9.2 (a) के द्वारा दर्शाया गया है। उड़ीसा राज्य के कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग, सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग, सुन्दरगढ का सम्पूर्णभाग, कालाहान्डी का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वरका उत्तरी मध्यवर्ती भाग कटक का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल का सम्पूर्ण भाग तथा पुरी का उत्तरी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।
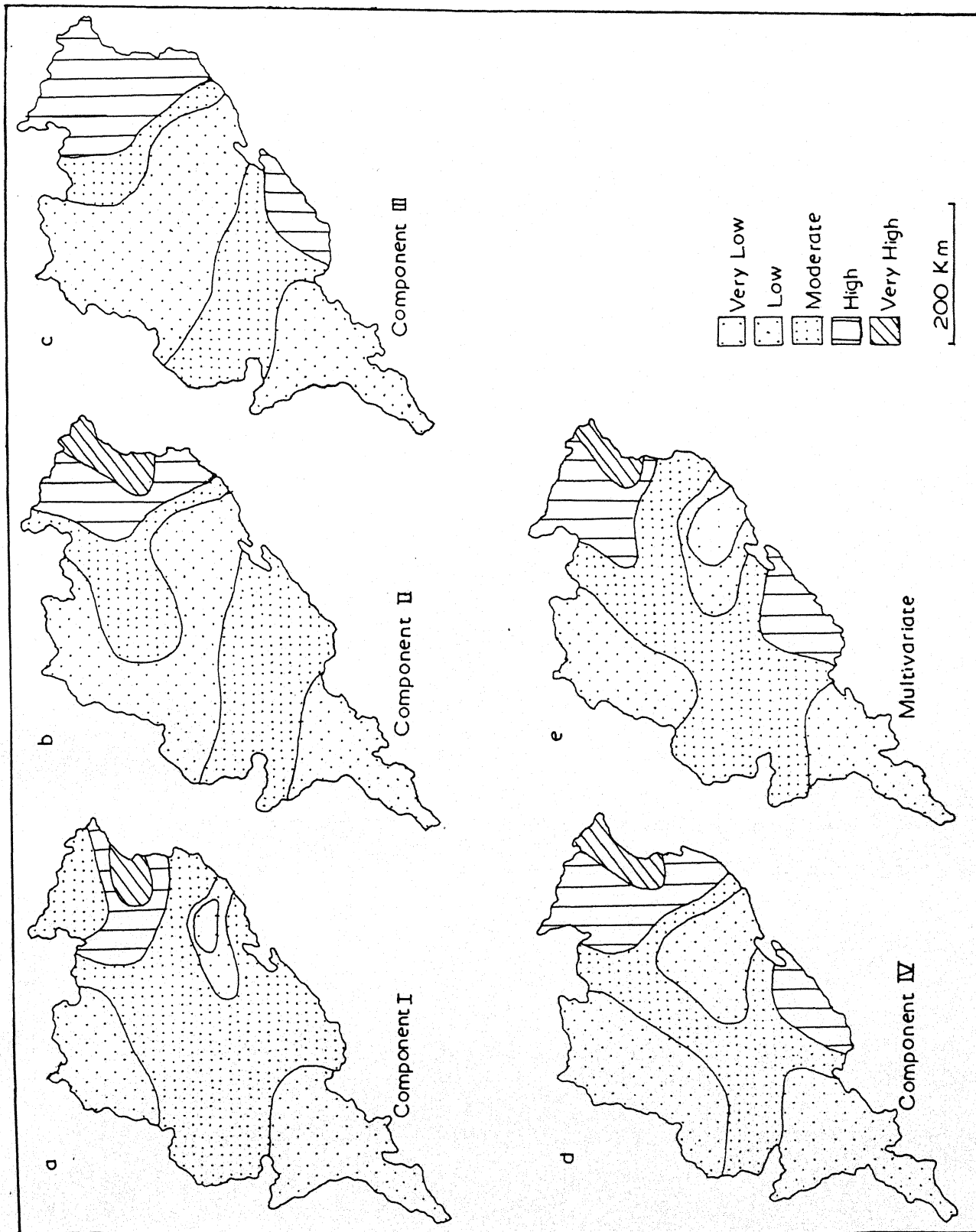
Fig. 9.2 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1957

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.2 (b) के द्वारा दर्शाया गया है कि अति उच्च विचलन का क्षेत्र बालासोर निर्वाचन क्षेत्र में इसका लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

मयूरभंज, केउंझर का उत्तरी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का उत्तरी पूर्वी भाग तथा मध्यवर्ती भाग इस क्षेत्र के अन्तर्गत पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस प्रकार का क्षेत्र मध्यवर्ती भाग में पाया जाता है। चित्र 9.2 (b) के द्वारा विदित होता है कि कालाहान्डी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग गंजाम का सम्पूर्ण भाग तथा भुवनेश्वर का दक्षिणा भाग इसके अन्तर्गत आता है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.2 (b) के द्वारा उड़ीसा राज्य में निम्न क्षेत्र स्पष्ट हो जाता है कि किन भागों में विस्तृत है। कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग को छोड़कर सम्बलपुर सुन्दरगढ़, कटक, ढेनकानल, अंगुल तथा भुवनेश्वर का दक्षिणा भाग छोड़कर कालाहान्डी का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

तृतीय घटक

उच्च विचलन क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च विचलन के क्षेत्र उत्तरी पूर्वी भाग में कैंउझर निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पूर्वी भाग, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, बालासोर का सम्पूर्ण भाग तथा केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र का दो-तिहाई भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मध्यम विचलन क्षेत्र चित्र 9.2 (C) के द्वारा दर्शाया

गया है। कालाहान्डा निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग तथा रायगढ़-फुलवानी का उत्तरी पश्चिमी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

निम्न विचलन क्षेत्र

चित्र 9.2 (c) के द्वारा विदित होता है कि उड़ीसा राज्य के दक्षिण पूर्वी भाग, उत्तर पश्चिमी भाग तथा मध्यवर्ती भाग में इसका विस्तार पाया जाता है। कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी भाग तथा दक्षिणी भाग, सम्बलपुर का लगभग सम्पूर्ण भाग सुन्दरगढ़, अंगुल, ठेनकानाल, कटक, भुवनेश्वर तथा पुरी का लगभग सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च विचलन क्षेत्र

चित्र 9.2 (d) के द्वारा यह स्पष्ट होता है कि अति उच्च विचलन का क्षेत्र उत्तरी पूर्वी भाग में पाया जाता है। बालासोर का उत्तरी पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में उच्च क्षेत्र उत्तर से पूर्व की ओर तथा दक्षिण पूर्वी भाग में विस्तृत है। मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, केउंझर का उत्तरी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का उत्तरी पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम विचलन का क्षेत्र

चित्र 9.2 (d) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग छोड़कर सम्पूर्ण भाग तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी भाग छोड़कर सम्पूर्ण भाग में यह क्षेत्र सम्मिलित है।

निम्न विचलन क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पूर्वी भाग छोड़कर सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल, अंगुल भुवनेश्वर तथा पुरी का लगभग सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.2 ﴾ e ﴿ के द्वारा यह क्षेत्र दर्शाया गया है। उड़ीसा राज्य के बालासोर निर्वाचन क्षेत्र में इसका विस्तार पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.2 ﴾e﴿ के द्वारा विदित होता है कि केउंझर का उत्तरी पूर्वी भाग, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग तथा गंजाम का लगभग सम्पूर्ण भाग इस क्षेत्र में सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में इस प्रकार का क्षेत्र दक्षिण मध्यवर्ती भाग से पूर्वी भाग तक एक पतली पट्टी के रूप में विस्तृत है। कालाहान्डी अंगुल का उत्तरी पूर्वी भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.2 ﴾ e ﴿ के द्वारा यह विदित होता है कि इसका विस्तार उत्तर पश्चिमी भाग में सम्बलपुर, उत्तर मध्यवर्ती भाग में सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 9.2 ﴾ e ﴿ के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि इसका विस्तार उत्तर पूर्वी भाग में कटक निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

तृतीय निर्वाचन (1962)

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग के तृतीय निर्वाचन वर्ष 1962 के वैध मतदान का वर्णन किया गया है। अध्ययन की सुविधा के लिए अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न क्षेत्रों में विभक्त किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति उच्च क्षेत्र चित्र 9.3(a) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। भजनगढ़, छत्रपुर का उत्तरी भाग, अंगुल का दक्षिण मध्यवर्तीभाग, भुवनेश्वर का सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल का दक्षिण भाग, जाजपुर का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के छत्रपुर का दक्षिणी भाग, भजनगढ़ का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, कटक, केन्द्रपारा बालासोर, भेड़ारक, पुरी का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 9.3 (a) के द्वारा दर्शाया गया है। उड़ीसा के भजनगढ़, नवरंगपुर कालाहान्डा, फुलवानी का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर, बोलगीर, सुन्दरगढ, केउंझर, ठेनकानाल का उत्तरी भाग, मयूरभंज तथा केन्द्रापारा का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी भाग में यह क्षेत्र पाया गया।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.3 (b) के द्वारा यह विदित होता है कि छत्रपुर, भजनगढ़ का सम्पूर्ण भाग, अंगुल का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, भुवनेश्वर का दक्षिण मध्यवर्ती भाग
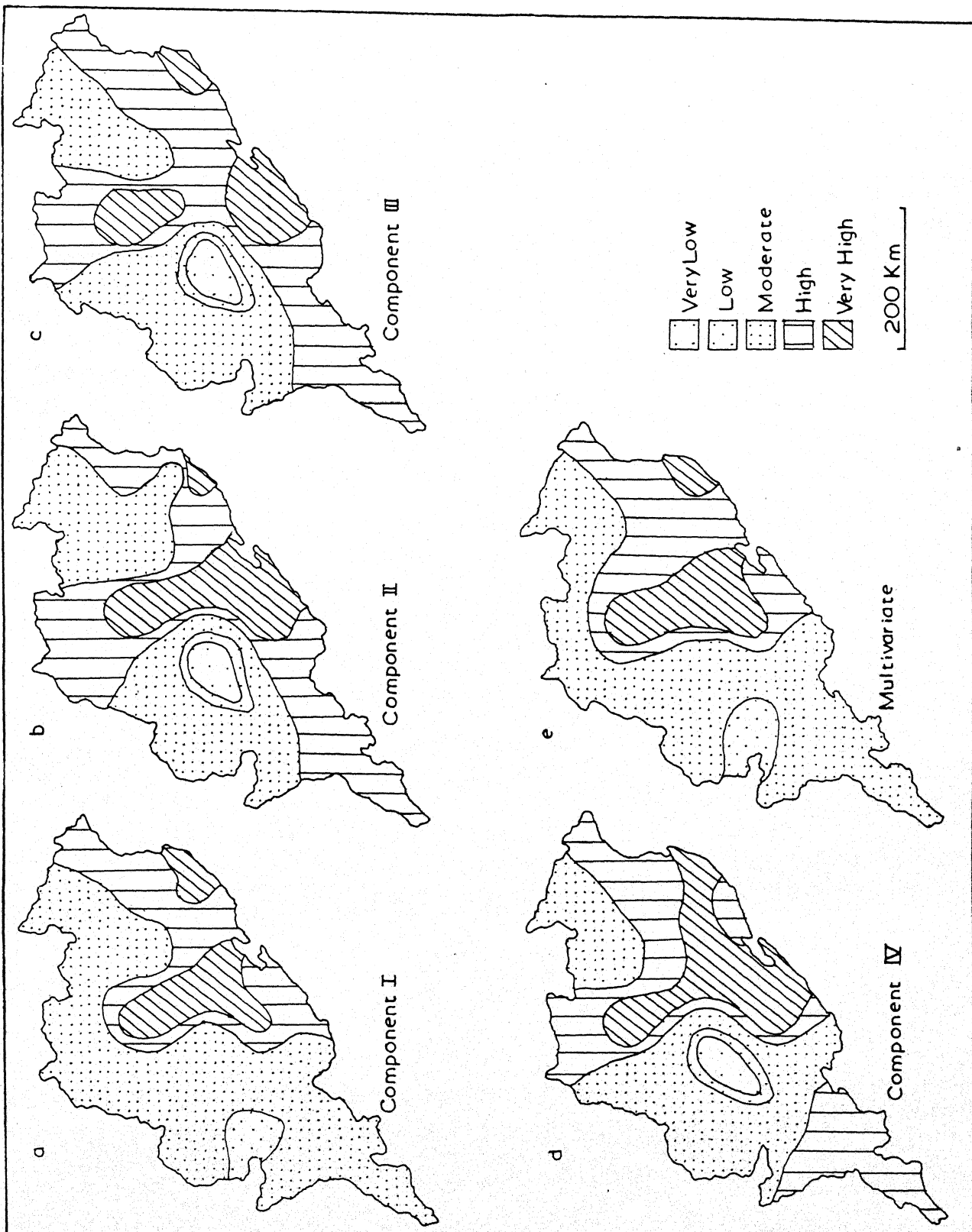
Fig. 9.3 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1962

इस क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में उच्च क्षेत्र स्थित 9.3 (b) के द्वारा दर्शाया गया है। कोरापुत, का उत्तरी भाग छोड़कर , नवरंगपुर का दक्षिणी भाग, अंगुल का उत्तरी भाग बोलगीर का उत्तरी पूर्वी भाग, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग, भेड़ारक , बालासोर, का भाग इस क्षेत्र में सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 9.3 (b) के द्वारा यह विदित होता है कि फुलबानी का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का दक्षिण मध्यवती भाग, बोलगीर का दक्षिण पश्चिमी भाग, मयूरभंज केउझर , केन्द्रापरा तथा ठेनकानाल का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित हैं।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 9.3 (b) के द्वारा यह स्पष्ट होता है कि उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.3 (C) के द्वारा दर्शाया गया है। छत्रपुर का सम्पूर्ण भाग, भजनगढ का दक्षिण पूर्वी भाग, भुवनेश्वर का दक्षिण भाग, अंगुल का मध्यवर्ती भाग तथा जाजपुर निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिण पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में उच्च क्षेत्र चित्र 9.3 (C) के द्वारा दर्शाया गया है। कोरापुत का दक्षिणी भाग, नवरंगपुर का उत्तर पश्चिमी भाग छोड़कर , बोलगीर का उत्तर पूर्वी भाग , सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, भेड़ाकर , बालासोर का उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण मध्यवर्ती भाग कटक, भुवनेश्वर तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.3 (c) के द्वारा चिह्नित होता है । फुलवानी, सम्बलपुर, केन्द्रापारा का दक्षिणी भाग केउंझर, मयूरभंज, ठेनकानाल का उत्तरी भाग सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.3(d) के द्वारा स्पष्ट हो जाता है कि छत्रपुर, भजनगढ़ का पूर्वी भाग, अंगुल, भुवनेश्वर, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, कटक, तथा जाजपुर का क्षेत्र आता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के पुरी निर्वाचन क्षेत्र, कोरापुत का सम्पूर्ण भाग तथा नवरंगपुर का दक्षिण भाग है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 9.3(d) के द्वारा अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि नवरंगपुर का उत्तरी भाग, फुलवानी का उत्तरी मध्यवर्ती भाग, सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग, बोलगीर का सम्पूर्ण भाग, केउंझर तथा मयूरभंज का लगभग सम्पूर्ण भाग आता है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 9.3(d) के द्वारा स्पष्ट हो जाता है कि कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में इसका विस्तार पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.3 (e) के द्वारा दर्शाया गया है। भजनगढ़, अंगुल, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, भुवनेश्वर, छत्रपुर का उत्तरी भाग तथा जाजपुर का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.3(ए) के द्वारा स्पष्ट हो जाता है कि छत्रपुर का दक्षिणी भाग बालासोर, भेड़ारक, कटक, ढेनकानाल का उत्तरी भाग केउंझर का दक्षिणी भाग, सुन्दरगढ का दक्षिणी भाग, अंगुल का पश्चिमी भाग एक पट्टी के रूप में सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत, नवरंगपुर, कालाहान्डी, सम्बलपुर, बोलगीर, सुन्दरगढ का उत्तरी भाग, केउंझर का उत्तरी भाग मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसाराज्य के अवलोकन करने पर मात्र फुलबानी का मध्यवर्ती भाग इसके अन्तर्गत आता है।

चतुर्थ निर्वाचन वर्ष 1967

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में चतुर्थ निर्वाचन वर्ष के वैध मतों को विश्लेषित किया गया है। अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न भागों में विभाजित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में इसका विस्तार पाया जाता है। बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भजनगढ़ का उत्तर पूर्वी भाग छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के फुलबानाका उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ, केउंझर, ढेनकानाल का मध्यवर्ती भाग तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग इस क्षेत्र में आता है।
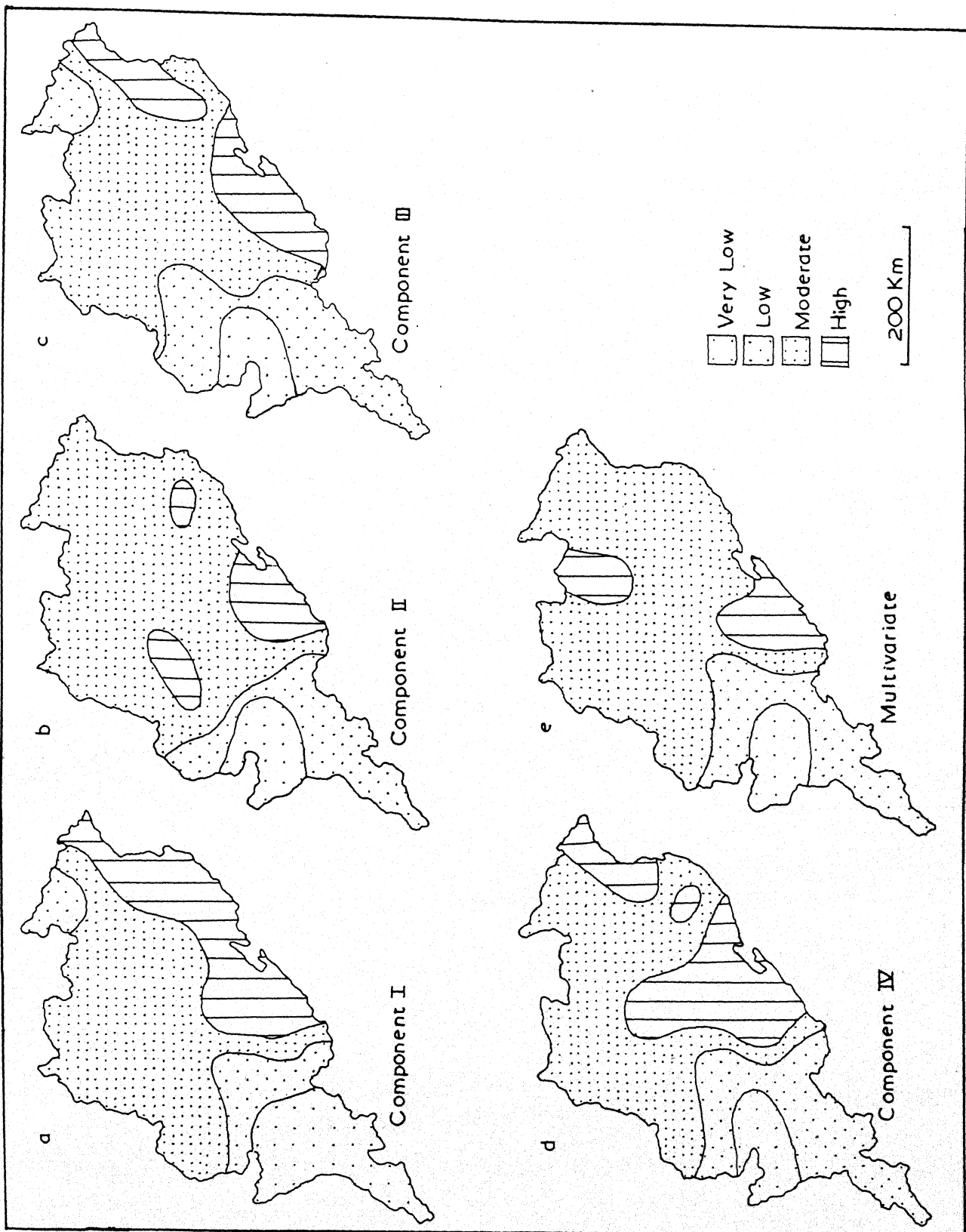
Fig. 9.4 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1967

निम्न विचलन क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के चित्र 9.4 (a) के द्वारा दर्शाया गया है। मयूरभंज का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का उत्तर पूर्वी भाग फुलवानी का दक्षिणी भाग, कोरापुरत का उत्तरी भाग तथा भजनगढ़ का दक्षिण पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के चित्र 9.4 (a) के द्वारा अति निम्न विचलन का क्षेत्र प्रदर्शित किया गया है। नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग, कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा कालाहान्डी का दक्षिणी भाग पाया गया है।

द्वितीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त मेंउच्च विचलन का क्षेत्र चित्र 9.4( ) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। पुरी का दक्षिण पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग छत्रपुर का सम्पूर्ण भाग भुवनेश्वर का दक्षिणी भाग तथा बालासोर का उत्तरी भाग बोलगीर के मध्यवर्ती भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 9.4 (b) के द्वारा यह परिलक्षित हो जाता है कि मध्यम विचलन का क्षेत्र मयूरभंज, भेड़ारक, जाजपुर, भुवनेश्वर का उत्तरी भाग, फुलवानी का लगभग सम्पूर्णभाग, सम्बलपुर, सुन्दरगढ, केउंझर का उत्तर मध्यवर्ती भाग, ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.4 (b) के द्वारा यह विदित होता है कि निम्न विचलन का क्षेत्र कोरापुत नवरंगपुर का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का लगभग सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का उत्तरी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा पुरी, भुवनेश्वर , भजनगढ़ का उत्तरी पूर्वी भाग, छत्रपुर , कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग हैं।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 9.4 (C) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा प्रान्त के कटक का उत्तरी भाग तथा दक्षिणी भाग, जाजपुर का उत्तरी पश्चिमी भाग, फुलबानी का उत्तरी पूर्वी भाग, सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग, सुन्दरगढ, केउंझर, अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.4(C) के द्वारा परिलक्षित किया गया है कि कोरापुत का दक्षिण पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, बोलगीर का लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का उत्तरी भाग तथा कालाहान्डी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.4 (d) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि बालासोर, भेड़ारक का उत्तरी पूर्वी भाग , केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, पुरी का लगभग, सम्पूर्ण भाग पुरी का लगभग सम्पूर्ण भाग , भुवनेश्वर, भजनगढ़ छत्रपुर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के फुलबानी का उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़, केउंझर, ढेनकानाल, अंगुल का उत्तरी भाग, जाजपुर, कटक तथा मयूरभंज का लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.4 (d) के द्वारा यह विदित होता है कि निम्न विचलन का क्षेत्र कोरापुत का सम्पूर्णभाग, नवरंगपुर का दाक्षिणीभाग फुलबानी का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत पाया जाता है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 9.4 (d) के द्वारा उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, बोलगीर का मध्यवर्ती भाग पाया गया है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के केउंझर का लगभग सम्पूर्णभाग, भजनगढ़, छत्रपुर, कोरापुत का पूर्वी भाग आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर का दक्षिणीभाग, भेड़ारक का दक्षिण पश्चिम भाग, जाजपुर , केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर , फुलबानी का उत्तरी भाग एक पतली पट्टी के रूप में , सम्बलपुर, सुन्दरगढ़, केउंझर , ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.4 (e) के द्वारा विदित होता है कि कोरापुत, नवरंगपुर का दाक्षिणी भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, फुलबानी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग में पाया गया है।

पंचम निर्वाचन वर्ष §1971§

पंचम निर्वाचन वर्ष के वैध मतों का विस्तृत वर्णन किया गया है। अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न भागों में विभाजित किया है। चित्र 9.5 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 §a§ के द्वारा दर्शाया गया है कि उड़ीसा राज्य के क्षेत्र का विस्तार किन-किन निर्वाचन क्षेत्रों में पाया है। भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में वृताकार रूप में छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा , कटक का पश्चिमी भाग छोड़कर , पुरी तथा केउंझर का उत्तरी पूर्वी भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत, का दक्षिण पूर्वी भाग, फुलवानी का उत्तरी पूर्वी भाग बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ, केउंझर , ठेनकानाल, अंगुल तथा भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.5 §a§ के द्वारा यह दर्शाया गया है कि उड़ीसा के कालाहान्डी का उत्तरी मध्यवर्ती भाग, फुलवानी का उत्तरी भाग को छोड़कर शेष भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 9.5 §a§ के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि अति निम्न विचन का क्षेत्र नवरंगपुर तथा कालाहान्डी का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत आता है।
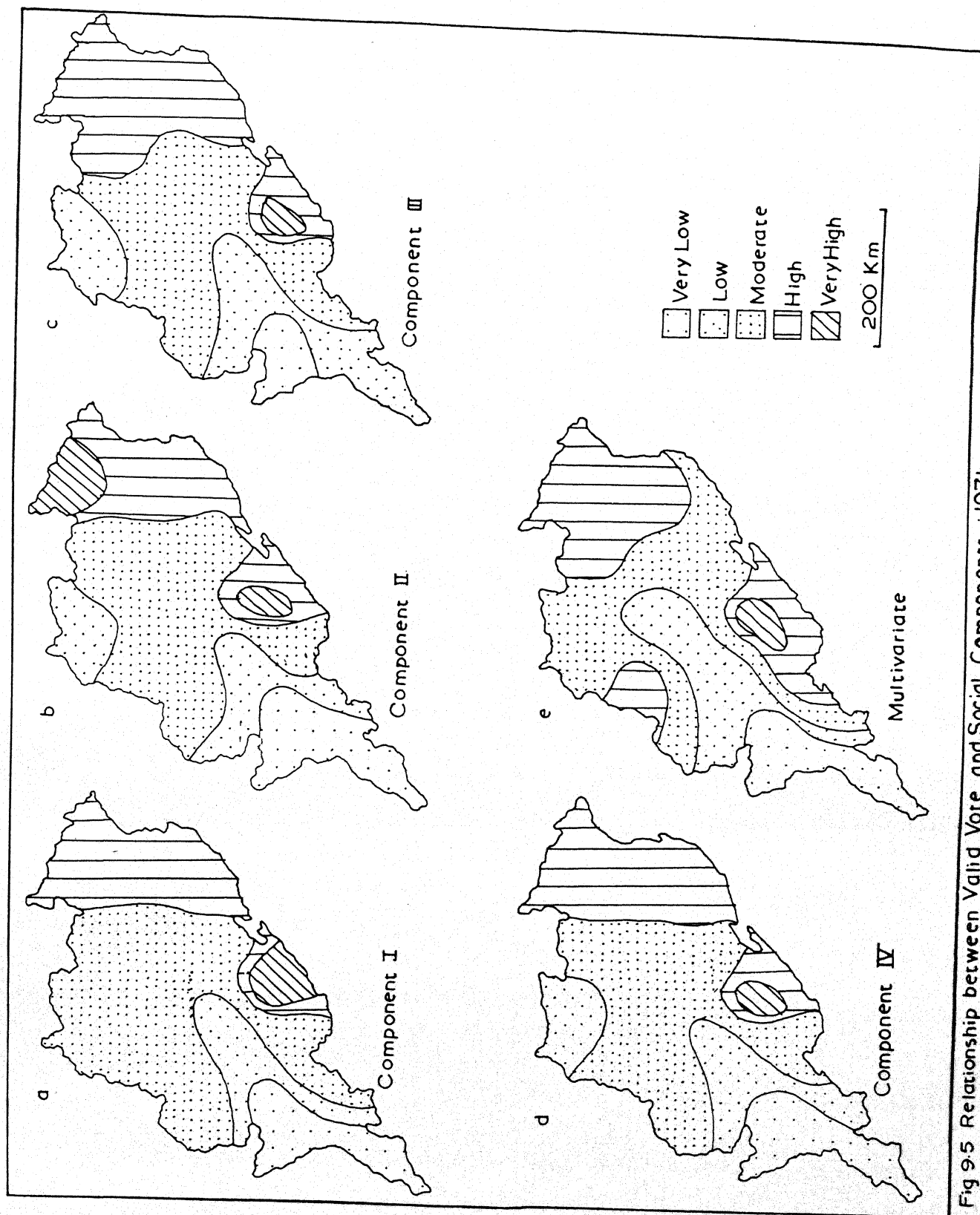
Fig 9.5 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1971

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 (ब) के द्वारा यह प्रदर्शित किया गया है कि उड़ीसा राज्य के निर्वाचन क्षेत्र में भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में एक वृत्ताकार रूप में इसका प्रयास पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक का पश्चिमी भाग छोड़कर पुरी, छत्रपुर तथा भजनगढ़ का उत्तरी भाग इस क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के भुवनेश्वर, कोरापुत, फुलबानी का उत्तरी तथा दक्षिण पूर्वी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़, केउंझर, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग पाया जाता है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.5 (ब) के द्वारा यह प्रदार्शत किया गया है कि कोरापुत का दक्षिण पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का उत्तरा भाग तथा फुलबानी निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिण पश्चिमी भाग तथा उत्तरा पश्चिमी भाग आता है।

अति निम्न क्षेत्र

नबरंगपुर, निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग, कोरापुत का पश्चिमा भाग तथा कालाहान्डी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग इसके अन्तर्गत आता है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 (C) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग एक वृत्ताकार के रूप में सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, पुरी निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग तथा छत्रपुर का भी सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी पश्चिमी, मध्यवर्ती भाग फुलवानी का उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ का दाक्षिणी पूर्वी भाग, ढेनकानाल अंगुल तथा भुवनेश्वर का सम्पूर्ण भाग है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.5 (C) के द्वारा यह स्पष्ट होता है कि नवरंगपुर का दक्षिणी भाग कोरापुत का उत्तर पश्चिमी भाग, फुलवानी का दक्षिणी भाग तथा कालाहान्डी का उत्तरी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के चित्र 9.5 (C) के द्वारा इस प्रकार के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहांडी का पश्चिम मध्यवर्ती भाग है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में एक वृत्ताकार के रूप में इसका प्रसार है।

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 (d) के द्वारा उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर का दक्षिणी भाग, छत्रपुर तथा भजनगढ़ का उत्तर पश्चिमी भाग प्रदर्शित किया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत का दक्षिणी उत्तरी पूर्वी भाग, फुलवानी का उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, केउंझर , ढेनकानाल, अंगुल तथा भुवनेश्वरका उत्तरी दक्षिणी मध्यवर्ती भाग पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का दक्षिण पाश्चमी तथा उत्तरी पूर्वी भाग, फुलवानी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग है।

अति निम्न क्षेत्र

इस प्रकार के क्षेत्र उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर निर्वाचिन क्षेत्र तथा कालाहान्डी का दक्षिणी भाग में पाया जाता है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 ﴾e﴿ के द्वारा यह प्रदर्शित किया गया है कि उड़ीसा राज्य के भजनगढ़ निर्वाचिन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग एक वृत्ताकार के रूप में अतिउच्च पाया जाता है।

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.5 ﴾e﴿ के द्वारा यह विदित होता है कि मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रपारा, कटक का उत्तरी भाग केउंझर का लगभग सम्पूर्ण भाग, छत्रपुर तथा कोरापुत का दक्षिणी भाग पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कटक का उत्तरी भाग छोड़कर पुरी, भुवनेश्वर, ढेनकानाल अंगुल काउत्तरी भाग तथा सुन्दरगढ़ का सम्पूर्ण भाग है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.5 ﴾e﴿ के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा राज्य के अंगुल निर्वाचिन क्षेत्र का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का दो तिहाई भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत तथा कालाहान्डी का पश्चिमी भाग पाया गया है।

षष्ठम निर्वाचन वर्ष 1977

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में षष्ठम निर्वाचन वर्ष के वैध मतों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 9.6 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.6 (a) के द्वारा यह प्रदर्शित किया गया है कि उड़ीसा राज्य के पुरी निर्वाचन क्षेत्र का उत्तरी भाग छोड़कर शेष भागों पर यह क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम निर्वाचन क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर पुरी का उत्तरी भाग, भुवनेश्वर, असका, बरहामपुर, कोरापुत, उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलबानी, बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, ठेनकानाल, सुन्दरगढ तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्रों में इसका विस्तार पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के कोरापुत, नवरंगपुर, निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग इस क्षेत्र में सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न क्षेत्र को चित्र 9.6 (a) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। चित्र से यह स्पष्ट हो जाता है कि नबरंगपुर तथा कोरापुत का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।
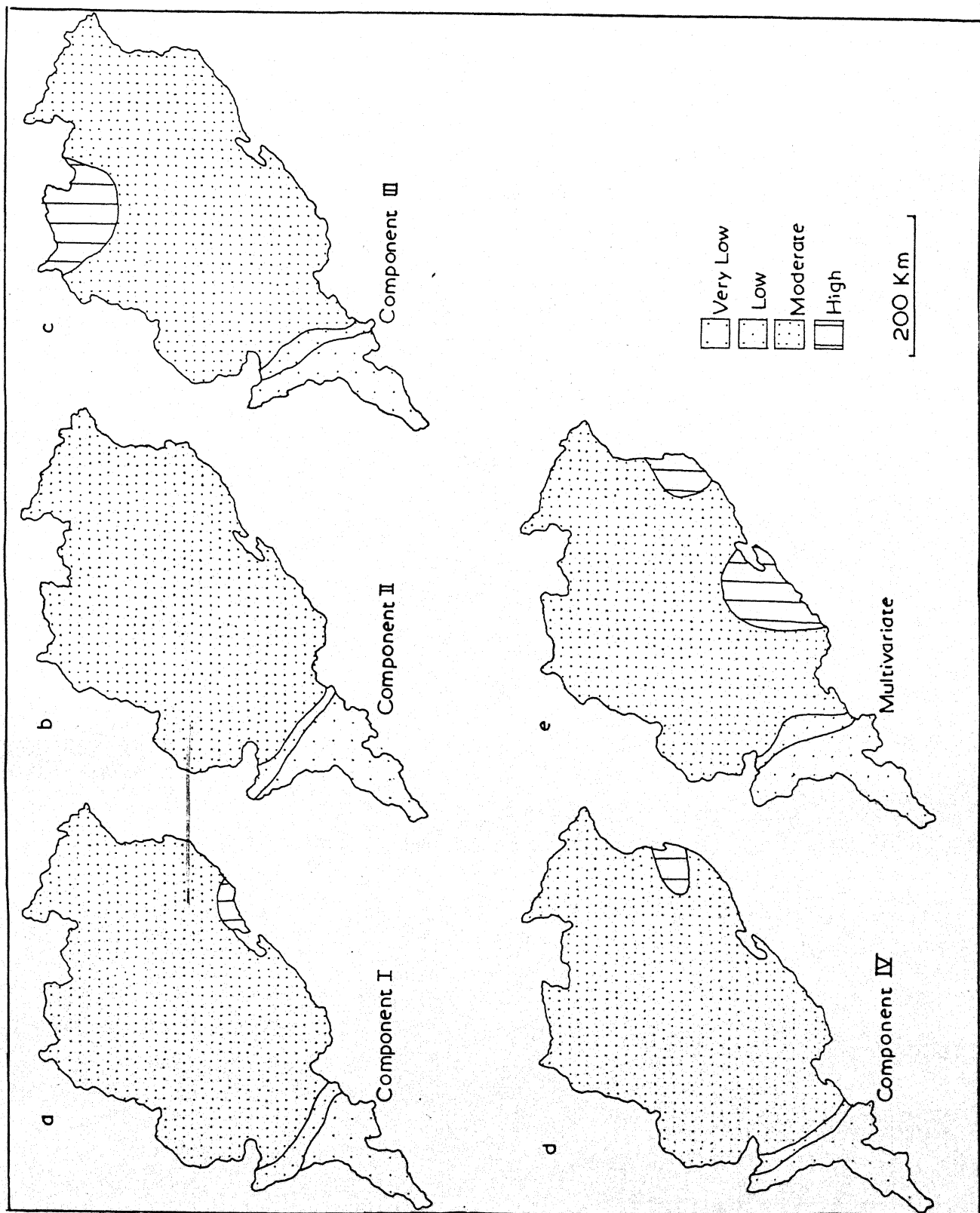
Fig. 9.6 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1977

द्वितीय घटक

मध्यम क्षेत्र

इस प्रकार के क्षेत्र का विस्तार चित्र 9.6 (b) के द्वारा प्रदर्शित होता है कि मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर, असका, वरहामपुर, कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलवानी, वोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़, सुन्दरगढ़, ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्रों में पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.6 (b) के द्वारा स्पष्ट हो जाता है कि कोरापुत तथा नवरंगपुर के मध्यवर्ती भाग में पूरब से पश्चिम की तरफ एक पतली पट्टी के रूप में गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में कोरापुत तथा नवरंगपुर क्षेत्रों का दक्षिणी भाग सम्मिलित है।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

चित्र 9.6 (C) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है कि उच्च क्षेत्र, सुन्दरगढ तथा ठनेकानाल का उत्तरी भाग में उच्चक्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर, भुवनेश्वर, वरहामपुर, कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग, कालाहान्डी, फुलवानी, वोलगीर, सम्बलपुर देवगढ़, ठेनकानाल का पश्चिमी भाग तथा केउंझर का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के चित्र 9.6 (C) के द्वारा यह दर्शाया गया है कि कोरापुत तथा नवरंगपुर के मध्यवर्ती भाग में पूरब से पश्चिमी की ओर एक पट्टी के रूप में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

उच्च क्षेत्र

चित्र9.6 (d) के द्वारा यह विदित होता है कि उच्च क्षेत्र केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र के सम्पूर्ण भाग में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर, असका, वरहामपुर, कोरापुत, का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, वोलगीर सम्बलपुर, देवगढ़, ठेनकानाल, सुन्दरगढ तथा केउंझर का भाग पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत तथा नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्रों का पूर्वी भाग तथा पश्चिमी भाग में एक पतली पट्टी के रूप में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत तथा नवरंगपुर का दक्षिणी मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में उच्च विचलन का विस्तार, असका तथा बरहामपुर के उत्तरी पूर्वी, पश्चिमी पूर्वी भाग में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, कटक, जगतसिंहपुर का दक्षिण पश्चिमी भाग, भुवनेश्वर, असका का उत्तरी भाग, वरहामपुर का उत्तरी पश्चिमी

भाग कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, फुलवानी, वोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ, ठेनकानाल, सुन्दरगढ़ तथा केउंझर में इसका विस्तार पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न विचलन कोरापुत तथा कालाहान्डी के उत्तरी भाग में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति निम्न विचलन का क्षेत्र कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

सप्तम निर्वाचन वर्ष 1980

सप्तम निर्वाचन वर्ष के वैध मतों का विवरण इस अनुभाग में विश्लेषित किया गया है। चित्र 9.7 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर, पुरी, भुवनेश्वर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल का दक्षिण पूर्वी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, फुलवानी का उत्तरी भाग एक पट्टी के रूप में सम्बलपुर का उत्तरी भाग, देवगढ का दक्षिण पश्चिमी भाग, ठेनकानाल का दक्षिण पश्चिम भाग, सुन्दरगढ़ का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मयूरभंज, केउंझर, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, फुलवानी का दक्षिण पश्चिमी भाग तथा मध्यवर्ती भाग, वोलगीर का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत आता है।
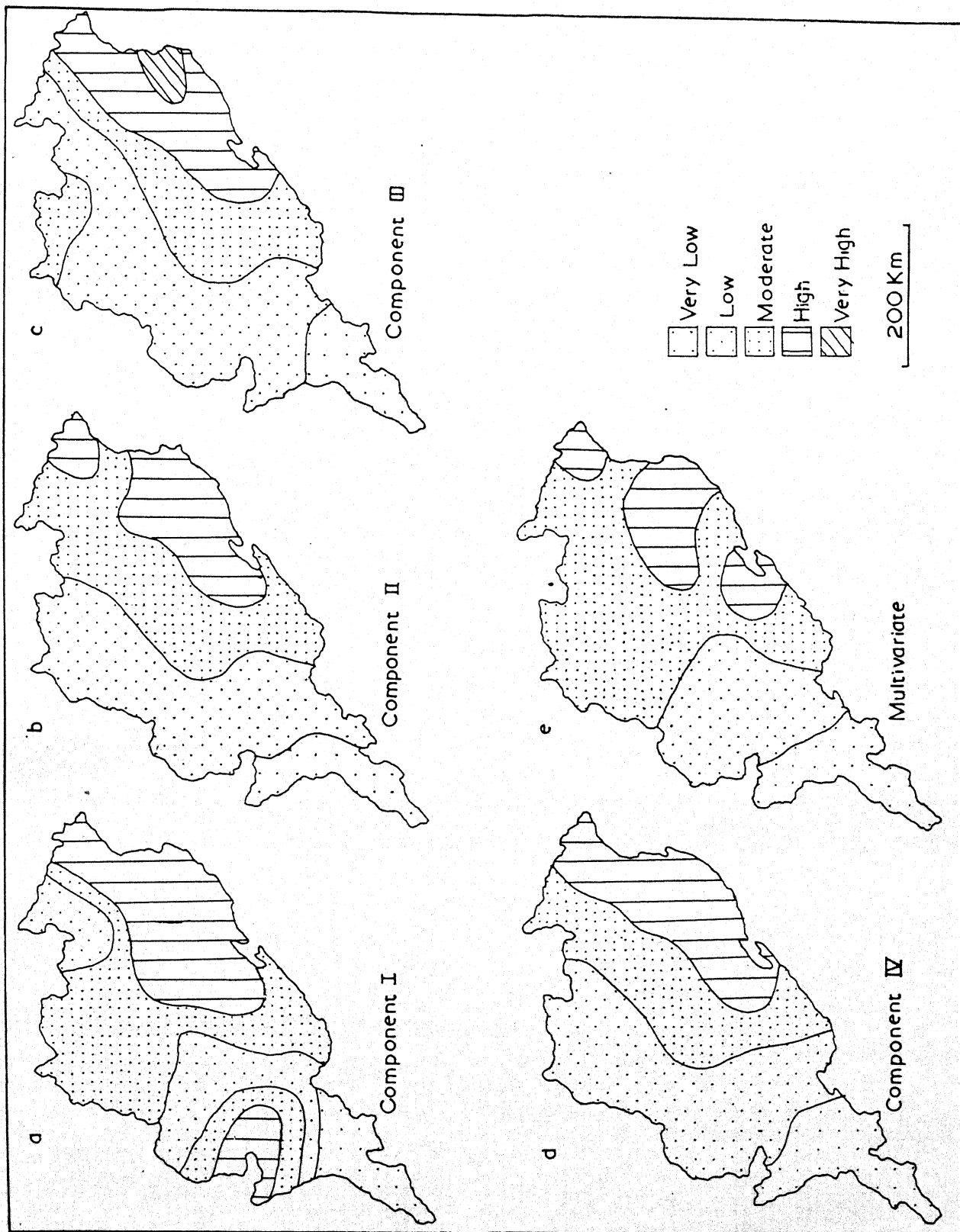
Fig. 9·7 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1980

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत, का दक्षिणी भाग तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग तथा मध्यवर्ती भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

द्वितीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च विचलन का क्षेत्र बालासोर, भेड्रारक , जाजपुर, केन्द्रापारा, जगतसिंहपुर, कटक, पुरी , भुवनेश्वर का उत्तरी भाग इस क्षेत्र में सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

बरहामपुर, फुलवानी का उत्तरी तथा दक्षिणी मध्यवर्ती भाग, ठेनकानाल का उत्तरी पश्चिमी भाग, देवगढ़ का पूर्वी भाग तथा केंउझर का सम्पूर्ण भाग इस क्षेत्र में पाया जाता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलवानी का उत्तरी पश्चिमी भाग, बोलगीर , सम्बलपुर , देवगढ तथा सुन्दरगढ़ का सम्पूर्ण भाग इस क्षेत्र में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का पश्चिमी भाग तथा सम्पूर्ण नवरंगपुर का भाग इसमें सम्मिलित है।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, भेड्रारक, जाजपुर, कटक का दक्षिणी भाग, जगतसिंहपुर, पुरी भुवनेश्वर का पूर्वी भाग तथा असका का उत्तरी पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर, फुलबानी का उत्तरी पूर्वी भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग केंउझर का पूर्वी भाग, मयूरभंज का पूर्वी भाग में यह क्षेत्र सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न विचलन का क्षेत्र कोरापुत, नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलबानी का पश्चिमी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ तथा केउंझर का पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

नवरंगुपर निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण दक्षिणी भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

उच्चक्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज का उत्तरी पूर्वी भाग, बालासोर, भेड्रारक, जाजपुर, केन्द्रापारा, जगतसिंहपुर, कटक, पुरी, भुवनेश्वर तथा असका का उत्तरी पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बरहामपुर, फुलबानी का दक्षिणी पूर्वी भाग, ठेनकानाल तथा देवगढ़ का पूर्वी भाग तथा केउंझर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में निम्न विचलन का क्षेत्र कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी फुलबानी का उत्तरी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़ का पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ का भाग पाया जाता है।

अति निम्न क्षेत्र

कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा नवरंगुपुर का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत

आता है। यहाँ का विचलन अति निम्न पाया जाता है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर, जाजपुर, केन्द्रापारा, ठेनकानाल का पूर्वी भाग, कटक तथा जगतसिंह पुर का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के बरहामपुर, उसका का उत्तरी भाग, फुलवानी का पूर्वी भाग बोलगीर का उत्तरी भाग, सम्बलपुर, देवगढ़ , ठेनकानाल का पूर्वी भाग, सुन्दरगढ , केउंझर का सम्पूर्ण भाग तथा मयूरभंज का उत्तरी पश्चिमी भाग में यह क्षेत्र है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग कालाहान्डी , फुलवानी का दक्षिणी भाग, बोलगीर का दक्षिणी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा राज्य के कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

अष्ठम निर्वान वर्ष 1984

अष्टम निर्वाचन वर्ष के वैध मतों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 9.8 के द्वारा यह प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, ठेनकानाल का पूर्वी भाग, केन्द्रापारा कटक तथा जगतसिंह पुर का उत्तरी पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।
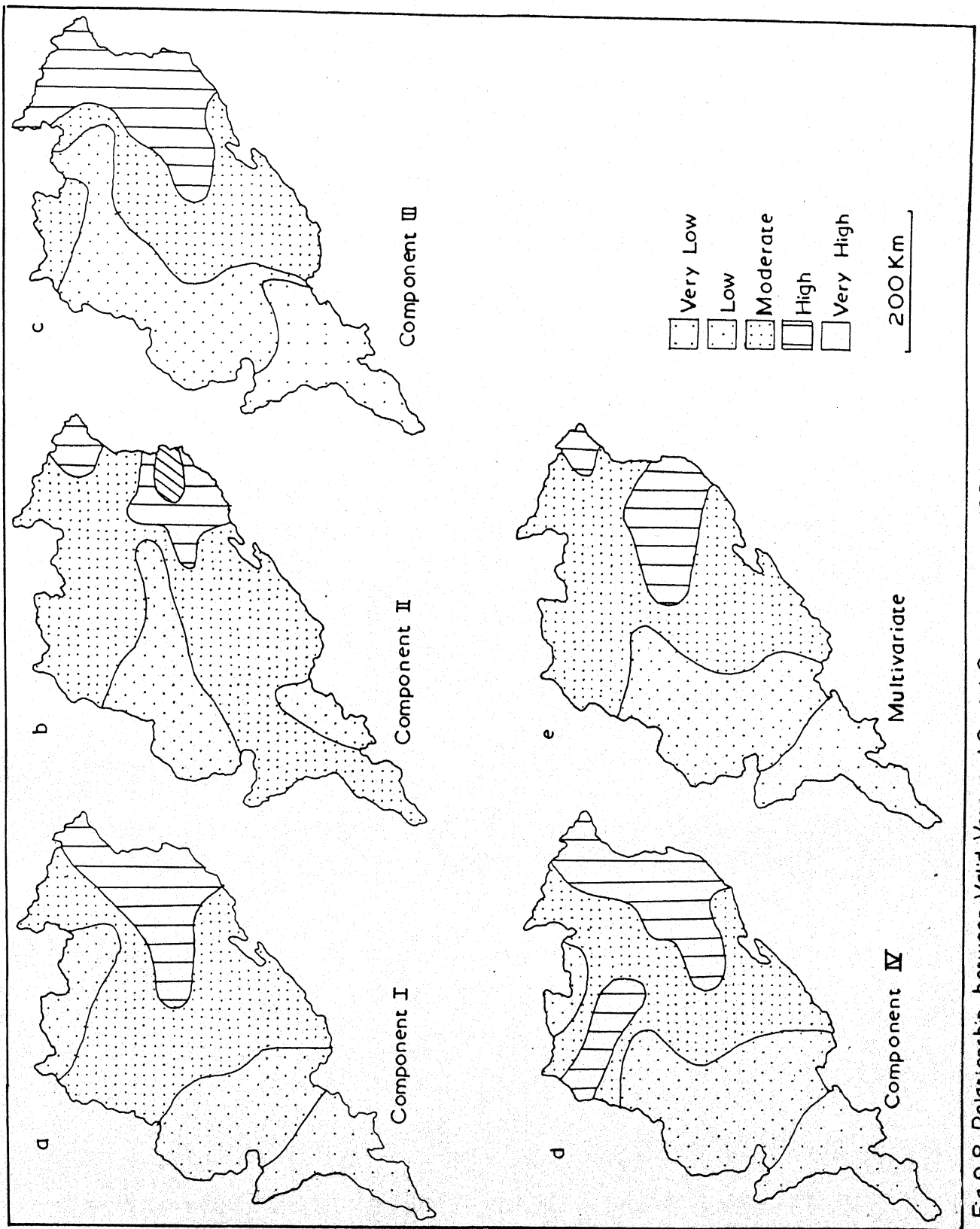
Fig. 9.8 Relationship between Valid Vote and Social Components : 1984

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बरहामपुर, असका, पुरी, भुवनेश्वर, फुलवानी, बोलगीर का उत्तरी पूर्वी भाग, सम्बलपुर, देवगढ़ , केउंझर का दक्षिणी पूर्वी भाग तथा मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग में पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का सम्पूर्णभाग, बोलंगीर का दक्षिणी भाग तथा सम्बलपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा नबरंगपुर का सम्पूर्ण भाग इस क्षेत्र में आता है।

द्वितीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर, जाजपुर का उत्तरी पूर्वी भाग, कटक, जगतसिंहपुर तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के मयूरभंज, भेड़ारक, जाजपुर का पश्चिमी भाग, केउंझर, देवगढ, सुन्दरगढ , फुलवानी का दक्षिणी भाग, असका, बरहामपुर, कालाहान्डी, का दक्षिणी भाग तथा कोरापुत का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत का पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का पश्चिमी भाग, बोलगीर, सम्बलपुर, फुलबानी का उत्तरी भाग, ठेनकानाल का सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत है।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, ठेनकानाल का उत्तरी भाग, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंहपुर तथा भुवनेश्वर का उत्तरी पूर्वी भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के वरहामपुर, असका, फुलवानी का उत्तरी पूर्वी भाग, ठेनकानाल का उत्तरी पश्चिमी भाग, केउंझर का उत्तरी भाग तथा सुन्दरगढ़ का भाग इस क्षेत्र में आता है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 9.8 (C) के द्वारा यह विदित होता है कि कालाहान्डी, फुलवानी का दक्षिणी पश्चिमी भाग, वोलगीर, सम्बलपुर, देवगढ़ का उत्तरी पश्चिमी भाग तथा केउंझर का लगभग आधे से अधिक का भाग इसमें सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत, नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज का उत्तरी पूर्वी भाग, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का उत्तरी मध्यवर्ती तथा दक्षिणी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा, कटक, जगतसिंह पुर, भुवनेश्वर का उत्तरी पूर्वी भाग, देवगढ़ का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी पश्चिमी भाग, केउंझर, देवगढ़ का पूर्वी भाग, ठेनकानाल, फुलवानी का उत्तरी पूर्वी भाग, असका, पुरी, बरहामपुर का भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलबानी का पश्चिमी भाग, बोलगीर सम्बलपुर का दक्षिणी पश्चिमी भाग तथा सुन्दरगढ़ का भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का पश्चिमी भाग तथा सम्पूर्ण नवरंगपुर का भाग इसमें सम्मिलित है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के बालासोर का सम्पूर्णभाग, जाजपुर , देवगढ तथा ठेनकानाल का पूर्वी भाग, केन्द्रापारा , कटक, तथा जगतसिंह पुर का उत्तरी पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, सुन्दरगढ़, केउंझर, देवगढ़, ठेनकानाल का पश्चिमी भाग, फुलबानी का पूर्वी भाग, असका, पुरी, भुवनेश्वरतथा बरहामपुर का भाग इसके अन्तर्गत आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का सम्पूर्ण भाग, बालासोर , फुलबानी का दक्षिणी पश्चिमी भाग तथा सम्बलपुर का भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्यके कोरापुत का दक्षिणी भाग तथा नवरंगुपर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

अध्याय 10

कांग्रेस समर्थन एवं सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध

प्रस्तुत अध्याय में कांग्रेस समर्थन एवं उड़ीसा राज्य की सामाजिक संरचना के मध्य सम्बन्धों की व्याख्या की गयी है। इस उद्देश्य के लिए द्विचरीय एवं बहुचरीय तकनीक का प्रयोग किया गया है। प्रत्येक वर्ष के कांग्रेस समर्थन का उसी वर्ष के सामाजिक घटकों से पृथक -पृथक सम्बन्धों का अलग-अलग अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इस अध्याय को दो भागों में बांटा गया है। प्रथम अनुभाग 10.1 में कांग्रेस समर्थन तथा सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्धों का गणीतीय विवेचन किया गया है। द्वितीय अनुभाग 10.2 में क्रमशः प्रथम घटक, द्वितीय घटक, तृतीय घटक, चतुर्थ घटक तथा संयुक्त रूप से चारों घटकों का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है।

10.1 समाश्रयण प्रतिमान

कांग्रेस समर्थन एवं सामाजिक घटकों (प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा संयुक्त) के साथ सम्बन्धों का विश्लेषण किया गया है जिसके फलस्वरूप सम्बन्धों की प्रकृति, उनकी मात्रा, सह:सम्बन्ध , मानक त्रुटि आदि का विस्तृत वर्णन नीचे प्रस्तुत किया जा रहा है-

10.1.1 सम्बन्धों की प्रकृति

उड़ीसा प्रान्त में सम्पन्न हुए विभिन्न लोकसभा निर्वाचनों के लिए अलग-अलग समाश्रयण प्रतिमान की संगणना की गयी है। उनका विवरण तालिका 10.1 में किया गया है।

तालिका 10.1 का सिंहावलोकन करने से निम्नलिखित तथ्य प्रकट होते हैं-

तालिका 10.1

सम्बन्धों की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	41.64+3.84x	39.95+1.18x	42.22+5.63x	38.59+4.95x	$35.52+8.70x_1+13.94x_2+5.28x_3+10.27x_4$
1957	37.29+1.33x	37.56+-0.96x	38.73+4.39x	37.70+-4.96x	$39.21+-0.24x_1+-1.62x_2+4.40x_3+-4.73x_4$
1962	50.48+-5.39x	49.14+0.57x	48.56+-3.87x	50.62+5.91x	$50.41+-6.18x_1+-0.55x_2+-10.16x_3+7.83x_4$
1967	33.69+0.96x	33.51+1.13x	33.50+-4.59x	33.91+2.51x	$33.44+0.98x_1+0.98x_2+-4.37x_3+1.72x_4$
1971	35.96+0.08x	35.83+-5.75x	36.09+-0.88x	36.02+0.10x	$35.18+0.05x_1+-6.10x_2+-0.00x_3+-1.35x_4$
1977	42.16+-0.50x	42.19+-0.46x	42.16+-0.13x	42.36+-2.39x	$42.39+-0.50x_1+-0.56x_2+-0.10x_3+-2.41x_4$
1980	56.66+-0.74x	56.63+061x	56.65+-1.14x	56.63+-1.14x	$56.63+0.49x_1+0.64x_2+-1.14x_3+.52x_4$
1984	59.11+-3.55x	58.71+-0.03x	58.58+1.88	58.75+-0.44x	$59.04+-3.65x_1+-0.09x_2+1.80x_3+-0.58x_4$

1- प्रथम घटक के साथ कांग्रेस समर्थन का सम्बन्ध 1952, 1967 एवं 1971 धनात्मक माना गया है। वर्ष 1957, 1962, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

2- द्वितीय घटक के साथ कांग्रेस समर्थन का सम्बन्ध 1952, 1962 एवं 1967 में धनात्मक तथा 1957, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

3- तृतीय घटक के साथ कांग्रेस समर्थन का सम्बन्ध वर्ष 1952, 1957 एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है तथा 1962, 1967, 1971, 1977 एवं 1980 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

4- चतुर्थ घटक के साथ कांग्रेस दल का सम्बन्ध 1952, 1962, 1967 तथा 1971 में धनात्मक तथा 1957, 1977 , 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

5- संयुक्त रूप से चारों घटकों के साथ कांग्रेस समर्थन का सम्बन्ध 1952 में धनात्मक तथा 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक पाया गया है।

10.1.2 सम्बन्धों की प्रकृति

इस अनुभाग में सम्बन्धों की मात्रा का उल्लेख किया जा रहा है। प्रत्येक घटकों एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों के साथ कांग्रेस समर्थन के सम्बन्धों के मात्रा का वर्णन तालिका 10.2 में किया गया है।

तालिका 10.2 में सामाजिक घटकों तथा कांग्रेस समर्थन के सम्बन्धों की मात्रा का वर्णन मिलता है।

प्रथम घटक का कांग्रेस समर्थन से सम्बन्ध 1952, 1967 एवं 1971 में धनात्मक तथा 1957, 1962, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

द्वितीय घटक का सम्बन्ध कांग्रेस दल से सम्बन्ध वर्ष 1952, 1962, 1967 एवं 1980 में धनात्मक तथा वर्ष 1957, 1971, 1977 एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

तालिका 10.2

सम्बन्धों का मात्रा (सह:सम्बन्ध गुणांक)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.53	0.08	0.20	0.41	0.85
1957	-0.14	-0.12	0.48	-0.64	0.80
1962	-0.49	0.01	-0.14	0.40	0.75
1967	0.12	0.12	-0.56	0.29	0.62
1971	0.01	-0.50	-0.09	0.01	0.52
1977	-0.05	-0.05	-0.01	-0.26	0.27
1980	-0.11	0.09	-0.17	0.07	0.24
1984	-0.42	-0.00	0.24	-0.05	0.49

तृतीय घटक का सम्बन्ध कांग्रेस दल से वर्ष 1952, 1957 एवं 1984 में धनात्मक तथा 1962, 1967, 1971, 1977 एवं 1980 में ऋणात्मक पाया गया है।

चतुर्थ घटक का कांग्रेस दल से सम्बन्ध वर्ष 1952, 1962, 1967, 1971 एवं 1980 में धनात्मक तथा 1957, 1977 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

संयुक्त रूप से चारो घटकों के साथ कांग्रेस समर्थन के सम्बन्धों की मात्रा वर्ष 1952 में अति उच्च, वर्ष 1957 एवं 1962 में उच्च, 1967 एवं 1971 में मध्यम, 1984 में निम्न तथा 1977 एवं 1980 में अति निम्न पाया गया है।

10.1.3 व्याख्यायित प्रसरण

तालिका 10.3 में कांग्रेस समर्थन के साथ प्रथम घटक, द्वितीय घटक, तृतीय घटक चतुर्थ घटक एवं संयुक्त रूप से चारों घटको के महत्त्व का मूल्यांकन निर्धारण किया गया है।

उपरोक्त तालिका 10.3 का सिंहावलोकन करने से यह विदित होता है कि प्रथम घटक के द्वारा अधिकतम सह:सम्बन्ध स्तर 1962 में निर्वाचन वर्ष में पाया गया है। शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न अति निम्न है।

द्वितीय घटक के साथ कांग्रेस समर्थन का सह:सम्बन्ध स्तर 1971 में अति उच्च तथा शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न अति निम्न पाया गया है।

तृतीय घटक का सह:सम्बन्ध स्तर 1967 में अति उच्च तथा 1957 में उच्च शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न अति निम्न पाया गया है।

चतुर्थ घटक के साथ कांग्रेस समर्थन का सह:सम्बन्ध स्तर 1957 में अति उच्च तथा 1952 एवं 1962 में मध्यम तथा शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न, अति निम्न पाया गया है।

संयुक्त रूप से सह:सम्बन्ध स्तर वर्ष 1952 में अति उच्च, 1957 में उच्च, 1962 में मध्यम 1967, 1971 एवं 1984 में निम्न तथा 1977 एवं 1980 में अति निम्न पाया गया है।

तालिका 10.3

व्याख्यायित सम्बन्ध स्तर (निर्धारण गुणांक ×100)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	01	00	04	17	72
1957	02	01	23	41	65
1962	24	00	02	16	56
1967	01	01	31	08	38
1971	00	25	009	000	27
1977	003	002	004	060	07
1980	01	009	03	005	06
1984	18	000	06	003	24

तालिका 10.4

मानक त्रुटि ‡1952-84

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थघटक	संयुक्त
1952	11.54	12.20	11.99	11.14	9.00
1957	9.27	9.29	8.21	7.19	6.97
1962	13.77	15.98	15.71	14.50	13.26
1967	8.86	8.85	7.38	8.53	7.81
1971	10.12	8.71	10.07	10.12	10.31
1977	9.51	9.51	9.52	9.19	10.08
1980	6.80	6.82	6.74	6.83	7.31
1984	7.31	8.10	7.84	8.08	-80

10.1.4 मानकत्रुटि

आंकलन की मानक त्रुटियों के माध्यम से तालिका 10.4 घटकों एवं संयुक्त घटकों का ज्ञान होता है। मानक रूप से होने से इनकी पारस्परिक तुलना भी सम्भव है।

तालिका 10.4 के आधार पर यह स्पष्ट होता है कि वर्ष 1962 के सभी घटकों का मानक त्रुटि अधिक है, 1952 के प्रथम, द्वितीय , तृतीय , चतुर्थ घटक का मानक त्रुटि मध्यम है। शेष सभी निर्वाचन वर्षों की मानक त्रुटि न्यून है।

तालिका 10.5

Standardd Rate of Turnout Variation (Beta Weights)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक
1952	0.33	0.08	0.20	0.41
1957	-0.14	-0.12	0.48	-0.64
1962	-0.49	0.01	-0.14	0.40
1967	0.12	0.12	-0.56	0.29
1971	0.01	-0.50	-0.09	0.01
1977	-0.05	-0.05	-0.01	-0.26
1980	-0.11	0.09	-0.17	0.07
1984	-0.42	-0.08	0.24	-0.05

मतदान का प्रमाणिक वैभिन्य (वीटावेट) के संदर्भ में आंकलित किया गया है। उपर्युक्त तालिका 10.5 से यह स्पष्ट है कि यह विभिन्नता अधिक नहीं थी। सर्वाधिक वीटा वेट 0.53, 0.41, 1957 तथा 1952 क्रमश: तृतीय घटक तथा चतुर्थ घटक के सह:सम्बन्धों में दृष्टिगत होता है।

तालिका 10.6

Standard Error and Significance Rates of Variation

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक
1952	4.44	5.70	11.19	4.43
1957	3.21	2.68	2.82	2.10
1962	3.31	14.63	9.14	4.66
1967	2.04	2.34	1.74	2.11
1971	2.36	3.08	2.82	3.37
1977	2.13	2.15	2.14	2.12
1980	1.52	1.54	1.57	1.56
1984	1.87	1.84	1.83	1.87

तालिका 10.6 में प्रमाणिक त्रुटियों का अभिलेख किया गया है। प्रमाणिक त्रुटि सभी वर्षों में स्वीकार्ययोग्य रही। सर्वाधिक प्रमाणिक त्रुटि 1962 के द्वितीय घटक (14.63) तथा 1952 के तृतीय घटक (11.19) का पाया गया है।

तालिका 10.7

'F' Ratios

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.74	0.04	0.26	1.24	2.02
1957	0.17	0.12	2.41	5.56	2.35
1962	2.64	0.002	0.18	1.61	1.61
1967	0.22	0.23	6.89	1.41	1.89
1971	0.001	3.49	0.008	0.001	0.65
1977	0.05	0.04	0.004	1.27	0.29
1980	0.23	0.16	0.56	0.10	0.23
1984	3.60	0.000	1.05	0.05	1.06

तालिका 10.7 के अवलोकन से यह विदित होता है कि 1967 में सर्वाधिक अनुपात 6.89 है। 1957 में यह 5-56 तथा 1984 में 3.60 है। इसी प्रकार 1952, 1962, 1971, 1977 एवं 1980 में क्रमश: 2.02, 2.64, 3.49, 1.27 तथा 0.56 है।

तालिका 10.8

स:सम्बन्ध मैट्रिक्स

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैधमत	कांग्रेसवोट	कांग्रेसत्तरवोट
1952							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.58	1.00					
तृतीय घटक	0.10	0.04	1.00				
चतुर्थ घटक	0.16	-0.55	-0.12	1.00			
वैध मत	-0.01	-0.11	0.41	0.53	1.00		
कांग्रेस वोट	0.33	0.08	0.20	0.41	0.44	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.24	-0.34	0.36	-0.19	-0.30	-0.55	1.00
1957							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.03	1.00					
तृतीय घटक	-0.13	0.18	1.00				
चतुर्थ घटक	0.07	0.00	-0.17	1.00			
वैध मत	0.53	-0.11	0.17	0.07	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.14	-0.12	0.48	-0.64	0.17	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	-0.67	0.13	-0.05	0.16	-0.88	-0.34	1.00
1962							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.07	1.00					
तृतीय घटक	-0.14	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.03	0.13	-0.28	1.00			
वैध मतदान	-0.94	-0.15	0.10	-0.07	1.00		
कांग्रेस समर्थक	-0.49	-0.01	-0.14	0.40	0.60	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.67	0.13	-0.32	-0.31	-0.63	-0.60	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैधमत	कांग्रेसवोट	कांग्रेसत्तरवोट
1967							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.04	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.02	0.13	-0.13	1.00			
वैध मत	0.05	-0.45	0.17	0.23	1.00		
कांग्रेस समर्थक	0.12	0.12	-0.56	0.29	-0.11	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.02	0.28	-0.09	-0.55	-0.63	-0.13	1.00
1971							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.09	0.09	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.24	-0.05	1.00			
वैध मत	-0.14	-0.22	0.32	-0.02	1.00		
कांग्रेस समर्थक	0.01	-0.50	-0.09	0.01	0.55	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	-0.10	0.68	0.03	0.11	-0.65	-0.77	1.00
1977							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-1.00	-0.04	0.01	1.00			
वैध मत	-0.04	-0.01	-0.26	-0.29	1.00		
कांग्रेससमर्थक	-0.05	-0.05	-0.01	-0.26	-0.29	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.08	0.19	-0.20	-0.11	0.14	-0.82	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैधमत	कांग्रेसवोट	कांग्रेसत्तरवोट
1980							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.03	0.00	1.00			
वैध मत	0.48	0.19	-0.12	-0.19	1.00		
कांग्रेस समर्थक	-0.11	0.09	-0.17	0.07	-0.26	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.37	-0.02	-0.88	-0.03	0.35	-0.64	1.00
1984							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.01	1.00					
तृतीय घटक	-0.02	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.03	-0.04	0.00	1.00			
वैध मत	0.30	0.17	-0.29	-0.20	1.00		
कांग्रेस समर्थक	-0.42	-0.00	0.24	-0.05	-0.52	1.00	
कांग्रेसत्तरवोट	0.60	0.06	-0.47	-0.20	0.67	-0.83	1.00

तालिका 10.8 सह:सम्बन्ध मैट्रिक्स की गणना परस्पर घटकों के सन्दर्भ में की गयी। अतः चारो घटकों का पारस्परिक सह:सम्बन्ध का आंकलन स्पष्ट करता है कि कहीं धनात्मक सम्बन्धों का बाहुल्य है जबकि किन्ही घटकों के मध्य धनात्मक सह:सम्बन्ध की अधिकता है। स:सम्बन्ध अत्यन्त न्यून प्रकार का पाया गया है। अतः यह सुस्पष्ट है कि प्रत्येक घटक अनावलम्बित है। कांग्रेस वोट से उनका स:सम्बन्ध पृथक है।

10.2 कांग्रेस समर्थन एवं सामाजिक घटक

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में उड़ीसा राज्य के विभिन्न लोकसभा निर्वाचन वर्षों में कांग्रेस समर्थन का सम्बन्ध उन्हीं वर्षों के सामाजिक घटकों के साथ निर्धारित किया गया है। प्रथम घटक , द्वितीय घटक, तृतीय घटक, चतुर्थ घटक एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों का विवरण विभिन्न निर्वाचन वर्षों में प्रस्तुत किया गया है।

प्रथम निर्वाचन वर्ष 1952

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

चित्र 10.1 (a) के द्वारा विदित होता है कि उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर का दक्षिण मध्यवर्ती तथा पूर्वी भाग, बारगढ का उत्तर पश्चिम, दक्षिण पश्चिमी भाग सुन्दरगढ़ का पश्चिमी भाग, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, बालासोर का उत्तर पूर्वी तथा पाश्चिमी पूर्वी भाग, कटक तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 10.1(a) के द्वारा प्रदर्शित किया गया है कि सुन्दरगढ, नवरंगपुर जाजपुर, केउंझर , केन्द्रापारा का उत्तर मध्यवर्ती भाग, कुरदा का पश्चिमी भाग तथा मुहमुसर का उत्तर पश्चिमी भाग एक पतली पट्टी के रूप में विस्तृत है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 10.1 (a) के द्वारा यह दिखाया जाता है कि कालाहान्डी-बोलगीर सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल-वेस्ट का पश्चिमी भाग, खुरदा का उत्तर पश्चिमी भाग इस क्षेत्र में है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 10.1 (a) के द्वारा यह दर्शाया गया है कि रायगढ़-फुलबानी तथा कालाहान्डी, बोलगीर का पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।
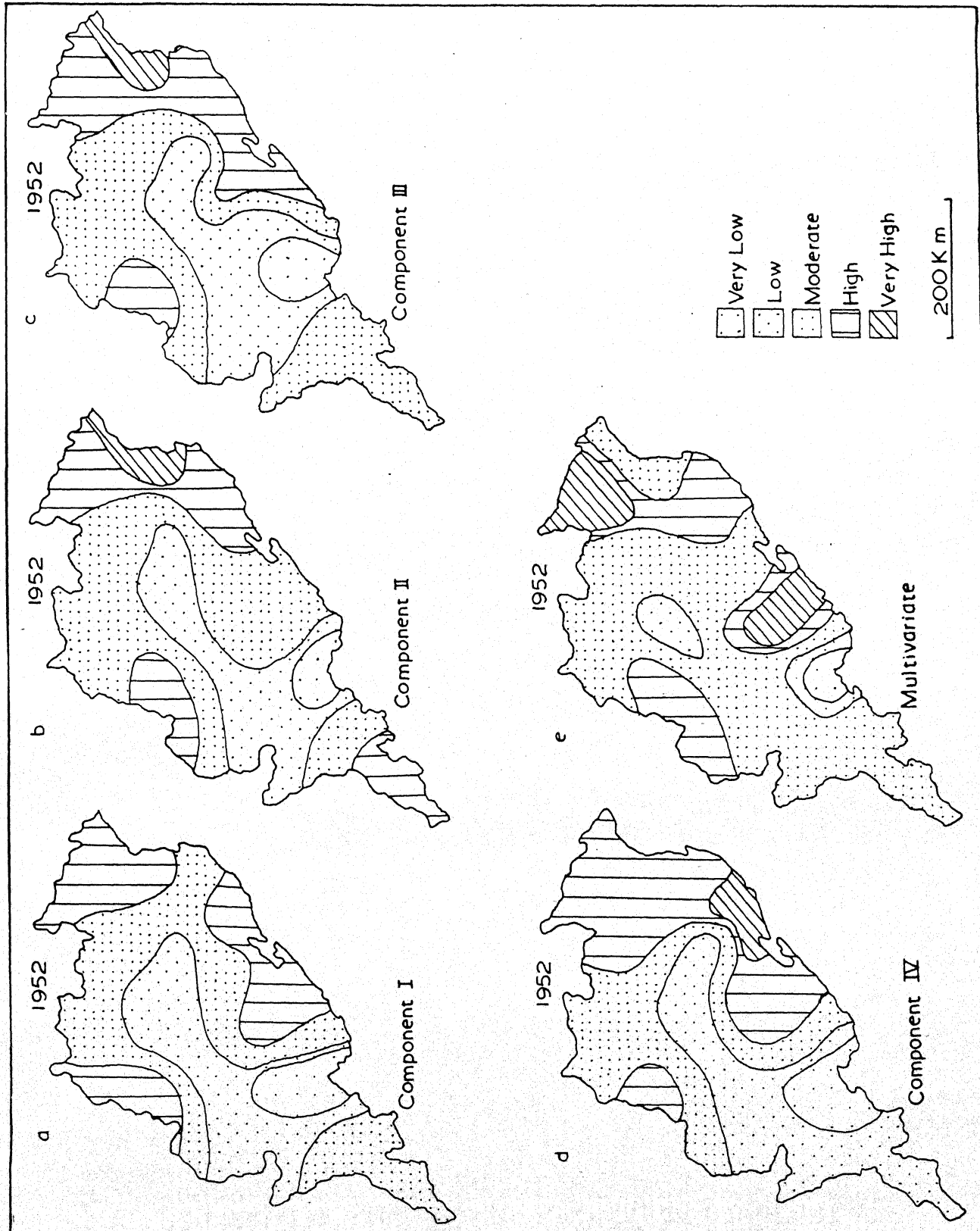
Fig. 10·1 Relationship between Congress Vote and Social Components 1952

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

चित्र 10.1 (b) के द्वारा यह स्पष्ट होता है कि उड़ीसा राज्य के वालासोर निर्वाचन क्षेत्र काउत्तर पूर्वी तथा दक्षिण पूर्वी भागों में अति उच्च क्षेत्र का विस्तार है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर का उत्तर पश्चिमी भाग, पतली पट्टी के रूप में केन्द्रापारा, कटक तथा पुरी का उत्तर पूर्वी भाग नवरंगपुर का दक्षिणी भाग, वारगढ़ का दक्षिण पश्चिमी तथा मध्यवर्ती भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के सम्बलपुर का उत्तरी भाग सुन्दरगढ का दक्षिण पूर्वी भाग, जाजपुर का सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल-वेस्ट का उत्तर पूर्वी भाग, खुरदा, गुहमुसर का भाग आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, वोलगीर का उत्तरी भाग छोड़कर गुहमुसर का उत्तरी भाग, खुरदा का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल-वेस्ट का उत्तर पश्चिमी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के मात्र रायगढ़, फुलवानी तथा कालाहान्डी-वोलगीर का दक्षिण पूर्वी भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

वालासोर का उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण पूर्वी भाग में इसका विस्तार पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, बालासोर का पश्चिमी भाग एक पट्टी के रूप में केन्द्रापारा का उत्तर पूर्वी तथा पश्चिम मध्यवर्ती भाग, कटक, पुरी तथा खुरदा का लगभग सम्पूर्ण भाग बारगढ़ का आधे से अधिक भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ का उत्तर पश्चिमी भाग सम्बलपुर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल वेस्ट का उत्तरी भाग, जाजपुर -केउंझर का सम्पूर्ण भाग तथा दक्षिण पूर्व में एक पतली पट्टी के रूप में पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, बोलगीर, नवरंगपुर का उत्तरी पश्चिमी भाग, गुहमुसर का लगभग सम्पूर्ण भाग, खुरदा का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल वेस्ट का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 10.1 (C) के द्वारा यह विदित होता है कि इसका विस्तार गुहमुसर का दक्षिणी भाग रायगढ़ फुलबानी में पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कटक तथा पुरी के उत्तर पूर्वी भागो में इस प्रकार का क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मयूरभंज, बालासोर, केन्द्रापारा, जाजपुर केउंझर, खुरदा का पश्चिमी भाग, गुहमुसर का दक्षिणी भाग गंजाम साउथ का सम्पूर्ण भाग बारगढ़ तथा सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के दक्षिण पश्चिम से लेकर मध्यवर्ती भाग तथा दक्षिण पूर्व में एक पतली पट्टी के रूप में इसका विस्तार पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी, बोलगीर, सम्बलपुर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल-वेस्ट का उत्तर पश्चिमी भाग, खुरदा का उत्तर पश्चिमी भाग गुहमुसर का उत्तर पश्चिमी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 10.1 ‌(८) के द्वारा यह विदित होता है कि कालाहान्डी बोलगीर का दक्षिण पूर्वी भाग तथा रायगढ़ फुलवानी का भाग इसके अन्तर्गत पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग, गुहमुसर का पश्चिम मध्यवर्ती भाग तथा गंजाम साउथ का लगभग सम्पूर्ण भाग इसके अन्तर्गत सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

मयूरभंज तथा बालासोर के बीच का भाग, जाजपुर, केउंझर का पश्चिमी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल वेस्ट का दक्षिणी भाग, कटक का उत्तर पूर्वी भाग कालाहान्डी, फुलवानी का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर, कालाहान्डी-बोलगीर का लगभग आधे से अधिक भाग, सुन्दरगढ़, ठेनकानाल-वेस्ट, जाजपुर केउंझर का उत्तर पश्चिमी भाग, पुरी खुरदा का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में एक वृत्ताकार रूप में इसका विस्तार पाया गया है।

अति निम्न

उड़ीसा राज्य के रायगढ़-फुलवान। निर्वाचनक्षेत्र के लगभग आधे से अधिक भाग इसमें सम्मिलित है।

द्वितीय निर्वाचन वर्ष 1957

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में द्वितीय निर्वाचन वर्ष के कांग्रेस दल का सम्बन्ध उन्ही वर्षों के सामाजिक आर्थिक घटको के साथ निर्धारित किया है। उनका वर्णन चित्र 10.2 के रूप में प्रदर्शित होती है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कटक निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग तथा भुवनेश्वर का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, गंजाम, कालाहान्डी का उत्तरी भाग छोड़कर ठेनकानाल का दक्षिणी भाग, वालासोर का पश्चिमी पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का लगभग सम्पूर्ण भाग पुरी तथा भुवनेश्वर का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

सुन्दरगढ़ का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का दक्षिणी भाग, अंगुल का पश्चिमी भाग ठेनकानाल काउत्तरी भाग, वालासोर का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।
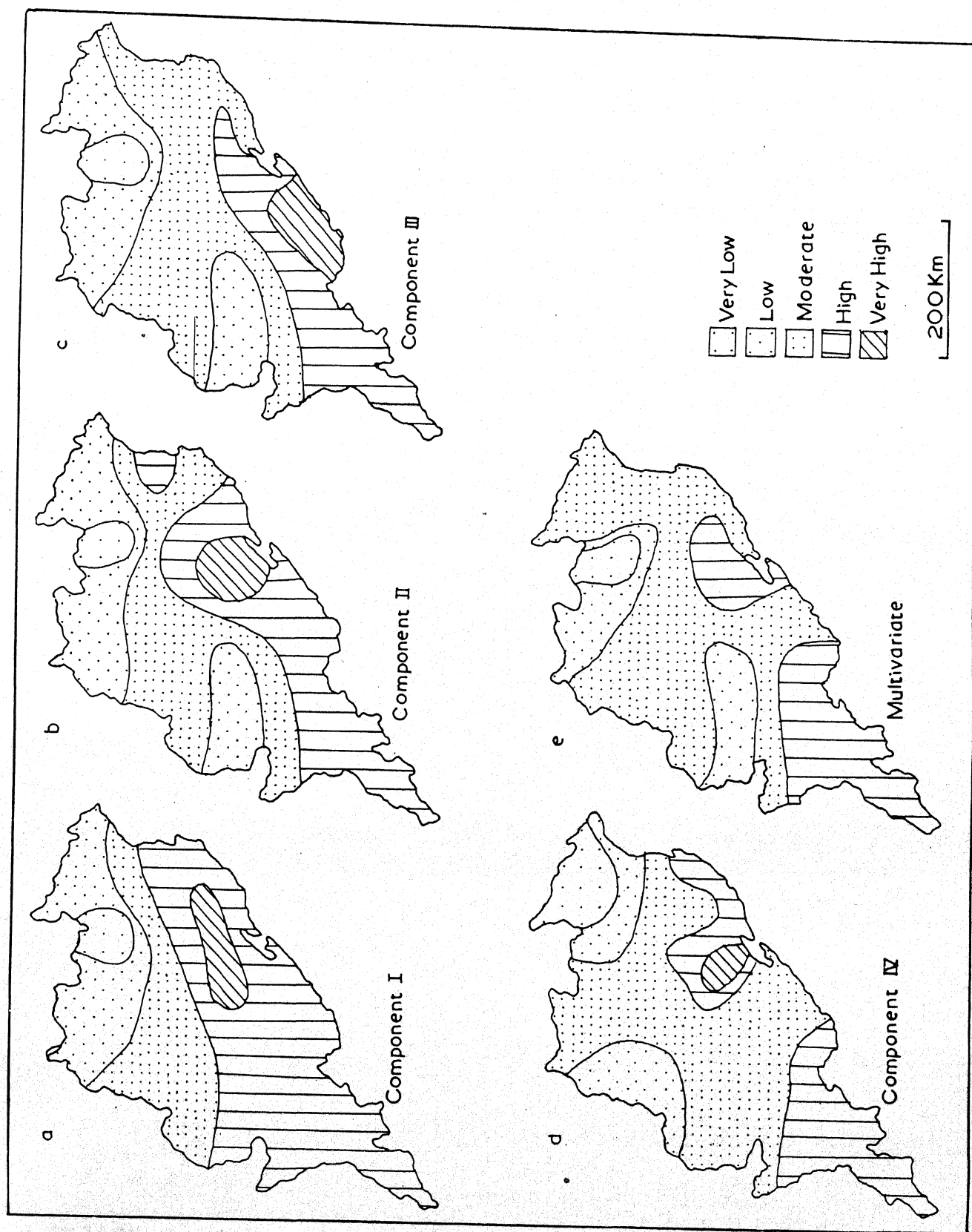
Fig. 10.2 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1957

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के सुन्दरगढ, केउंझर का दक्षिणी भाग, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर का मध्यवर्ती भाग, उत्तरी भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त में भुवनेश्वर निर्वाचन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में वृत्ताकार रूप में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत , गंजाम , कटक, वालासोर, ठेनकानाल का पश्चिमी भाग तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत तथा कालाहान्डी के बीच का भाग तथा कालाहान्डी का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का लगभग आधे से अधिक भाग, अंगुल का पश्चिमी भाग, कटक का उत्तरी भाग, केन्द्रापारा का उत्तर पूर्वी भाग तथा वालासोर का दक्षिणी भाग इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के वालासोर का उत्तरी भाग, सुन्दरगढ़ का सम्पूर्ण भाग, केउंझरका पश्चिमी भाग, मयूरभंज का सम्पूर्ण भाग तथा वालासोर का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती तथा उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के गंजाम निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग तथा कोरापुत का दक्षिणा पूर्वी भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

कोरापुत का दक्षिण मध्यवर्ती तथा उत्तरी भाग, भुवनेश्वर का दक्षिण मध्यवती भाग तथा कटक का दक्षिण पूर्वी भाग मेंयह क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 10.2 ( ) के विदित है कि कोरापुत तथा कालाहान्डी के बीच का भाग, सम्बलपुर , अंगुल, भुवनेश्वर का उत्तरा भाग, ढेनकानाल का पश्चिमी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, बालासोर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी का दक्षिण पश्चिम तथा मध्यवती भाग , सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग, अंगुल का उत्तरी भाग, केउंझर का पश्चिमी भाग तथा मयूरभंज का सम्पूर्णभाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

केउंझर का मध्यवर्ती भाग में इसका विस्तार पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में भुवनेश्वर के उत्तर पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का लगभग सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल का दक्षिणी भाग भुवनेश्वर का उत्तरी भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापारा का पश्चिमी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

कोरापुत का उत्तरी भाग, गंजाम, कालाहान्डी, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ, अंगुल, कटक का उत्तरी भाग, केन्द्रापारा का उत्तरी भाग, वालासोर का पश्चिमी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर का उत्तर पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ का पश्चिमी भाग, केउंझर का सम्पूर्णभाग, वालासोर का उत्तरी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण उत्तर मध्यवर्ती भाग तथा वालासोर का उत्तर पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर, कटक, कोरापुत तथा कालाहान्डी का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

गंजाम, कोरापुत तथा कालाहान्डी के बीच का भाग, सम्बलपुर, सुन्दरगढ का दक्षिण पश्चिमी भाग, अंगुल, ठेनकानाल का उत्तरी भाग, मयूरभंज, वालासोर, केन्द्रापारा तथा पुरी का भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी का मध्यवर्ती भाग, सुन्दरगढ का उत्तर पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग केउंझर का दक्षिणी भाग तथा उत्तर पूर्वी भाग में इसका विस्तार पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

केउंझर के मध्यवर्ती तथा उत्तरी भाग में अर्द्धचन्द्राकार के रूप में यह क्षेत्र पाया गया है।

तृतीय निर्वाचन वर्ष 1962

इस अनुभाग में तृतीय निर्वाचन वर्ष (1962) में कांग्रेस समर्थन के सम्बन्धों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 10.3 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का दक्षिणी भाग, भजनगढ निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग में एक वृत्ताकार रूप में यह क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

भजनगढ़ का उत्तर दक्षिणी तथा पूर्वी भाग, भुवनेश्वर, ठेनकानाल का उत्तरी भाग, पुरी तथा जाजपुर का दक्षिण पूर्वी भाग तथा छत्रपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का लगभग सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

चित्र 10.3 (a) से यह स्पष्ट है कि नवरंगपुर, कोरापुत का उत्तर पश्चिमी भाग, फुलवानी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, कालाहान्डी, भुवनेश्वर तथा अंगुल के बीच का भाग, ठेनकानाल का उत्तर पश्चिमी भाग, केउंझर, मयूरभंज, भेडारक, केन्द्रापारा, कटक तथा जाजपुर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।
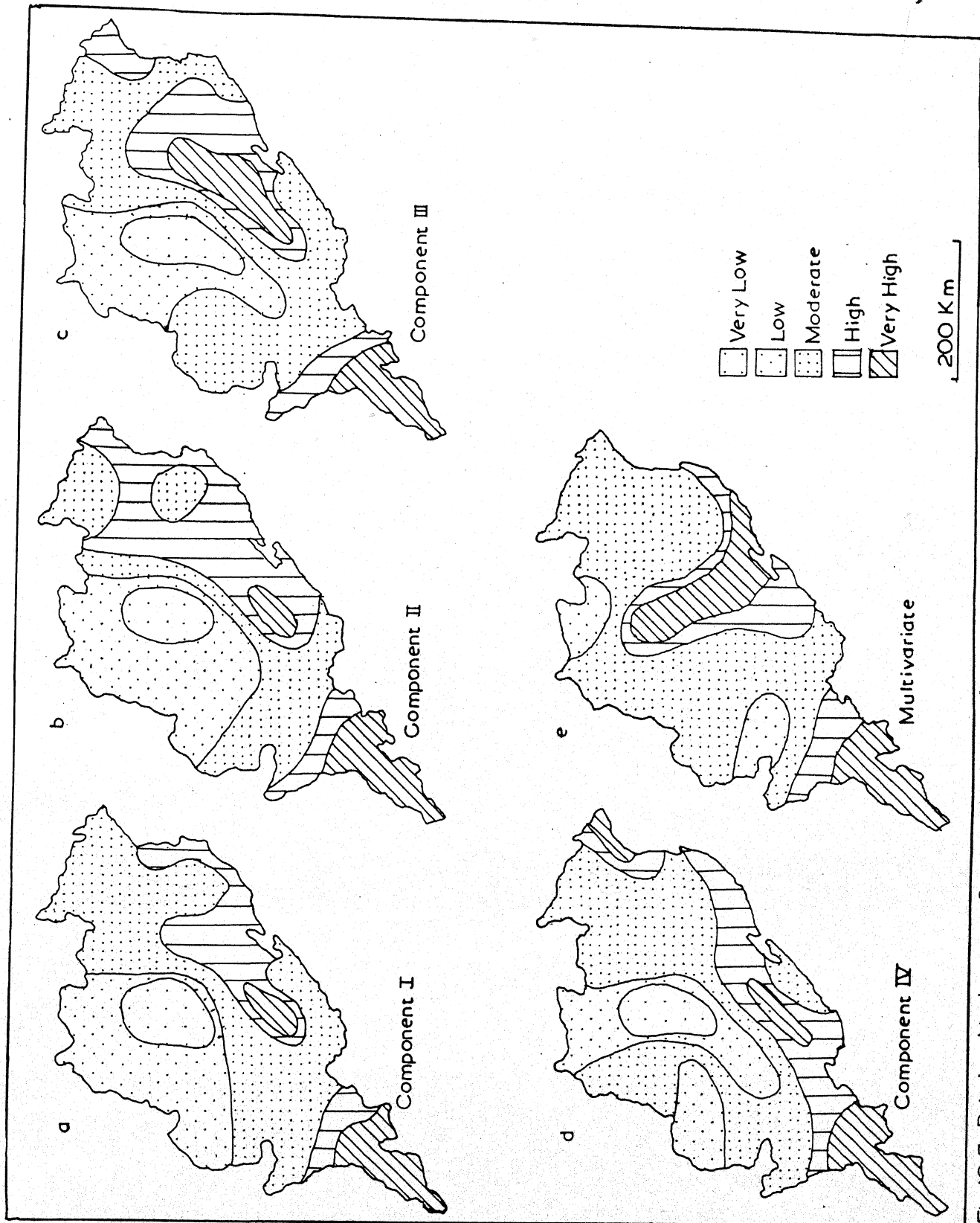
Fig. 10.3 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1962

निम्न क्षेत्र

फुलवानी का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का उत्तर पश्चिमीभाग, सम्बलपुर, वोलगीर, सुन्दरगढ़ आदि निर्वाचन क्षेत्र का भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के अंगुल का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के भजनगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग, कोरापुत का पश्चिमी भाग इसके अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

कोरापुत का उत्तरी पूर्वी भाग, नवरंगपुर का मध्यवर्ती भाग, छत्रपुर, भुवनेश्वर, ठेनकानाल, कटक, पुरी, जाजपुर, वालासोर, भेड़ारक, कैंउझर तथा मयूरभंज का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का उत्तर मध्यवर्ती भाग, छत्रपुर का दक्षिणी भाग, भजनगढ़ तथा कालाहान्डी के बाच का भाग, ठेनकानाल तथा अंगुल के बीच का भाग एक पट्टी के रूप में मयूर भंज के उत्तर पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग में पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी का उत्तर पूर्वी तथा उत्तर पश्चिमी भाग, फुलवानी का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर, वोलगीर, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग, भजनगढ का मध्यवर्ती भाग भुवनेश्वर का मध्यवर्ती भाग तथा ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

भजनगढ का उत्तर पश्चिमा तथा दक्षिण पूर्वी किनारे का भाग, भुवनेश्वर का उत्तरी भाग तथा दक्षिणी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, ठेनकानाल का उत्तर तथा दक्षिणी भाग, केउंझर का दक्षिणी भाग, जाजपुर का पश्चिमी भाग, कटक तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, फुलवानी का सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर का दक्षिण पश्चिमा भाग, कालाहान्डी तथा भजनगढ के बाच का भाग, ठेनकानाल तथा अंगुल का बीच का भाग, सुन्दरगढ का पूर्वी भाग, केउंझर का उत्तरी भाग तथा मयूरभंज का उत्तरा भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

चित्र 10.3 (C) के द्वारा यह विदित है कि उड़ीसा के सम्बलपुर का उत्तर पूर्वी भाग कालाहान्डा का दक्षिणी भाग, बोलगीर तथा सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग इसमें आता है।

अति निम्न क्षेत्र

अंगुल निर्वाचन क्षेत्र तथा कालाहान्डी का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का दक्षिणी भाग, नवरंग पुर का दक्षिणा भाग, भजनगढ़ का उत्तरी मध्य तथा दक्षिणा मध्यवर्ती भाग तथा भेड़ारक का उत्तर पूर्वी भाग इसमें आता है।

उच्च क्षेत्र

कोरापुत का मध्यवर्ती भाग, नवरंगपुर का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, छत्रपुर, भजनगढ़ का उत्तरी तथा दक्षिणी भाग भुवनेश्वर का दक्षिणा भाग पुरी का सम्पूर्ण भाग , कटक का दक्षिणी भाग फुलवाना का आधे से अधिक भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

फुलवानी, नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का पूर्वी भाग, बोलगीर का सम्पूर्ण भाग तथा सुन्दरगढ़ का उत्तरी पश्चिमी भाग, भुवनेश्वर तथा अंगुल के बीच का भाग, ढेनकानाल , कटक का उत्तरी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, केउंझर , मयूरभंज का उत्तरी भाग इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी का उत्तरी पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, अंगुल का उत्तर पूर्वी भाग सुन्दरगढ़ का दक्षिण उत्तरी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर तथा पुरी निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग, जाजपुर, भजनगढ़ का क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर का उत्तरी भाग, फुलवानी का दक्षिणी भाग, कालाहान्डी का लगभग सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर, बोलगीर , सुन्दरगढ़ का दक्षिणपश्चिमी भाग, केउंझार ,

मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, केन्द्रापारा, कटक, जाजपुर का उत्तरी भाग, ढेनकानाल का उत्तर पूर्वी भाग इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी का पश्चिमी भाग, छत्रपुर का सम्पूर्ण भाग, सुन्दरगढ़ का उत्तर पूर्वी भाग इसमें आता है।

अति निम्न क्षेत्र

अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ निर्वाचन वर्ष 1967

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में चतुर्थ निर्वाचन वर्ष 1967 के कांग्रेस समर्थन को तथा सामाजिक घटकों के सम्बन्धों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 10.4 के द्वारा दर्शाया गया है।

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के छत्रपुर का दक्षिण पश्चिमी भाग, कोरापुत का दक्षिण पश्चिमी, दक्षिण पूर्वी भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर का पश्चिमी भाग, कोरापुत का उत्तरी भाग छत्रपुर का उत्तर पूर्वीभाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

बालासोर, केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भजनगढ का उत्तरी भाग, कालाहान्डी, फुलबानी, बोलगीर, सम्बलपुर, केउंझर, अंगुल निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग इसमें आता है।
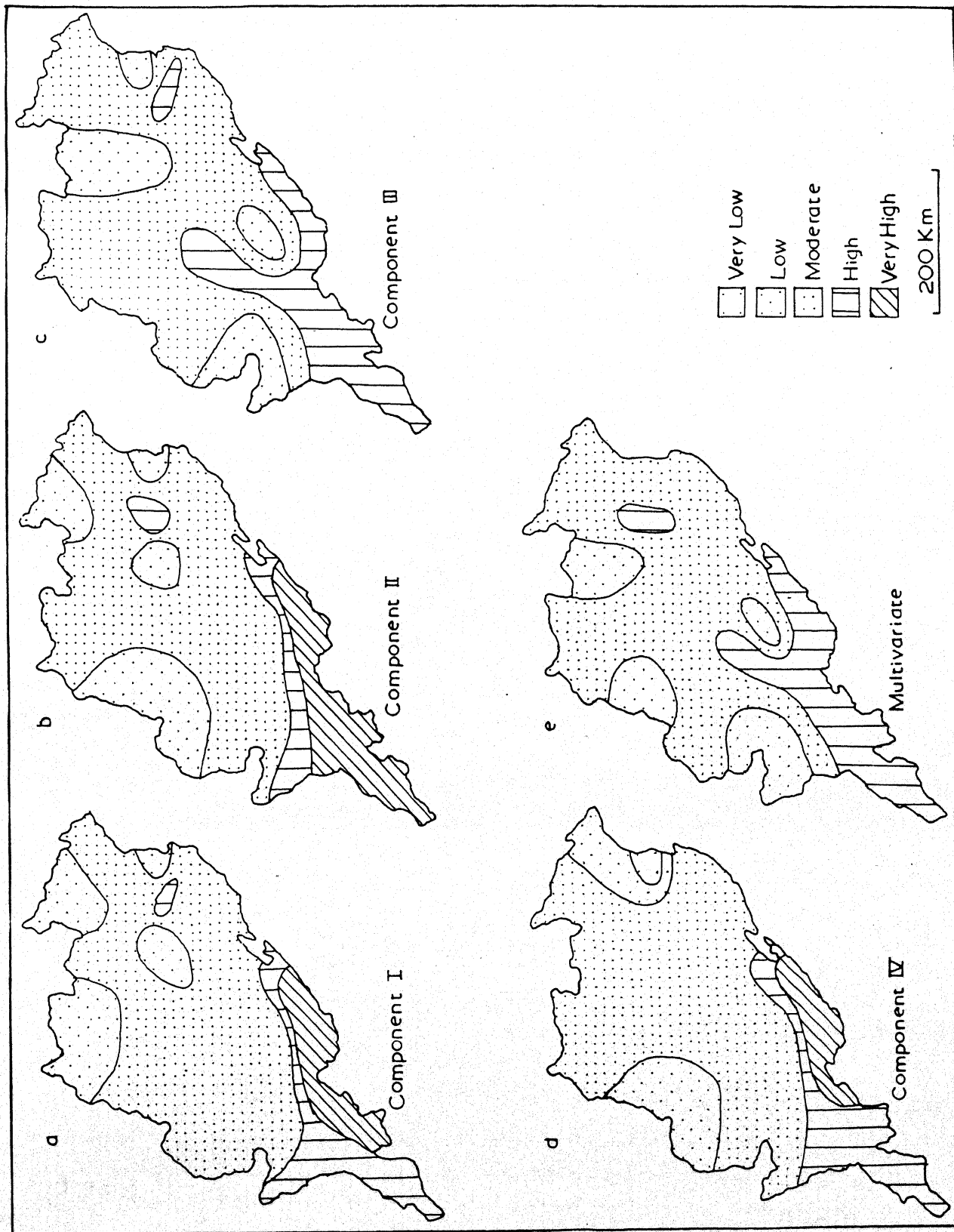
Fig. 10.4 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1967

निम्न क्षेत्र

ढेनकानाल, सुन्दरगढ़ , मयूरभंज, भेड़ारक का भाग इसमें पाया गया है।

द्वितीय घटक

अतिउच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कोरापुत का उत्तरी भाग, छत्रपुर का दक्षिण मध्यवर्ती भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग उच्च विचलन में पाया जाता है।

उच्च क्षेत्र

छत्रपुर का उत्तरी भाग, कोरापुत का उत्तरी भाग तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, जाजपुर का उत्तरी भाग, कटक का सम्पूर्ण भाग, केन्द्रापारा पुरी, भुवनेश्वर, भजनगढ़, फुलवानी, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, सुन्दरगढ, केउंझार, मयूरभंज का दक्षिण पूर्वी भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

भेड़ारक का सम्पूर्ण भाग, बोलगीर, सम्बलपुर तथा मयूरभंज का उत्तरी भाग इसमें आता है।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के छत्रपुर का दक्षिणी भाग, फुलवानी का मध्यवर्ती तथा उत्तरी भाग, कालाहान्डी का पश्चिमी भाग, कोरापुत का सम्पूर्ण भाग तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, बालासोर, केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल का दक्षिणी भाग, अंगुल, सम्बलपुर, सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी का उत्तर पश्चिमी भाग, भंजनगढ़ का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी का उत्तर पश्चिमी भाग, भेड़ारक का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल का उत्तरी भाग तथा केउंझर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

अतिउच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के छत्रपुर का दक्षिणी भाग तथा कोरापुत का दक्षिण पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

छत्रपुर का उत्तरी भाग, कोरापुत का उत्तरी भाग तथा पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, जाजपुर, केन्द्रापारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, भंजनगढ़ फुलवानी, अंगुल, सुन्दरगढ, केउंझर का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में बोलगीर, सम्बलपुर, बालासोर तथा भेड़ारक का दक्षिणी भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के भेड़ारक निर्वाचन क्षेत्र का उत्तर पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज का दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का दक्षिण पूर्वी भाग, जाजपुर का उत्तरी भाग एक वृत्ताकार रूप में, छत्रपुर, कोरापुत, फुलवानी का पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का दक्षिणी भाग, केन्द्रापारा, कटक, पुरी भुवनेश्वर, फुलवानी का उत्तरी भाग, वोलगीर, अंगुल, सुन्दरगढ, ठेनकानाल आदि निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

भजनगढ़ का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी, सम्बलपुर तथा केउंझर का भाग इसमें सम्मिलित है।

पंचम निर्वाचन वर्ष 1971

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में पंचम निर्वाचन वर्ष के कांग्रेस तथा उन्ही वर्षों के सामाजिक घटकों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 10.5 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

छत्रपुर का पश्चिमी पूर्वी भाग, कटक, का पूर्वी भाग, नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

वालासोर का पश्चिमी भाग, भेड़ारक का लगभग सम्पूर्ण भाग, जाजपुर का सम्पूर्ण भाग, भुवनेश्वर, कोरापुत का सम्पूर्ण भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग, वोलगीर का सम्पूर्ण भाग केउंझर का उत्तर पश्चिमी भाग तथा दक्षिणी भाग, ठेनकानाल का सम्पूर्ण भाग इसमें आता है।
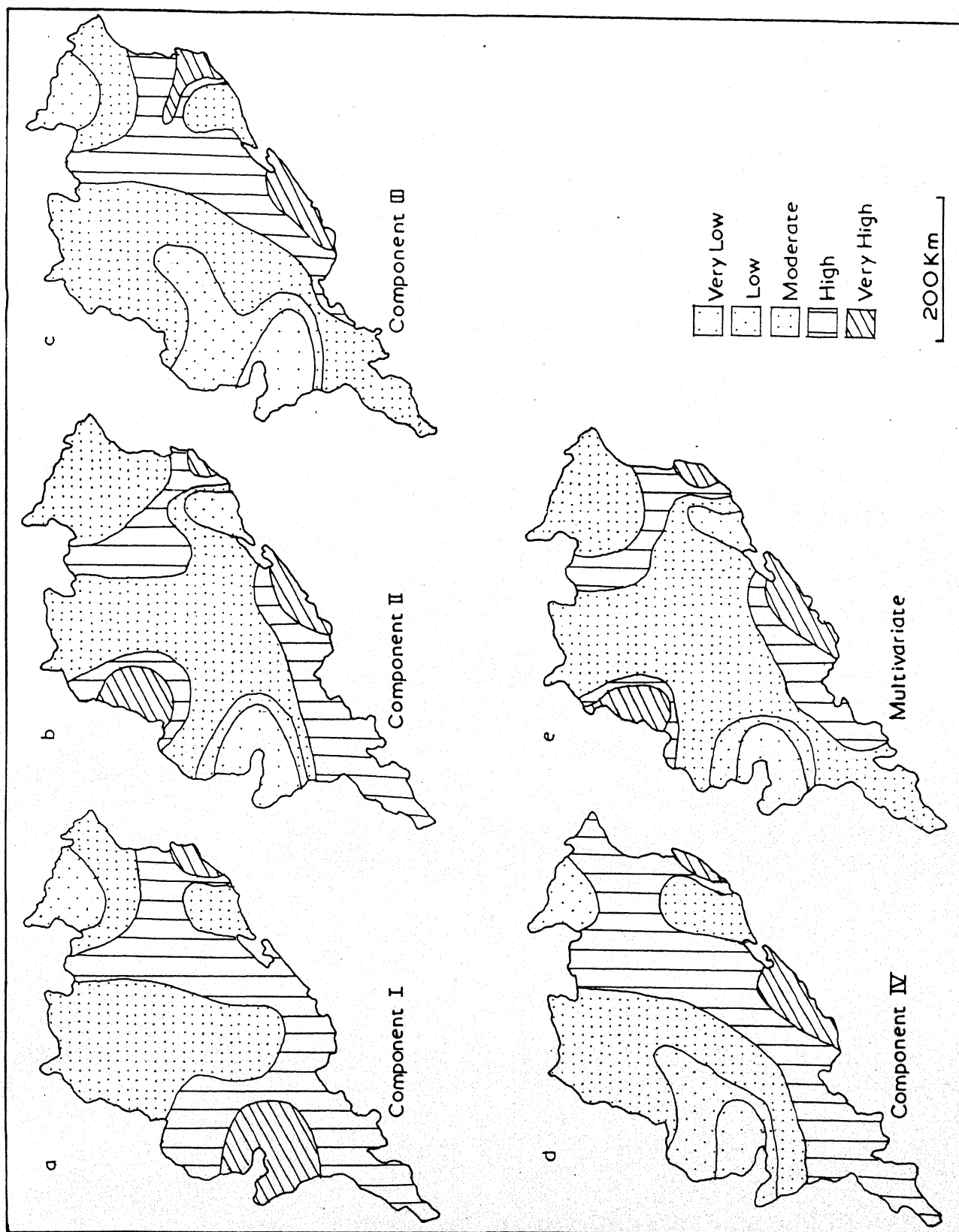
Fig. 10.5 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1971

मध्यम क्षेत्र

वालासोर का उत्तरी भाग, मयूरभंज का दक्षिणी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी का उत्तरी पूर्वी भाग, अंगुल कासम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

छत्रपुर का दक्षिण पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग, कटक का पूर्वी भाग तथा सम्बलपुर का उत्तर पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर का मध्यवर्ती भाग, ढेनकानाल का उत्तर पूर्वी भाग, जाजपुर कटक का उत्तर पूर्वी भाग, छत्रपुर का उत्तरी भाग, कोरापुत तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसमें आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक का सम्पूर्ण भाग, फुलवानी, वोलंगीर, भुवनेश्वर, भजनगढ, अंगुल तथा सम्बलपुर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के पुरी, कटक, उत्तरी पश्चिमी भाग, केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिणी भाग, जाजपुर का पूर्वी भाग कटक का पूर्वी भाग तथा उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के छत्रपुर का उत्तरी भाग, भजनगढ़ का पश्चिमी भाग, कोरापुत का दक्षिण पूर्वी भाग, भुवनेश्वर, ठेनकानाल, केउंझर निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज का पश्चिमी भाग, वालासोर, केन्द्रापारा, पुरी, कोरापुत का पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग, फुलवानी, अंगुल तथा सम्बलपुर, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग है।

निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी तथा नवरंगपुर के बीच का भाग, कालाहान्डी का पूर्वी भाग, वोलगीर का सम्पूर्ण भाग तथा मयूरभंज का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग, कटक का पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

जाजपुर का पश्चिमी भाग, कटक का उत्तर पश्चिमी भाग, भेड़ारक, केउंझर, ठेनकानाल, भुवनेश्वर, कोरापुत, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

वालासोर, पुरी, सुन्दरगढ, अंगुल, सम्बलपुर, फुलवानी का मध्यवर्ती भाग कालाहान्डी का पश्चिमी भाग तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरीभाग, बोलगीर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी तथा फुलबानी का उत्तर पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के छत्रपुर निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग, कटक का पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

भेड़ारक, जाजपुर, केउंझर, कोरापुत तथा नवरंगपुर का पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, बालासोर, ढेनकानाल, भुवनेश्वर, अंगुल, सम्बलपुर, बोलगीर फुलबाना का उत्तरी भाग छोड़कर शेष भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के पुरी, केन्द्रापारा तथा कटक का पश्चिमी भाग कालाहान्डी का उत्तरी भाग तथा नवरंगपुर का मध्य भाग एक पतली पट्टी के रूप में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

षष्ठम निर्वाचन वर्ष 1977

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में षष्ठम निर्वाचन वर्ष के कांग्रेस समर्थन तथा उन्हीं वर्षों के सामाजिक आर्थिक घटकों के सम्बन्धों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 10.6 के द्वारा प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में असका का पश्चिमी भाग, बरहामपुर, कालाहान्डी का मध्यवर्ती भाग, नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें पाया जाता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के उच्च विचलन का क्षेत्र, असका का पश्चिमी भाग, कोरापुत फुलवाना, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग तथा बोलगीर का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग इसमें पाया जाता है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी भाग, बालासोर, भेड़ारक का उत्तरी भाग, जाजपुर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल, देवगढ़ का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का उत्तरी भाग, फुलवानी का उत्तरी भाग, असका का पूर्वी भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के भेड़ारक का पश्चिमी भाग, जाजपुर का दक्षिणी भाग, केन्द्रापारा कटक, भुवनेश्वर जगतसिंहपुर, केउंझर, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग, देवगढ़ का उत्तरी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

कालाहान्डी तथा नवरंगपुर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।
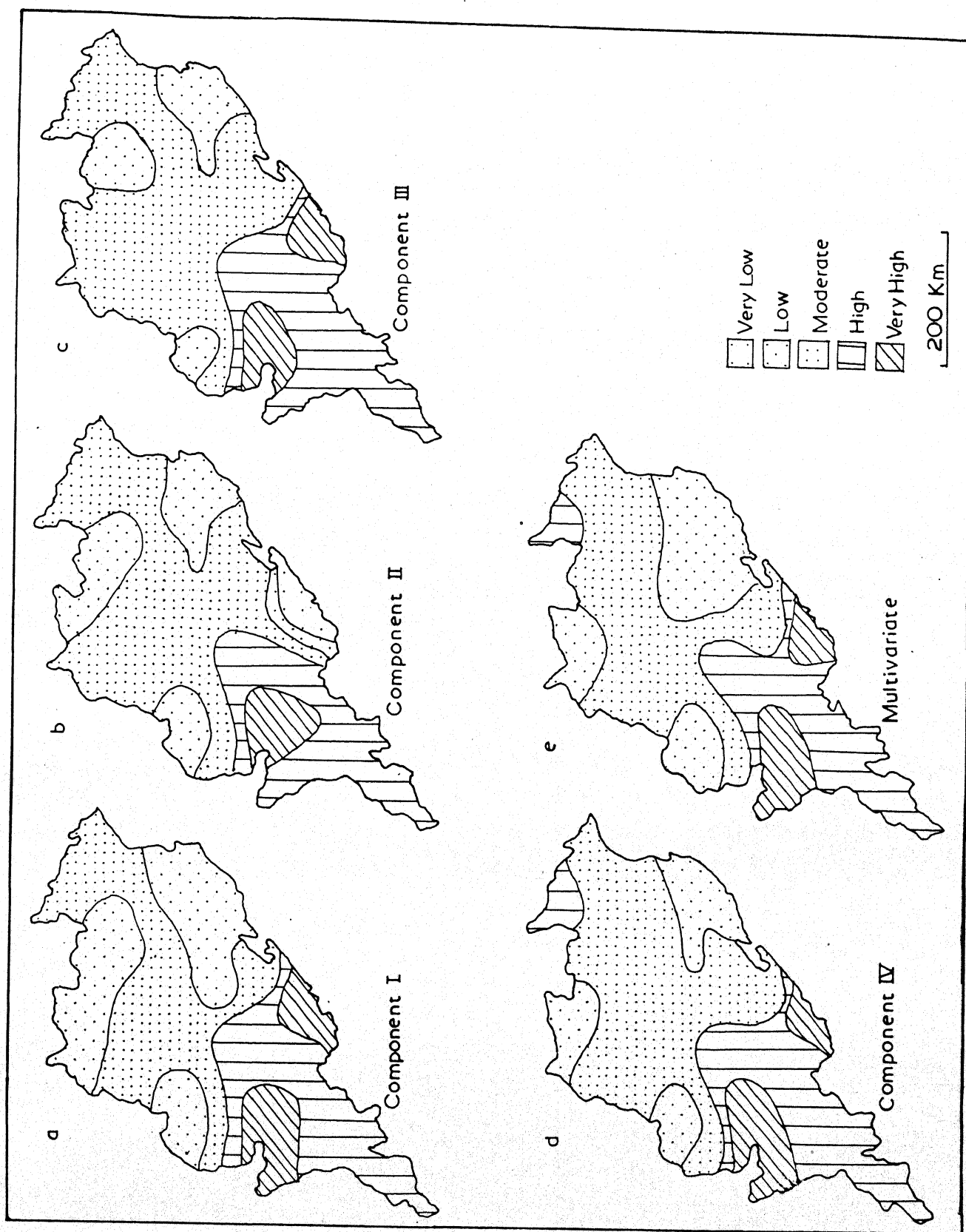
Fig. 10.6 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1977

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी का मध्यवर्ती भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के असका का मध्यवर्ती भाग बरहामपुर का उत्तरी भाग, कोरापुत, फुलवानी का दक्षिणी भाग, कालाहान्डी का उत्तरीभाग तथा नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का उत्तरी भाग, देवगढ़ का सम्पूर्ण भाग, ढेनकानाल, सम्बलपुर, फुलवानी का उत्तरी भाग, भजनगढ़, भुवनेश्वर तथा असका का उत्तरी भाग, वोलगीर का दक्षिणी भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बरहामपुर का उत्तरी भाग, केउंझर, वोलगीर तथा सम्बलपुर का पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर का पश्चिमी भाग पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बरहामपुर का सम्पूर्ण भाग तथा कालाहान्डी का मध्यवर्ती तथा पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

असका का पश्चिमी भाग, फुलवानी का दक्षिणी भाग, वोलगीर का कालाहान्डी के बीच का भाग, कोरापुत तथा नवरंगपुर का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का उत्तरी भाग, ठेनकानाल, देवगढ़ का सम्पूर्ण भाग, सम्बलपुर, फुलवानी का उत्तरी भाग, भजनगढ़, भुवनेश्वर, असका का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा, कटक का पूर्वी भाग, पुरी, केउंझर, सुन्दरगढ का भाग इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

अति उच्च विचलन का क्षेत्र बरहामपुर का पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का दक्षिण मध्यवर्ती भाग पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी भाग, असका का पश्चिमी भाग, फुलवानी का दक्षिणी भाग, कोरापुत, वरहामपुर का उत्तरी भाग, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज का दक्षिणी भाग, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केउंझर, ठेनकानाल, देवगढ़ सम्बलपुर, भजनगढ, असका का उत्तरीभाग, फुलवानी का उत्तरी भाग पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रपारा, कटक, पुरी, भुवनेश्वर, बोलगीर, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ का भाग पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के वरहामपुर, नवरंगपुर का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का दक्षिण पूर्वी भाग तथा मध्यवर्ती भाग इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी भाग, वरहामपुर का उत्तरी भाग, फुलवानी का पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का पश्चिमी भाग, कोरापुत तथा नवरंगपुर का पश्चिमी भाग पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी भाग, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का उत्तरी भाग, केउंझर देवगढ़, ठेनकानाल का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर, फुलवानी का उत्तरी भाग, असका का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा, जाजपुर का पश्चिमी भाग, ठेनकानाल काउत्तरी पूर्वी भाग, कटक, भजनगढ, भुवनेश्वर, पुरी का भाग पाया गया है।

सप्तम निर्वाचन वर्ष 1980

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में सप्तम निर्वाचन वर्ष(1980) के कांग्रेस समर्थन तथा सामाजिक घटकों के मध्य सह:सम्बन्धों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 10.7 के द्वारा दर्शाया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केउंझर के उत्तरी मध्यवर्ती भाग में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

वरहामपुर तथा कोरापुत का पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, केउंझर का दक्षिणी भाग, जाजपुर, देवगढ का पश्चिमी भाग, ठेनकानाल, फुलवानी, भजनगढ तथा भुवनेश्वर का भाग पाया गया है।
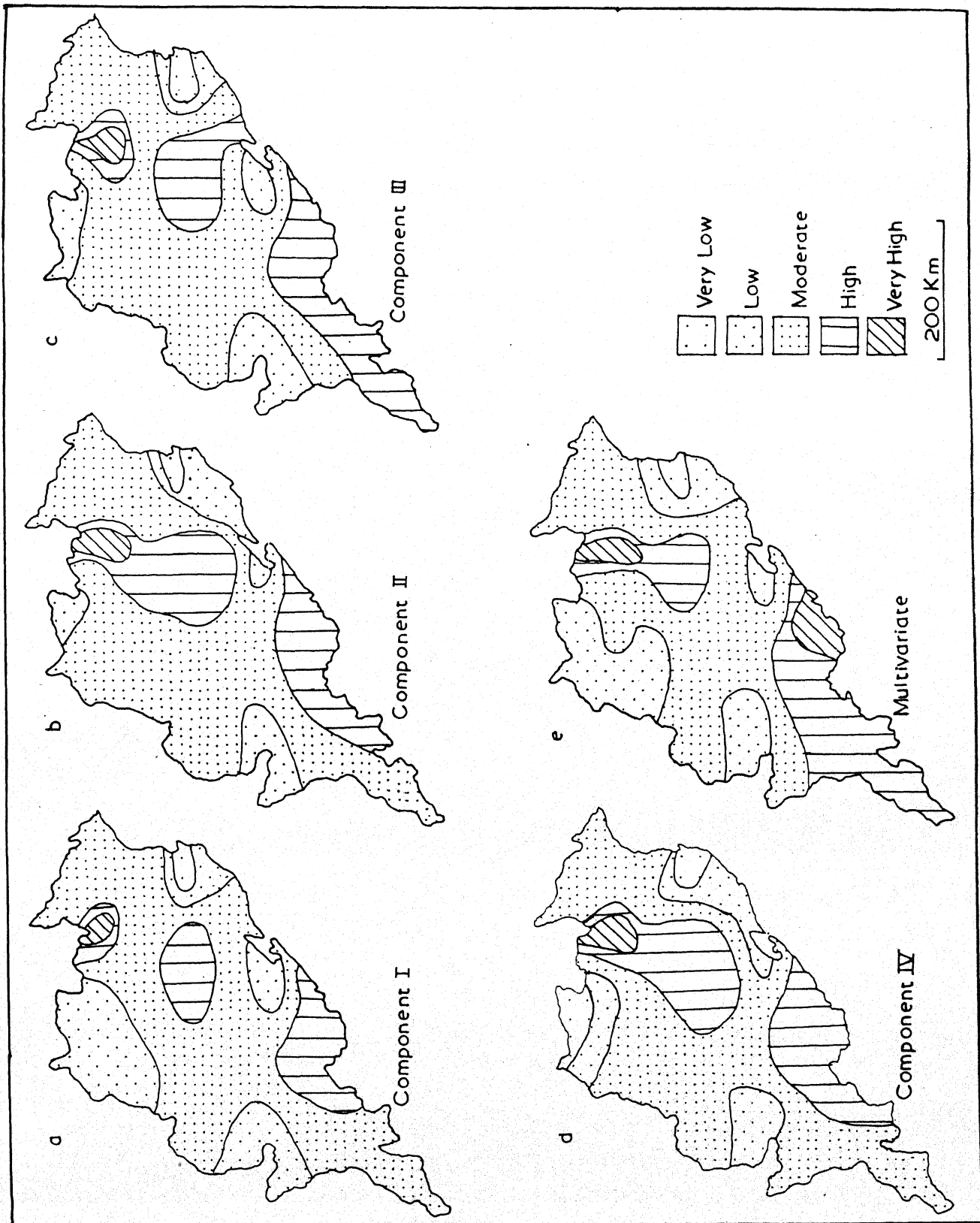
Fig. 10·7 Relationship between Congress Vote and Social Components: 1980

निम्न क्षेत्र

नवरंगपुर का उत्तर पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का उत्तर पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, देवगढ का उत्तरी भाग, सुन्दरगढ का सम्पूर्ण भाग, अस्का का दक्षिण पूर्वी भाग, केन्द्रापारा का उत्तरी भाग तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केन्द्रापारा के पश्चिमी भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

द्वितीय घटक

अतिउच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र का मध्यवर्ती भाग तथा उत्तरी भाग है।

उच्च क्षेत्र

वरहामपुर, कोरापुत, केउंझर का उत्तरी भाग, देवगढ़ का पूर्वी भाग, ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग, कटक का पश्चिमी भाग, अजनगढ़ का लगभग सम्पूर्ण भाग है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भैड़ारक, जाजपुर, केउंझर का पूर्वी भाग, केन्द्रापारा कटक का पूर्वी भाग, अस्का का उत्तरी भाग, फुलवानी का सम्पूर्ण भाग, वोलगीर, सम्बलपुर तथा देवगढ़ का उत्तरी भाग इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के सुन्दरगढ, कालाहान्डी, का उत्तरी भाग, अस्का का पश्चिमी पूर्वी भाग, भुवनेश्वर का सम्पूर्ण भाग तथा पुरी का सम्पूर्ण भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

अति निम्न विचलन का क्षेत्र केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में वृत्ताकार रूप में विस्तृत है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केउंझर, उत्तर पूर्वी, दक्षिण पूर्वी भाग, वरहामपुर, कोरापुत तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, देवगढ़, सम्बलपुर, वोलगीर फुलवानी का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी का पूर्वी भाग, पुरी का पश्चिमी भाग, भुवनेश्वर का पूर्वी भाग पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

पुरी का उत्तरी पूर्वी भाग असका का पूर्वी भाग, कालाहान्डी का पश्चिमी भाग नवरंगपुर का उत्तरी भाग, सुन्दरगढ का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में यह क्षेत्र विस्तृत है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केउँझर निर्वाचन क्षेत्र का मध्य भाग इस क्षेत्र में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र के उत्तर पश्चिम तथा दक्षिण पूर्वी भाग, असका का उत्तरी भाग, वरहामपुर, कोरापुत का लगभग सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर का दक्षिणी भाग, देवगढ, ठेनकानाल, सम्बलपुर का, वोलगीर, फुलवानी का लगभग सम्पूर्ण भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति निम्न विचलन का क्षेत्र विस्तृत है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के सुन्दरगढ़ का उत्तरी भाग, कालाहान्डी का मध्यवर्ती भाग तथा पश्चिमी भाग, पुरी, भुवनेश्वर तथा असका का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में यह क्षेत्र विस्तृत है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केउंझर निर्वाचन क्षेत्र के पूर्वी तथा पश्चिमी भाग में कटक का पश्चिमी भाग तथा वरहामपुर में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, कटक का पूर्वी भाग, भुवनेश्वर, भजनगढ़ असका का उत्तरी भाग, फुलवानी वोलगीर, का उत्तरी भाग, सम्बलपुर का पूर्वी भाग, देवगढ़ का पूर्वी भाग सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बोलगीर तथा सम्बलपुर का पश्चिमी भाग, सुन्दरगढ़ का पश्चिमी उत्तरी भाग, देवगढ़ का उत्तरी भाग पुरी तथा असका का पश्चिमी मध्यवर्ती तथा पूर्वी भाग पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र का लगभग सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

अष्टम निर्वाचन वर्ष 1984

प्रस्तुत अध्याय में अष्टम निर्वाचन वर्ष 1984 के कांग्रेस समर्थन तथा उसी वर्ष के सामाजिक आर्थिक घटकों के सम्बन्धों का विवेचनकिया गया है। चित्र 10.8 के द्वारा यह स्पष्ट होता है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत का पश्चिमी भाग तथा नवरंगपुर का दक्षिणी भाग में यह क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के असका का दक्षिण पश्चिमी भाग, वरहामपुर , ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग, फुलवानी का उत्तरी पूर्वी भाग, कोरापुत का उत्तर मध्यवर्ती भाग तथा नवरंगपुर का मध्यवर्ती भाग एक पतली पट्टी के रूप में विस्तृत है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, केउंझर, कटक का मध्यवर्ती भाग, भुवनेश्वर, भजनगढ, असका का उत्तरी पूर्वी भाग, ठेनकानाल का पश्चिमी मध्य भाग, फुलवानी के पश्चिम का मध्य भाग एक पतली पट्टी के रूप में पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में केन्द्रापारा का सम्पूर्ण भाग, कटक का पूर्वी भाग, पुरी का सम्पूर्ण भाग, देवगढ का उत्तर पश्चिमी भाग, सम्बलपुर, बोलगीर तथा कालाहान्डी का सम्पूर्ण भाग, नवरंगपुर का दक्षिणी भाग इसमें सम्मिलित है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र का सम्पूर्ण भाग तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र का भाग इसमें पाया गया है।
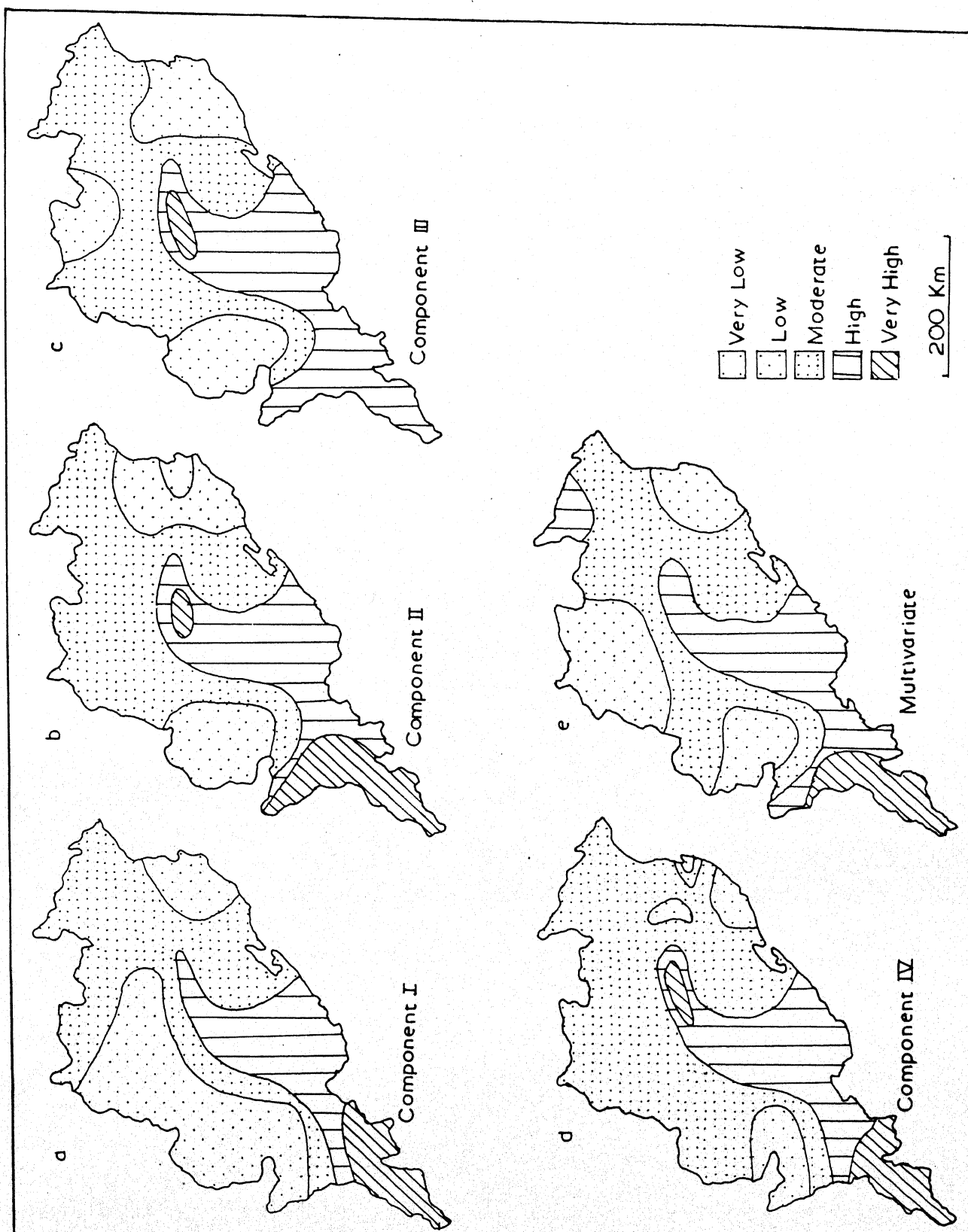
Fig. 10.8 Relationship between Congress Vote and Social Components : 1984

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, केउंझर, सुन्दरगढ, देवगढ का उत्तर पूर्वी भाग जाजापुर का पश्चिमी भाग, ठेनकानाल का पूर्वी भाग, कटक का पश्चिमी भाग, भजनगढ का सम्पूर्ण भाग, असका का पूर्वी भाग, सम्बलपुर, वोलगीर के बीच का भाग, फुलवानी तथा कालाहान्डी का बीच का भाग एक पतली पट्टी के रूप में है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में भेड़ारक, जाजपुर, का पूर्वी भाग, कटक का पूर्वी भाग, पुरी, भुवनेश्वर वोलगीर, का उत्तर पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का उत्तर मध्यवर्ती भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र कासम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के ठेनकानाल के मध्यवर्ती भाग में वृत्ताकार रूप में यह क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के ठेनकानाल का सम्पूर्ण किनारे का भाग, फुलवानी का दक्षिणी पूर्वी तथा उत्तरी पूर्वी भाग, असका का दक्षिणी भाग, वरहामपुर, नवरंगपुर, कोरापुत का सम्पूर्ण भाग इसमें सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, केउंझर, देवगढ का सम्पूर्ण भाग, कटक का पश्चिमी भाग, भजनगढ तथा असका का उत्तर पूर्वी भाग, वोलगीर का पूर्वी भाग तथा कालाहान्डी, कोरापुत निर्वाचन क्षेत्रों के बीच यह क्षेत्र विस्तृत है।

निम्न क्षेत्र

सुन्दरगढ, जाजपुर, कटक का उत्तर पूर्वी भाग, केन्द्रापारा, पुरी, भुवनेश्वर

वोलगीर का पश्चिमी भाग, कालाहान्डी का उत्तर पश्चिमी भाग इसमें पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में अति उच्च विचलन का क्षेत्र कोरापुत का पश्चिमी भाग, नवरंगपुर का पश्चिमी भाग तथा ठेनकानाल का मध्यवर्ती भाग है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के ठेनकानाल का उत्तर पूर्वी, फुंलवानी का उत्तर पूर्वी तथा दक्षिण पूर्वी मध्यवर्ती भाग, असका का पश्चिमी भाग, वरहामपुर का सम्पूर्ण भाग, नवरंगपुर के मध्यवर्ती भाग, कोरापुत का लगभग सम्पूर्णभाग इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, केउंझर, सुन्दरगढ, देवगढ, सम्बलपुर, वोलगीर का उत्तरी भाग निर्वाचन क्षेत्रों का सम्पूर्ण भाग, कालाहान्डी का उत्तरी भाग, जाजपुर का पश्चिमी भाग, कटक का सम्पूर्ण भाग, भजनगढ तथा असका का उत्तर पूर्वी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के जाजपुर का मध्यवर्ती भाग, पुरी, भुवनेश्वर, वोलगीर का दक्षिणी भाग, कालाहान्डी का मध्यवर्ती भाग इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति निम्न विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र-

उड़ीसाराज्य के नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र का दक्षिण पश्चिमी तथा मध्यवर्ती भाग इस क्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के ठेनकानाल के दक्षिण पूर्वी भाग, फुलवानी का उत्तर पूर्वी तथा पश्चिम पूर्वी भाग, असका का दक्षिण पश्चिमी भाग, वरहामपुर का तथा कोरापुत का लगभग सम्पूर्ण भाग , मयूरभंज का उत्तरी भाग इसमें पाया जाता है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज का उत्तरी भाग, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर , केउंझर, कटक का पश्चिमी भाग, भजनगढ, भुवनेश्वर तथा असका का पूर्वी भाग, ठेनकानाल का पश्चिमी भाग, सम्बलपुर का पूर्वी भाग, वोलगीर का उत्तरी भाग इसमें सम्मिलित है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में सुन्दरगढ, देवगढ, सम्बलपुर का पूर्वी भाग छोड़कर केन्द्रापारा, पुरी तथा कटक का पूर्वी भाग इसमें आता है।

अध्याय 11

कांग्रेसत्तर दल एवं सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध

प्रस्तुत अध्याय में उड़ीसा राज्य के कांग्रेसत्तर दल, गणतन्त्र परिषद दल 1952, 1957, 1967, स्वराज्यदल 1967, 71, भारतीय लोकदल 1977, जनता पार्टी 1980, 1984 एवं सामाजिक घटको के मध्य पाये जाने वाले सम्बन्धों का विश्लेषण किया गया है। इस अध्याय को दो अनुभागों में विभकत किया गया है। प्रथम अनुभाग 11.1 में अलग-अलग निर्वाचन वर्ष के कांग्रेसत्तर दल एवं सामाजिक घटकों (प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों) से प्राप्तकिये गये सम्बन्धों का गणितीय विवेचन किया गया है। द्वितीय अनुभाग 11.2 में क्रमश: प्रथम घटक, द्वितीय घटक, तृतीय घटक, चतुर्थ घटक एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों का सम्बंध ज्ञात करने के उपरान्त समाश्रयण अवशेषों के आधार पर प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के अलग-अलग इन मुख्य दलों काभौगोलिक विवरण प्रस्तुत किया गया है।

11.2 समाश्रयण प्रतिमान

चयनित दल विशेष समाश्रयण प्रतिमान के द्वारा प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के एवं सामाजिक घटको (प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों) के सम्बन्धों का विवरण प्रस्तुत किया गया है जिसके फलस्वरूप सम्बन्धों की प्रकृति सम्बन्धों की मात्रा, सम्बन्ध का स्तर तथा मानक त्रुटि का मूल्यांकन किया गया है। इनका विस्तृत विवरण निम्नव है।

सम्बन्धों का प्रकृति

उड़ीसा राज्य के सभी निर्वाचन वर्षों के लिए प्रत्येक कांग्रेसत्तर दलों (गणतंत्र परिषद, 1952, गणतंत्र परिषद 1957, गणतंत्र परिषद, 1962, स्वराज्य दल 1967 स्वराज्य दल 1971, भारतीय लोकदल 1977, जनता पार्टी 1980 एवं जनता पार्टी 1984 के लिए पृथक-पृथक समाश्रयण एवं सह:सम्बन्ध की गणना की गयी है। गणना के आधार पर प्राप्त समाश्रयण प्रतिमान के समीकरण को निम्नलिखित तालिका 11.1 में

तालिका 11.1

सम्बन्धों की प्रकृति (समाश्रयण प्रतिमान)

निर्वाचन वर्ष	द्विचरीय				बहुचरीय
1952 (गणतंत्र परिषद दल)	39.95+4.92x	41.01+-8.33x	43.29+17.48x	39.16+-396x	$53.11+-2.47x_1+-17.44x_2+16.34x_3+-10.81x_4$
1957 (गणतंत्र परिषददल)	38.47+-13.79	39.49+2.28x	39.49+-1.1x	39.66+2-89x	$36.62+-14.76x_1+3.32x_2+-3.60x_3+3.62x_4$
1962 (गणतंत्र परिषदल)	40.95+7.21x	40.86+4.44x	40.61+-9.16x	41.41+-4.90x	$37.56+6.97x_1+4.31x_2-4.13x_3+-4.82x$
1967 (स्वराज्य दल)	41.80+0.40x	40.75+5.92x	41.73+-1.74x	40.97+-10.84x	$39.26+0.96x_1+7.81x_2+-3.46x_3-12.36x_4$
1971 (स्वराज्य दल)	29.81+-1.13x	30.08+13.53x	29.69+0.49x	30.79+2.15x	$33.08+-1.12x_1+15.39x_2+-1.51x_3+5.67x_4$
1977 (भारतीयलोकदल)	52.26+0.73x	52.16+1.73x	52.24+-1.85x	52.18+1.02x	$52.05+0.73x_1+1.79x_2+-1.87x_3+1.12x_4$
1980 (जनतापार्टी)	23.74+2.86x	23.74+-0.16x	23.73+-0.62x	23.75+-0.29x	$23.76+2.86x_1+-0.17x_2+0.63x_3+-0.28x_4$
1984 (जनता पार्टी)	33.80+5.47x	34.39+0.52x	34.70+-3.96	34.58+-1.67x	$34.19+5.31x_1+0.50x_2+-3.86x_3+-1.43x_4$

प्रस्तुत किया गया है।

तालिका 11.1 के अवलोकन से निम्न तथ्य अभिहित होते हैं-

1- उड़ीसा प्रान्त में वर्ष 1952 (गणतन्त्र परिषद दल) 1962 (गणतन्त्र परिषद दल) 1967 (स्वराज्य दल) 1980 (जनता पार्टी) एवं 1984 (जनता पार्टी) में कांग्रेसत्तर दल एवं सामाजिक घटक (प्रथम घटक) के मध्य धनात्मक सम्बन्ध तथा 1957 (गणतंत्र परिषददल) 1971 (स्वराज्य दल) एवं 1977 (भारतीय लोकदल) में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

2- कांग्रेसत्तर दल तथा सामाजिक घटक का सम्बन्ध 1957, 1962, 1967, 1971 1977 एवं 1984 में द्वितीय घटक के साथ धनात्मक एवं 1952 एवं 1980 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

3-. तृतीय घटक में कांग्रेसत्तरदल एवं सामाजिक घटकों का सम्बन्ध वर्ष 1952 (गणतंत्र परिषदल दल) 1971 (स्वराज्य दल) में धनात्मक तथा 1957 (गणतन्त्र परिषददल) 1962 (गणतंत्र परिषद दल) 1967 (स्वराज्यदल) 1977 (लोकदल) 1980 (जनतापार्टी एवं 1984 (जनता पार्टी) में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

4- चतुर्थ घटक में कांग्रेसत्तर दल एवं सामाजिक -आर्थिक घटकों के मध्य सम्बन्ध वर्ष 1957 (गणतंत्र परिषद, 1971 (स्वराज्य दल, 1977 (भारतीय लोकदल) में धनात्मक तथा 1952 (गणतंत्र परिषददल) 1962 (गणतंत्र परिषद दल) 1967 (स्वराज्य दल) 1980 (जनता पार्टी) एवं 1984 (जनता पार्टी) में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

5- संयुक्त रूप में चारो घटकों का कांग्रेसत्तर दल के साथ किसी भी लोकसभा निर्वाचन वर्ष में धनात्मक सम्बन्ध नहीं पाया गया है। सभी निर्वाचन वर्षों में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

11.1.2 सम्बन्धों की मात्रा

कांग्रेसत्तर दल एवं सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्धों की प्रकृति का उल्लेख पिछले अनुभाग में किया गया है। यहाँ पर उन सम्बन्धों की मात्रा का वर्णन किया

तालिका 11.2

ः सम्बन्धों की मात्रा ःसहःसम्बन्ध गुणांकः

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.24	-0.34	0.36	-0.19	0.67
1957	-0.67	0.13	-0.05	0.16	0.75
1962	0.61	0.13	-0.32	-0.31	0.73
1967	0.02	0.28	-0.29	-0.55	0.69
1971	-0.10	0.68	0.03	0.11	0.76
1977	0.08	0.19	-0.20	0.11	0.32
1980	0.37	-0.02	-0.82	-0.03	0.38
1984	0.60	0.06	-0.47	0.20	0.77

गया है। कांग्रेसत्तर दल एवं प्रत्येक सामाजिक घटक एवं संयुक्त रूप से चारो घटकों से प्राप्त सम्बन्धों का मात्रा का उल्लेख तालिका 11.2 में किया गया है-

तालिका 11.2 के अवलोकन करने के उपरान्त यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेसत्तरदल एवं सामाजिक घटकों के साथ किस सीमा तक सम्बन्धित है इस सीमा को सह:सम्बन्ध के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक के साथ कांग्रेसत्तर दल के मत का वर्ष 1952, 1962, 1967, 1977 1980 एवं 1984 में धनात्मक तथा 1957 एवं 1971 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

द्वितीय घटक का सम्बन्ध कांग्रेसत्तर मत के साथ वर्ष 1952 एवं 1980 में ऋणात्मक तथा 1957, 1962, 1967, 1971, 1977 एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है।

तृताय घटक के साथ कांग्रेसत्तर मत का 1957, 1962, 1967, 1977 एवं 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक एवं 1952 एवं 1971 में धनात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।

चतुर्थ घटक के साथ कांग्रेसत्तर मत का सम्बन्ध वर्ष 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1980 में ऋणात्मक तथा 1971, 1977 एवं 1984 में धनात्मक पाया गया है।

संयुक्त रूप से चारो घटकों का कांग्रेसत्तर मत के साथ 1957, 1962, 1971 एवं 1984 में अति उच्च, 1952 एवं 1967 मेंउच्च तथा 1977 एवं 1980 में निम्न सम्बन्ध पाया गया है।

11.1.3 व्याख्यायित प्रसरण

कांग्रेसत्तर मत के साथ सामाजिक घटकों एवं संयुक्त रूप से चारों घटकों के महत्व का मूल्यांकन किया गया है। तालिका 11.3 के द्वारा निर्दिष्ट किया गया है-

तालिका 11.3 के सिंहावलोकन के द्वारा यह विदित होता है कि प्रथम घटक केद्वारा अधिकतम व्याख्यापित स्तर वर्ष 1957 में 46 अधिकतम है जबकि- 1952, 1967, 1971 एवं 1977 में न्यूनतम है।

तालिका 11.3

व्याख्यायित सम्बन्ध स्तर

(निर्धारण गुणांक x100)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.06	0.12	0.13	0.03	0.45
1957	0.46	0.01	0.00	0.02	0.56
1962	0.38	0.01	0.10	0.89	0.53
1967	0.00	0.08	0.008	0.30	0.47
1971	0.01	0.47	0.001	0.01	0.57
1977	0.006	0.03	0.04	0.01	0.10
1980	0.14	0.00	0.006	0.001	0.14
1984	0.36	0.004	0.22	0.04	0.60

द्वितीय घटक के द्वारा व्याख्यायित स्तर वर्ष 1971 में अधिकतम है जबकि शेष निर्वाचन वर्षों में न्यूनतम है।

तृतीय घटक के द्वारा व्याख्यायित स्तर सभी निर्वाचन वर्षों में न्यून रहा है।

चतुर्थ घटक के द्वारा व्याख्यायित स्तर 1967 में अधिकतम प्राप्त हुआ है शेष सभी निर्वाचन वर्षों में न्यूनतम रहा है।

संयुक्त रूप से चारो घटकों के द्वारा व्याख्यायित स्तर 1957, 1962 एवं 1971 में अधिकतम प्राप्त हुआ है। 1967 में मध्यम तथा शेष निर्वाचन वर्षों में न्यूनतम रहा है।

11.1.4 आंकलन

समाश्रयण प्रतिमानों से कांग्रेसत्तर समर्थन का जो आंकलन हुआ, उनकी शुद्धता तालिका 11.4 में उल्लिखित मानक त्रुटियों के आधार पर निर्धारित की गयी है। इन त्रुटियों के मानक के रूप में होने के कारण इनकी पारस्परिक तुलना भी सम्भव है।

तालिका 11.4 पर दृष्टिपात करने से स्पष्ट होता है कि वर्ष 1952 में प्रथम घटक, द्वितीय घटक, तृतीय घटक एवं चतुर्थ घटक तथा संयुक्त रूप से चारो घटकों में वर्ष 1957 में द्वितीय घटक, तृतीय घटक, चतुर्थ घटक में वर्ष 1967 में प्रथम घटक, द्वितीय घटक एवं तृतीय घटक में मानक त्रुटि अधिक है तथा शेष निर्वाचन वर्षों के घटकों में मानक त्रुटि निम्न है।

तालिका 11.4

मानक त्रुटि

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	20.24	19.59	19.45	20.50	21.90
1957	15.19	20.51	20.67	20.48	17.25
1962	13.46	16.98	16.21	16.27	14.81
1967	20.26	19.43	20.18	16.84	16.36
1971	17.51	12.78	17.60	17.49	13.65
1977	9.51	9.37	9.34	9.49	9.96
1980	7.62	8.22	8.20	8.22	8.36
1984	7.13	8.89	7.84	8.73	6.20

तालिका 11.5

Standard Rate of Turnout Variation (Beta Weights)

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक
1952	0.24	-0.34	0.36	-0.19
1957	-0.67	0.13	-0.05	0.16
1962	0.61	0.13	-0.32	-0.31
1967	0.02	0.28	-0.09	-0.55
1971	-0.10	0.68	0.03	0.11
1977	0.08	0.19	-0.20	0.11
1980	0.37	-0.02	-0.08	-0.03
1984	0.60	0.06	-0.47	-0.20

मतदान का प्रमाणिक वैभिन्न (वाटो वेट) के संदर्भ में आकलित किया गया है। उपर्युक्त तालिका 11.5 से स्पष्ट है कि यह विभिन्नता अधिक नहीं है। सर्वाधिक वाटो वेट वर्ष 1962 तथा 1984 में क्रमश: प्रथम घटक(0.61) तथा प्रथम घटक (0.60) के सम्बन्धों में दृष्टिगत होता है तथाशेष निर्वाचन वर्षों में निम्न है।

तालिका 11.6

Standard Error and Significance Rates of Variation

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटन
1952	7.79	9.15	18.15	8.16
1957	5.27	5.92	7.12	5.97
1962	3.23	11.36	9.42	5.97
1967	4.67	5.14	4.78	4.17
1971	4.09	4.51	4.94	5.83
1977	2.13	2.12	2.10	2.19
1980	1.71	1.86	1.84	1.88
1984	1.82	2.02	1.82	2.02

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि प्रामाणिक त्रुटि वर्ष 1952 के तृतीय घटक (18.15) में सर्वाधिक है। शेष निर्वाचन वर्षों में स्वीकार योग्य रही है।

तालिका 11.7

'F' Ratios

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	संयुक्त
1952	0.40	0.82	0.92	0.23	0.61
1957	6.85	0.14	0.02	0.23	1.62
1962	4.96	0.15	0.94	0.88	1.42
1967	0.007	1.32	0.13	6.73	2.75
1971	0.10	8.97	0.01	0.13	2.40
1977	0.11	0.66	0.78	0.21	0.40
1980	2.79	0.008	0.11	0.02	0.61
1984	9.01	0.06	4.69	0.68	5.02

उपरोक्त तालिका के अवलोकन से यह विदित होता है कि वर्ष 1952 में सर्वाधिक अनुपात 0.92 है। वर्ष 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में क्रमशः 6.85, 4.96, 6.73, 8.97, 0.78, 2.79 एवं 9.01 है। सर्वाधिक अनुपात वर्ष 1984 के प्रथम घटक का है।

तालिका 11.8

स:सम्बन्ध मैट्रिक्स

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैधमतदान	कांग्रेस समर्थक	कांग्रेसत्तर क्षेत्र
1952							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.58	1.00					
तृतीय घटक	0.10	0.04	1.00				
चतुर्थ घटक	0.16	-0.55	-0.12	1.00			
वैधमतदान	-0.01	-0.11	0.41	0.53	1.00		
कांग्रेस समर्थक	0.53	0.08	0.28	0.41	0.44	1.00	
कांग्रेसत्तर क्षेत्र	0.24	-0.34	0.36	-0.19	-0.30	-0.55	1.00
1957							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.03	1.00					
तृतीय घटक	-0.13	0.18	1.00				
चतुर्थ घटक	0.04	0.00	-0.05	1.00			
वैध मतदान	0.53	-0.11	0.17	0.07	1.00		
कांग्रेस समर्थक	-0.14	-0.12	0.48	-0.64	0.17	1.00	
कांग्रेसत्तर क्षेत्र	-0.67	0.13	-0.05	0.16	-0.80	0.34	1.00
1962							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.07	1.00					
तृतीय घटक	-0.14	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.03	0.13	0.28	1.00			
वैध मतदान	0.05	-0.43	0.17	0.23	1.00		
कांग्रेस मतदान	0.12	0.12	-0.56	0.29	-0.11	1.00	
कांग्रेसत्तर क्षेत्र	0.02	0.28	-0.09	-0.55	-0.63	-0.13	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैधमतदान	कांग्रेस समर्थक	कांग्रेसेत्तर क्षेत्र
1967							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.04	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	0.02	0.13	-0.13	1.00			
वैध मतदान	0.05	-0.43	0.17	0.23	1.00		
कांग्रेस वोट	0.12	0.12	-0.56	0.29	-0.11	1.00	
कांग्रेसेत्तर क्षेत्र	0.02	0.28	-0.09	-0.55	-0.63	-0.13	1.00
1971							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.09	0.19	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.24	-0.05	1.00			
वैध मतदान	-0.14	-0.22	0.32	-0.02	1.00		
कांग्रेस वोट	0.01	-0.50	-0.09	0.01	0.55	1.00	
कांग्रेसेत्तर वोट	-0.10	0.68	0.03	0.11	-0.65	-0.77	1.00
1977							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.04	0.01	1.00			
वैध मतदान	-0.04	0.03	-0.26	0.14	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.05	-0.05	-0.01	-0.26	-0.29	1.00	
कांग्रेसेत्तर वोट	0.08	-0.19	-0.20	0.11	0.14	-0.82	1.00

निर्वाचन वर्ष	प्रथम घटक	द्वितीय घटक	तृतीय घटक	चतुर्थ घटक	वैध मतदाता	कांग्रेस समर्थक	कांग्रेसत्तरवोट
1980							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	0.00	1.00					
तृतीय घटक	0.00	0.00	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.00	-0.03	0.00	1.00			
वैध मतदाता	0.48	0.19	-0.12	-0.19	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.11	0.09	-0.17	0.07	-0.26	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.37	-0.02	-0.08	-0.03	0.32	-0.64	1,00
1984							
प्रथम घटक	1.00						
द्वितीय घटक	-0.01	1.00					
तृतीय घटक	-0.02	-0.01	1.00				
चतुर्थ घटक	-0.03	-0.04	0.00	1.00			
वैध मतदान	0.30	0.17	-0.29	-0.20	1.00		
कांग्रेस वोट	-0.42	-0.00	0.24	-0.05	-0.52	1.00	
कांग्रेसत्तर वोट	0.60	0.60	-0.47	-0.20	0.67	-0.83	1.00

स:सम्बन्ध की गणना परस्पर घटकों के सन्दर्भ में की गयी है। अत: चारो घटकों का अलग-अलग तथा संयुक्त घटकों का पारस्परिक सहसम्बन्ध का आंकलन स्पष्ट करता है कि कहीं धनात्मक सम्बन्धों का बाहुल्य है जबकि किन्ही घटकों के मध्य ऋणात्मक सम्बन्ध दृष्टिगोचर होता है। यहाँ पर प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के अलग-अलग दलों की गणना की गयी है। स: सम्बन्ध अत्यन्त न्यून प्रकार का पाया गया। अत: यह स्पष्ट है कि प्रत्येक घटक अनवलम्बित हैं और कांग्रेसत्तर मत से उनका सह सम्बन्ध अलग आचरण को व्याख्यायित करता है।

11.2 कांग्रेसत्तरदल एवं सामाजिक घटक

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग 11.2 में प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन वर्ष में पृथक-पृथक कांग्रेसत्तर दलों §1952, गणतंत्र परिषद दल 1957 गणतन्त्र परिषद दल, 1962 गणतंत्र परिषद दल 1967, 1971 स्वराज्य दल 1977 भारतीय लोकदल एवं 1980, 1984 जनता पार्टी के मत एवं सामाजिक घटकों के अवशेषों का तथा संयुक्त रूप से चारो घटकों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 11.1 से 11.8 में प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम जनगणना वर्ष 1952

§गणतंत्र परिषद दल§

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर, कालाहान्डी, बोलगीर तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर, सुन्दरगढ, ठेनकानाल, वेस्ट निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बारगढ तथा जाजपुर -केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

द्वितीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, बोलगीर तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में यह क्षेत्र पाया गया है।
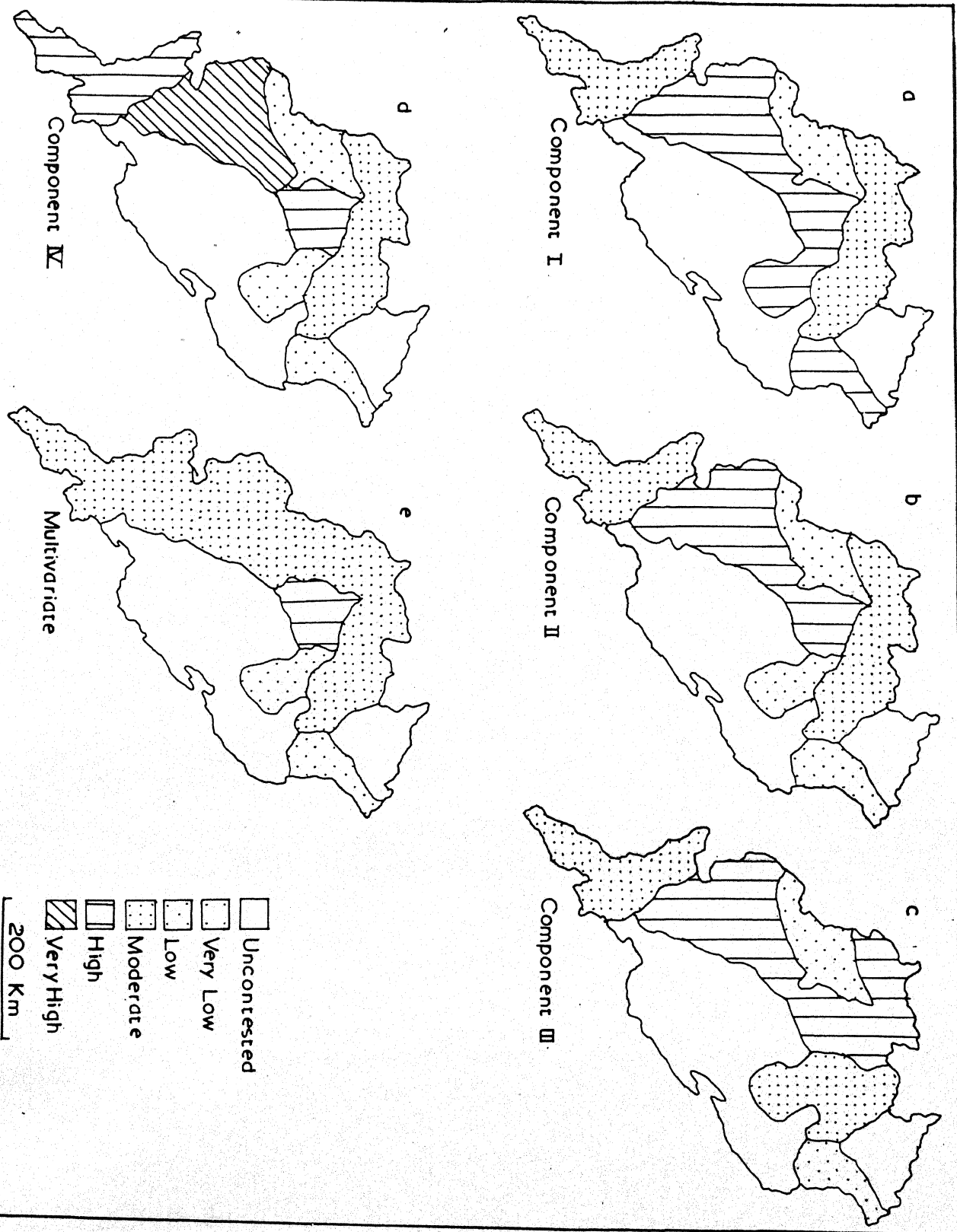
Fig. 11.1 Relationship between Other Parties and Social Components : 1952

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर, सुन्दरगढ, ढेनकानाल-वेस्ट , कटक निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बारगढ़, ढेनकानाल-वेस्ट , कटक तथा जाजपुर, केउंझर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

तृतीय घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, बोलगीर, सम्बलपुर, तथा सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर, ढेनकानाल, वेस्ट कटक निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बारगढ, जाजपुर, केउंझर तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, बोलगीर, निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया जाता है।

उच्च क्षेत्र

नवरंगपुर तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के सुन्दरगढ तथा जाजपुर केउंझर निर्वाचनक्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

वारगढ, ठेनकानाल, वेस्ट कटक तथा वालासोर सम्मिलित हैं।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर, कालाहान्डी, बोलगीर, बारगढ, आजपुर केउंझर तथा सुन्दरगढ क्षेत्र इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

ठेनकानाल, वेस्ट तथा वालासोर निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाये गये हैं।

द्वितीय निर्वाचन वर्ष 1957

गणतंत्र परिषद दल

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में द्वितीय निर्वाचन वर्ष 1957 गणतन्त्र परिषद दल का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 11.2 के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा प्रान्त के कालाहान्डी, सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, सुन्दरगढ, मयूरभंज, केन्द्रापारा, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।
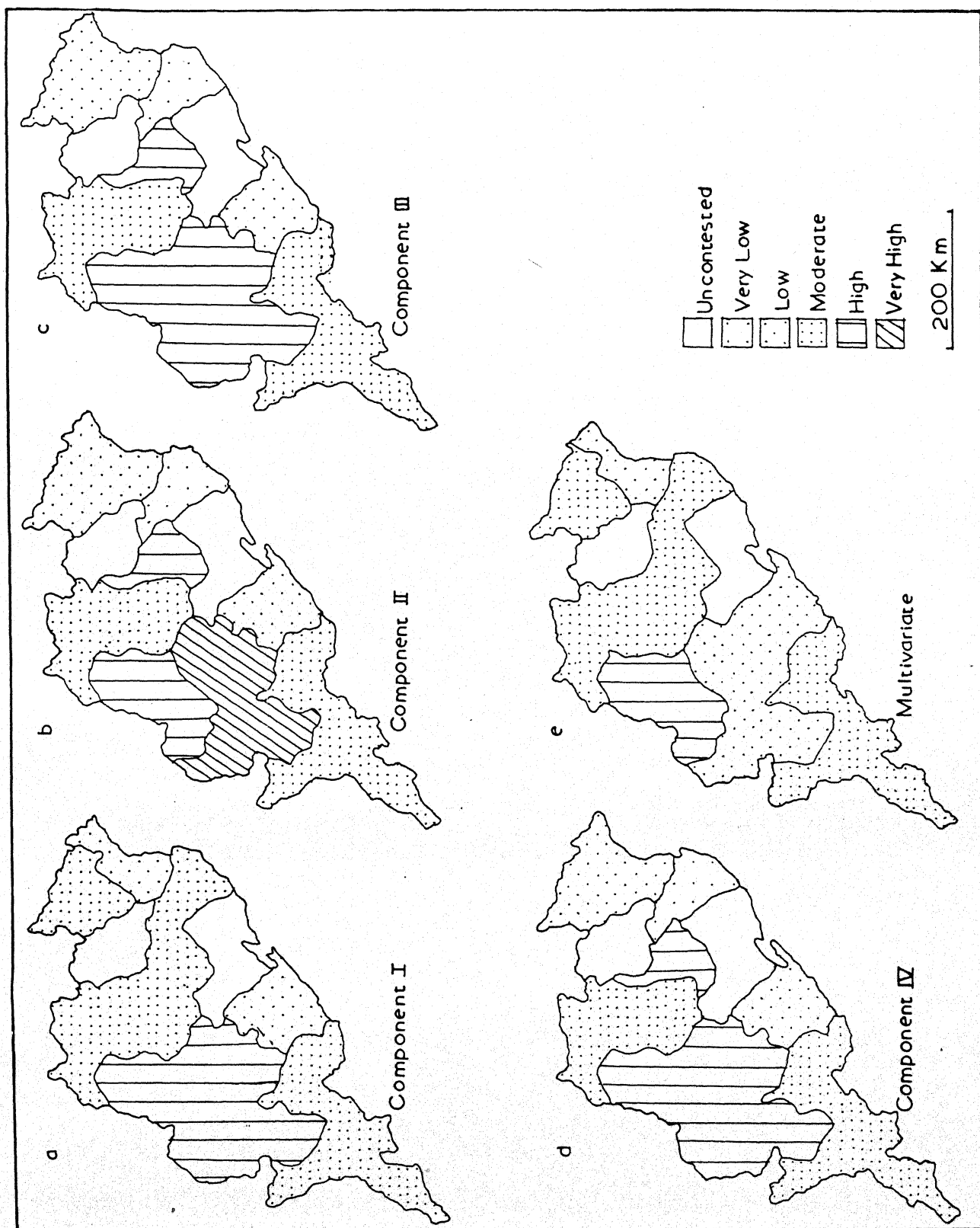
Fig. II·2 Relationship between Other Parties and Social Components : 1957

निम्न क्षेत्र

गंजाम तथा बारगढ निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र अति उच्च विचलन में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा का सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, सुन्दरगढ, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के गंजाम, मयूरभंज तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 11.2 ( ) के द्वारा स्पष्ट होता है कि उड़ीसा के केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

तृतीय घटक

उच्चक्षेत्र

कालाहान्डी, सम्बलपुर, निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र, सुन्दरगढ, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के गंजाम, मयूरभंज, बालासोर निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा, निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

चतुर्थ घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, सम्बलपुर तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, सुन्दरगढ तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के गंजाम, मयूरभंज तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

अति निम्न क्षेत्र

केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, सुन्दरगढ, मयूरभंज, केन्द्रापारा, ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के गंजाम, कालाहान्डी तथा बालासोर निर्वाचन क्षेत्र का भाग इसमें पाया गया है।

तृतीय निर्वाचनवर्ष 1962

गणतंन्त्र परिषद दल

प्रस्तुत निर्वाचन वर्ष 1962 के कांग्रेसत्तरदल ¡गणतंत्र परिषद¡ एवं सामाजिक घटकों के अवशेषों का विवरण प्रस्तुत किया गया है। चित्र 11.3 के द्वारा यह स्पष्ट होता है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के फुलवानी तथा बोलगीर, निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के नवरंगपुर, सुन्दगढ़, केउंझर तथा मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, सम्बलपुर, ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के फुलवानी तथा बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र, सुन्दगढ, केउंझर, मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।
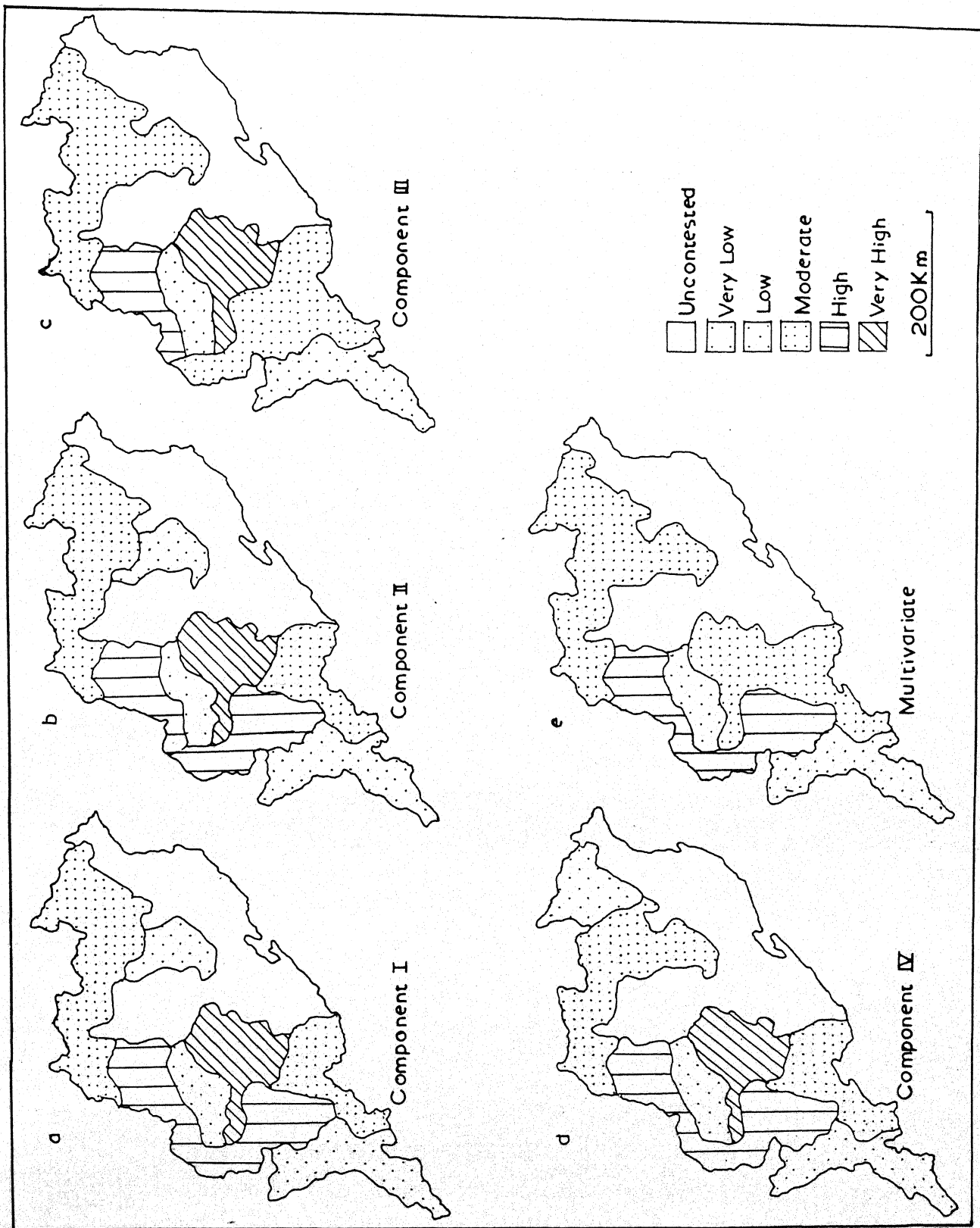
Fig. II.3 Relationship between Other Parties and Social Components : 1962

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत तथा ढेनकानाल में यह पाया गया है।

अति निम्नक्षेत्र

उड़ीसा के सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र में अति निम्न विचलन पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसी के अन्तर्गत आते हैं।

उच्च क्षेत्र

बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर, फुलवानी, सुन्दरगढ, केओंझर, मयूरभंज तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

निम्न क्षेत्र

कोरापुत, सम्बलपुर, निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र अति उच्च विलचन का क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के फुलवानी तथा बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर, सुन्दरगढ, केउंझर तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

कोरापुत, सम्बलपुर तथा मयूरभंज निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के फुलवानी तथा बोलगीर में उच्च विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

नवरंगपुर कालाहान्डी, सुन्दरगढ, केउंझर, मयूरभंज, ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

कोरापुत तथा सम्बलपुर का निर्वा न क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

चतुर्थ निर्वाचन वर्ष 1967

(स्वराज्य दल)

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में स्वराज्य दल के मत तथा सामाजिक घटकों के मध्य सह:सम्बन्ध का विश्लेषण किया गया है। चित्र 11.4 के द्वारा यह प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्चक्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, कालाहान्डा, वोलगीर, केउंझर तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आता है।

मध्यम क्षेत्र

छत्रपुर, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी, सुन्दरगढ तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसके अन्तर्गत आते हैं।

निम्न क्षेत्र

बालासोर, भेड़ारक, कटक, भुवनेश्वर, भजनगढ तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र
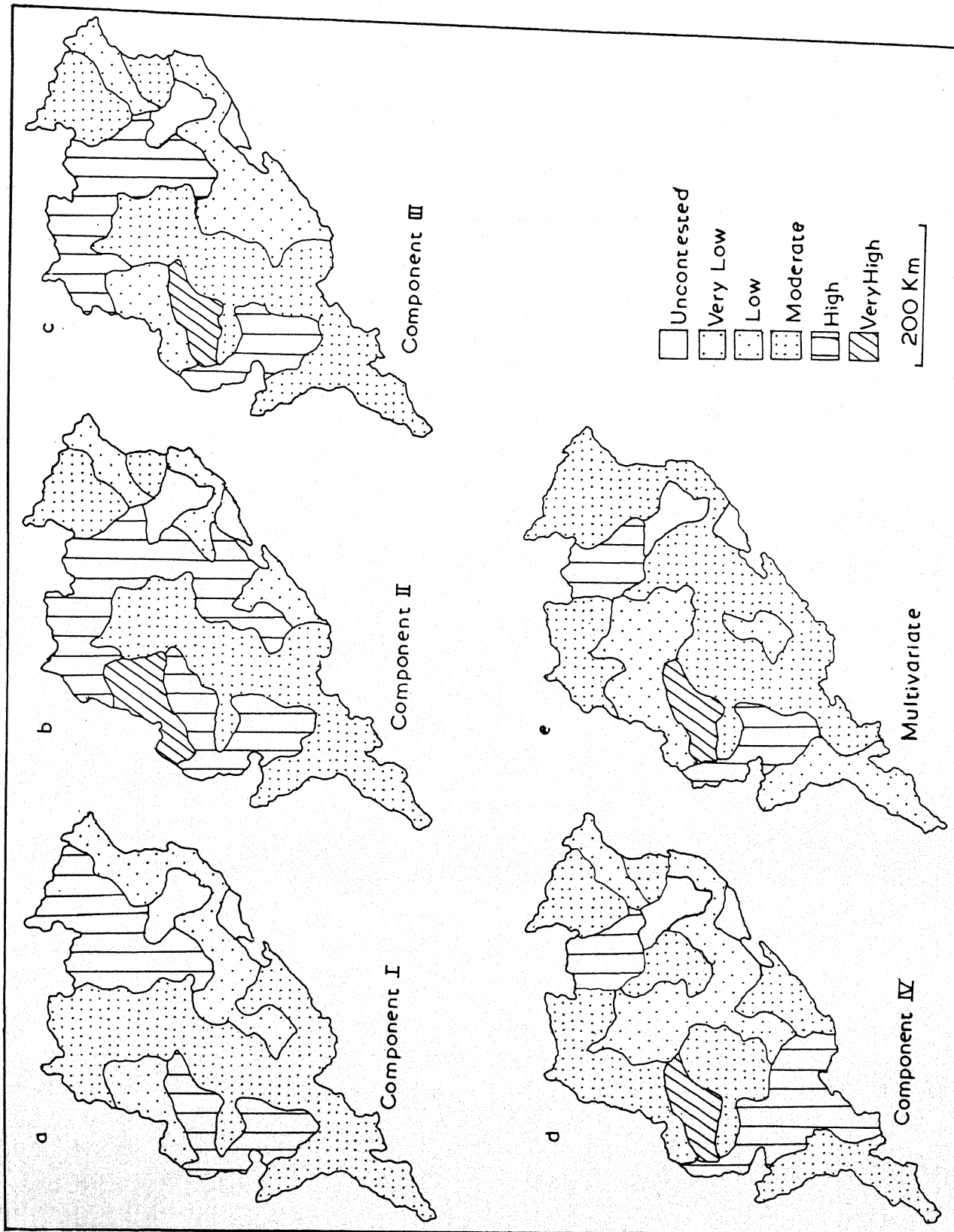
Fig. 11.4 Relationship between Other Parties and Social Components : 1967

इसके अन्तर्गत पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

सम्बलपुर, निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के भुवनेश्वर, भजनगढ़, छत्रपुर, कालाहान्डी, बोलगीर, सुन्दरगढ़ केउंझर तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, भेड़ारक, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी, अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

बालासोर तथा कटक निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी, सुन्दरगढ, केउंझर, ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, भेड़ारक, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, कटक, भुवनेश्वर, भजनगढ, छत्रपुर तथा सम्बलपुर निर्वाचन क्षेत्र पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के बोलगीर, निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कोरापुत, कालाहान्डा तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा , मयूरभंज, भेड़ारक, छत्रपुर, नवरंगपुर, फुलवानी, सम्बलपुर, सुन्दरगढ तथा ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, कटक, भुवनेश्वर, भजनगढ तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में उच्च विलचन का क्षेत्र कालाहान्डा तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में हैं।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, कटक, भुवनेश्वर, छत्रपुर, कोरापुत, फुलवानी, सुन्दगढ़ ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

निम्न क्षेत्र

भजनगढ़, नवरंगपुर, सम्बलपुर तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

पंचम निर्वाचन वर्ष 1971

[स्वराज्य दल]

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में पंचम निर्वाचन वर्ष के कांग्रेसत्तर दल के बहुमत तथा सामाजिक घटकों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 11.5 के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी तथा बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के फुलवानी तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में उच्चविचलन पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, कोरापुर, सुन्दरगढ, ढेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में बालासोर, भेड़ारक तथा भुवनेश्वरमें निम्न विचलन पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन पाया जाता है।

उच्च क्षेत्र

बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में उच्च विचलन क्षेत्र पाया गया है।
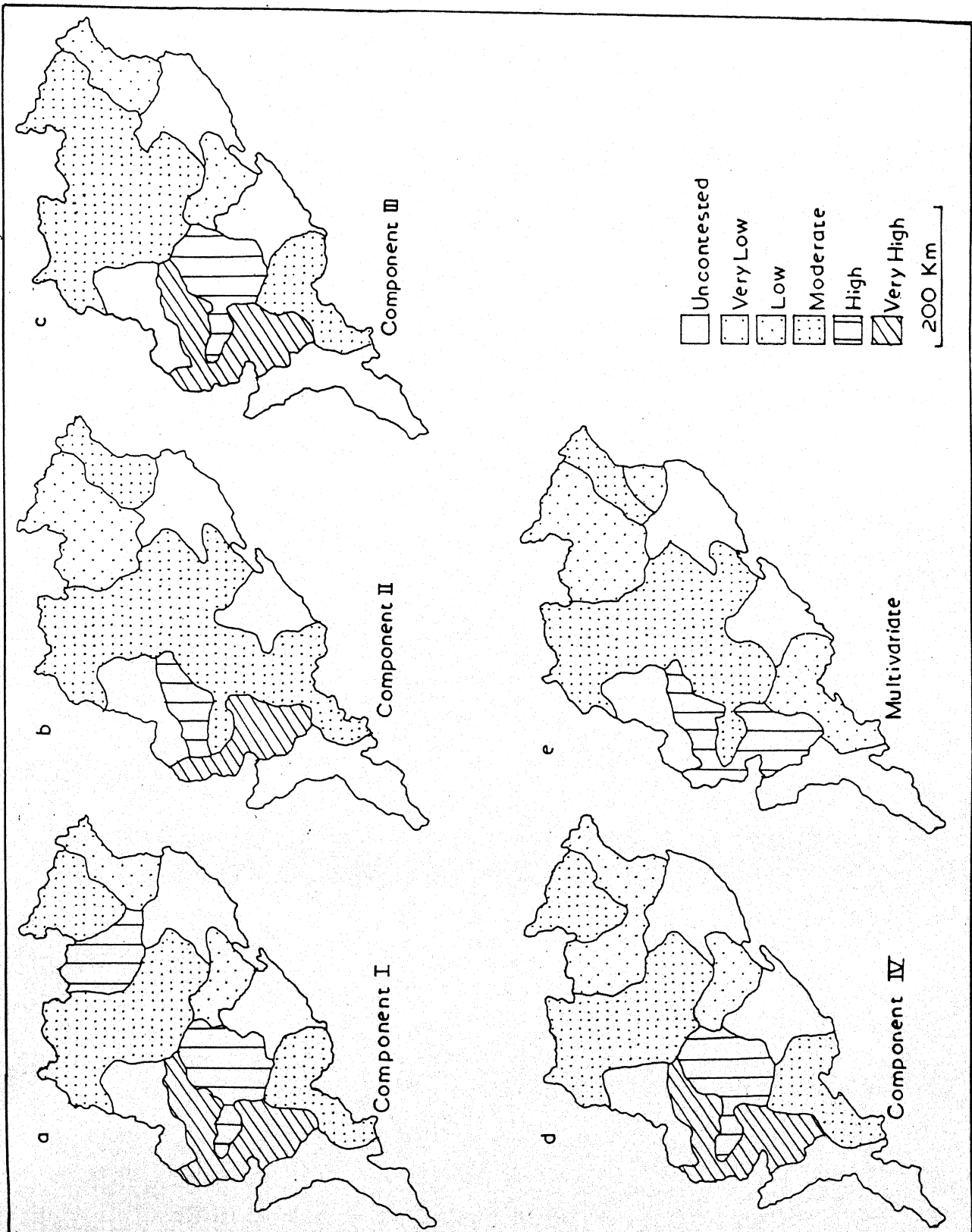
Fig. 11.5 Relationship between Other Parties and Social Components : 1971

मध्यम क्षेत्र

बालासोर ,भेड्रारक,भुवनेश्वर,कोरापुत, फुलवानी,सुन्दरगढ,ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

कालाहान्डी तथा बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र में उच्च विलचन पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज,कोरापुत,सुन्दरगढ,केउंझर,ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर,भेड़ारक तथा भुवनेश्वर में यह क्षेत्र हैं।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कालाहान्डी,बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसाराज्य के फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र में उच्च विचलन पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज,कोरापुत,सुन्दरगढ,ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

चित्र 11.5 ॥ ॥ के द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि उड़ीसा के बालासोर, भेड़ारक, भुवनेश्वर तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

संयुक्त

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कालाहान्डी तथा बोलगीर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, भुवनेश्वर, फुलबानी, सुन्दरगढ, ठेनकानाल तथा अंगुल निर्वाचन क्षेत्र आता है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, भेडारक, कोरापुत तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

षष्ठम निर्वाचन वर्ष 1977

भारतीय लोकदल

प्रस्तुत अध्याय के इस अनुभाग में कांगेसोत्तर दल एवं सामाजिक घटकों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 11.6 के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के भेड़ारक, बोलगीर, सम्बलपुर, ठेनकानाल तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, बालासोर, जाजपुर, पुरी, फुलबानी, कटक, जगतसिंहपुर, नवरंगपुर फूलबानी, देवगढ तथा सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र हैं।
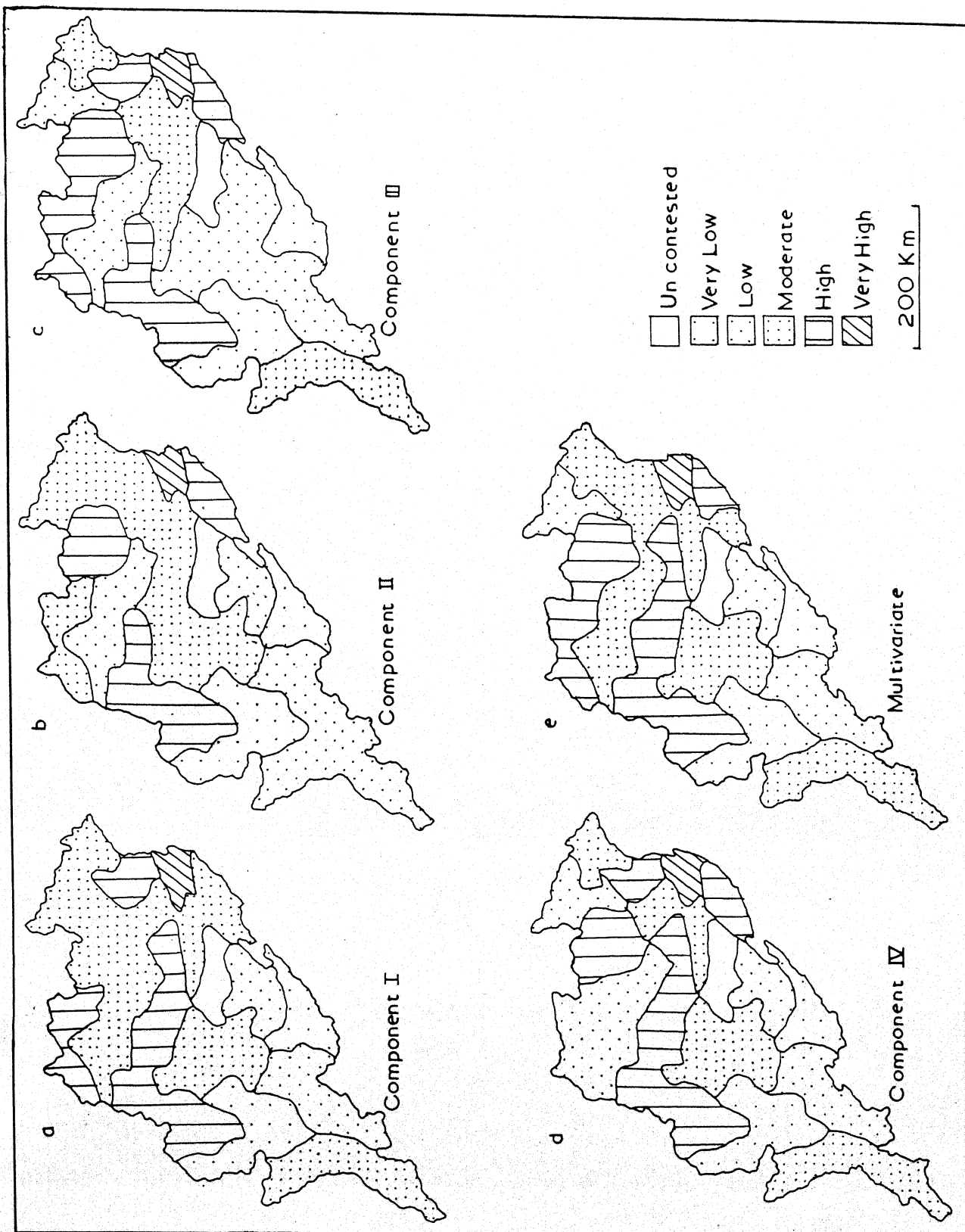
Fig. II.6 Relationship between Other Parties and Social Components: 1977

निम्न क्षेत्र

असका तथा कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र अतिउच्च विचलन में सम्मिलित हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जगतसिंहपुर, पुरी, बोलगीर, सम्बलपुर तथा केउंझार क्षेत्र इसमें आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, कटक, फुलबानी, ढेनकानाल तथा सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के असका, कोरापुत, नवरंगपुर तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा में केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के भेड़ारक, जगतसिंहपुर, पुरी, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ तथा

केंउझर में यह क्षेत्र पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

बालासोर, जाजपुरकटक, नवरंगपुर तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

निम्न क्षेत्र

मयूरभंज, असका, कोरापुत, फुलबानी तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के भेड़ारक, जगतसिंहपुर, पुरी, बोलगीर, सम्बलपुर, ठेनकानाल तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र इसमें हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के बालासोर, जाजपुर, कटक तथा नवरंगपुर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, असका, कोरापुल, फुलबानी, देवगढ तथा सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के बरहामपुर तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र पाया गया है।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जगतसिंहपुर, वोलगीर, सम्बलपुर, ठेनकानाल, सुन्दरगढ तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

वालासोर, भेड़ारक, जाजपुरकटक, पुरी, नवरंगपुर, फुलवानी तथा देवगढ़ निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, असका तथा कोरापुत निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अति निम्न क्षेत्र

चित्र 11.6 ( ) के द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि उड़ीसा के वरहामपुर तथा कालाहान्डी इसमें आता है।

सप्तम निर्वाचन वर्ष 1980

जनता पार्टी

इस अनुभाग में कांग्रेसत्तरदल(जनतापार्टी) का एवं सामाजिक घटकों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 11.7 के द्वारा इसे स्पष्ट किया गया है।

प्रथम घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन पाया गया है।
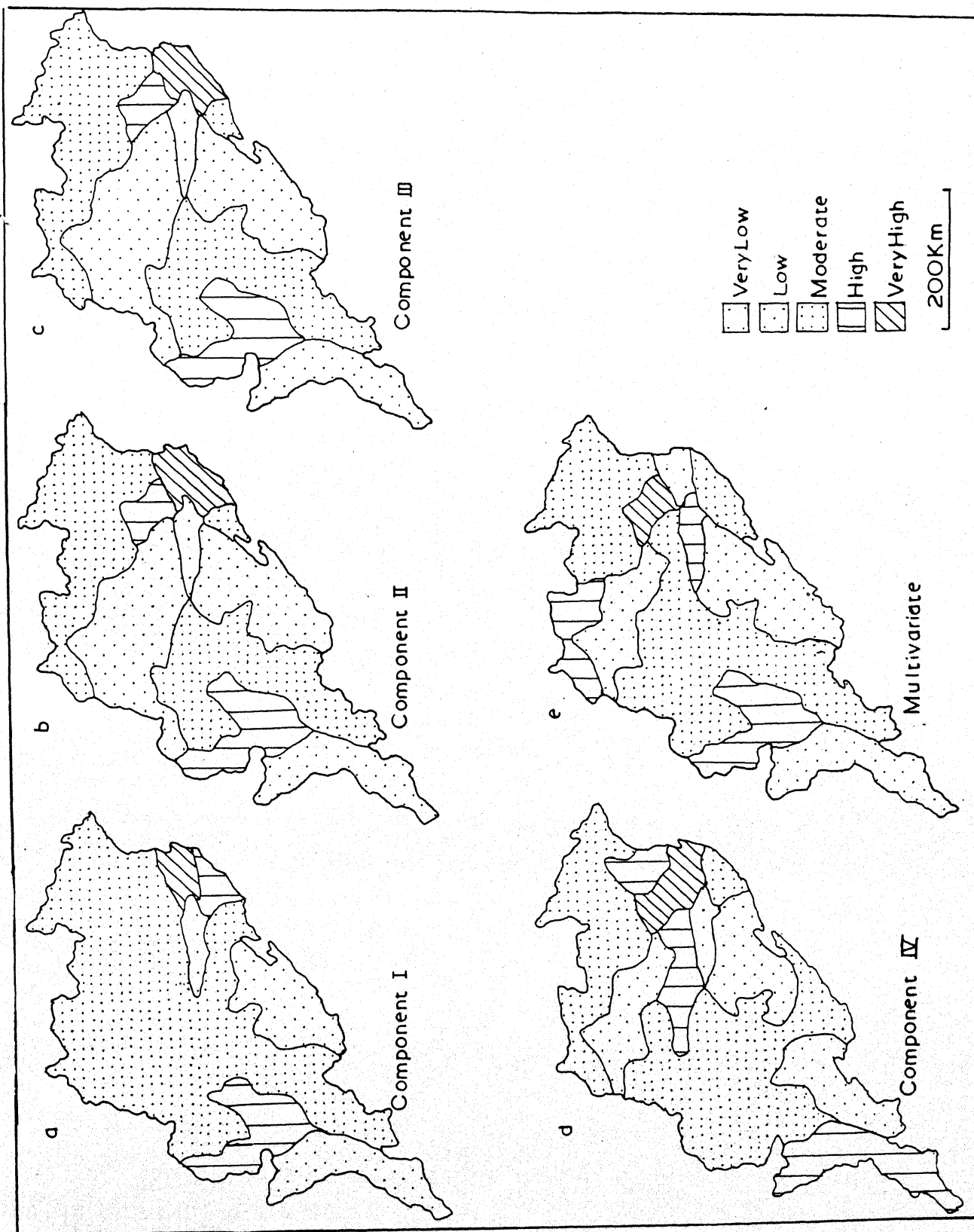
Fig. II.7 Relationship between Other Parties and Social Components : 1980

उच्च क्षेत्र

जगतसिंहपुर, कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र इसमें आता है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, पुरी, भुवनेश्वर, कोरापुत फुलवानी, वोलगीर, सम्बलपुर , देवगढ, ठेनकानाल, सुन्दरगढ तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के असका, वरहामपुर तथा नवरंगपुर का निर्वाचन क्षेत्र पाया गया है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कटक निर्वाचन क्षेत्र में अति निम्न विचलन पाया गया है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा तथा जगतसिंह पुर निर्वाचन क्षेत्र इसमें आते हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जाजपुर तथा कालाहान्डी निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, पुरी, कोरापुत, फुलवानी, वोलगीर सुन्दरगढ तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के भुवनेश्वर, असका, वरहामपुर, नवरंगपुर, सम्बलपुर, देवगढ तथा ठेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कटक में अति निम्न विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

केन्द्रापारा तथा जगतसिंह पुर निर्वाचिन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जाजपुर, कालाहान्डी निर्वाचिन क्षेत्र आते हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, पुरी, कोरापुत, फुलवानी, वोलगीर सुन्दरगढ तथा केउंझर निर्वाचिन क्षेत्र पाया गया है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के भजनगढ, असका, वरहामपुर, नवरंगपुर, सम्बलपुर, देवगढ, ठेनकानाल निर्वाचिन क्षेत्र आते हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के कटक निर्वाचिन क्षेत्र में अति निम्न विचलनपाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जाजपुरतथा केन्द्रापारा निर्वाचिन क्षेत्र इसमें आते हैं।

उच्च क्षेत्र

भेड़ारक, नवरंगपुर तथा ठेनकानाल निर्वाचिन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

मयूरभंज, बालासोर, जगतसिंहपुर, बरहामपुर, कालाहान्डी, फुलबानी, बोलगीर, सम्बलपुर, सुन्दरगढ केउंझर निर्वाचन क्षेत्र है।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर, अस्का, कोरापुत, देवगढ, निर्वाचन क्षेत्र हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा में कटक निर्वाचन क्षेत्र इसमें पाया गया है।

संयुक्त

अतिउच्च क्षेत्र

उड़ीसा के जाजपुर निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के कटक, कालाहान्डी, सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, बालासोर, भेड्रारक, जगतसिंहपुर, पुरी, कोरापुत, फुलबानी, बोलगीर, सम्बलपुर, ढेनकानाल तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भुवनेश्वर, अस्का, बरहामपुर, नवरंगपुर, देवगढ निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित है।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति निम्न विचलन पाया गया है।

अष्टम निर्वाचन वर्ष 1989

जनता पार्टी

इस अनुभाग में कांग्रेसेत्तर दल तथा सामाजिक घटकों का विश्लेषण किया गया है। चित्र 11.8 के द्वारा इसे प्रदर्शित किया गया है।

प्रथम घटक

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के भेड़ारक, केन्द्रापारा, जगतसिंहपुर, कालाहान्डी, बोलगीर सम्बलपुर, निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, बालासोर, जाजापुर, कटक, पुरी, असका, ढेनकानाल केउंझर, निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

निम्न क्षेत्र

वरहामपुर, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी, सुन्दरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित है।

द्वितीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केन्द्रपारा तथा जगतसिंह पुर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर, जाजपुर, कटक, जगतसिंहपुर, कालाहान्डी, बोलंगीर तथा सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में मयूरभंज, भेड़ारक, असका तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र में यह पाया गया है।
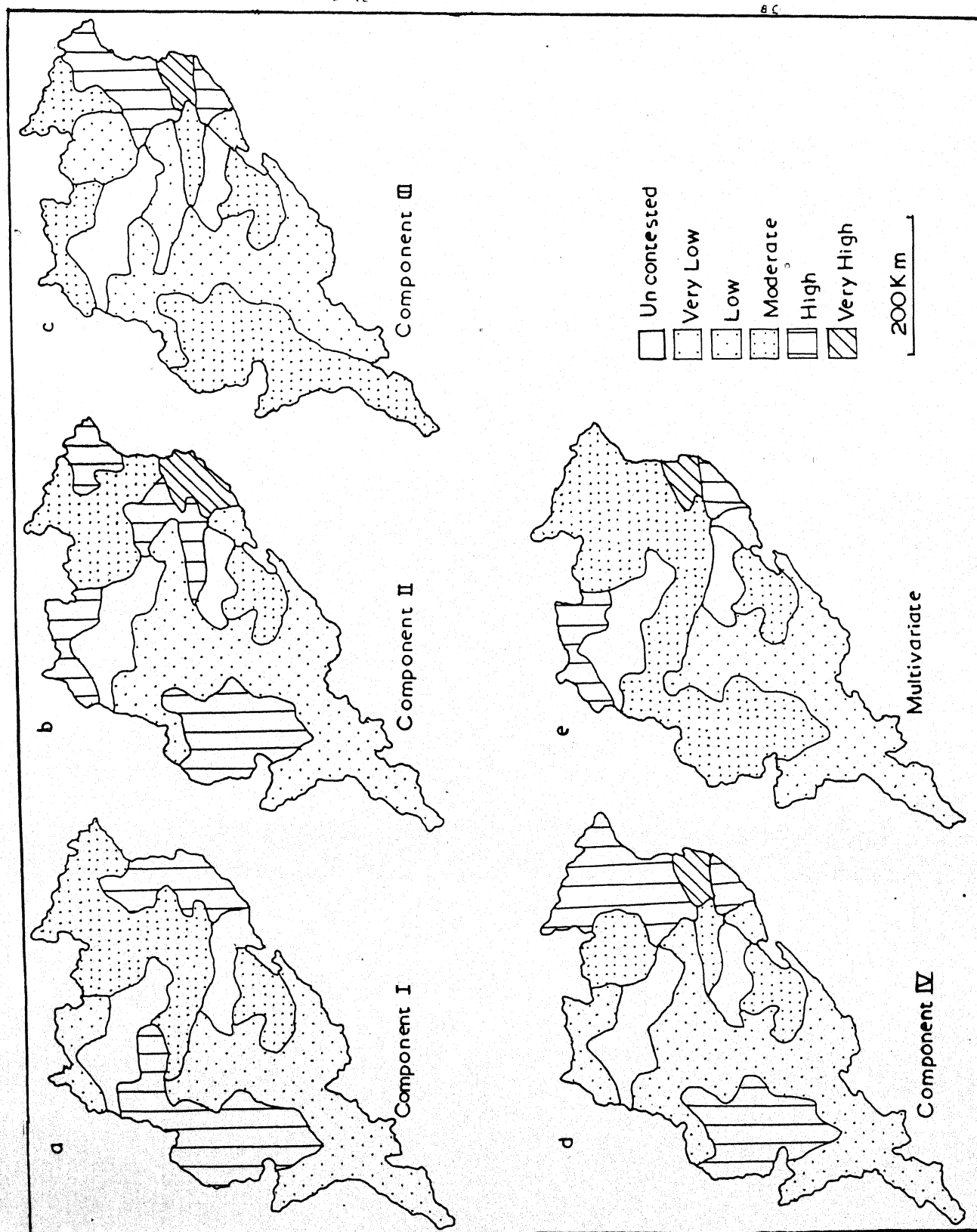
Fig. 11.8 Relationship between Other Parties and Social Components : 1984

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के पुरी, बरहामपुर, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी, सम्बलपुर, ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

तृतीय घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केन्द्रपारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, जगतसिंहपुर, निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, कटक, पुरी, असका, नवरंगपुर, कालाहान्डा, बोलगीर सुन्दरगढ निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के बरहामपुर, कोरपुत, फुलवानी, सम्बलपुर, केउंझर निर्वाचन क्षेत्र आते हैं।

अति निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में ढेनकानाल निर्वाचन क्षेत्र में पाया गया है।

चतुर्थ घटक

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन का क्षेत्र पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा के मयूरभंज, वालासोर, भेड़ारक, जाजपुर, जगतसिंहपुर, कालाहान्डी वोलगीर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के कटक, असका, केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के सम्बलपुर, ठेनकानाल, सुन्दरगढ, पुरी, वरहामपुर, कोरापुत, नवरंगपुर, फुलवानी, निर्वाचन क्षेत्र इसमें सम्मिलित हैं।

संयुक्त

अति उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में केन्द्रापारा निर्वाचन क्षेत्र में अति उच्च विचलन पाया गया है।

उच्च क्षेत्र

उड़ीसा राज्य में जगतसिंहपुर, सुन्दरगढ़ में पाया गया है।

मध्यम क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के मयूरभंज, वालासोर, भेडारक, जाजपुर, कटक, पुरी, वोलगीर असका, कालाहान्डी, सम्बलपुर, ठेनकानाल तथा केउंझर निर्वाचन क्षेत्र हैं।

निम्न क्षेत्र

उड़ीसा राज्य के वरहामपुर, कोरापुत, नवरंगपुर तथा फुलवानी निर्वाचन क्षेत्र सम्मिलित हैं।

अध्याय 12

"सारांश"

इस अध्ययन में उड़ीसा राज्य में विभिन्न लोकसभा निर्वाचन के परिणामों के आधार पर वैध मतदान कांग्रेस समर्थन, एवं कांग्रेसत्तर दल मत के भौगोलिक प्रतिरूपों का सकारण विवरण प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। भारत एक प्रजातांत्रिक देश है तथा शासन प्रणाली के संचालन में निर्वाचन का महत्व बहुत अधिक है। निर्वाचन के माध्यम से ही सामान्य जनता देश की शासन व्यवस्था में मुख्य रूप से योगदान करती है। इस शोध प्रबन्ध के प्रथम अध्याय में निर्वाचन भूगोल में शोध की वर्तमान एवं भूतपूर्व दिशाओं शोध प्रबन्ध के लिए स्वीकृत उद्देश्यों का वर्णन किया गया है। वैध मतदान, कांग्रेस समर्थन, एवं कांग्रेसत्तर दल मत से सम्बन्धित है, इसलिए निर्वाचन व्यवहार के लिए उत्तरदायी सामाजिक एवं आर्थिक कारकों का भी वर्णन प्रस्तुत किया गया है। वर्तमान समय में निर्वाचन भूगोल का महत्व बढ़ता जा रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि निर्वाचन अध्ययनों में आंकड़ों को अपेक्षाकृत सुविधानुसार आधुनिक परिभाषात्मक अध्ययन-धारा का अंग बनाया जा सकता है। निर्वाचन भूगोल रूचिकर विषय होने के कारण दिन प्रतिदिन इसका अध्ययन बढ़ता जा रहा है। इसके अन्तर्गत वर्तमान समय में निर्वाचन तन्त्र, मतदान, निर्वाचक दल समर्थन प्रतिनिधित्व, निर्वाचन सुधार जनमत संग्रह एवं सांसदों में पड़ने वाले मतों के भौगोलिक पहलू सम्मिलित किए जा रहे हैं।

निर्वाचन भूगोल का प्रारम्भ 19वीं शदी से माना जाता है। तत्पश्चात् राइट प्रेसकाट, स्मिथ एवं हार्ट, क्रिसलर आदि विद्वानों ने निर्वाचन भूगोल के विकास में सराहनीय योगदान दिया है। 1971 तक राजनैतिक भूगोल की इस शाखा को सम्मानीय स्थान प्राप्त होने लगा था। निर्वाचन भूगोल के अन्तर्गत

प्रक्रिया-संरचना, परिस्थिति व्यवहार परक एवं परिणाम अपरिणाम उपागम, समय-समय पर महत्वपूर्ण रहे हैं । अतएव प्रस्तुत शोध प्रबन्ध इस दिशा में एक प्रयास है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में उड़ीसा राज्य के विभिन्न लोकसभा निर्वाचनों के अन्तर्गत प्राप्त आँकड़ों के आधार पर वैध मतदान, कांग्रेस दल एवं कांग्रेसत्तर दल मत का भौगोलिक वर्णन प्रस्तुत किया गया है । प्रस्तुत अध्ययन में पारिस्थितिक उपागम का प्रयोग किया गया है । उपलब्ध आँकड़ों के आधार पर उनका परीक्षण किया गया है । निर्वाचनों पर पड़ने वाले सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विवेचन उड़ीसा राज्य के सन्दर्भ में विशिष्ट रूप से किया गया है ।

उड़ीसा राज्य में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव रहा है । परन्तु कांग्रेस का प्रभाव भी कम नहीं रहा है । ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों के निर्वाचकों तथा वैध मतदान एवं कांग्रेस दल मत के निर्धारण में सामाजिक एवं आर्थिक चरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । साक्षरता के कारण मतदान निर्वाचन के प्रति अधिक जागरूक रहता है । कृषि, खेतिहर मजदूर एवं विभिन्न धर्मावलम्बी लोग अब मतदान के विषय में पहले से अधिक जागरूक हो चुके हैं । इसका विशद विवेचन उड़ीसा राज्य के सन्दर्भ में किया गया है । ये कारक एक साथ अपना प्रभाव डालते हैं इसलिए प्रस्तुत अध्ययन में इन्हें सम्मिलित रूप से स्वीकृत किया गया है । साथ ही साथ सामाजिक एवं आर्थिक चरो के सम्मिलित प्रभावों का अध्ययन किया गया है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय दो में विधितन्त्र का वर्णन किया गया है । इस अध्याय में सम्बन्धित साक्ष्यों के संकलन, परिमार्जन तथा विश्लेषण की सांख्यिकीय विधियों एवं शोध समस्या के वर्णन तथा विश्लेषण के परिणामों के मानचित्रण में प्रयुक्त किये विधियों का प्रयोग किया गया है । शोध प्रबन्ध की

संकल्पना से सम्बन्धित सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का संकलन प्रकाशित श्रोतों के आधार पर किया गया है । संकलन श्रोत मुख्यत: भारतीय निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट तथा भारतीय जनगणना रिपोर्ट रहे हैं । भारतीय निर्वाचन आयोग के प्रकाशित श्रोत से उड़ीसा के 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 लोकसभा निर्वाचनों से सम्बन्धित निर्वाचकीय आंकड़ें प्राप्त किये गये हैं । उड़ीसा में विभिन्न निर्वाचन वर्षों में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या प्राय: पृथक-पृथक रही है । वर्ष 1952 एवं में 16, 1957 में 14, 1962 में 20, 1967 में 20, 1971 में 20, 1977 में 21, 1980 में 21 तथा 1984 में 21 स्थान थे, जिनके आधार पर सभी निर्वाचकीय आंकड़ें एकत्रित किये गये हैं । सामाजिक-आर्थिक आंकड़ें भारतीय जनगणना की रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 1951, 1961, 1971, एवं 1981 से प्राप्त किये गये हैं । सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों को प्राप्त कर विभिन्न सांख्यिकीय विधियों के सहारे एक ही क्षेत्रीय इकाई पर लाने एवं कालिक विश्लेषण करने हेतु अन्य विधियों को प्रयोग में लाया गया है । सम्पूर्ण अध्ययन में 1951 में 29 चर 1961 में 29 चर, 1971 में 29 चर तथा 1981 में 29 चरों को सम्मिलित किया गया है । इन्हीं चरों के आधार पर विभिन्न सामाजिक आर्थिक घटकों का निर्धारण किया गया है एवं समाश्रयण प्रतिमान तकनीक द्वारा शोध के प्रमुख विषय वस्तु, वैध मतदान, कांग्रेस समर्थन एवं कांग्रेसत्तर दल मत के साथ देखने का प्रयास किया गया है ।

इस प्रबन्ध में प्रतिशत आंकड़ों को विश्लेषण के पूर्व मानक लब्धियों में परिवर्तित कर लिया गया है । सांख्यिकीय विश्लेषण के माध्यम से निर्वाचन निर्णयों की क्षेत्रीय विभिन्नता पर पड़ने वाले सामाजिक एवं व्यक्तिगत प्रभावों का मूल्यांकन किया गया है । घटक विश्लेषण विधि द्वारा प्रत्येक जनगणना वर्ष के लिए पृथक सामाजिक चरों का प्रतिनिधित्व करने वाले चार घटकों का

निर्धारण किया गया है । तत्पश्चात् सह-सम्बन्ध एवं सामाश्रयण विश्लेषण का प्रयोग सामाजिक-आर्थिक तथा निर्वाचन आंकड़ों में स्थिति कार्य-कारण सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए किया गया । विश्लेषणार्थ चुनी गयी तीन समस्याओं वैध मतदान, कांग्रेस समर्थन एवं कांग्रेसेत्तर दल मत का अध्ययन समाश्रयण विश्लेषण द्वारा किया गया । प्रत्येक निर्वाचन वर्ष के लिए अलग-अलग विश्लेषण किया गया है । मानचित्रों में विभिन्न स्थानों पर कोरोप्लेथ, समरेखणविधि आदि का प्रयोग किया गया है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय तीन में निर्वाचन पृष्टि भूमि के विभिन्न पक्षों का विवरण प्रस्तुत किया गया है । इस अध्याय के अन्तर्गत उड़ीसा में सम्पन्न विभिन्न लोकसभा निर्वाचनों की पृष्टि भूमि निर्वाचन प्रक्रिया निर्वाचन सीमा रेखाओं का निर्धारण, लोकसभा का स्वरूप उसके सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया एवं सक्रिय राजनैतिक परिस्थितियों का वर्णन प्रस्तुत किया गया है । भारतीय संविधान के इकतीसवें संशोधन (1972) के अनुसार लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 545 है । जिसमें राज्यों से 525 एवं केन्द्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य निर्वाचित होते हैं । विशिष्ट परिस्थितियों में लोकसभा में दो आंग्ल सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है । लोकसभा की अधिकतम अवधि पांच वर्ष निर्धारित है परन्तु विशिष्ट परिस्थितियों में राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा कर इसमें एक वर्ष की वृद्धि कर सकता है । लोकसभा के निर्वाचन का दायित्व निर्वाचन आयोग नामक केन्द्रीय एवं स्वायत्तशासी संस्था का है । लोकसभा के निर्वाचन में 21 वर्ष से अधिक आयु के वयस्क नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं ।

लोकसभा का अधिकार क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत है । राज्यसभा के साथ-साथ इसे विभिन्न प्रकार के विधि निर्माण का अधिकार प्राप्त है । लोकसभा के

निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं । उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों एवं अपने सदस्यों पर अंकुश रखने का अधिकार भी लोकसभा को प्राप्त है । संविधान संशोधन बिना लोकसभा की अनुमति के सम्भव नहीं है ।

लोकसभा के सदस्यों का निर्वाचन, निर्वाचन क्षेत्रों के माध्यम से कराया जाता है । प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एक सदस्य निर्वाचित होकर लोकसभा की सदस्यता ग्रहण करता है । उड़ीसा के प्रारम्भिक 1952 एवं 1957 निर्वाचन में कतिपय निर्वाचन क्षेत्र ऐसे थे जहां से दो सदस्यों का निर्वाचन होता था । वर्ष 1962 से यह व्यवस्था समाप्त कर दी गयी है । परन्तु आरक्षण की सुविधा अब भी विद्यमान है । निर्वाचन क्षेत्र का सीमांकन निर्वाचन आयोग द्वारा सम्पन्न कराया जाता है । वर्तमान समय में उड़ीसा राज्य में कुल 21 निर्वाचन क्षेत्र हैं ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्ययन चार में वोट वितरण प्रतिरूप का विवरण प्रस्तुत किया गया है । उड़ीसा की निर्वाचकीय पृष्ठिभूमि सम्बन्धित राजनैतिक दलों एवं उनकी विचार धाराओं का कालान्तर में विकास होता गया है । स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अविस्मरणीय योगदान रहा है । स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद भी कांग्रेस दल का अस्तित्व बना रहा है । उड़ीसा में गणतन्त्र परिषद का प्रभाव भी कम नहीं रहा है लेकिन बाद में इस दल का वर्चस्व समाप्त हो गया । उड़ीसा के मुख्य राजनीतिक दलों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, गणतन्त्र परिषद, भारतीय कम्युनिस्ट दल , भारतीय कम्युनिस्ट दल {मार्क्सवादी}, सोसलिस्ट दल, प्रजासोसलिस्ट दल, स्वराज्य दल, निर्दल दल आदि है ।

उड़ीसा 1952 के लोकसभा निर्वाचन में गणतन्त्र परिषद को 60 प्रतिशत स्थान मिला तथा दूसरा स्थान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को मिला । द्वितीय निर्वाचन वर्ष 1957 में भी गणतन्त्र परिषद को ही प्रथम स्थान मिला तथा द्वितीय स्थान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को मिला । तृतीय निर्वाचन वर्ष 1962 के

लोकसभा निर्वाचन में परिस्थितियां बदल गयी थी लेकिन फिर भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को ही बहुमत मिला । उड़ीसा के चतुर्थ निर्वाचन वर्ष 1967 में पुनः भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को हार उठानी पड़ी तथा प्रथम स्थान पर स्वराज्य दल का अधिकार हो गया तथा कांग्रेस को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ । वर्ष 1971 के लोकसभा निर्वाचन तक कांग्रेस दल में आन्तरिक विरोध मूर्त रूप ले चुका था । फलतः यह दल विखण्डित हो गया । श्रीमती गांधी के नेतृत्व में इस दल को पुनः छवि उभरने लगी । इस निर्वाचन वर्ष इन्दिरा कांग्रेस को बहुमत मिला । कालान्तर 1977 का निर्वाचन आपातकाल घोषणा के उपरान्त हुआ । कांग्रेस के प्रति विरोध की भावनायें वलवती हुई । इसि निर्वाचन वर्ष में विजय श्री भारतीय लोकदल को प्राप्त हुई, तथा इन्दिरा कांग्रेस विपक्षी दल के रूप में रही । लेकिन अधिक दिनों तक उसमें स्थायित्व न राहा सका । आपसी कलह से लगभग यह दल समाप्त हो गया । 1980 के निर्वाचन वर्ष में इन्दिरा कांग्रेस को भारी बहुमत प्राप्त हुआ । 21 स्थानों में से 20 स्थान पर इस दल का वर्चस्व रहा है । इन्दिरा गांधी हत्या के बाद मध्य लोकसभा निर्वाचन 1984 में सम्पन्न हुआ । भारतीय जनता ने श्री राजीव गांधी में अपनी आस्था व्यक्त की । उड़ीसा राज्य में इस निर्वाचन वर्ष में पुनः कांग्रेस को 21 स्थानों में से 20 स्था पर आधिपत्य प्राप्त हुआ ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय पांच में वैध मतदान का भौगोलिक अध्ययन किया गया है । वैध मतदानों का भौगोलिक वितरण उड़ीसा राज्य में होने वाले सभी लोकसभा निर्वाचनों के लिए अलग-अलग रूप से स्पष्ट किया गया है । वैध मतदान के आंकड़ों के आधार पर पांच वर्गों में विभाजित किया गया है । वैध मतदान के प्रतिशत वितरण के अतिरिक्त निरपेक्ष वितरण (Z SCORE) तथा सापेक्ष वितरण की विधि से उनकी पारस्परिक तुलना की गयी है ।

प्रतिशत निरपेक्ष वितरण, तथा सापेक्ष वितरण के प्रतिरूपों को मानचित्रों तथा तालिकाओं के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है । मानचित्रण के द्वारा यह निर्धारित किया गया है कि उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन वर्षों में अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अतिनिम्न मतदान क्षेत्र का प्रभाव पाया जाता है । उड़ीसा राज्य के विभिन्न निर्वाचन वर्षों में अति उच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अतिनिम्न मतदान किन-किन निर्वाचन वर्षों में पाया जाता है । प्रथम निर्वाचन वर्ष 1957 में मध्यम सकेन्द्रण, 1962 में अतिउच्च, उच्च तथा अतिनिम्न, 1967 में उच्च, तथा अतिनिम्न, 1971 में 1977, 1980 एवं 1984 मे निर्वाचन वर्षों में उच्च तथा अतिनिम्न सकेन्द्रण (CONCENTRATION) के क्षेत्र नहीं पाये गये ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय 6 में कांग्रेस समर्थन प्रतिरूप का अध्ययन किया गया है । उड़ीसा राज्य के विभिन्न लोकसभा निर्वाचन वर्षों में कांग्रेस समर्थन का भौगोलिक वितरण, कांग्रेस समर्थन के प्रतिशत वितरण निरपेक्ष वितरण (Z SCORE) तथा सापेक्ष वितरण (CONCENTRATION) मानचित्रों तथा तालिकाओं के माध्यम से किया गया है । कांग्रेस समर्थन के आवृत्ति वितरण द्वारा विभिन्न वर्गों के सापेक्ष महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है । चूंकि प्रतिशत वितरण के अध्ययन से निर्वाचन क्षेत्रों की सापेक्ष स्थिति पर समुचित प्रकाश नहीं पड़ता, अतएव प्रतिशत वितरण को मानक लब्धि में परिवर्तित करके स्थानिक सान्द्रण के माध्यम से सापेक्षिक स्थिति का विवरण भी प्रस्तुत किया गया है। पारस्परिक तुलना के लिए विभिन्न वर्गों में अतिउच्च, उच्च, मध्यम, निम्न तथा अतिनिम्न के अन्तर्गत सभी निर्वाचन वर्षों के स्थानिक सान्द्रण का भौगोलिक वितरण ही नहीं, अपितु पारस्परिक तुलना भी सम्भव हो सकी है ।

कांग्रेस समर्थन विभिन्न लोकसभा निर्वाचनों में अति उच्च, मध्यम, निम्न तथा अति निम्न सान्द्रण के क्षेत्र पाये गये हैं । 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980, तथा 1984 के वर्षों में सभी प्रकार के क्षेत्र पाये गये हैं ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय सात में कांग्रेसत्तर दल समर्थन प्रतिरूप का अध्ययन किया है । उड़ीसा राज्य के विभिन्न लोकसभा निर्वाचन वर्षों में कांग्रेसत्तर समर्थन का भौगोलिक वितरण कांग्रेसत्तर दल समर्थन के प्रतिशत वितरण, निरपेक्ष वितरण ﴾Z SCORE﴿ तथा सापेक्ष वितरण ﴾CONCENTRATION﴿ मानचित्रों तथा तालिकाओं के माध्यम से किया गया है ।

इस अध्याय में प्रमुख कांग्रेसत्तर दलों का वर्णन किया गया है कि किस निर्वाचन वर्ष में किस-किस दल को मत ﴾प्रतिशत﴿ प्राप्त हुआ । इसके बाद निर्दल दल का विस्तृत वर्णन किया गया है । प्रथम महानिर्वाचन वर्ष 1952, 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में पारस्परिक तुलनात्मक अध्ययन किया गया है । पारस्परिक तुलना के लिए अति उच्च उच्च, मध्यम, निम्न तथा अतिनिम्न क्षेत्रों में विभक्त किया गया है । सभी निर्वाचन वर्षों का स्थानिक वितरण का वर्णन किया गया है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय आठ में उड़ीसा राज्य की सामाजिक-आर्थिक संरचना को सुस्पष्ट करने के लिए चयन किये गये चरों के मध्य चार सामाजिक-आर्थिक घटकों का निर्धारण किया गया है । ये चारों घटक प्रत्येक जनगणना वर्ष में भिन्न-भिन्न है । क्योंकि इनके अन्तर्गत सम्मिलित चरों के आधार पर ही घटकों का निर्धारण किया गया है । प्रथम जनगणना वर्ष 1951 के प्रथम घटक के अन्तर्गत शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री जनसंख्या आदि चर सम्मिलित हैं शहरी जनसंख्या एवं शहरी स्त्री जनसंख्या घटक का भारण सर्वाधिक होने के कारण 1951 के प्रथम घटक को शहरी जनसंख्या घटक कहा गया है । इसी प्रकार द्वितीय घटक को अन्य घरेलू उद्योग जिसके अन्तर्गत शिक्षित, प्राविधिक आदि चर सम्मिलित है । तृतीय घटक को ग्रामीण घटक जिसके अन्तर्गत ग्रामीण स्त्री, व्यापार आदि चर जिनका भारत ग्रामीण घटक से कम है वे चर इसके घटक के अन्तर्गत सम्मिलित है । चतुर्थ घटक को मुस्लिम घटक, जिसके अन्तर्गत वे सभी चर सम्मिलित है जिनका भारण मात्र मुस्लिम घटक से कम है ।

द्वितीय जनगणना वर्ष में प्रथम घटक शहरी जनसंख्या जिसके अन्तर्गत शहरी, स्त्री आदि चर सम्मिलित है । जिनमें से शहरी जनसंख्या का भारण सर्वाधिक है । द्वितीय के अन्तर्गत अन्य उद्योग मेंलगे, अन्य घरेलू, उद्योग, परिवहन, शिक्षित, हाईस्कूल आदि चर सम्मिलित है । जिनमें अन्य उद्योग में लगे चर का भारण सर्वाधिक है इसलिए द्वितीय घटक के रूप में निर्धारण किया गया है ।

तृतीय घटक के अन्तर्गत काम न करने वाले, इसाई, उड़िया भाषा आदि चर सम्मिलित है जिनमें काम करने वाले चर का धारण सर्वाधिक है । इसलिए तृतीय घटक के रूप में माना गया है । चतुर्थ के अन्तर्गत आयुवर्ग 40-60 चर का धारण सर्वाधिक है । इसलिए चतुर्थ घटक के रूप में स्वीकार किया गया है । इनसे कम भारण वाले चर इसी घटक के अन्तर्गत सम्मिलित है ।

तृतीय जनगणना वर्ष (1971) के प्रथम घटक के अन्तर्गत शहरी जनसंख्या, शहरी स्त्री, परिवहन, इसाई, प्राविधिक, हिन्दी भाषा आदि चर सम्मिलित है । शहरी जनसंख्या का भारण सर्वाधिक होने के कारण इसे प्रथम घटक स्वीकार किया गया है । द्वितीय घटक के अन्तर्गत काम करने वाले चर का भारण सर्वाधिक है । इसलिए द्वितीय घटक के रूप में माना गया है । इसके अन्तर्गत कृषि, मजदूर घरेलू उद्योग आदि चर सम्मिलित है । तृतीय घटक के अन्तर्गत खेतिहर, उड़िया, भाषा आदि चर सम्मिलित है क्योंकि सर्वाधिक भारण खेतिहर चर का है इसलिए घटक के रूप में स्वीकार किया गया है । चतुर्थ घटक जिनमें आयु वर्ग 40-60 आदि चर है जिनका मान 40-60 (आयुवर्ग) वाले चर से भारन किनम्न है । इसे चतुर्थ घटक के रूप में स्वीकार किया गया है ।

चतुर्थ जनगणना वर्ष (1081) के प्रथम घटक जिनमें ग्रामीण जनसंख्या ग्रामीण स्त्री खेतिहर, अनुसूचित जाति, 40-60 आयुवर्ग, हाईस्कूल, उड़िया भाषा, आदि चर सम्मिलित है । इनमें सर्वाधिक भारण ग्रामीण जनसंख्या चर का है इसलिए इसे प्रथम घटक माना गया है । द्वितीय घटक जिनमें वे सभी चर सम्मिलित हैं जिनका

भारण प्रथम घटक से कम किंतु तथा तृतीय घटक से अधिक है जिसमें अन्य उद्योग का भारण सबसे अधिक है अत: इसे द्वितीय घटक के रूप में स्वीकार किया गया है । तृतीय घटक जिनमें शहरी स्त्री, हिन्दू आदि चर सम्मिलित है जिनमें सर्वाधिक भारण शहरी स्त्री चर का है । चतुर्थ घटक के अन्तर्गत वे सभी चर सम्मिलित हैं जिनका भारण तृतीय घटक के चरों से कम है । इसलिए अनुसूचित जाति चतुर्थ घटक के रूप में स्वीकार किया गया है ।

प्रत्येक जनगणना वर्ष में निर्धारित सामाजिक-आर्थिक घटकों के माध्यम से उड़ीसा राज्य की सामाजिक संरचना को स्पष्ट किया गया है । प्रथम जनगणना वर्ष, द्वितीय जनगणना वर्ष, तृतीय जनगणना वर्ष में प्रथम घटक शहरी जनसंख्या चर ही रहा है मात्र चतुर्थ गणना वर्ष में प्रथम घटक ग्रामीण जनसंख्या चर रहा है । द्वितीय घटक भी लगभग सभी जनगणना वर्षों में भिन्न है । चतुर्थ घटक प्रथम तथा चतुर्थ जनगणना वर्ष में भिन्न है शेष जनगणना वर्ष (द्वितीय, तृतीय) में समान है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय नव में सामाजिक-आर्थिक चरों घटकों एवं संयुक्त रूप से वैध मतदान के साथ सम्बन्ध देखा गया है । परिणाम स्वरूप यह पाया गया है कि वैध मतदानों के साथ प्रथम घटक का 1952, 1962, 1971, एवं 1977 के साथ ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है जबकि 1957, 1967, 1980 एवं 1984 के साथ धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । द्वितीय सामाजिक-आर्थिक घटक के साथ, 1952, 1957, 1962 ,1967 एवं 1971 ऋणात्मक 1977, 1980 एवं 1984 धनात्मक, सम्बन्ध पाया गया है । तृतीय घटक के साथ 1977, 1980 एवं 1984 ऋणात्मक, 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1971 धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । चतुर्थ घटक के 1962, 1971, 1980 एवं 1984 ऋणात्मक 1952, 1957, 1967 एवं 1977 धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है ।

सम्बन्धों की मात्रा की दृष्टिकोण से 1952, 1962, 1971 एवं 1977 में ऋणात्मक 1957, 1967, 1980 एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । द्वितीय घटक के साथ 1952, 1957, 1962, 1967, एवं 1977 में ऋणात्मक एवं 1977, 1980

एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । तृतीय घटक के साथ 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक, 1952, 1957, 1962, 1967 एवं 1971 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । चतुर्थ घटक के साथ 1962, 1971, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक 1952, 1957, 1967 एवं 1971 में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है । संयुक्त रूप से चारों घटकों से वैध मतदान का सम्बन्ध सभी निर्वाचन वर्षों में धनात्मक सम्बन्ध पाया गया है ।

व्याख्याति प्रसरण की दृष्टिकोण से वर्ष 1980 के अन्तर्गत वैध मतदान का सम्बन्ध चारों घटकों का सम्बन्ध सर्वाधिक है । 1962 एवं 1957 में मध्यम 1984 में निम्न तथा शेष सभी निर्वाचन वर्षों में चारों घटकों से साथ मतदान का सम्बन्ध निम्न है । संयुक्त रूप से चारों घटकों का वैध मतदान से सम्बन्ध 1962 में अतिउच्च, 1952 उच्च, 1957 में मध्यम, 1967 एवं 1980 में निम्न तथा 1971, 1977 एवं 1984 में अतिनिम्न पाया गया है ।

मानक त्रुटि के दृष्टिकोण से सामाजिक-आर्थिक घटक एवं वैधं मतदान 1957 में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ एवं संयुक्त रूप से चारों घटकों का तथा 1952 के सभी घटकों का मानक त्रुटि अधिक है । शेष सभी निर्वाचन वर्षों में मानक त्रुटि स्वीकार योग्य है ।

प्रमाणिक त्रुटियाँ ❨

❨ के दृष्टिकोण से वैध मतदान एवं सामाजिक-आर्थिक घटकों के साथ प्रामाणिक त्रुटि स्वीकार योग्य रही ।

" F " अनुपात को दृष्टिकोण से सामाजिक घटक तथा वैध मतदानों के सम्बन्ध में सर्वाधिक F अनुपात 1952 में 2.38 है । 1957 में यह 3.18 तथा 1962 में इसका मान 3.43 है । इसी प्रकार 1967, 1971, 1977 1980 एवं 1984 में "F" का सर्वाधिक मान क्रमश: 3.35, 1.21, 1.28, 5.23 तथा 1.61 है ।

इसी प्रकार यह सकंल्पना उड़ीसा के अधिकांश क्षेत्रों में सत्य प्रतीत हुई । केवल कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां संकल्पना असफल हुई है ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के अध्याय 10 में उड़ीसा राज्य के लोकसभा निर्वाचनों में कांग्रेस का सामाजिक-आर्थिक संरचना के प्रतिनिधि अर्थात् सामाजिक घटकों के साथ सम्बन्ध देखा गया है । यह सम्बन्ध द्वि चरीय, एवं बहुचरीय सह-सम्बन्ध एवं सामाश्रयण तकनीक के प्रयोग से प्राप्त किया गया है । प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन के लिए पृथक-पृथक (प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ) एवं संयुक्त रूप से सामाजिक घटकों का कांग्रेस समर्थन मत से सम्बन्धों की गणना की गयी है । उड़ीसा के 1952 से 1984 के तक के लोकसभा निर्वाचनों में वैध मतदान के उपरान्त पाये गये कांग्रेस मतों का उड़ीसा के सामाजिक संरचना के प्रतिनिधि अर्थात् सामाजिक घटकों से सम्बन्ध देखा गया है । यह सह-सम्बन्ध समाश्रयण तकनीक के प्रयोग से प्राप्त किया गया । संकल्पना के अनुसार कांग्रेस मत सामाजिक घटकों से प्रभावित होता है । प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन के लिए पृथक पृथक एवं संयुक्त रूप से सामाजिक घटकों का कांग्रेस मत से सम्बन्धों की गणना की गयी है ।

कांग्रेस मत के साथ प्रथम घटक का 1952, 1967, 1971 में धनात्मक सम्बन्ध है जबकि 1957, 1962, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । द्वितीय घटक का 1952, 1962, 1967 एवं 1980 में धनात्मक सम्बन्ध, 1957, 1971, 1977 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । तृतीय घटक का 1952, 1957, एवं 1984 में धनात्मक सम्बन्ध, 1962, 1967, 1971, 1977 एवं 1980 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । चतुर्थ घटक का 1952, 1962, 1967, 1971 एवं 1980 में धनात्मक, 1957, 1977, एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है ।

सम्बन्धों की प्रकृति को दृष्टिकोण से प्रथम घटक का कांग्रेस मत से सम्बन्ध 1952, 1967 एवं 1971 में धनात्मक तथा 1967, 1962, 1977, 1980,

एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । द्वितीय घटक का सम्बन्ध वर्ष 1952, 1962, 1967, एवं 1980 में धनात्मक, तथा वर्ष 1957, 1971, 1977 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । तृतीय घटक का सम्बन्ध कांग्रेस मत से 1952, 1957, एवं 1984 में धनात्मक तथा शेष निर्वाचन वर्षों में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । चतुर्थ घटक का सम्बन्ध वर्ष 1952, 1962, 1967, 1971 एवं 1980 में धनात्मक, तथा 1957, 1977 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है ।

संयुक्त रूप से चारों घटकों के साथ कांग्रेस मत का सम्बन्ध 1952 में अति उच्च, वर्ष 1957 एवं 1962 में उच्च, 1967 एवं 1971 में मध्यम, 1984 में निम्न तथा 1977 एवं 1980 में अतिनिम्न पाया गया है ।

व्याख्याति सम्बन्ध स्तर के दृष्टिकोण से प्रथम घटक में अधिकतम सह-सम्बन्ध स्तर 1962 में पाया गया है । शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न तथा अतिनिम्न पाया गया है । द्वितीय घटक का सह-सम्बन्ध स्तर 1971 में अतिउच्च तथा शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न तथा अतिनिम्न सम्बन्ध-स्तर पाया गया है । तृतीय घटक का सह-सम्बन्ध स्तर 1967 में अति उच्च तथा 1957 में उच्च शेष निर्वाचन वर्षों में निम्न तथा अतिनिम्न पाया गया है । चतुर्थ घटक का सम्बन्ध स्तर 1957 में अति उच्च 1952 एव 1967 में मध्यम तथा शेष निर्वाचन वर्षों में अतिनिम्न पाया गया है ।

संयुक्त रूप से व्याख्याति-सह-सम्बन्ध स्तर वर्ष में 1952 में अति उच्च 1957 में उच्च, 1962 में मध्यम, 1967-1971 एवं 198 में निम्न तथा 1977 एवं 1980 में अतिनिम्न पाया गया है ।

मानक त्रुटि के रूप में कांग्रेस मत के साथ वर्ष 1962 के सभी घटकों का मानक त्रुटि अधिक है । 1952 के प्रथम द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, घटक का मानक त्रुटि मध्यम है । शेष सभी निर्वाचन वर्षों की मानक त्रुटि न्यून है ।

प्रामाणिक वैभिन्नय (बीटा-वेट) के रूप में आंकलित आ किया गया है । कांग्रेसमत से घटकों की विभिन्नता अधिक नहीं है । सर्वाधिक बीटा-वेट 0.53, 0.41, 1957 तथा 1952 क्रमशः तृतीय घटक तथा चतुर्थ के सम्बन्धों में है । चतुर्थ घटक का सम्बन्ध वर्ष 1967 में अधिकतम शेष वर्षों में न्यूनतम रहा है । संयुक्त रूप से व्याख्यातित्तर 1957, 1962, एवं 1971 में अधिकतम 1967 में मध्यम शेष निर्वाचनों में न्यूनतम रहा है ।

मानक त्रुटि के दृष्टिकोण से वर्ष 1952 में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ घटक-वर्ष-1967-में तथा संयुक्त रूप से चारों घटकों का वर्ष 1957 में द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ घटक वर्ष 1967 में प्रथम घटक, द्वितीय घटक, एवं तृतीय घटक में मानक त्रुटि अधिक है तथा शेष निर्वाचन वर्षों में मानक त्रुटि निम्न है ।

" " अनुपात की दृष्टिकोण से 1952 में सर्वाधिक " F " अनुपात 0.92 है । वर्ष 1957, 1962, 1967, 1971, 1977, 1980 एवं 1984 में क्रमशः 6.85, 4.96, 6.73, 8.91, 0.78, 2.79 एवं 9.0 है । सर्वाधिक ( ) अनुपात वर्ष 1984 के प्रथम घटक का है ।

सह-सम्बन्ध मैट्रिक्स के दृष्टिकोण से कांग्रेसत्तर मत एवं सामाजिक घटकों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध का आंकलन किया गया है । सह-सम्बन्ध न्यून प्रकार का पाया गया है ।

कांग्रेसत्तर दल के साथ प्रथम घटक का वर्ष 1952 गणतन्त्र परिषद दल) 1962 (गणतन्त्र परिषद) 1967 (स्वराज्यदल) 1980 (जनतापार्टी) एवं 1984 (जनतापार्टी) धनात्मक सम्बन्ध तथा 1957 (गणतन्त्र परिषद) 1971 (स्वराज्य दल) एवं 1977 में (लोकदल) ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । कांग्रेसत्तर दल तथा सामाजिक घटकों के मध्य द्वितीय घटक का वर्ष 1957, 1962, 1967, 1971, 1977 एवं 1984 में धनात्मक तथा 1952 एवं 1980 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । तृतीय घटक का 1952, एवं 1971 में धनात्मक, 1957 1962, 1967,

1077, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । चतुर्थ घटक का 1957, एवं 1977 में धनात्मक एव 1952, 1962, 1977, 1980 एवं 1984 में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है । संयुक्त रूप से सभी निर्वाचन वर्षों में ऋणात्मक सम्बन्ध पाया गया है ।

सम्बन्धों की मात्रा की दृष्टिकोण से प्रथम घटक 1952, 1962, 1967, 1977, 1980 एवं 1984 धनात्मक, 1957 एवं 1971 में ऋणात्मक द्वितीय घटक का वर्ष 1952, एवं 1980 में ऋणात्मक, 1957, 1962, 1967, 1977 एवं 1984 में धनात्मक तृतीय घटक का वर्ष 1962, 1967 एवं 1977 एवं 1984 में ऋणात्मक, एवं 1952 एवं 1971 में धनात्मक, चतुर्थ घटक का 1952, 1957,. 1962, 1967, एवं 1980 में ऋणात्मक तथा 1971, 1977 एवं 1980 में धनात्मक , संयुक्त रूप से चारों घटकों का कांग्रेसत्तर में के साथ 1957, 1962, 1971 एवं 1984 में अति उच्च, 1952 एवं 1967 में उच्च 1977 एवं 1980 में निम्न सम्बन्ध पाया गया है ।

व्याख्याति प्रसरण के रूप में प्रथम घटक का वर्ष 1957, में सर्वाधिक 1952, 1967, 1971, 1977 में न्यूनतम है । द्वितीय घटक के साथ वर्ष 1971 में अधिकतम शेष सभी निर्वाचन वर्ष में न्यून है। तृतीय घटक का सम्बन्ध सभी वर्षों में न्यून रहा है । प्रामाणिक त्रुटि के दृष्टिकोण से कांग्रेस मत एवं सामाजिक घटकों के मध्य प्रामाणिक त्रुटि सभी निर्वाचन वर्षों में स्वीकार्य योग्य रही है । सर्वाधिक प्रामाणिक त्रुटि 1962 के द्वितीय घटक (14.63) तथा 1952 के तृतीय घटक (11.19) का पाया गया है ।

" F " अनुपात के दृष्टिकोण से कांग्रेस मत एवं सामाजिक घटकों के मध्य सर्वाधिक " " अनुपात वर्ष 1967 (6.89) में सर्वाधिक है । 1957 में यह 5.56 तथा 1984 में 3.61 है । इसी प्रकार 1952, 1962, 1971, 1977 एवं 1980 में क्रमशः 2.02, 2.64, 3.69 1.27 तथा 0.56 है ।

यह सम्बन्ध मैट्रिक्स के दृष्टिकोण से कांग्रेस मत एवं सामाजिक घटकों के मध्य

मध्य पारस्परिक सम्बन्ध का आंकलन किया गया है, कहीं धनात्मक तो कहीं ऋणात्मक सम्बन्धों का बाहुल्य पाया गया है। सह-सम्बन्ध अत्यन्त न्यून प्रकार का पाया गया है। अतः यह सुस्पष्ट है कि प्रत्येक घटक आवलम्बित है तथा कांग्रेस मत से उनका सह-सम्बन्ध पृथक है।

उड़ीसा के 1952 से 1984 तक के लोकसभा निर्वाचनों में कांग्रेसेत्तर मतों एवं सामाजिक घटकों के मध्य सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए सामाश्रयण तकनीक के प्रयोग से प्राप्त किया गया है। प्रत्येक निर्वाचनों वर्ष के लिए अलग- अलग दलों का घटकों के साथ तथ्य संयुक्त रूप से सम्बन्धों की गयी गणना की गयी है।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में वैध मतदान, कांग्रेसमत, कांग्रेसेत्तर मत एवं सामाजिक संरचना के परिस्थितिकी सम्बन्धों पर प्रकाश डाला गया है। जिसके आधार पर यह सिद्ध होता है कि परिस्थितिकी स्तर पर सामाजिक प्रभावों का कुछ सीमा तक प्रतिफल होता है। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध के सम्बन्ध प्रतिमानों की सफलता एवं असफलता को क्षेत्रीय सन्दर्भ में मूल्यांकित भी किया गया है। अध्ययन की इस विद्या से यह सुस्पष्ट हो गया कि किन स्थानों पर सामाजिक प्रगति महत्त्वपूर्ण रहा और किन स्थानों पर उसका महत्त्व नगण्य सिद्ध हुआ। निश्चित रूप से वह स्थान व्यक्तित्व प्रभाव के क्षेत्र थे। प्रस्तुत शोध प्रबन्ध निर्वाचन सम्बन्धी समस्याओं के हल का प्रयास है एवं भावी शोध को आधारशिला भी प्रदान करता है। उदाहरण के लिए सामाश्रयण अवशेष क्षेत्रों का विस्तृत अध्ययन किया गया है जिससे उन कारकों पर प्रकाश पड़ सके जिनके कारण उन क्षेत्रों में सामाजिक प्रतिमान असफल रहे। प्राप्त परिणाम केवल परिस्थितिकी सम्बन्धों पर प्रकाश डालते हैं। व्यक्तिगत निर्वाचन व्यवहार का ज्ञान निर्वाचकों के प्रत्यक्ष साक्षात्कार से पृथक-पृथक छोटे-छोटे क्षेत्र मापकों पर सम्भव हो सकता है। किन्तु यह साक्षात्कार भी निर्वाचनों के कुछ ही दिन पूर्व या पश्चात्

का हो, तभी उचित परिणाम की आशा की जा सकती है । प्रस्तुत प्रबन्ध भावी शोध की इन विभिन्न दिशाओं की ओर संकेत करता है ।

BIBLIOGRAPHY

ABRAMS, Mark (1962) 'Social Trends and Electoral Behaviour'. British Journal of Sociology 13, 228-242.

AHMAD, H. (1963) Kansas Gubernatorial Elections - a Study in Political Geography. Ph.D. Thesis, Kansas University.

AHMAD, H. (1966) 'Election data analysis as a tool of research in Political geography'. Paikastan Geographical Reveiw, 21, 34-40.

ALFORD, R.R. (1963) 'The Role of social class in American voting behaviour, Western Political Quarterly. 16, 180-99.

ALLEN, A.J. (1964) The English Voter. English Universities Press, London.

AMANI, K.Z. (1970) 'Elections in Haryana, India : A Study in electoral geography', The Geographer, 17, 27-40.

AMANI, K.Z. (1972) 'Voting patterns in Indian elections : Uttar Pradesh - a case study', Geographical Review of India, 34, 123-133.

AMANI, K.Z. (1974) 'Questions raised by a map of the 1971 Indian elections', Professional Geographer, 26, 207-209.

BARNETT, J.R. (1973) 'Scale Components in the diffusion of the Denish Communist Party, 1920-63', Geographical Analysis, 5, 35-44.

BARNETT, N.J. (1973) 'Aggregate models of British Voting behaviour, Political Studies, 21, 121-34.

BARNETT, M.R. et al. (1975) Electoral Politics in the Indian States. Vol. 4 ! Party Systems and Cleavages - Manohar Book Service, Delhi.

BASSETT, K. (1972) 'Numerical methods for map analysis'. Progress in Geography, 4, 219-254.

BAXTER, L. (1969) District Voting Trends in India - A Research Tool, Columbia University Press, New York.

BERELSON, R.R. et al. (1968) Voting. University of Chicago, Chicago.

BHAGWATI, J.N. et al. (1975) Electoral Politics in the Indian States, Vol. 2 - Three Disadvantaged Sectors. Manohar Book Service, Delhi.

BHALLA, R.P. (1973) Elections in India (1950-72). S. Chand, Delhi.

BIRDSALL, S.S. (1969) 'Preliminary analysis of the 1968 Wallace vote in the Southeast', South-eastern Geographer, 9, 55-66.

BLAIR, H.W. (1978) Voting, Caste, Community, Society, Young Asia Publications, New Delhi.

BRASS, P.R. (1969) Factional politics in an Indian State : The Congress Party in Uttar Pradesh. University of California Press, Berkeley.

BRASS, P. (1978) ' Indian Election Studies', South Asia, 7, 91-108.

BROOKS, R.H. (1953) 'Seats and Votes in New Zealand : The Butler Analysis and the cube Law', Political Studies, 5, 37-44.

BROOKS, C.E.P., and CARRUTHERS, H. (1953) Handbook of Statistical Methods in Meteorology, London.

BRUNN, S.D. (1974) Geography and Politics in America. Harper and Row, New York.

BRUNN, S.D. and HOFFMAN, W.L. (1970) 'The spatial response of Negroes and Whites toward open housing : the Flint referendum'. Annals of the Association of American Geographers. 60, 18-36.

BURDIC, Bugene and Brodbeck A.J. (1959) American Voting Behaviour. Free Press, Illinois.

BURGHARDT, A. (1963) 'Regions of Political Party Support in Burgenland (Austria)'. Canadian Geographer, 7.

BURGHARDT, A.F. (1964) 'The bases of support for political parties in Burgenland', Annals of the Association of American Geographers. 45, 372-90.

BURNHAM, W.D. and SPRAGUE, J. (1970) 'Additive and multiplicative models of the voting behaviour : the case of Pennsylvania, 1959-1968'. American Political Science Review, 114(2) 472-90.

BUSTEED, N.A. (1975) Geography and Voting Behaviour. Oxford University Press, London.

BUTLER, D. And STOKES, D. (1969) Political Change in Britain : Forces shaping Electoral Choice. Macmillan, London.

CAMPBELL, A. et al. (1954) The Voter Decides, Row Peterson, Evansion.

CAMPBELL, A. et al. (1960) The American Voter, John Wiley, New York.

CAMPBELL, R.V., and KNIGHT, D.B. (1976) 'Political territoriality in Canada - a choropleth and osopleth analysis'. Canadian Cartographer, 13, 1-10.

CENTRE FOR THE STUDY OF DEVELOPING SOCIETIES (1967) Party Systems and Election Studies. Allied, Bombay.

CHANDIDAS, R. et al. eds (1958) India Votes : A Source Book on Indian Elections. Popular, Bombay.

CLEM, Alan L. (1963) Precinct Voting : The Vote in Eastern South Dakota, 1940-60. Report No.50, Governmental Research Bureau, University of South Dakota.

COX, K.R. (1967) Regilnal Anomalies in the Voting behaviour of the Population of England and Wales, 1921-1951. Ph.D. Dissertation, Department of Geography, University of Illinois.

COX, K.R. (1968) 'Suburbia and voting behaviour in the London metropolitan area', Annals of the Association of American Geographers, 58, 111-27.

COX, K.R. (1969a) 'The voting decision in a spatial context', <u>Progress in Geography</u>, 1, 81-117.

COX, K.R. (1969b) 'The spatial structuring of information flow and partisan attitude', in Dogan, M., and Rokkan, S. (editors) <u>Quantitative Ecological Analysis in the Social Sciences</u>. The M.I.T. Press, Cambridge, Mass, 157-85.

COX, K.R. (1969c) 'Voting in the London suburbs : a factor analysis and a causal model', in Dogan, M., and Rokkan, S. (editors) <u>Quantitative Ecological Analysis in the Social Sciences</u>. The M.I.T. Press, Cambridge, Mass, 343-70.

COX, K.R. (1970a) 'Geography, social contexts and voting behaviour in Wales, 1961-1951', in Allerdt, N., and Rokkan, S. (editors) <u>Mass Politics</u>. The Free Press, New York, 117-59.

COX, K.R. (1970b) 'Residential relocation and Political behaviour : conceptual model and empirical tests', <u>Acta Sociological</u>. 13, 40-53.

COX, K.R. (1971) 'The Spatial components of urban voting response surfaces', <u>Economic Geography</u>, 17, 27-35.

COX, K.R. (1972) 'The neighbourhood effect in urban voting response surfaces', in Sweet, D.C. (editor) <u>Models of Urban Structure</u> D.C. Heath, Lexington, Mass, 159-76.

CRISLER, R.M. (1952) 'Voting habits in the United States'. <u>Geographical Review</u>, 42, 300-301.

CRISLER, R.M. (1954) 'Voting Habits in Southern France', <u>Geographical Review</u>, 592-593.

DASGUPTA, B. and MORRIS - JONES, W.H. (1975) <u>Patterns and Trends in Indian Politics</u>. Allied, New Delhi.

DAUDT, H. (1961) <u>Floating Voters and the Floating Vote : A Critical Analysis of American and English Election Studies</u>, London.

DEAN, V.K. (1947) 'Geographical aspects of the Newfoundland referendum' - <u>Annals of the Association of American Geographers</u>, 39, 70-77.

DIKSHIT, R.D. (1980) 'On the place of electoral studies in political geography', Transactions, <u>Institute of Indian Geographers</u>, 2(2), 23-27.

DIKSHIT, R.D. & SHARMA, J.C. (1982a) The 1980 Assembly Elections in Punjab - An Enquiry into Bases of Political Party Support, Annals of NAGI, 2, 1, 36-48.

DIKSHIT, R.D. & SHARMA, J.C. (1982b) A solution to the Unit of Analysis Problem in the Electoral Geography of India, N.G. J.I., 27, 14-20.

DIKSHIT, R.D. & SHARMA, J.C. (1982c) 'Electoral Performance of the Congress Party in Punjab (1951-57) : An Ecological Analysis', Transactions of the Institute of India Geographers 4(1), 1-10.

DIKSHIT, R.D. (1982) Political Geography. Tata McGraw Hill, New Delhi.

DOGAN, M. and ROKKAN, S. editors (1969) Quantitative Ecological Analysis in the Socieal Sciences. The M.I.T.Press, Cambridge, Mass.

FIELD, J.C. et al. (1977) Electoral Politics in the Indian States. Vol. 3 - The Impact of Modernisation. Manohar Book Service, Delhi.

FISHER, M. and BONDURANT, J.V. (1956) The Indian Experience with Democratic Elections. University of California, Berkeley.

GLANVILLE, T.G. (1970) Spatial Biases in Electoral Distributions. Unpublished Thesis, University of Mèlbourne.

GLENN, N.D., and GRINES, M. (1968) 'Ageing, voting and political interest'. American Sociological Review, 33, 563-75.

GOGUEL, F. (1951) Geographic des elections francaises de 1870 a 1951. Armand Colin, Paris.

GOLDBERG, A.S. (1969) 'Social determinism and rationality as bases of party identification', American Political Science Review, 63(1). 5-25.

GOLLEDGE, R.G., BROWN, L.A., and WILLIAMSON, F. (1972) 'Behavioural approaches in geography : an overview', Australian Geographer, 12, 59-79.

GOODEY, Brian H. (1964) Some Comments on the Application of Electoral data : A new Direction in Political Geography. Bloomington, Indiana.

GOODEY, B.R. (1968) The Geography of Elections : An Introductory Bibliography. University of North Dakota, Centre for the study of Cultural and Social Change, Monograph 3 Grand Forks, North Dakota.

GOODMAN, L.A. (1959) 'Some alternatives to ecological correlations', American Journal of Sociology, 44, 610-25.

GOSNELL, Harold, F. (1942) Gross Root Politics : National Voting Behaviour of Typical States. Washington : American Council of Public Affairs.

GRAHAM, B.D. (1967) 'A report on some trends in Indian elections - the case of Uttar Pradesh', Journal of Commonwealth Political Studies, 5, 179-99.

GUDGIN, C. and TAYLOR, P.J. (1974) 'Electoral bias and the distribution of party voters', Transactions, Institute of British Geographers. 63, 53-73.

GUDGIN, G. and TAYLOR, P.J. (1978) Seats, Votes and the Spatial Organization of Elections. Pion, London.

HARING, L.L. (1959) An Analysis of Spatial Aspects of Voting Behaviour in Tennessee. Ph.D. Thesis, Iowa State University, Iowa.

HARRIS, LOVIS (1956) 'Some observations on Electoral behaviour Research', Public Opinion Quarterly, 20.

HART, J.F. (1967) The South eastern United States. Van Mostrand, Princeton.

HUDSON, T.W. (1977) 'Mississippi's 1975 gubernatorial race in Hattiesburg - Petal : an electoral geography'. M.A.Thesis, University of Southern Mississippi.

HUG, M.M. (1966) Electoral Problems in Pakistan, Ph.D. Thesis, Asiatic Society of Pakistan, Dacca.

INDIA. Census Commission. Census Rport, 1951, 1961 and 1971, New Delhi

INDIA. Constitution of India (1977). Eastern Book Company, Lucknow.

INDIA. Election Commission. Reports on the General Elections in India, New Delhi.

JOHNSTON, R.J. (1972) 'Spatial elements in voting patterns at the 1968 Christchurch City Council Election. Political Science, 24(1), 49-61.

JOHNSTON, R.J. (1973) 'Spatial patterns and influences on voting in muti-candidate elections-the Christchurch City Council election, 1968', Urban Studies, 10, 69-82.

JOHNSTON, R.J. (1974) 'Social distance, proximity and social contact, Geografika Annaler, 56b, 57-67.

JOHNSTON, R.J. (1976a) 'Parliamentary seat redistribution : more opinions on the theme', Area. 8, 30-34.

JOHNSTON, R.J. (1976b) 'Spatial structure, plurality system and electoral bias', Canadian Geographer, 20, 310-28.

JOHNSTON, R.J. (1977a) 'Principal components analysis and factor analysis in geographical research : some problems and issues. South African Geographical Journal, 59, 30-44.

JOHNSTON, R.J. (1977b) 'The compatibility of spatial structure and electoral reforms : observations on the electoral geography of Wales', Cambria, 4, 125-51.

JOHNSTON, R.J. (1977c) 'The electoral geography of an election campaign', Scottish Geographical Magazine, 93, 98-108.

JOHNSTON,R.J. (1978) Multivariate Statistical Methods in Geography : A primer on the General Linear Model. Longman, London.

JOHNSON, R.J. (1979) Political, Electoral and Spatial Systems. Charandon Press, Oxford.

JONES, D.E. (1961) Voting Behaviour and voting Patterns in Salt Lake city from 1940 to 1960. Master's Thesis, The University of Utah, Salt Lake City.

KASPERSON, R.E. (1965) 'Towards a geography of urban politics : Chicago - a case study'. Economic Geography, 41, 95-107.

KASPERSON, Roger E. (1969) 'Comments on Suburbia and Voting Behaviour', Annals of the Association of American Geographers, 59, pp. 405-411.

KASPERSON, R.E. and MINGHI, J.V., eds (1969) The structure of Political Geography, Aldine, Chicago.

KAUSHIK, S. (1982) Elections in India : Its Social Basis. K.P.Baghchi and Company, Calcutta.

KEY, V.O. (1949) Southern Politics in State and Nation. Random House, New York.

KHAN, R. (1969) 'Charminar : Communal Politics and electoral behaviour in Hyderabad city', Political Science Review, 8(1), 659-90.

KHAN, R. (1971) 'Muslim leadership and electoral politics in Hyderabad : a pattern of minority articulation', Economic and Political weakly, 6(15), 783-94 and 6 (16), 833-40.

KHAN, R., SHARMA, B.A.V. and ACHARYA, K.R. (1975) Electoral Politics in Andhra Pradesh : An Interpretation of Multivariate Factors in Political Behaviour of Voters in two Selected Constituencies (Mimeographed), Osmania University, Hyderabad, 4 (12), 1161-75.

KOTHARI, R. ed (1967a) <u>Party Systems and Election Studies</u>. Occational Papers of the Centre for Developing Society, No. 1 Allied Publishers, Bombay.

KOTHARI, R. (1970) Caste in Indian Politics, Orient Long-Mans, New Delhi.

KREBHIEL, E. (1916) 'Geographical influences in British elections', <u>Geographical Review</u>, 2, 419-32.

KRISHNA, M.P.H. (1967) <u>Elections, Candidates and Voters</u>, New India Press, New Delhi.

LAUX, H.D. and SIMMS, A. (1973) 'Parliamentary elections in West Germany : the geography of electoral choice', <u>Area</u>, 5, 161-71.

LAZARSFELD, P.F., BERELSON, S.R. and GAUDET, H. (1944) <u>The People's Choice</u>. Columbia University Press, New York.

LEWIS, P. (1965) Impact of negro migration on the electoral Geography of Flint, Michigan, 1932-62 : a Cartographic analysis, <u>Annals of the Association of American Geographers</u>, 55, 1-25.

LEWIS, P.W. and SKPWORTH, G.E. (1966) <u>Some Geographical and Statistical Aspects of the Distribution of Votes in</u>

Recent General Elections. University of Hull, Department of Geography, Miscellaneous Series No. 32 Hull.

LIPSET, S.M. and ROKRAM,E. (1967) 'Cleavage structures, party systems and voter alignments : an introduction', in Lipset, S.M. and Rokkan, S (editors) Party Systems and Voter Alignments. The Free Press, New York, 3-64.

MANRITE, V.G. (1982) Changes in Regional Voting Patterns in Maharashtra, 1975-80. Paper presented at NAGI Congress, 1982, Bombay.

McCARTY, H.V. (1962) McCarty on McCarthy : The Spatial Distribution of the McCarthy Vote. Department of Geography, State University of Iowa.

McGRE, T.G. (1962) 'The Malayan election of 1959 - a study in electoral geography', Journal of Tropical Geography, 16, 72-99.

McGFE, T.G. (1965) 'The Malayan Parliamentary elections, 1964. Pacific View Point, 6, 96-101.

MCPHALL, I.R. (1971a) 'Recent trends in electoral geography', Proceedings of the Sixth New Zealand Geography Conference, Christchurch, 1, 7-12.

MCPHALL, I.R. (1971b) 'The vote for Mayor in Los Angeles in 1969'. Annals of the Association of American Geographers, 61, 744-756.

MILLER, W.E. (1959) 'The Study of Electoral Behaviour, Survey Research Centre, Ann Arbor, Michigan.

MORRIS-JONES, W.H., and DASGUPTA, H. (1969) 'India's political arenas : interim report on an ecological perspective, Asian Survey, 9(6), 399-424.

MORSELL, JOHN A. (1956) 'Electoral change in Italian Communes : Public Opinion Quarterly, 20, 270-276.

NARAIN, I. (1978) Indian Election Studies. Allied Pub., New Delhi.

NARAIN, I., and SHARMA, M. (1969) 'Election politics in India : notes towards empirical theory', Asian Survey 9(3),202-20.

NARAIN, I. et al. (1976) Election Studies in India : An Evaluation. Allied Publishers, New Delhi.

NARAIN, R. (1970) Voting Behaviour in Uttar Pradesh (mimeographed) University of Lucknow.

NICHOLS, J.T. (1973) The 1968 Presidential Election in Cincinati, Ohio - An Electoral Geography, M.A. Thesis, Miami University.

O'LOUGHLIN, J.V. (1971) Selected Aspects of the Electoral Geography in Philadelphia, 1906-71 : A Cartographic and Multivariate Analysis. M.A. Thesis, Penn. State University.

PAL, S. (1972) Indian Elections since Independence. Election Archives, New Delhi

PALMER, M.D. (1975) Elections and Political Development : The South Asian Experience, Vikas, New Delhi.

PATTABHIRAM, M. Editor (1967) General Elections in India - An Exhaustive Study of Main Political Trends. Allied Publishers, New Delhi

PATTON, O.C. (1975) Spatial Dimensions in Electoral Development : The Case of Columbia. Ph.D. Thesis, North Carolina University, Chapel Hill.

PELLING, H. (1967) The Social Geography of British Elections. 1885-1910. Macmillan, London.

PHILLIPS, C.H., editor (1963) Politics and Society in India. George Allan and Unwin, London.

POMPER, G.M. (1968) Elections in American-Control and influence in Democratic Politics. New York.

POMPER, G.M. (1976) Voter's Choice. Light and Life Publishers, New Delhi.

PRASAD, R.C. (1976) The Mature Electorate. Ashish, New Delhi.

PRESCOTT, H.R.V. (1959) 'The functions and Methods of electoral geography', Annals of the Association of American Geographers, 49, 296-304.

PRESCOTT, J.R.V. (1969) 'Electoral studies in political Geography', in Kasperson, R.E. and Minghi J.V. (editors). The Structure of Political Geography. Aldin Press, Chivago, 376-83.

PRESCOTT, J.R.V. (1972) Political Geography, Methuen, London.

RAJASTHAN UNIVERSITY LIBRARY (1966) : A Select Bibliography on Electoral and Party Behaviour in India. University of Rajasthan, Jaipur.

RANNEY, A. (1962) 'The Utility and limitation of aggregate data in the study of electoral behaviour in A.Ranney, Essays on the Behavioural Study of Politics. University of Illinois Press.

RANNEY, A. (1976) 'Review article : thirty years of psepology', British Journal of Political Science, 6, 217-30.

REEVES, P.D., GRAHAM, B.D. and GOODMAN, J.M. (1975) Elections in Uttar Pradesh : 1929-1951. Manohar, Delhi.

REYNOLDS, D.N. (1969a) 'A friends-and neighbours voting model as a spatial interactional model for electoral geography', in Cox, K.N., and Colledge, R.G. (editors), Behavioural Problems in Geography. North-Western Studies in Geography, 17, North-Western University, Evanston, 81-100.

REYNOLDS, D.R. (1969b) 'A spatial model for analysing voting behaviour', Acta Sociologica, 12, 122-30.

REYNOLDS, E.R., and ARCHER, J.C. (1969) An Inquiry into the Spatial Basis of Electoral Geography. Department of Geography, University of Iowa, Discussion Paper No. 11.

REYNOLDS, H.T. (1974) Politics and the Common Man. Dorsey Press, Illinois.

RICE, S.A. (1928) Qualitative Methods in Politics. Alfred A. Knof, New York.

ROBERTS, M.C., and RUMAGE, K.W. (1965) 'The spatial variations in urban left-wing voting in England and Wales in 1951'. Annals of the Association of

American Geographers, 55, 161-78

ROBINSON, A.H., and SALE, R.D. (1969) Elements of Cartography. John Wiley, New York.

ROKKAN, S., and NEYRIAT, J. (1969) International Guide to Electoral Statistics, Mouton, Paris.

ROSS, R. editor (1974) Electoral Behaviour : A comparative Handbook. The Free Press, New York.

ROWLEY, G. (1965) 'The Greater London Elections of 1964 : Some geographical considerations'. Tijdeshrift voor Economische on Social Geografie, 56, 113-14.

ROWLEY, G. (1969) 'Electoral behaviour and electoral behaviour : a note on certain recent developments in electoral geography. Professional Geographer, 21 (6), 398-400.

ROWLEY, G. (1970) 'Elections and Population change', Area, 3, 13-18.

ROWLEY, G. (1971) 'The Greater London Council elections of 1964 and 1967 a study in electoral geography', Transactions, Institute of British Geographers, 53, 117-32.

ROWLEY, G. (1975a) 'The redistribution of parliamentary seats in the U.K. : themes and opinions', Area, 7, 16-21.

ROWLEY, G. (1975b) 'Parliamentary seat redistribution elaborated, Area, 7, 279-81.

RUMAGE, K.E. (1960) 'Some spatial characteristics of the republican and democratic presidential vote in Iowa, 1900-1956', Iowa Business Digest.

ROWLEDY, D., and MINTHI, J.V. (1977) 'A geographical framework for the study of the stability and change of urban electoral patterns', Tijdsohrift voor Economiche on social Goegrafia. 68(3).

SHRRERAM CHANDRADASA (1970) 'ORISSA' Publication Division Ministry of Information and Broadcasting.

SCAMMON, R.N. et. al. (1970) The Real Majority. Coward-McCan, New York.

SCHOFIELD, A.N. (1959) Parliamentary Elections. Shaw and Sons, London.

SEGAL, D.R., and MEYER, M.W. (1969) 'The social context of political partisanship', in Dogan, M. and Rokkan, S. (editors) Quantitative Ecological Analysis in the social Sciences. M.I.T. Press, Cambridge, 217-32.

SHAFFER, W.R. (1972) Computer Simulations of Voting Behaviour. Oxford University Press, New York.

SHARMA, J.C. (1982) The Geography of Political Choice in Punjab (1952-77) - An Ecological Analysis of Patterns and Trends of Electoral Behaviour based on aggregate data for Elections to the State Assembly Ph.D. thesis, Geog. Dept. Punjab University, Patiala.

SHARMA, M. (1972) 'Pattern of party competitiveness : a case study of Uttar Pradesh up to 1976', Indian Journal of Political Science, 33(1) 75-98.

SHETH, P.N. (1973) 'Indian electoral behaviour : patterns of continuity and change', Indian Journal of Political Science, 34(2).

SIEGFRIED, A. (1913) Geographic electoral de l' Ardechs. Paris.

SINGH, C.P. (1981a) 'Geography and Electoral Studies', Transactions of the Institute of Indian Geographers 3(1) 81-87.

SINGH, C.P. (1981b) Indian Electoral Geography : Some Methodological Aspects (Short Communication) Annals of NAGI, 1,2, pp. 105-8,

SINHA, M.(1977) Electoral Geography of India with Referrence to Parliamentary Elections of 1971. D.Phil. Thesis, Department of Geography, Allahabad University.

SIRSIKAR, V.M. (1962) (The study of voting behaviour in India : limitations and problems'. Political Science Review, 2(1), 54-59.

SIRSIKAR, V.N. (1973) Sovereigns Without Crowns - A Behavioural Analysis of the Indian Electoral Process. Popular Prakashan, Bombay.

SMITH, D.E. (1960) Elections in Developing Countries, St.Martin's Press, New York.

SMITH, Geoffrey A. (1965) An Electoral Geography of South Lancashire and North Cheshire. Unpublished M.A. Thesis, Department of Geography, University of Nothinghan.

SORAUF, F.J. (1972) Party Politics in America. Little, Brown Company, Boston.

SRIVASTAVA, M.K. (1979) A Statistical Package of Computer Programms (Unpublished)

SRIVASTAVA, M.K.(1982) Electoral Geography of an Indian

State Space - Time Sociological Models of Congress Support in Uttar Pradesh. Atul Dissertations, Allahabad.

STAILLS, Ann (1961) Some Invesitations of the voting Patterns ofCincinati, Ohio, 1928 to 1960 Master's thesis. Clark University, Worcestor, Massachusetts.

STECENOUWER, J. (1967) 'Long term ecological analysis of electoral statistics in Denmark', Scandinavian Political Studies. 2, 94-116.

SUGALLS, C.I. (1973) Spatial Change in Post-war Southern Republican Voting Responses. Ph.D. Thesis, Michigan University.

TATE, C.N. (1974) 'Individual and conctextual variables in British Voting behaviour : an exploratory note', American Political Science Review, 68, 1956-62.

TAYLOR, A.H. (1973a) 'Journey time, perceived distance and electoral turnout - Victoria ward, Swansea', Area, 5, 59-62.

TAYLOR, A.H. (1973b) 'Variations in the relationship between class and voting in England, 1950 to 1970', Tijdschrift voor Economische an social Geografic, 64, 164-8.

TAYLOR, P.J. (1973) 'Some implications of the spatial organization of elections', Transactions, Institute of British Geographers, 60, 121-36.

TAYLOR, P.J. and JOHNSTON, R.J. (1979) Geography of Elections. Croom Helm, London.

THORBURN, Hugh C. (1963) ed. Party Politics in Canada. Prentice Hall, Toronto.

TIWARI, V.K. (1982) Lok Sabha Elections in Andhra Pradesh 1952-77 : A Study in Electoral Geography. D.Phil. thesis, dept. of Geography, Allahabad University Allahabad.

TUFTE, E.R. (1973) 'The relationship between seats and votes in two party systems', American Political Science Review, 67, 540-54.

VANDUZER, N.F. (1962) An Analysis of the Difference in Republican Presidential Vote in Cities and Their Suburbs. Ph.D. Thesis. Iowa State University, Iowa.

VERMA, S. et.al. (1971) The Models of Democfatic Participation : A Cross-national Comparison. Sage Publication Beverly Hills, California.

VERMA, S.P. et al. (1973) et al. (1973) Voting Behaviour in a Changing Society, National, New Delhi.

WARNTZ, W. (1959) Towares a Geography of Price - A Study in Geo-econometrics. University of Pennylvania Press.

WIENER, M. (1957) Party Politics in India - The development of a Multi-party system. Princeton University Press.

WEINER, M. (1967) Party Building in a New Nation - The Indian National Congress. The University of Chicago Press, Chicago.

WEINER, M. (1978) India at the polls - The Parliamentary Election of 1977. American Enterprise Institute for Public Policy Research, Washington, D.C.

WEINER, W. and KOTHARI, W. editors (1963) Indian Voting Behaviour. Mukhopadhyaya, Calcutta.

WELSH, W.A. (1977) Studying Politics. Praeger Publishers, New York.

WOLFINGER, R.E. (1965) 'The development and persistance of ethnic voting'. American Political Science Review 59 (4) 896-908.

WOLPERT, J. (1964) 'The decision process in spatial context'. Annals of the Association of American Geographers, 54 (4), 537-558.

WRIGHT, C.C. (1977) 'Contextual models of electoral behaviour : the southern wallace vote'. American Political Science Review. 71, 497-508.

WRIGHT, J.K. (1932) 'Voting habits in the United States'. Geographical Review, 22, 266-72.

WRONG, Dennis H. (1957) 'The pattern of Party Voting in Canada, Public Opinion Quarterly, 21, 252-264.

ZAIDI, A.M. (1974) The Annual Register of Indian Political Parties. Michico and Panjathan, New Delhi.

शब्दावली

अन्तर्वेशन	Interpolation
अनावलम्बित	Orthogonal
अनावास	Non-Residence
अनुपातमापक	Ratio-Scale
अप्रसमता	Non-Normality
अभिज्ञान	Indentification
अवलम्बित	Dependent
अवस्थितकी विश्लेषण	Locational Analysis
आइगेवमान	Eigen-Value
आंकलित	Estimated
आंकलन	Estimation
आगम समूह विश्लेषण	Aggregate Analysis
आवन्टन	Allocation
आंशिक	Net
औसत उच्चता विधि	Mean Elevation Method
केन्द्रक विधि	Centroid Method
कालिक सन्दर्श	Temporal Dimension
क्रमागत	Continued
घटक	Component
निरपेक्ष वितरण	Absalute Distribution
निगमनात्मक	Deductive
प्रकाशित, मौलिक	Archival
प्रभव स्थानान्तरण	Potential Transformation
प्रसमता	Normality
प्रवृत्ति तल विश्लेषण	Trend Surface Analysis

प्रमिमान	Model
प्रसार	Extension
प्रसरण	Variance
व्याख्याति	Explained
भारण	Loadings
वैधमतदान	Valid Votes
मानकलब्धि	Standardised Score
मानक त्रुटि	Standard Error
विचलन	Deviation
स्थानिक वितरण	Spatial Distfibution
समाश्रयण	Regression
समूह	Set
सह-सम्बन्ध	Correlation
संयुक्त	Multiple
सकेन्द्रण	Concentration
स्वतन्त्रतांक	Detree of Freedom
अवशेष	Residual